# गॉल्सवर्दी
के
# तीन नाटक

•

# गॉल्सवर्दी
के
# तीन नाटक

[ चाँदी की डिबिया, न्याय, हड़ताल ]

अनुवादक

प्रेमचद

सरस्वती प्रेस

इलाहाबाद दिल्ली

सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद
प्रथम संस्करण १९७४

मूल्य पच्चीस रुपए

कामेश्वर नाथ भार्गव द्वारा सुपरफाइन प्रिंटर्स
१-सी० बाई का बाग़, इलाहाबाद-३ से मुद्रित

# अनुक्रम

•

# गॉल्सवर्दी के तीन नाटक

# चाँदी की डिबिया

[ जॉन गॉल्सवर्दी के 'सिल्वर बाक्स' का अनुवाद ]

# पात्र सूची

| | |
|---|---|
| जान बार्थिविक | मेम्बर पार्लिमेंट, धनी और लिबरल दल का |
| मिसेज़ बार्थिविक | उनकी स्त्री |
| जैक बार्थिविक | उनका बेटा |
| रोपर | उनका वकील |
| मिसेज़ जोन्स | उनकी नौकरानी |
| मारलो | उनका खिदमतगार |
| ह्वीलर | उनकी खिदमतगारिन |
| जोन्स | मिसेज़ जोन्स का शौहर |
| मिसेज़ सैडन | घर की मालकिन |
| स्नो | जासूस |
| पुलीस मैजिस्ट्रेट | |
| एक अपरिचित स्त्री | |
| दो छोटी अनाथ लडकियाँ | |
| लिवेन्स | उन लडकियो का बाप |
| दारोगा | |
| मैजिस्ट्रेट का क्लार्क | |
| अरदली | |
| पुलीस के सिपाही, क्लाक और अन्य दर्शक | |

समय—वर्त्तमान। पहले दो अको की घटना ईस्टर-ट्युज़डे को होती है। तीसरे अक की घटना ईस्टर-वेंसडे (बुध) को।

अक १ दृश्य पहला—राकिंहम गेट, जान बार्थिविक का भोजनालय
दृश्य दूसरा—वही, दृश्य तीसरा—वही

अक २ दृश्य पहला—जोन्स का घर मरथर स्ट्रीट
दृश्य दूसरा—जान बार्थिविक का भोजनालय

अक ३ दृश्य पहला—लदन का पुलीस कोर्ट

# अंक १

## दृश्य पहला

[ परदा उठता है, और आर्यविक का नए ढंग से सजा हुआ बड़ा खाने का कमरा दिखाई देता है। खिड़की के परदे खिंचे हुए हैं। बिजली की रोशनी हो रही है। एक बड़ी गोल खाने की मेज पर एक तश्तरी रक्खी हुई है, जिसमें ह्विस्की, एक नलकी और एक चाँदी की सिगरेट की डिबिया है। आधी रात गुजर चुकी है।

दरवाजे के बाहर कुछ हलचल सुनाई देती है। दरवाजा झोंके से खुलता है, जैक आर्यविक कमरे में इस तरह आता है, मानो गिर पड़ा हो। वह दरवाजे का कुंडा पकड़कर खड़ा सामने देख रहा है और आनन्द से मुस्कुरा रहा है। वह शाम के कपड़े पहिने हुए है, और वह हैट लगाए हुए है जो तमाशा देखते वक्त लगाई जाती है। उसके हाथ में एक नीले रंग का मखमल का जनाना बटुआ है। उसके लड़कौंधे चेहरे पर ताजगी झलक रही है। डाढ़ी और मूछ मुड़ी हुई है। उसके बाजू पर एक ओवरकोट लटक रहा है। ]

जैक अहा! मैं मजे से घर पहुँच गया। ( विवाद के भाव से ) कौन कहता है, कि मैं बिना मदद के दरवाजा नहीं खोल सकता था ?

[ वह लड़खड़ाता है, बटुए को झुलाता हुआ अन्दर आता है। एक जनाना रूमाल और लाल रेशम की थैली गिर पड़ती है। ]

खूब झाँसा दिया—सभी चीजें गिरी पड़ी हैं। कैसा चकमा दिया है चुड़ैल को, उसका बेग साफ उड़ा लाया। (बटुए को झुलाता है।) खूब झाँसा दिया।

[ चाँदी की डिबिया से एक सिगरेट निकालकर मुह में रख लेता है। ]

उस गधे को कभी कुछ नही दिया।

[ अपनी जेब टटोलता है और एक शिलिंग बाहर निकालता है। वह उसके हाथ से छूटकर गिर पड़ती है, और लुढक जाती है। वह उसे खोजता है। ]

इस शिलिंग का बुरा हो। ( फिर खोजता है ) एहसान को भूलना नीचता है। मगर कुछ भी नही, (वह हँसता है) मैं उससे कह दूँगा कि मेरे पास कुछ भी नही हैं।

[ वह दरवाजे से रगडता हुआ निकलता है, और दालान से होता हुआ, जरा देर में लौट आता है। उसके पीछे-पीछे जोन्स आता है, जो नशे में चूर है। जोन्स की उम्र लगभग तीस साल है। गाल पिचके हुए, आँखों के गिर्द गड्ढे पड़े हुए, कपड़े फटे हुए हैं, वह इस तरह ताकता है जैसे बकार हो और पिछलगुए की भाँति कमरे में आता है। ]

जैक शि, और चाहे जो कुछ करो मगर शोर मत करना। दरवाज़ा बन्द कर दो और थोडी-सी पियो।

[ बडी गम्भीरता से ]

तुमने मुझे दरवाज़ा खोलने में मदद दी—मगर मेरे पास कुछ ह नही। यह मेरा घर है, मेरे बाप का नाम बार्थिविक ह—वह पार्लिमेंट का मेम्बर ह, उदार-मेम्बर ह। यह मैं तुमसे पहिले ही बता चुका। थोडी-सी पियो।

[ वह शराब ढालता है, और पी जाता है। ]

मुझे नशा नही है, (सोफा पर लटकर) कोई हज़ नही। तुम्हारा क्या नाम ह ? मेरा नाम बार्थिविक ह, मेर बाप का भी यही नाम ह मैं भी लिबरल हूँ।—तुम क्या हो ?

जोन्स (भारी तेज़ आवाज़ में) मैं तो पक्का 'अनुदार' हूँ। मेरा नाम ह जोन्स। मेरी बीवी यहाँ काम करती ह, वह मज़दूरना है यहाँ काम करती हैं।

जैक जोन्स ? (हँसता है) एक दूसरा जोन्स मेरे कॉलिज में पढ़ता ह। मैं खुद साम्यवादी नही हूँ। मैं लिबरल हूँ।—दोनो में बहुत कम अन्तर ह। क्योंकि लिबरल दल के सिद्धान्त ही ये ह। हम सब कानून के सामने

बराबर है—बेहूदी बात है, बिलकुल वाहियात, (हँसता है) मैं क्या कहने जा रहा था। मुझे थोड़ी-सी ह्विस्की दो।

[ जोन्स उसे ह्विस्की देता है, और नलकी से पानी का छींटा मारता है। ]

मैं तुमसे यह कहने जा रहा था, कि मेरी उससे तकरार हो गई। ( बटुए को झुलाता है ) थोड़ी-सी पीलो जोन्स—तुम्हारे बगैर यह काम ही न हो सकता—इसी से मैं तुम्हें मिला रहा हूँ। अगर कोई जान भी जाय, कि मैंने उसके रुपये उड़ा दिए, तो क्या करता। चुडल ! (सोफा पर पैर रख लेता है।) शोर मत करो और जो चाहे सो करो। शराब उँडेलो और खूब डटकर पियो। सिगरेट लो, जो चाहे सो लो। तुम्हारे बगैर वह हरगिज न फँसती। (आँखें बन्द करके) तुम टोरी हो, मैं खुद लिबरल हूँ, थोड़ी-सी पियो—मैं बड़ा बांका आदमी हूँ।

[ उसका सिर पीछे की तरफ लटक जाता है, वह मुसकुराता हुआ सो जाता है, और जोन्स खड़ा होकर उसकी तरफ ताकता है, तब जैक के हाथ से गिलास छीनकर पी जाता है। वह बटुए को जैक की कमीज के सामने से उठा लेता है। उसे रोशनी में देखता है और सूंघता है। ]

जोन्स आज किसी अच्छे आदमी का मुंह देखकर उठा था।

[ जैक के सामने की जेब में उसे ठूस देता है। ]

जैक (बड़बड़ाता हुआ) चुडल ! कैसा चकमा दिया।

[ जैक चारों तरफ कनखियों से देखता है, वह ह्विस्की उँडेल कर पी जाता है, तब चाँदी की डिबिया से एक सिगरेट निकालकर दो-एक दम लगाता है और ह्विस्की पीता है। फिर उसे बिलकुल होश नहीं रहता। ]

जोन्स बड़ी अच्छी अच्छी चीजें जमा की हैं।

[ वह जमीन पर पड़ी हुई लाल थैली को देखता है। ]

ह माल बढ़िया।

[ वह उसे उँगली से छूता है, किश्ती में रख देता है और जैक की तरफ ताकता है। ]

ह मोटा आसामी।

[ वह आईने में अपनी सूरत देखता है। अपने हाथ उठाकर

और उँगलियों को फैलाकर वह उसकी तरफ झुकता है, तब फिर मुट्ठी बाँधकर जैक की तरफ ताकता है, मानो नींद में उसके मुसकुराते हुए चेहरे पर घूसा मारना चाहता है। एकाएक वह बाकी बची हुई ह्विस्की ग्लास में उँडेलता है और पी जाता है। तब कपट-मयी हृप के साथ वह चाँदी की डिबिया और थैली उठाकर जेब में रख लेता है।]

बचा, मैं तुम्हें चरका दूँगा। इस फेर मे न रहना।

[गुरगुराती हुई हँसी के साथ वह दरवाज़े की ओर लड़खड़ाता हुआ जाता है। उसका कंधा स्विच से टकरा जाता है, रोशनी बुझ जाती है। किसी बंद होते हुए दरवाज़े की आवाज़ सुनाई देती है।]

[परदा गिरता है।]

[परदा फिर तुरन्त उठता है।]

## दृश्य दूसरा

[बार्थविक का खाने का कमरा। जैक अभी तक सोया हुआ है। सुबह की रोशनी परदों से होकर आ रही है। समय साढ़े आठ बजे का है। व्हीलर जो एक फुर्तीली औरत है, कूड़े की टोकरी लिये आती है। और मिसेज जोन्स आहिस्ता-आहिस्ता कोयले की टोकरी लिये दाखिल होती है।]

व्हीलर (परदा उठाकर) जब तुम कल चली गई, तो वह तुम्हारा निखट्टू शौहर तुम्हारी टोह में चक्कर लगा रहा था। मैं समझती हूँ शराब के लिए तुमसे रुपया माँग रहा था। वह आध घंटे तक यहाँ कोने में पड़ा रहा। जब मैं कल रात को डाक लने गई तो मैंने उसे होटल के बाहर खड़े देखा। अगर तुम्हारी जगह मैं होती, तो कभी उसके साथ न रहती। मैं कभी ऐसे आदमी के साथ न रहती जो मुझ पर हाथ साफ़ करता। मुझसे यह बरदाश्त ही न होता। तुम लड़को को लेकर क्यो नहीं उसे छोड़ देती हो? अगर तुम यह बरदाश्त करती रहोगी तो वह और भी सिर चढ़ जाएगा। मेरी समझ में नही आता,

कि महज़ शादी कर लेने से कोई आदमी क्यों तुम्हें दिक करे।

मिसेज़ जोन्स (काली आँखें और काले बाल, चेहरा अण्डाकार, आवाज़ चिकनी, नम और मीठी। सूरत से सहनशील मालूम होती है। उदासी से बातें करती है। वह नीले रंग का कपड़ा पहिने हुए है और उसके जूते में सूराख़ है।) वह आधी रात को घर आया और अपने होश में न था। उसने मुझे जगाया और पीटने लगा। उसे सिर पैर की कुछ खबर ही नही मालूम होती थी। मैं उसे छोड़ना तो चाहती हूँ, मगर डरती हूँ, न मालूम मेरे साथ क्या करे। जब वह नशे में होता है, तो उसके क्रोध का वारापार नही रहता।

व्हीलर तुम उसे कैद क्यो नही करा देती? जब तक तुम उसे बड़े घर न पहुँचा दोगी, तुम्हें चैन न मिलेगा। अगर मैं तुम्हारी जगह होती, तो कल ही पुलिस में इत्तला दे देती। वह भी समझता कि किसी से पाला पड़ा था।

मिसेज़ जोन्स हाँ, मुझे जाना तो चाहिए, क्योंकि जब वह नशे मे होता है तो मेरे साथ बुरी तरह पेश आता है। लेकिन बहिन! बात यह है कि उन्हें आजकल बड़ा कष्ट है—दो महीने से घर बैठे हुए हैं। और यही फिक्र उसे सता रही है। जब कही मजूरी मिल जाती है, तब वह इतना उजड्डपन नही करते। जब ठाले बैठते है तभी उनके सिर भूत सवार होता है।

व्हीलर अगर तुम हाथ पैर न हिलाओगी, तो उससे गला न छूटेगा।

मिसेज़ जोन्स अब यह दुर्गति नही सही जाती, मुझे रात रात भर जागते गुजर जाती है। और यह भी नही कि कुछ कमा कर लाता हो, क्योंकि घर का सारा बोझ मेरे सिर है। ऐसी ऐसी गालियाँ देता है, क्या कहूँ। कहता है कि तू शोहदो को साथ लिये फिरती है। बिलकुल झूठी बात है, मुझसे कोई आदमी नही बोलता। हाँ, वह खुद औरतो के पीछे पड़ा रहता है। उसकी इन्ही सब बातो से मेरा जी जला करता है। मुझे धमकाता है, कि अगर तुमने मुझे छोड़ा तो सिर काट लूगा। यह सब शराब और चिन्ता का फल है। हाँ, या आदमी वह बुरा नही है। कभी-कभी वह मुझसे मीठी-मीठी बातें करता है, लेकिन मैंने उसके हाथो इतने दुःख भोगे है कि उसकी मीठी बाते भी बुरी लगती है। मैं तो उसकी बातो का जवाब तक नही देती। जब नशे में नही होता, तो लड़कों से भी प्रेम करता है।

व्हीलर तुम्हारा मतलब है, जब वह नशे मे होता है ?

मिसेज़ जोन्स हाँ। (उसी स्वर में) वह छोटे साहब सोफा पर सोए हुए हैं।

[ दोनों चुपचाप जैक की तरफ ताकती हैं ]

मिसेज़ जोन्स (नम आवाज़ में) मालूम होता है, नशे में है।

व्हीलर शाहदा है, शोहदा मुझे विश्वास है, कि तुम्हारे शौहर की तरह इसने भी रात का पी थी। इसकी बेकारी एक दूसरी तरह की है, जिसमें पीने ही की सूझती है। जाकर मारलो से कह आऊँ, यह उसका काम है। ( वह चली जाती है। )

[ मिसेज़ जोन्स झुककर धीरे धीरे झाड़ू देने लगती है। ]

जैक (जागकर) कौन है ? क्या बात है ?

मिसेज़ जोन्स मैं हूँ सरकार, मिसेज़ जोन्स।

जैक (उठ बैठता है, और चारों तरफ ताकता है।) मैं कहाँ हूँ ? क्या वक्त है ?

मिसेज़ जोन्स नौ का अमल होगा हुज़ूर। नौ।

जैक नौ ? क्यों ? क्या ?

[ उठकर जबान चलाता है और सिर पर हाथ फेरकर मिसेज़ जोन्स की तरफ घूरकर देखता है। ]

देखो, तुम मिसेज़ जोन्स, यह न कहना कि तुमने मुझे यहाँ सोते पाया।

मिसेज़ जोन्स न कहूँगी, न कहूँगी सरकार।

जैक इत्तफाक की बात है। मुझे याद नहीं आता कि मैं यहाँ कैसे सो गया। शायद चारपाई पर जाना भूल गया। अजीब बात है। मारे दर्द के सिर फटा जाता है। देखो मिसेज़ जोन्स, किसी से कुछ कहना मत।

[ बाहर जाता है, ड्योढ़ी में मारलो से मुठभेड़ होती है। मारलो जवान और गम्भीर है। उसका दाढ़ी-मूछ साफ है, और बाल माथे की तरफ से कंघी करके मुर्गे की कलगी की तरह ऊपर उठा दिए गए हैं। है तो वह खानसामा, लेकिन अच्छे चाल-चलन का आदमी है। वह मिसेज़ जोन्स को देखता है, और ओंठ दबाकर मुसकुराता है। ]

मारलो पहिली बार नहीं पी हैं, और न अंतिम बार ही है। ज़रा कुछ चौंक लाया हुआ मालूम होता था, क्या मिसेज़ जोन्स ?

मिसेज़ जोन्स अपने होश म न थे लेकिन मैंने ध्यान नहीं दिया।

मारलो तुम्हारा तो आन्त पड़ी हुई है। तुम्हारे शौहर का क्या हाल है ?

मिसेज़ जोन्स (नम आवाज़ से) कल रात का तो उनकी हालत अच्छी न थी।

कुछ सिर पैर की खबर ही न थी। बहुत रात गए आए और गालियाँ बकते रहे। लेकिन इस वक्त सो रहे हैं।

मारलो इसी तरह मजदूरी ढूढी जाती ह, क्यो ?

मिसेज़ जोन्स उनकी आदत तो यह ह, कि रोज़ सबेरे काम की तलाश में निकल जाते ह। और कभी-कभी इतने थक जाते हैं कि घर आते ही गिर पडते हैं। भला यह कैसे कहूँ कि वह काम नही खोजते। ज़रूर खोजते हैं। रोजगार मदा है।

[ वह टोकरी और भाड़ू सामने रखे चुपचाप खडी हो जाती है। ज़िन्दगी की अगली पिछली बातें किसी चल दृश्य की भाति उसकी आँखों के सामने आने लगती हैं, और वह उन्हें स्थिर, उदासीन नेत्रों से देखती है। ]

लेकिन मेरे साथ वह बुरी तरह पेश आते हैं। कल रात उन्होने मुझे पीटा और ऐसी-ऐसी गालिया दी कि रोगटे खडे होते हैं।

मारलो बक की छुट्टी थी, क्या ? उसे होटल का चस्का पड गया हैं। यही बात है। मैं उसे रोज़ बडी रात तक कोने में बैठे देखता हूँ। वही फिरा करता है।

मिसेज़ जोन्स काम की खोज म दिन भर दौडते-दौडते बहुत थक जाते हैं। और कही कोई दूसरा रोज़गार भी नही मिलता, इसलिए अगर एक घूट भी पी लेते है, तो सीधे दिमाग पर चढ जाती है। लेकिन जिस तरह वह मेरे साथ पश आते ह, उस तरह अपनी बीवी के साथ न पेश आना चाहिए। कभी-कभी तो वह मुझे घर से निकाल देते हैं। और मैं सारी रात मारी मारी फिरती हूँ। वह मुझे घर में घुसने भी नही देते। पीछे से पछताते है। और वह मेरे पीछे-पीछे लगे रहते है, गलियो म मुझ पर ताक लगाए रहते ह। उन्हें ऐसा न चाहिए, क्योकि मैंने कभी उनके साथ दगा नही की। और मैं उनसे कहती हूँ, कि मिसेज़ बार्थिविक को तुम्हारा आना अच्छा नहीं लगता। लेकिन इस पर उन्हें क्रोध आ जाता ह, और वह अमीरो को गालिया देने लगते हैं। उनकी नौकरी भी इसी वजह से छूटी, कि वह मुझे बुरी तरह सताते थे। तब से वह अमीरो के जानी दुश्मन हो गये हैं। उन्हें देहात में सईसी की अच्छी जगह मिल गई थी। लेकिन जब मुझे मारने-पीटने लगे तो बदनाम हो गए।

मारलो सज़ा हो गई ?

मिसेज जोन्स  हाँ, मालिक ने कहा, मैं ऐसे आदमी को नहीं रक्खूँगा, जिसकी लोग इतनी निन्दा करते हैं। उसने यह भी कहा कि इसकी देखा-देखी और लोग भी ऐसे ही करेंगे। लेकिन यहाँ का काम छोड़ दूँ तो मेरा निबाह न हो। मेरे तीन बच्चे हैं। और मैं नहीं चाहती कि वह मेरे पीछे पीछे गलियों में घूमें और शोर-गुल मचाएँ।

मारलो  (खाली बोतल को ऊपर उठाकर) एक बूँद भी नहीं। अगर अब की तुम्हें मारे तो एक गवाह लेकर सीधे कचहरी चली जाना।

मिसेज जोन्स  हाँ, मैंने ठान लिया है। जरूर जाऊँगी।

मारलो  हूँ! सिगरेट की डिबिया कहाँ है?

[ वह चाँदी की डिबिया ढूँढ़ता है। मिसेज जोन्स की तरफ देखता है जो हाथों और घुटनों के बल झाड़ू दे रही है, वह रुक जाता है और खड़ा खड़ा कुछ सोचने लगता है। वह तश्तरी में से दो अधजले सिगरेट उठा लेता है, और उनके नाम पढ़ता है। ]

मारलो  डिबिया कहाँ चली गई?

[ वह विचारपूर्ण भाव से फिर मिसेज जोन्स को देखता है, और जैक का ओवरकोट लेके जेबें टटोलता है। व्हीलर नाश्ते की तश्तरी लिये आती है। ]

मारलो  (व्हीलर से अलग) तुमने सिगरेट की डिबिया देखी है?

व्हीलर  नहीं।

मारलो  तो वह गायब हो गई। मैंने रात उसे तश्तरी में रख दिया था, और उन्होंने सिगरेट पिया भी (सिगरेट के जले हुए टुकड़े दिखाकर)। इन जेबों में नहीं है। आज ऊपर कब ले गए? जब वह नीचे आयें तो उनके कमरे में खूब तलाश करना। यहाँ कौन-कौन आया था?

व्हीलर  अकेली मैं और मिसेज जोन्स।

मिसेज जोन्स  यह कमरा तो हो गया, क्या बैठक भी साफ कर दूँ?

व्हीलर  (उसे सन्देह से देखकर) तुमने देखा है? पहिले इस छोटी कोठरी को साफ कर दो।

[ मिसेज जोन्स टोकरी और ब्रुश लिये बाहर चली जाती है, मारलो और व्हीलर एक दूसरे के मुँह की ओर ताकते हैं। ]

मारलो  पता तो चल ही जायगा।

व्हीलर  (हिचकिचाकर) ऐसा तो नहीं हुआ है कि उसने—

[ द्वार की ओर देखकर सिर हिलाती है। ]

मारलो (दृढ़ता से) नही, मैं किसी पर सन्देह नही करता।

ह्वीलर लेकिन मालिक से तो कहना ही पड़ेगा।

मारलो ज़रा ठहरो, शायद मिल ही जाय, हमें किसी पर सन्देह न करना चाहिए। यह बात मुझे पसन्द नही।

[ परदा गिरता है। ]

[ तुरन्त ही फिर परदा उठता है। ]

## दृश्य तीसरा

[ बार्थविक और मिसेज़ बार्थविक मेज़ पर बैठे नाश्ता कर रहे हैं, पति की उम्र ५० और ६० के बीच में है। चेहरे से ऐसा मालूम होता है कि अपने को कुछ समझता है। सिर गंजा है, आंखो पर ऐनक है, और हाथ में टाइम्स पत्र है। स्त्री की उम्र ५० के लगभग होगी। अच्छे कपड़े पहिने हुए हैं। बाल खिचड़ी हो गए हैं। चेहरा सुन्दर है, मुंह्रा वृढ है। दोनों आमने-सामने बैठे हैं। ]

बार्थविक (पत्र के पीछे से) बानसाइड के बाई इलेक्शन में मजूर दल का आदमी आ गया प्रिये।

मिसेज़ बार्थविक मजूर दल का दूसरा आदमी आ गया। समझ में नही आता लोग क्या करने पर तुले हुए हैं।

बार्थविक मैंने तो पहिले ही कहा था। मगर इससे होता क्या है।

मिसेज़ बार्थविक वाह! तुम इन बातो को इतनी तुच्छ क्यो समझते हो। मेरे लिए तो यह आफत से कम नही। और तुम और तुम्हारे लिबरल भाई इन आदमियो को और शह देते हैं।

बार्थविक (भौंहें चढ़ाकर) सब दलो के प्रतिनिधियो का होना उचित सुधार के लिए ज़रूरी ह।

मिसेज़ बार्थविक तुम्हारे सुधार की बात सुनकर मेरा जी जल उठता है। समाज सुधार की सारी बातें पागलो की सी हैं। हम खूब जानते ह कि उनका क्या मशा है। वे सब कुछ अपने लिए चाहते हैं। ये साम्यवादी और मजूर दल के लोग परले सिरे के मतलबी ह न उनमें

देश भक्ति ह । मे सब ऊँचे दरजे मे लाग हैं । वे भी यही चाहते ह, जो हमारे पास मौजूद हैं ।

वार्थिविक जा हमारे पास ह वह चाहने है । (आकाश को ग्रोर देखता है ।) तुम क्या कहती हा प्रिये ? (मुह बनाकर) मैं कान के लिए कौवे के पीछे दौडने वाला मे नही हूँ ।

मिसेज वार्थिविक मलाई दूँ ? सबके सब बोरसन ह । दखते जाव, थाड दिनो में हमारी पूजी पर टैक्स लगेगा । मुझे तो विश्वास है कि वह हर एक चीज पर कर लगा दग । उन्हें दश का तो कोई खयाल ही नही । तुम लिबरल और कजरवेटिव सब एक से हा । तुम्हें नाक के आग ता कुछ दिखाई ही नही दता । तुममें जरा भी विचार नहीं ह । तुम्ह चाहिए कि आपस म मिल जाव, और इस झँखुए का ही उग्वाड दा ।

वार्थिविक बिलकुल वाहियात बक रही हो । यह कैसे हा सकता ह कि लिबरल और कजरवेटिव मिल जायें । इससे मालूम होता ह कि औरतो क लिए यह कितनी—लिबरला का सिद्धान्त ही यह ह कि जनता पर विश्वास किया जाय ।

मिसेज वार्थिविक चुपके से नाश्ता करा, जान, मानो तुममें और कजरवेटिवो में बडा भारा फर्क है । सभी बडे आदमिया क एक ही सिद्धान्त और एक ही स्वार्थ हाते हैं ।

[ शान्त हाकर ]

उफ ! तुम ज्वालामुखी पर बैठ हा जान ।

वार्थिविक क्या ?

मिसेज वार्थिविक मैंने कल पत्र में एक चिट्ठी पढी थी, उस आदमी का नाम भूलती हूँ, लेकिन उसने सारी बातें खोलकर रख दी थी । तुम लोग किसी बात की असलियत नही समझते थे ।

वार्थिविक हूँ । ठीक ह । (भारी स्वर से) मैं लिबरल हूँ, इस विषय को छाडा ।

मिसेज़ वार्थिविक टोस्ट दूँ ? मैं इस आदमी के विचारा म सहमत हूँ । शिक्षा, नीची श्रेणी के आदमियों को चौपट कर रहा है । इससे उनका सिर फिर जाना ह, और यह सभी के लिये हानिकर ह । मैं नौकरो के रग-ढग में अब वह बात ही नही पाती ।

वार्थिविक (कुछ सन्देह के साथ) अगर तबदीली से कोई अच्छी बात पैदा हो

जाय, तो मैं उसका स्वागत करने को तैयार हूँ। (एक खत खोलता है) अच्छा, मास्टर जैक का कोई नया मामला है, 'हाई स्ट्रीट, आक्सफोर्ड। महाशय, हमारे पास मि० जान बार्थिविक की ४० पाउंड की हुण्डी आयी है। अच्छा यह खत उसके नाम है। 'हम अब इस चेक को भेजते हैं, जो आपने हमारे यहां भुनाया था, पर जैसा मैं अपने पहले पत्र में लिख चुका हूँ, जब वह आपके बैंक में भेजा गया तो उन लोगों ने उसे नहीं सकारा। भवदीय, मास एण्ड सन्स, टेलर्स।' खूब। (चेक को ध्यान से देखकर) है मजेदार बात। इस लौंडे पर तो मुकदमा चल सकता है।

मिसेज बार्थिविक जाने भी दो जान, जैक की नीयत बुरी न थी। उसने यही समझा होगा कि मैं कुछ रुपये ऊपर ले रहा हूँ। मेरा अब भी यही खयाल है कि बैंक को वह चेक भुना देना चाहिए था। उन लोगों को मालूम होगा कि तुम्हारी कितनी साख है।

बार्थिविक *(पत्र और चेक को फिर लिफाफे में रखकर)* अदालत में लाला की आँखें खुल जातीं।

**[ जैक आ जाता है। उसे देखते ही वह चुप हो जाता है, वास्केट के बटन बन्द कर लेता है। ठुड्डी पर अस्तुरा लग गया है। उसे दबा लेता है। ]**

जैक (उन दोनों के बीच में बैठकर और प्रसन्न मुख बनने की इच्छा करके) खेद है मुझे देर हो गई। (प्यालों को अरुचि से देखकर) अम्मा, मुझे तो चाय दीजिए। मेरे नाम का कोई खत है ?

**[ बार्थिविक इसे खत दे देता है ]**

यह क्या बात है, इसे खोल किसने डाला ? मैं आप से कह चुका मेरे खत

बार्थिविक (लिफाफे को छूकर) मेरा खयाल है यह मेरा ही नाम है।

जैक (खिन्न होकर) आप ही का नाम तो मेरा भी नाम है। इसे मैं क्या करूँ।

**[ खत पढ़ता है और बड़बड़ाता है ]**

बदमाश !

बार्थिविक (उसे देखकर) तुम इतने सस्ते छूटने के लायक नहीं हो।

जैक क्या अभी आप मुझे काफी नहीं कोस चुके।

मिसेज बार्थिविक क्या उसे दिक करते हो जान ! कुछ नाश्ता कर लेने दो।

बार्थिविक अगर मैं न होता तो जानते हो तुम्हारी क्या दशा होती ? यह संयोग

की बात है—मान लो तुम किसी गरीब आदमी या क्लाक के बेटे होते। ऐसा चेक भुनाना जिसे तुम जानते हो कि चल न सकेगा, क्या कोई मामूली बात है। तुम्हारी सारी ज़िंदगी बिगड जाती। अगर तुम्हारे यही ढग ह तो ईश्वर ही मालिक ह। मैं तो ऐसी बातों से हमेशा दूर रहा।

जेक आपके हाथ में हमेशा रुपए रहते होगे। अगर आपके पास रुपए का ढेर हो तो फिर इसकी ज़रूरत—

जान मेरी हालत ठीक इसकी उलटी थी। मेरा बाप कभी मुझे काफ़ी रुपए न देता था।

जैक आपको कितना मिलता था?

जान इसमें कोई सार नही। सवाल ह, क्या तुम अनुभव करते हो कि तुमने कितना बडा अपराध किया ह।

जैक यह सब मैं कुछ नही जानता। हाँ, अगर आपका खयाल है कि मैंने बेजा किया तो मुझे दु ख है। मैं तो यह पहले ही कह चुका। अगर मैं पैसे-पैसे को मुहताज न होता तो कभी ऐसा काम न करता।

बार्थिविक चालीस पौण्ड में से अब कितने बचे रहे?

जैक (हिचकता हुआ) ठीक याद नही मगर ज्यादा नही ह।

बार्थिविक आखिर कितना?

जैक (उद्दण्डता से) एक पैसा भी नही बचा।

बार्थिविक क्या?

जैक मारे दद के सिर फटा जाता है।

[ अपने हाथ पर सिर झुका लेता है ]

मिसेज़ बार्थिविक सिर में दद कब से होने लगा बेटा? कुछ नाश्ता तो कर लो।

जैक (साँस खींचकर) बडा दद हो रहा ह।

मिसेज़ बार्थिविक क्या उपाय करूँ? मेरे साथ आओ बेटा। मैं तुम्हें ऐसी चीज खिला दूँगी कि सारा दद तुरन्त जाता रहेगा।

[ दोनों कमरे से चल जाते हैं, और बार्थिविक खत को फाड कर अँगेठी में डाल देता है। इतने में मारलो आ जाता है और चारों ओर आखें दौडाकर जाना चाहता है। ]

बार्थिविक क्या है मारलो? क्या खोज रहे हो?

मारलो मि० जान को देख रहा था।

बार्थिविक मि० जान से क्या काम है ?

मारलो मैंने समझा शायद यहाँ हो।

बार्थिविक (सन्देह के भाव से) हाँ, लेकिन उनसे तुम्हें काम क्या है ?

मारलो (लापरवाही से) एक औरत आई है। कहती है उनसे कुछ कहना चाहती हूँ।

बार्थिविक औरत ! इतने सबेरे ! कैसी औरत है ?

मारलो (स्वर से बिना कोई भाव प्रकट किए हुए) कह नही सकता हुजूर। कोई खास बात नही। मुमकिन है कुछ मागने आई हो। मेरा खयाल है कोई खैरात माँगने वाली है।

बार्थिविक क्या उन औरतों के से कपडे पहने है ?

मारलो जी नही, मामूली कपडे पहने है।

बार्थिविक कुछ मागना चाहती है ?

मारलो जी नही।

बार्थिविक तुम उसे वहाँ छोड आए हो ?

मारलो बडे कमरे में हुजूर।

बार्थिविक बडे कमरे में। तुम कैसे जानते हो कि वह चोरनी नही है ? घर की कुछ टोह लेने आई हो ?

मारलो मुझे ऐसी तो नही मालूम होती।

बार्थिविक खैर, यहा लाओ। मैं खुद उससे मिलूगा।

[ मारलो चुपके से सिर हिलाकर भय प्रकट करता चला जाता है। जरा देर में एक पीले मुख की युवती को साथ लिये लौटता है। उसकी आखें काली हैं, चेहरा सुन्दर, कपडे तरहदार हैं, और काले रग के। लकिन कुछ फूहड है। सिर पर एक काली टोपी है जिस पर सुफेद किनारी है। उस पर परमा के बैंजनी फूलों का एक गुच्छा बेढगेपन से लगा हुआ है। मि० बार्थिविक को देखकर वह हक्का बक्का हो जाती है। मारलो चला जाता है। ]

अपरिचित स्त्री अरे ! क्षमा कीजिएगा। कुछ भूल हो गई है।

[ वह जाने के लिए घूमती है। ]

बार्थिविक आप किससे मिलना चाहती हैं श्रीमती जी ?

अपरिचित (रुककर और पीछे की ओर देखकर) मैं मि० जान बार्थिविक से मिलना चाहती थी।

बार्थिविक जान बार्थिविक तो मेरा ही नाम है श्रीमती जी। मैं आपकी क्या

सेवा कर सकता हूँ ?

अपरिचित जी—मैं यह नही

[ आँखें झुका लेती है। वार्थिविक उसे ध्यान से देखता है और ओठों को सिकोड़ता है। ]

वार्थिविक शायद आप मेरे बेटे से मिलना चाहती है ?

अपरिचित (जल्दी से) हाँ-हाँ, यही बात है।

वार्थिविक पूछ सकता हूँ कि मुझे किससे बातें करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है ?

अपरिचित (उसके मुख पर विनय और आग्रह का भाव दिखाई देता है) मेरा नाम है—मगर जरूरत ही क्या है। मैं झमेला नही करना चाहती। मैं जरा एक मिनट के लिये आपके बेटे से मिलना चाहती हूँ।

[ साहस से ]

सच तो यह है कि मेरा उनसे मिलना बहुत जरूरी है।

वार्थिविक (अपनी बेचैनी को दबाकर) मेरे बेटे की तो आज तबीयत कुछ खराब है। अगर जरूरत हो तो मैं आपका काम कर सकता हूँ। आप अपनी जरूरत बयान करें।

अपरिचित जी—लेकिन मेरा उनसे मिलना जरूरी है। मैं इसी इरादे से आयी हूँ। मैं कोई झमेला नही करना चाहती, लेकिन बात यह है—रात को—आपके बेटे ने उड़ा दी—उन्होंने मेरी

[ रुक जाती है ]

वार्थिविक (कठोर स्वर से) हाँ, हाँ, कहिए, क्या ?

अपरिचित वह मेरा—बटुआ उठा ले गए।

वार्थिविक आपका बटु

अपरिचित मुझे बटुए की चिन्ता नही है। उसकी मुझे जरूरत नही। मैं सच कहती हूँ, मेरा इरादा बिलकुल नही है कि कोई झमेला हो।

[ उसका चेहरा काँपने लगता है। ]

लेकिन—लेकिन—मेरे सब रुपए उसी बटुए में थे।

वार्थिविक किस चीज में—किस चीज में ?

अपरिचित मेरे बटुए में एक छोटी सी थैली में रखे हुए थे। लाल रंग की रेशमी थैली थी। सच कहती हूँ मैं न आती—मैं कोई झमेला नही करना चाहती। लेकिन मुझे रुपए मिलने चाहिए, कि नहीं ?

वार्थिविक क्या आपका यह मतलब है कि मेरे बेटे ने—?

अपरिचित जो, समझ लीजिए, वह अपने मेरा यह मतलब कि वह—

बार्थिविक मैं आपका मतलब नहीं समझा।

अपरिचित (अपने पैर पटककर मोहक भाव से मुसकुराती है) आह! आप समझते नहीं—वह पिए हुए थे। मुझसे तकरार हो गई।

बार्थिविक (इसे बेशर्मी की बात समझकर) कैसे? कहा?

अपरिचित (नि शक भाव से) मेरे घर पर। वहा एक दावत थी, और आपके सुपुत्र—

बार्थिविक (घटी बजाकर) मैं पूछ सकता हूँ कि आपको यह घर कसे मालूम हुआ? क्या उसने अपना नाम और पता बतला दिया था?

अपरिचित (नज़र फेरकर) मैंने उनके ओवर कोट से निकाल लिया।

बार्थिविक (ताने की मुस्कुराहट के साथ) अच्छा! आपने उसके ओवर कोट से निकाल लिया। वह इस वक्त इस प्रकाश में आपको पहचान जायगा?

अपरिचित पहचान जायगा? क्या इसमें भी कोई शक है।

[ मारलो आता है ]

बार्थिविक मि० जान से कहो नीचे आवें।

[मारलो चला जाता है और बार्थिविक बेचैन होकर कमरे में टहलने लगता है।]

आपकी और उसकी जान पहचान कितने दिन से है?

अपरिचित केवल—केवल गुडफ्राइडे से।

बार्थिविक मेरी समझ में नहीं आता, मैं फिर कहता हूँ, मेरी समझ में नहीं आता—

[वह अपरिचित स्त्री को कनखियों से देखता है, जो आँखें नीची किए खडी हाथ मल रही है। इतने में जैक आ जाता है। उसे देख कर वह ठिठक जाता है और अपरिचित स्त्री सनकियों की भाँति खिलखिला पडती है। सन्नाटा छा जाता है।]

बार्थिविक (गभीरता से) यह युवती—महिला कहती है कि गई रात को—क्यो श्रीमती जी, गई रात को ही न—तुमने इनकी कोई चीज उठा ली—

अपरिचित (आतुरता से) मेरा बटुआ और मेरे सब रुपए उसी लाल रेशमी थैली में थे।

जैक बटुआ? (इधर-उधर ताकता है कि निकल भागने का मौक़ा कहाँ है) मैं बटुआ क्या जानूं।

बार्थिविक (तेज आवाज में) घबराओ मत। तुम्हें गई रात को इन श्रीमती जी

से मिलने से इनकार है ?

जैक इनकार ! इनकार क्या होने लगा ? (स्त्री से धीमे स्वर में) तुमने मेरा नाम क्यो बतला दिया ? तुम्हारे यहाँ आने की क्या जरूरत थी ?

अपरिचित (आँखों में आँसू भर लाकर) मैं सच कहती हूँ मैं नही चाहती थी —तुमने उसे मेरे हाथ से छीन लिया था। तुम्हें खूब याद होगा—और उस थैली में मेरे सब रुपए थे। मैं रात ही तुम्हारे पीछे आती, लेकिन मैं भम्भड नही मचाना चाहती थी, और देर भी बहुत हो गयी थी—फिर तुम बिल्कुल—

बार्थिविक जाते कहा हो ? बतलाओ क्या माजरा है ?

जैक (चिढकर) मुझे कुछ याद नही। (स्त्री से धीमी आवाज में) तुमने खत क्यो न लिख दिया ?

अपरिचित (नाराज होकर) मुझे रुपयो की अभी इस वक्त जरूरत है—मुझे आज मकान का किराया देना है।

[बार्थिविक की तरफ देखती है]

गरीबो पर सभी दाँत लगाए रहते है।

जैक सचमुच मुझे तो कुछ याद नही। रात की कोई बात मुझे याद नही है।

[सिर पर हाथ रखता है]

बादल-सा छा गया है। और सिर में दद भी जोर का हो रहा ह।

अपरिचित लेकिन आपने रुपये तो लिये थे। यह आप नही भूल सकते। आपने कहा भी था कि कैसा चरका दिया।

जैक खैर, तो यहा होगा। हाँ, अब मुझे कुछ-कुछ याद आ रहा है। मगर मैंने उसे लिया ही क्यो था ?

बार्थिविक हाँ, तुमने लिया ही क्यो, यही तो मैं पछता हूँ ?

[ वह तेजी से खिड़की की तरफ घूम जाता है ]

अपरिचित (मुसकुराकर) तुम अपने होश में न थे, ठीक है न ?

जैक (शम से मुसकुराकर) मुझे बहुत खेद है। लेकिन अब मैं क्या कर सकता हूँ ?

बार्थिविक हाँ, कर सकते हो, तुम उसका रुपया लौटा सकते हो।

जैक मैं जाकर तलाश करता हूँ, लेकिन सचमुच मेरे पास रुपए है नही।

[ वह जल्दी से चला जाता ह, और बार्थिविक एक कुर्सी रख कर उस स्त्री को बैठने का इशारा करता है। तब ओठ सिकोडे हुए

वह खडा हो जाता है और उसे ध्यान से देखता है। वह बैठ जाती है और उसकी तरफ दबी हुई आँख से देखती है। तब वह घूम जाती है और नकाब खीचकर चोरी से अपनी आँखें पोंछती है। इतने में जैक आ जाता है। ]

जैक (खाली बटुए को दिखाता हुआ खिन्न भाव से) यही है न? मैंने चारो तरफ छान डाला थैली कही नही मिलती। तुम्हें ठीक याद ह, वह इस बटुए में थी?

अपरिचित (आँखों में आँसू भरकर) याद? हाँ, खूब याद ह। लाल रग की रेशमी थैली थी। मेरे पास जो कुछ था, सब उसी में था।

जैक मुझे सचमुच बडा दु ख है। सिर में बडा दद हो रहा है। मैंने खिदमतगार से पूछा, लेकिन वह कहता है कि मैंने नही पाया।

अपरिचित मेरे रुपए आपका देने पडेंगे।

जैक ओह! सब तय हो जायगा, मैं सब ठीक कर दूँगा। कितने रुपये थे?

अपरिचित (खिन्न होकर) सात पौंड थे और १२ शिलिंग थे। वही मेरी कुल सपत्ति थी।

जैक सब ठीक हो जायगा। मैं तुम्हें एक चेक भेज दूँगा।

अपरिचित (उत्सुक्ता से) नही साहब, मुझे अभी दे दीजिए, जो कुछ मेरी थैली में था, वह सब दे दीजिए। मुझे आज किराया देना है, वे सब एक दिन के लिए भी न मानेंगे। मैं पहिले ही पन्द्रह दिन पिछड गयी हूँ।

जैक मुझे बहुत दु ख है मैं सच कहता हूँ मेरे जेब में एक कौडी भी नही है।

[ वह दबी आखों से बार्थिविक को देखता है ]

अपरिचित (उत्तेजित होकर) चलिए चलिए, मैं न मानूगी ये मेरे रुपये है और आपने ले लिये हैं। मैं बगैर रुपया लिये घर न जाऊँगी। सब मुझे निकाल देंगे।

जैक (सिर पकडकर) लेकिन जब मेरे पास कुछ ह ही नही तो दूँ क्या? मैं कह नही रहा हूँ कि मेरे पास एक कौडी भी नही ह?

अपरिचित (अपना रूमाल नोचकर) देखिए मुझे टालिए नही।

[ विनय से दोनों हाथ जोड लेती है, तब एकाएक सरोष होकर कहती है। ]

अगर तुम न दोगे, तो मैं दावा कर दूँगी, यह साफ चोरी ह चोरी।

वार्थिविक (बचैनी से) ज़रा ठहर जाइए। न्याय तो यही है कि आपको रुपए दिए जाएँ और मैं इस मामले को तय किए देता हूँ।

[ रुपए निकालकर ]

यह आठ पौण्ड हैं, फ़ाज़िल पैसे थैली की कीमत और गाड़ी का किराया समझ लीजिए। मुझे और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं। धन्यवाद देने की भी कोई ज़रूरत नहीं।

[ घंटी बजाकर वह चुपचाप दरवाज़ा खोल देता है, अपरिचित स्त्री रुपए को बटुए में रख लेती है और जैक की तरफ़ से वार्थिविक को देखती है। उसका मुख पुलकित हो उठता है, वह मुँह अपने हाथ से छिपा लेती है और चुपके से चली जाती है। वार्थिविक दरवाज़ा बन्द कर देता है। ]

वार्थिविक (गम्भीर भाव से) क्यों, कैसी दिल्लगी रही।

जैक (विरक्त भाव से) संयोग की बात।

वार्थिविक इस तरह यह चालीस पौण्ड उड़ गए। पहिले एक बात फिर दूसरी बात। मैं एक बार फिर पूछता हूँ कि अगर मैं न होता, तो तुम्हारी क्या दशा होती? मालूम होता है, तुमने ईमान को ताक पर रख दिया। तुम उन लोगों में हो जो समाज के लिए कलंक हैं। तुम जो कुछ न कर गुज़रो वह थोड़ा है। नहीं मालूम तुम्हारी माँ क्या कहेंगी। जहाँ तक मैं समझता हूँ तुम्हारे इस चलन के लिए कोई उज्र नहीं हो सकता। यह चित्त की दुर्बलता है। अगर किसी ग़रीब आदमी ने यह काम किया होता तो क्या तुम समझते हो, उसके साथ लेशमात्र भी दया की जाती? तुम्हें इसका सबक मिलना चाहिए। तुम और तुम्हारी तरह के और आदमी समाज के लिए विष फैलाने वाले हैं। (क्रोध से) अब फिर कभी मेरे पास मदद के लिए मत आना। तुम इस योग्य नहीं हो कि तुम्हारी मदद की जाय।

जैक (अपने पिता की ओर क्रोध से देखता है, उसके मुह पर लज्जा या पश्चात्ताप का कोई भाव नहीं है।) अच्छी बात है, न आऊँगा। देखूँ आप इसे कहाँ तक पसन्द करते हैं। इस वक्त भी आप ने मेरी मदद न की होती, अगर आप के प्राण इस भय से न सूख जाते कि यह बात पत्रों में छप जाएगी। सिगरेट कहाँ है?

वार्थिविक (बेचैनी से उसे देखकर) ख़ैर, अब मैं कुछ नहीं कहना चाहता।

[ घंटी बजाता है ]

। है ]

था। फिर

के दो टुकड़े
को पिया

।

ई चीज नही

ी खुली तो

।। ]

ाया।
अपनी माँ से
लें, कोई

बार्थिविक  तुम्हारा किसी पर सदेह है ?

मारलो  जी नही ।

बार्थिविक  यह मिसेज जोन्स ? वह यहाँ कितने दिनो से काम कर रही है ?

मारलो  इसी महीने से तो आई है ।

बार्थिविक  कसी औरत है ?

मारलो  मुझे उससे अधिक परिचय नही । देखने मे तो सीधी-सादी शरीफ़ औरत मालूम होती है ।

बार्थिविक  कमरे में आज झाड़ू किसने लगाई ?

मारलो  व्हीलर और मिसेज जोन्स ने ।

बार्थिविक  ( अपनी पहली उँगली उठाकर ) अच्छा मिसेज जोन्स किसी वक्त कमरे मे अकेली भी आई थी ?

मारलो  (उसका चेहरा मद्धिम पड जाता है) जी हाँ ।

बार्थिविक  तुम्हे कैसे मालूम ?

मारलो  (अनिच्छा के भाव से) मैंने उसे यहाँ देखा ।

बार्थिविक  व्हीलर भी अकेली इस कमरे में आई थी ?

मारलो  जी नही । लेकिन जहाँ तक मं समझता हूँ मिसेज जोन्स बहुत ईमानदार—

बार्थिविक  (हाथ उठाकर) मै यह जानना चाहता हूँ कि मिसेज जोन्स दोपहर तक यहाँ रही ?

मारलो  जी हाँ—नही, नही, वह बावर्ची को तलाश करने तरकारी वाले की दुकान पर गई थी ।

बार्थिविक  ठीक ! वह इस समय घर में है ?

मारलो  जी हाँ, है।

बार्थिविक  बहुत अच्छा । मं इस मामले को साफ करके ही दम लूगा । सिद्धान्त के विचार से यह जरूरी है कि असली चोर का पता लगाया जाय । यह तो समाज सगठन की जड को हिलाने वाली बात ह ?

मारलो  जी हां ।

बार्थिविक  इस मिसेज जान्स की दशा कसी ह ? इसका शौहर कही काम करता है ?

मारलो  काम ता शायद कही नही करता ।

बार्थिविक  बहुत अच्छी बात है । इस विषय में किसी से कुछ मत कहना, व्हीलर से कहो जबान न खोले और मिसेज जोन्स को यहाँ भेजो ।

मारलो  बहुत अच्छा ।

[ मारलो चला जाता है । उसका चेहरा बहुत चिंतित है । बार्थिविक वहीं रहता है । उसका चेहरा न्यायगंभीर और कुछ प्रसन्न है, जैसा जाँच करने वाले मनुष्यों का हो जाता है । मिसेज़ बार्थिविक और जैक आते हैं । ]

वार्थिविक  क्यों प्रिये, तुमने तो डिबिया नही देखी ?

मिसेज़ बार्थिविक  ना ! लेकिन कसी विचित्र बात ह जान । मारलो की तो कोई बात ही नही । खिदमतगारिनो में भी मुझे विश्वास हैं काई नही—हाँ बावर्ची ।

वार्थिविक  अच्छा बावर्ची ?

मिसेज़ बार्थिविक  हाँ । मुझे किसी पर सदेह करने स घृणा हैं ।

वार्थिविक  इस समय मनोभावो का प्रश्न नही, न्याय का प्रश्न ह । नीति की रक्षा ।

मिसेज़ बार्थिविक  अगर मजदूरिनी इसके विषय में कुछ जानती हो, तो मुझे आश्चय न होगा । लोरा ने उसकी सिफारिश की थी ।

बार्थिविक  (न्याय के भाव से) मैंने मिसेज़ जोन्स को बुलाया है । यह मुझ पर छोड दो, और याद रक्खो जब तक अपराध साबित न हो जाय कोई अपराधी नही है । इसका खयाल रक्खूगा । मैं उसे डराना नही चाहता, मैं उसके साथ हर तरह की रिआयत करूँगा । मैंने सुना है बहुत फटेहालो रहती है । अगर हम गरीबो के साथ और कुछ न कर सकें तो उनके साथ जहा तक हो सके हमदर्दी तो करनी ही चाहिए ।

[ मिसेज़ जोन्स आती है प्रसन्न मुख होकर ]

ओ गुडमार्निंग मिसेज़ जोन्स ।

मिसेज़ जोन्स  (धीमी और रूखी आवाज में) गुडमार्निंग सर, गुडमार्निंग मैंडेम ।

बार्थिविक  मैंने सुना ह तुम्हारे पति आजकल खाली बठे हुए ह ?

मिसेज़ जोन्स  हाँ हुजूर, आजकल उनके पास कोई काम नही ह ।

बार्थिविक  तब तो मेरे खयाल में वह कुछ कमाते ही न होगे ?

मिसेज़ जोन्स  हाँ हुजूर, आजकल वह कुछ नही कमाते ।

बार्थिविक  और तुम्हारे कितने बच्चे हैं ?

मिसेज जोन्स  तीन बच्चे हैं हुजूर, लेकिन बच्चे बहुत नही खाते ।

बार्थिविक सबसे बड़े की क्या उम्र है ?

मिसेज जोन्स नौ साल की हुजूर ।

बार्थिविक स्कूल जाते हैं ?

मिसेज जोन्स हा हुजूर तीनो बिला नागा मदरसे जाते है ।

बार्थिविक (कठोरता से) तो जब तुम दोनो मियाँ-बीवी काम पर चले जाते हो तो बच्चे खाते क्या है ?

मिसेज जोन्स हुजूर, मैं उन्हें खाना देकर भेजती हूँ । लेकिन रोज कहाँ खाना मयस्सर होता ह हुजूर, कभी-कभी बेचारो को बिना कुछ भोजन दिए ही भेज देती हूँ । हाँ, जब मेरा मिया कही काम से लगा रहता है, तो बच्चा पर बडा प्रेम करता है । लेकिन जब खाली होता है तो उसकी मति ही बदल जाती ह ।

बार्थिविक शायद पीता भी ह ?

मिसेज जोन्स जी हा हुजूर । जब पीता है तो कैसे कह दूँ कि नही पीता ।

बार्थिविक तब तो शायद तुम्हारे सब रुपए पीने ही में उडा देता होगा ?

मिसेज जोन्स जी नही, वह मेरे रुपए पैसे नही छूते । हा जब अपने होश में नही रहते, तब उनका मन बदल जाता ह । तब वह मुझे बुरी तरह पीटते ह ।

बार्थिविक वह ह क्या ? कौन पेशा करता ह ?

मिसेज जोन्स पशा ! साईस है हुजूर ।

बार्थिविक साईस ! उनकी नौकरी छूट कब से गई ?

मिसेज जोन्स उसकी नौकरी छूटे कई महीने हो गए हुजूर । तब से कोई टिकाऊ काम नही मिला हुजूर, अब तो मोटरा का जमाना है । उन्हे कौन पूछता है ।

बार्थिविक तुम्हारी शादी उनसे कब हुई थी मिसेज जोन्स ?

मिसेज जोन्स आठ साल हुए हुजूर—वही साल—

मिसेज बार्थिविक (तीव्र स्वर से) आठ ! तुमने तो बड़े लडके की उम्र नो साल बतलाई थी ?

मिसेज जोन्स हाँ हुजूर, इसीलिये तो उनकी नौकरी छूटी । मेरे साथ हरम जदगी की और मालिक ने कहा—ऐसे आदमी को रखने स दूसरे आदमी भी बिगड़ेंगे । निकाल दिया ।

बार्थिविक तुम्हारा मतलब कुछ ठीक

मिसेज जोन्स हाँ हुजूर, जब नौकरी छूट गई तो मुझसे शादी कर ली ।

मिसेज़ वार्थिविक तो शादी के पहिले ही तुम

वार्थिविक जाने भी दो प्रिये।

मिसेज़ वार्थिविक (क्रोध से) कितनी बेहयाई की बात है।

वार्थिविक (जल्दी से) तुम आजकल कहाँ रहती हो मिसेज़ जोन्स ?

मिसेज जोन्स हमारे घर नही है हुजूर। हमें अपनी बहुत-सी चीज़ अलग कर देनी पडी हुजूर।

वार्थिविक अलग कर देनी पडी। क्या मतलब ? क्या गिरवी रख दी ?

मिसेज़ जोन्स हा हुजूर, अलग कर दी। आजकल मरथर स्ट्रीट मे रहते हैं हुजूर, यहाँ से बिलकुल पास ह। न० ३४, बस एक कोठरी है।

वार्थिविक किराया क्या है ?

मिसेज़ जोन्स सजे हुए कमरे के ६ शिलिंग हफ्ते के पडते है हुजूर।

वार्थिविक तो तुम्हारे जिम्मे किराया बाकी भी पडा होगा ?

मिसेज जोन्स जी हाँ, कुछ बाकी है हुजूर।

वार्थिविक लेकिन तुम्हें अच्छी मजदूरी मिलती है। क्यो ?

मिसेज जोन्स बीफे को एक दिन स्टैमफोड प्लेस में काम करती हूँ। सोम बुद्ध, और सुक्कर को यहाँ आती हूँ। आज तो आधी छुट्टी है हुजूर, कल बैंक बन्द न था।

वार्थिविक समझ गया। हफ्ते में चार दिन। आधा क्राउन रोज पाती हो न ? क्यों ?

मिसेज़ जोन्स हाँ हुजूर और मेरा खाना भी मिलता है। लेकिन जिस दिन आधी छुट्टी होती है उस दिन अठारह पेंस ही मिलते ह।

वार्थिविक और तुम्हारा शौहर जो कुछ पाता होगा, पीने में उडा देता होगा ?

मिसेज जोन्स हाँ साहब, कभी-कभी उडा देते ह, कभी-कभी मुझे दे देते हैं। अगर उन्हें काम मिले तो करने को तैयार हैं हुजूर, लेकिन मालूम होता ह, बहुत से आदमी खाली बठे हुए ह।

वार्थिविक उँह ! इन बातो में पडने से क्या फायदा। ( सहानुभूति दिखाकर ) यहाँ तुम्हारा काम बहुत कडा तो नही है ? क्यो ?

मिसेज़ जोन्स नही हुजूर, ऐसा कुछ कडा तो नही है, हाँ जब रात को सोने नही पाती तब कुछ अखरता है।

वार्थिविक हूँ ! और तुम सब कमरो में झाडू लगवाती हो। कभी-कभी बावर्ची को बुलाने भी जाना पडता है ? क्यो न ?

मिसेज जोन्स हाँ हुजूर।

बार्थिविक आज भी तुम्हे जाना पडा था ?

मिसेज जोन्स हा हुजूर, भाजी वाले की दूकान तक गई थी।

बार्थिविक ठीक। तो तुम्हारा शौहर कुछ कमाता नही और बदमाश है ?

मिसेज जोन्स जी नही, बदमाश नही है। मैं समझती हूँ वह बहुत अच्छा आदमी है। हाँ, कभी-कभी मुझे पीटता है। मैं उसे छोडना नही चाहती, हालांकि मेरे मन में आता है कि उसके पास से चली जाऊँ क्योकि मेरी समझ में ही नही आता उसके साथ रहूँ कसे। वह आए दिन मुझे मारा करता है। थोडे दिन हुए, उसने मुझे यहाँ एक घूसा मारा था।

[ अपनी छाती को छूती है। ]

अभी तक दर्द हो रहा है। मैं तो समझती हूँ उसे छोड दूँ, आप क्या कहते ह हुजूर ?

बार्थिविक वाह ! मैं इस बारे में क्या कह सकता हूँ ? अपने शौहर को छोड देना बुरी बात है, बहुत बुरी बात।

मिसेज जोन्स जी हाँ। मुझे यही डर लगता है कि उसे छोड दूँ तो न जाने मेरी क्या गति करे। बडा गुस्सैल है, हुजूर।

बार्थिविक इस मामले में मैं कुछ नही कह सकता। मैं तो नीति की बात कहता हूँ।

मिसेज जोन्स हाँ, हुजूर, मैं जानती हूँ इन मामलों में कोई मेरी मदद न करेगा। मुझे आप ही कोई राह निकालना पडेगी। उन्हें भी तो ठोकरें खानी पडती हैं। लडको को बहुत चाहते ह हुजूर, और उन्हें भूखे मदरसे जाते देखकर उनके दिल पर चोट लगती ह।

बार्थिविक (जल्दी से) खैर—धन्यवाद। मेरे जी में आया कुछ तुम्हारा हाल चाल पूछू। अब मैं तुम्हें और न रोकूगा।

मिसेज जोन्स आपको धन्यवाद देती हूँ, हुजूर।

बार्थिविक अच्छा, गुडमार्निंग।

मिसेज़ जोन्स गुडमार्निंग हुजर, गुडमार्निंग बीबी।

बार्थिविक (अपनी पत्नी से आखें मिलाकर) जरा सुन ला मिसेज़ जान्स, मैं समझता हूँ तुमको बतला देना उचित है एक चादी की सिगरेट की डिबिया गायब हो गयी है।

मिसेज़ जोन्स (कभी इसका मुह देखती है, कभी उसका) मुझे यह सुनकर बहुत दु ख हुआ हुजूर।

वार्थिविक तुमने तो शायद उसे नही देखा । क्यो ?

[ समझ जाती है कि मेरे ऊपर सन्देह किया जा रहा है, घबडा जाती है । । ]

मिसेज जोन्स कहा थी हुजूर ? बतला दीजिए ।

वार्थिविक (बात बनाकर) मारलो कहाँ कहता था ? इस कमरे में ? हा इसी कमरे में ?

मिसेज़ जोन्स जी नही, मैंने नही देखी । अगर मैं देखती तो कह देती ।

वार्थिविक (उसे उडती हुई निगाह से देखकर) भूल तो नही रही हो ? खूद याद कर लो ।

मिसेज जोन्स (अविचलित होकर) खूब याद कर लिया ।

[ धीरे से सिर हिलाकर ]

मैंने नही दखा और न जानती हूँ कि कहाँ है ।

[ चुपचाप चली जाता है ]

[ वार्थिविक, उसका बेटा, और पत्नी एक दूसरे की ओर कन खियों से देखते हैं । ]

[ परदा गिरता है ]

# अंक २

## दृश्य पहला

( जोन्स का घर )

[ मरपर स्ट्रीट । समय ढाई बजे । कमरे में कोई सामान नहीं है, फटे हुए चिक्ट कपड़े हैं और रंगी हुई दीवारें । साफ-सुथरी दरिद्रता झलक रही है । जोन्स आधे कपड़े पहिने चारपाई पर लेटा हुआ है । उसका कोट उसके पैरों पर पड़ा हुआ है और कीचड़ से भरे हुए बूट पास ही जमीन पर रक्खे हैं । वह सो रहा है । दरवाजा खुलता है, और मिसेज़ जोन्स आती है । वह फटा हुआ काला जाकिट पहने हुए है । सिर पर काला मल्लाहों की-सी टोपी है । वह टाइम्स पत्र में लिपटा हुआ एक पारसल लिये हुए है । पारसल नीचे रख देती है और उसमें से एक एपरन (वह कपड़ा जो काम करने वाली स्त्रियाँ गाउन के ऊपर लपेट लेती हैं), आधी रोटी, दो प्याज तीन आलू, और माँस का एक छोटा सा टुकड़ा निकालती है । ताक पर से एक चायदान उतारकर उसको धोती है, और एक चाय की पुड़िया में से थोड़ी-सी बारीक चाय डालती है । उसे अँगीठी पर रखती है, और पास ही एक लकड़ी की कुर्सी पर बैठकर रोने लगती है । ]

जोन्स (जागकर जमुहाई लेता हुआ) आह तुम हो । क्या वक्त है ?

मिसेज़ जोन्स (आँखें पोंछकर और मामूली आवाज में) ढाई बजे हैं ।

जोन्स तुम इतनी जल्दी क्या लौट आई ?

मिसेज़ जोन्स आज आधे दिन काम था जेम ।

जोन्स (चित्त लेटा हुआ और नींद भरी आवाज में) कुछ खाने के लिये है ?

मिसेज़ जोन्स मिसेज़ बार्थविक के बावर्ची ने मुझे थोड़ा-सा माँस दिया है । मैं

उसको उबालने जा रही हूँ।

[ पकाने की तैयारी करती है ]

किराये के १४ शिलिंग बाकी है जेम, और मेरे पास कुल २ शिलिंग और चार पेन्स रह गए हैं। आज ही माँगने आते होंगे।

जोन्स (उसकी तरफ फिरकर, कुहनियों के बल लेटा हुआ) आएँ और थैली उठा ले जायें। काम खोजते-खोजते तो मैं तग आ गया हूँ। मैं क्यो काम के लिए चक्कर लगाता हूँ ? जसे गिलहरी पिंजरे में नाचती है। 'हुजूर मुझे काम दीजिये'—'हुजूर एक आदमी रख लें'—'मेरी बीबी और तीन बच्चे है,' इन बाता से मेरा जी ऊब गया। इससे तो अच्छा यही है, कि यही पडे-पडे मर जाऊँ। लोग मुझसे कहते ह— जोन्स, क्ल जुलूस में शरीक हो जाव, एक झडा उठा लो, और लाल मुँह वाले नेताओ की बातें सुनो। फिर अपना-सा मुह लिये घर लौट आओ।' कुछ लोगो को यह पसन्द होगा। जब मैं काम की टोह में जाता हूँ और उन बदमाशो को अपनी ओर सिर से पैर तक ताक्ते देखता हूँ, तो जान पडता है, मेरे हजारो साँप काट रहे ह। मैं किसी से कोई रियायत नही चाहता। एक आदमी पसीने की कमाई खाना चाहता है, पर उसे काम नही मिलता। कैसी दिल्लगी है। एक आदमी छाती फाडकर काम करना चाहता है, कि किसी तरह प्राण बचें और उसे कोई नही पूछता। यह न्याय है !—यह स्वाधीनता है ! और न जाने क्या-क्या है।

[ दीवार की तरफ मुह फेर लेता है ]

तुम इतनी सीधा-सादी हो, तुम नही जानती कि मेरे भीतर कितनी हलचल मची हुई है। मैं इन बच्चो के खेल से तग आ गया हूँ। अगर कोई उन्हें चाहता है, तो मेरे पास आए।

[ मिसेज जोन्स पकाना बन्द कर देती है, और मेज के पास चुपचाप खडी हो जाती है। ]

मैं सब कुछ करके हार गया। जो कुछ होने वाला है, उससे नही डरता। मेरी बातो की गिरह बाध लो। अगर तुम समझती हो, कि मैं उनके पैरा पर गिरूँगा, तो तुम्हारी भूल ह। मैं किसी से काम न माँगूगा चाहे जान ही क्यो न जाती रहे। तुम इस तरह क्या खडी हो, जैसे कोई दुखियारी असहाय मूरत हो ? इसी से मैं तुम्हें छोडता नही। अब तुम्हें काम करने का ढग आ गया। लेकिन इतना सीधा

पन भी किस काम का। तुम्हारे मुह में तो जसे जीभ ही नही है।

मिसेज जोन्स (धीरे से) जब तुम अपने होश में रहते हो, तो ऐसी ऊट-पटाग बातें करते हो, जैसे नशे में भी नही करते। अगर तुम्हें काम न मिला तो हमारी गुजर कसे होगी? मालिक मकान हमें यहाँ रहने न दगा। वह तो आज अपने रुपए के लिए आता हागा।

जोन्स तुम्हार इस बार्थविक का दखता हूँ, रोज चैन की बसी बजाता हुआ पालिमेंट म जाता है और वहाँ गला फाड-फाडकर चिल्लाता है। और उसके छोकर का भी दखता हूँ, जो शान स इधर-उधर ऐंठता फिरता है। उन्होने ऐसा कौन सा काम किया कि वे या गुलछर्रे उडायें। अपनी जिदगी में कभी एक दिन भी उन्होने काम नही किया। मैं उन्हें हर रोज देखता हूँ—

मिसेज जोन्स मैं यह चाहती हूँ, कि तुम इस तरह मेरे पीछे-पीछे न लगे रहा करो। न जाने तुम क्यो मेरे पीछे लगे रहते हो। तुम्हारा वहाँ घूमना उन्हें अच्छा नही लगता। उन लोगो को भी शक होता ह।

जोन्स मरा जहा जी चाहेगा, वहाँ जाऊँगा। आखिर कहा जाऊँ। उस दिन एजुवेयर रोड पर एक जगह गया। मैनेजर से बोला—'हुजूर मुझे रख लीजिये मुझे दो महीने से कोई काम नही मिला, बिना काम किए अब रहा नही जाता। मैं काम करनेवाला आदमी हूँ। आप जो काम चाहें मुझे दें। मैं किसी काम से नही डरता।' उसने कहा, भले आदमी, सुबह से इस वक्त तक ३० आदमी आ चुके हैं। मैंने पहले दो आदमी ले लिये। इससे ज्यादा की मुझे जरूरत नही।' मैं बोला—आपको धन्यवाद देता हूँ साहब, ससार में आग ही लग जाय तो अच्छा।' उसने कहा—'यो गाली बकने से काम नही मिलेगा, अब चल दो।' (हँसता है) चाहे तुम भूँखो मर रहे हो पर तुम्हें मुह खोलने का हुक्म नही। इसका खयाल भी मत करो। चुपचाप सहते जाओ। यही समझदार आदमियो का दस्तूर है। जरा दूर और आगे चला तो एक लेडी ने मुझसे कहा—

[आवाज नीची करके]

क्यों जी कुछ काम करके दो-चार पैसे कमाना चाहते हो?' और मुझे कुत्ता दिया कि उसे दुकान के बाहर पकडे खडा रहूँ। खानसामे की तरह मोटा था।—मना माँस खा गया होगा। उसको पालने में ढेरो मास लग गया होगा। वह यह समझ कर दिन में

खुश हो रही थी, कि मैंने एक गरीब आदमी का उपकार किया, लेकिन मैं देख रहा था कि वह ताबे के ज़ीने पर खड़ी मुझे ताक रही थी, कि मैं उसका मोटा-ताजा कुत्ता लेकर कहीं रफूचक्कर न हो जाऊँ।

[ वह चारपाई की पट्टी पर बैठ जाता है, और बूट पहिनता है। तब ऊपर ताककर ]

तुम सोच क्या रही हो ?

[ मिन्नत करके ]

क्या तुम्हारे मुह में जबान नहीं है ?

[ कुंडी खटकती है, और घर की मालकिन मिसेज सेडन आती है। यह एक चिंतित, फूहड़ और जल्दबाज औरत है। मजदूरों के से कपड़े पहिने हुए है। ]

मिसेज सेडन मिसेज जोन्स ! जब तुम आई तब हमें तुम्हारी आहट मिल गई थी। मैंने अपने शौहर से कहा, लेकिन वह कहते हैं कि मैं एक दिन के लिए भी नहीं मान सकता।

जोन्स ( त्योरियाँ चढ़ाकर मसखरेपन से ) शौहर को बकने दो, तुम स्वाधीन स्त्रियों की तरह अपनी मरज़ी पर चलो। यह लो जैनी, यह उन्हें दे दो।

[ अपने पाजामे की जेब से एक सावरेन निकालकर वह अपनी स्त्री की ओर फेंकता है। स्त्री हाँफकर उसे अपने एपरन में ले लेती है। जोन्स फिर जूते का फीता बाँधने लगता है। ]

मिसेज जोन्स ( सावरेन को छिपाकर मलती हुई ) मुझे खेद है कि अबकी इतनी देर हो गई। तुम्हारे चौदह शिलिंग आते हैं। यह सावरेन लो। मुझे ६ शिलिंग लौटा दो। ( मिसेज सेडन सावरेन ले लेती है और इधर-उधर घुमाती है। )

जोन्स ( जूते की तरफ आँखें किये हुए ) तुम्हें अचरज हो रहा होगा, क्यों ?

मिसेज सेडन तुमको बहुत-बहुत धन्यवाद। तुमने मेरे ऊपर बड़ी कृपा की। ( वह सचमुच विस्मित हो जाती है। ) मैं रेजगी लाए देती हूँ।

जोन्स ( मुह बनाकर ) इसकी क्या जरूरत है ?

मिसेज सेडन तुमको बहुत-बहुत धन्यवाद। तुमने मेरे ऊपर बड़ी कृपा की।

[ चली जाती है। ]

[ मिसेज जोन्स जोन्स को ओर ताकती है जो अभी तक फीते बाँध रहा है। ]

जोन्स आज ज़रा तक़दीर खुल गई। ( लाल थैली और कुछ फुटकल रेजगियाँ निकालकर ) एक थैली पडी मिल गई। सात पौण्ड से कुछ ज्यादा हैं।

मिसेज़ जोन्स यह क्या किया, जेम्स ?

जोन्स यह क्या किया, जेम्स ? किया क्या। पडी मिली, उठा ली। खोई हुई चीज है। और क्या !

मिसेज जोन्स लेकिन उस पर किसी का नाम तो होगा। या कुछ और !

जोन्स नाम ? नही, किसी का नाम नही है। यह उन लोगो की नही है जो मुलाकाती कार्ड लेकर चलते है। यह किसी पक्की लेडी की है। ज़रा सूघो तो !

[ वह थैली को उसकी तरफ फेंकता है। वह उसे धीरे से नाक के पास ले जाती है। ]

अब तुम्ही बताओ मुझे क्या करना चाहिये था। तुम्ही बताओ।

मिसेज़ जोन्स ( थैली को रखकर ) यह तो मैं नही बता सकती, जेम्स, कि तुम्हे क्या करना चाहिये था। लेकिन रुपए तुम्हारे न थे। तुमने किसी दूसरे के रुपए ले लिये।

जोन्स जिसने पाया उसका हो गया। मैं इसे उन दिनो की मजूरी समझूगा जब मैं गलियो मे उस चीज के लिये ठोकर खाता फिरा जो मेरा हक है। मैं इसे पिछली मजूरी समझकर ले रहा हूँ। ( विचित्र गर्व से ) रुपए मेरी जेब में है, जानी।

[ मिसेज जोन्स फिर भोजन बनाने की तैयारी करने लगती हैं। जोन्स उसकी ओर कनखियों से देख रहा है ]

हाँ, मेरी जेब में रुपए है। और अबकी मैं इसे उड़ाऊँगा नही, इसी से कैनाडा चला जाऊँगा। तुम्हें भी एक पौण्ड दे दूँगा। ( चुप ) तुम मुझे छोडने की कई बार धमकी दे चुकी हो, तुमने बारहा मुझसे कहा है कि मैं तुम्हारे ऊपर बडी सख्ती करता हूँ। मैं यहाँ से चला जाऊँगा तब तो तुम चैन से रहोगी।

मिसेज़ जोन्स ( शिथिलता से ) सख्ती तो तुमने मेरे साथ की है, जोन्स, और मैं तुम्हें जाने से रोक भी नही सकती। लेकिन तुम्हारे जाने की मुझे खुशी होगी या नही, यह मैं नही जानती।

जोन्स इससे मेरी तकदीर पलट जायगी। जब से तुम्हारे साथ ब्याह हुआ तब से कभी भले दिन न देखे। ( कुछ नर्मी से ) और न तुम्हें कभी पिक-निक ही मिला।

मिसेज जोन्स अगर हमारी-तुम्हारी मुलाकात न हुई होती तो बहुत अच्छा होता। हम लोग एक दूसरे के लिए बनाए ही नही गए। लेकिन तुम हाथ धोकर मेरे पीछे पड गए, और अब तक पडे हुए हो। और तुम मेरे साथ कितनी बुरी तरह पेश आते हो। जेम्स—उस छोकरी रायस के फेर में पडे रहते हो ? तुम्हें शायद इन लडको का कभी खयाल भी नही आता जिन्हें हमने पैदा किया है। तुम नही समझते कि उनके पालने में मुझे कितनी कठिनाई पडती है, और तुम्हारे चले जाने पर उन पर क्या पडेगी।

जोन्स ( खिन्न मन से कमरे में टहलता हुआ ) अगर तुम समझ रही हो कि मैं लडको को छोड दूँगा तो तुम भूल कर रही हो।

मिसेज़ जोन्स यह तो मैं जानती हूँ कि तुम उन्हें प्यार करते हो।

जोन्स ( थैली को उँगलियों पर फिराता हुआ, कुछ क्रोध से ) अभी तो यो ही चलने दो। मैं न रहूँगा तो छोकरे तुम्हारे साथ मजे में रहेंगे। अगर मैं जानता कि यह हाल होगा तो मैं एक को भी न पैदा करता। क्या फायदा है इससे कि लडको को पैदा करके इस विपत्ति में डाल दिया जाय ? यह पाप है, और कुछ नही। लेकिन हमारी आँखें बहुत देर में खुलती हैं। ससार का यही ढग है।

[ थैली को फिर जेब में रख लेता है ]

मिसेज़ जोन्स हाँ, यह इन बेचारो के हक में बहुत अच्छा होता। लेकिन हैं तो यह तुम्हारे ही लडके, और मुझे तुम्हारे मुँह से ऐसी बातें सुनकर अचरज होता है। अगर मेरे पास यह न रहें तो मेरा तो जरा भी जी न लगे।

जोन्स ( घुन्नाया हुआ ) यही सब का हाल है। अगर मैं वहाँ कुछ कमा सका—

[ उसे अपना कोट हिलाते देखकर, कठोर स्वर में ]

कोट मत छुओ।

[ चाँदी की डिबिया जेब से गिर पडती है और सिगरेट चार पाई पर बिखर जाते हैं। डिबिया को वह उठा लेती है और उसे

ध्यान से देखती है। वह झपटकर उसके हाथ से डिबिया छीन लेता है। ]

मिसेज़ जोन्स ( चारपाई को टेककर झुकी हुई ) प्रो जेम ! प्रो जेम !

जोन्स (डिबिया को मेज पर पटककर) फजूल बक-बक मत करो। जब मैं यहाँ से चलूगा तो इस डिबिया को उसी थैली के साथ पानी में डाल दूँगा। मैंने उसे उस वक्त उठा लिया जब मैं नशे में था, और नशे में जो काम किए जाते हैं, उनका जिम्मेदार कोई नही होता, यह ब्रह्मवाक्य है। मुझे इसकी क्या जरूरत है, मैं इसे लेकर करूँगा क्या ? मैंने जलकर दम्भ से इसे निकाल लिया था। मैं तुमसे कह चुका मैं चोर नही हूँ, और अगर तुमने मुझे चोर कहा तो बुरा होगा।

मिसेज़ जोन्स *(एपरन को डोरी को ऐंठती हुई) यह मिसेज़ बार्थिविक की है।* तुमने मेरे नाम में बट्टा लगा दिया। अरे जेम, तुम्हें यह सूझी क्या ?

जोन्स क्या मतलब ?

मिसेज़ जोन्स वहाँ इसकी तलाश हो रही है। लोगो का मुझ पर शुभा है। तुम्हें यह सूझी क्या जेम ?

जोन्स मैं तुमसे कह चुका म नशे में था। मुझे इसकी चाह नही है। यह मेरे किस काम की है। अगर मैं इसे गिरो रखने जाऊँ तो पकड़ जाऊँ। मैं चोर नही हूँ। अगर म चोर हूँ तो लौंडा बार्थिविक मुझसे कही बडा चोर है। यह थैली जो मैंने पडी पाई वही एक लेडी के घर से उठा लाया था। लेडी से कुछ झगडा हो गया, बस उसने उस बेचारी की थैली उडा ली। बराबर कहता रहा, कैसा चरका दिया। उसने लेडी को चरका दिया। मैंने लौंडे को चरका दिया। पल्ले सिरे का मक्खी-चूस ह। और देख लेना उसका बाल भी बाँका न होगा।

मिसेज़ जोन्स (मानो आप ही आप बातें कर रही हो) प्रो जेम ! हमारी लगी लगाई रोजी चली जायगी ?

जोन्स अगर ऐसा हुआ तो मैं भी उनकी खबर लूगा। न थली कही गई ह, न लौंडा बार्थिविक कही गया है।

[ मिसेज़ जोन्स मेज के पास आती है और डिबिया को उठा लेना चाहती है, जोन्स उसका हाथ पकड लता है। ]

तुम्हें उससे क्या मतलब ह ? म कहता हूँ सीधे से रख दो।

मिसेज़ जोन्स मैं इसे लौटा दूँगी और जो जो हुआ है सब साफ-साफ कह दूँगी।

[ वह उसके हाथ से डिबिया छीन लेना चाहती है। ]

जोन्स  न मानोगी तुम ?

[ वह डिबिया को छोड़ देता है और गुर्राकर उस पर झपटता है। वह चारपाई के उस पार चली जाती है। वह उसके पीछे लपकता है। एक कुरसी उलट जाती है। दरवाजा खुलता है और स्नो अन्दर आता है। वह खुफिया पुलीस का आदमी है। इस वक्त सादे कपड़े पहने हुए है। उसकी मूछें कतरी हुई हैं। जोन्स हाथ गिरा देता है। मिसेज जोन्स हाँफती हुई खिड़की के पास खड़ी हो जाती है। स्नो तेजी से मेज की तरफ जाता है और डिबिया उठा लेता है। ]

स्नो  अच्छा यहाँ तो चुहल हो रही है। जिस चीज की तलाश में था वही मिल गई। जे० बी० ठीक वही है।

[ वह दरवाजे के पास जाता है और डिबिया के अक्षरों को ग़ौर से देखता है। मिसेज जोन्स से कहता है—]

मैं पुलीस का अफसर हूँ। तुम्ही मिसेज जोन्स हो ?

मिसेज जोन्स  जी हाँ।

स्नो  मुझे हुक्म है कि तुम्हें जे० बर्थविक, मेम्बर पार्लिमेण्ट न० ६ राकिंघम गेट की यह डिबिया चुरा लेने के अपराध में पकड़ लू। तुम्हारा बयान ठीक न हुआ तो तुम फँस जाओगी। क्या कहती हो ?

मिसेज़ जोन्स  (धीमे स्वर में। वह अभी तक हाँफ रही है और छाती पर हाथ रखे हुये है।) मैं सच कहती हूँ, साहब, मैंने इसे नही लिया। मैं पराई चीज़ कभी छूती ही नही, मैं इसके बारे में कुछ नही जानती।

स्नो  तुम आज सवेरे वहा गई थी, जिस कमरे में यह डिबिया थी उसमें तुमने झाड़ू लगाई, तुम कमरे में अकेली थी। डिबिया यहाँ तुम्हारे घर में रखी हुई है। फिर भी तुम कहती हो मैंने नही लिया ?

मिसेज जोन्स  जी हा। जो चीज नही ली, उसे कैसे कह दूँ कि ली है।

स्नो  तब वह डिबिया यहाँ कैसे आ गई ?

मिसेज़ जोन्स  मैं इस विषय में कुछ न कहना ही उचित समझती हूँ।

स्नो  यह तुम्हारे पति है ?

मिसेज जोन्स  जी हा, यह मेरे पति हैं।

स्नो  मैं इन्हें गिरफ्तार करने जा रहा हूँ। तुम्हें कुछ कहना तो नही है ?

[ जोन्स सिर झुकाए मौन बैठा रहता है ]

तो ठीक है। चलो मिसेज जोन्स। मैं तुमको इतना ही कष्ट दूँगा कि चुपचाप मेरे साथ चली आओ।

मिसेज जोन्स (हाथ मलते हुए) अगर मैंने लिया होता तो मैं यह कभी न कहती कि मैंने नही लिया—मैंने नही लिया आप से सच कहती हूँ। यह मैं जानती हूँ कि देखने मे मैं ही अपराधिन हूँ, लेकिन असली बात मैं नही बता सकती। मेरे बच्चे मदरसे गए है, थोडी देर में आते होगे। मुझे न पावेंगे तो उन बेचारो का न जाने क्या हाल होगा।

स्नो तुम्हारा पति उनकी देखभाल कर लेगा, घबराने की कोई बात नही।

[ वह उसका हाथ आहिस्ता से पकडता है। ]

जोन्स तुम उसका हाथ छोड दो, वह ठीक कहती है। डिबिया मैंने ली।

स्नो (उसकी तरफ आँखें उठाकर) शाबाश! शाबाश! बहादुर आदमी हो। चलो मिसेज जोन्स।

जोन्स (क्रोध से) उसे छोड दे, सुअर। वह मेरी बीबी है। वह शरीफ औरत है। अगर उसे पकडा तो तुम जानोगे।

स्नो जरा होश में आओ। इन बातो से क्या फायदा। जबान सँभालकर बात करो—खैरियत इसी में है।

[ वह मुह में सीटी लगाता है और स्त्री को द्वार की ओर खींचता है। ]

जोन्स (झपटकर) *उसे छोड दो और हाथ हटा लो, नही हड्डी तोड दूँगा।* उसे क्यो नही छोडता। मैं तो कह रहा हूँ कि मैंने ली है।

स्नो (सीटी बजाकर) हाथ हटा लो, नही मैं तुम्हें भी पकड लूगा। अच्छा न मानोगे?

[ जोन्स उससे लिपट जाता है और उसे एक घूसा मारता है। एक पुलिसमैन वर्दी पहने हुए आता है। जरा देर हाथापाई होती है, और जोन्स पकड लिया जाता है। मिसेज जोन्स अपने हाथ उठाती है और उनके ऊपर सिर झुका देती है। ]

[ पर्दा गिरता है ]

## दृश्य दूसरा

[ बार्थविक का भोजनालय, वही शाम है। बार्थविक-परिवार फल और मिठाइयाँ खा रहा है। ]

मिसेज़ वार्थिविक जान।

[ अखरोटों क छिलकों के टूटने की आवाज आती है । ]

वार्थिविक तुम इन अखरोटो का हाल उनसे क्यो नही कहती, खाए नही जाते।

[ एक गरी मुह में रख लेता है । ]

मिसेज़ वार्थिविक यह इस चीज का मौसिम नही है। मैंने होलीरूड से कहा था।

[ वार्थिविक अपना गिलास पोट से भरता है। ]

जैक दादा, ज़रा सरौता बढाइएगा।

[ वार्थिविक सरौता बढ़ा देता है। वह किसी विचार में डूबा हुआ मालूम होता है। ]

मिसेज़ वार्थिविक लेडी होलीरूड बहुत मोटी हो गयी ह। मैं यह बहुत दिनो से देख रही हूँ।

वार्थिविक (अनमने भाव से) मोटी ?

[ *यह सरौता उठा लेता है—चेहरे पर लापरवाही झलकने लगती है।* ]

होलीरूड परिवार का नौकरो से कुछ झगडा हो गया था, क्यो ?

जैक दादा, ज़रा सरौता।

वार्थिविक (सरौता बढाते हुए) समाचार पत्रा में निकला था। रसोइयादारिन थी न ?

मिसेज वार्थिविक नही, खिदमतगारिन थी। मैंने लेडी होलीम्ड से बातचीत की थी। वह लडकी अपने प्रेमी को मिलने के लिए बुलाया करती थी।

वार्थिविक (बेचैनी से) मेरी समझ में उन्हें

मिसेज वार्थिविक तुम क्या कहते हो जान और दूसरा रास्ता ही क्या था ? सोचो, दूमरे नौकरो पर क्या असर पडता।

वार्थिविक *हाँ बात तो ठीक थी—लेकिन मैं यह नही सोच रहा था।*

जैक (छेडने के लिए) दादा, सरौता।

[ वार्थिविक सरौता बढा देता है ]

मिसेज वार्थिविक लेडी होलीरूड ने मुझसे कहा—'मैंने उसे बुलाया और उससे कहा, फौरन मेरे घर से निकल जा। मैं तुम्हारे चाल चलन को निंदनीय समझती हूँ। मैं कह नही सकती। मैं नही जानती, और न मैं जानना चाहती हूँ कि तुम क्या कर रही थी। मैं सिद्धान्त की रक्षा

के लिए तुम्हे अलग कर रही हूँ। मेरे पास सिफारिश के लिए मत आना। इस पर उस लड़की ने कहा— अगर आप मुझे नोटिस नही देंगी तो मुझे एक महीने की तनख्वाह दे दीजिए। मैंने अपनी इज्जत म दाग नही लगाया। मैंने कुछ नही किया।—कुछ नही किया।'

बार्थिविक अच्छा!

मिसेज बार्थिविक नौकर अब सिर बहुत चढ गए ह, वह सब इस बुरी तरह मिले रहत ह कि कुछ मालूम ही नही होता कि उनके मन में क्या ह। ऐसा जान पड़ता है कि तुम्हें न मालूम हो इसलिए सबों ने गुटकर लिया हो। यहाँ तक कि मारलो का भी यही हाल ह। ऐसा मालूम होता है, कि वह अपने मन की असली बात किसी पर खुलने ही नही देता। मुझे इस छिपा चोरी से चिढ ह। इससे फिर किसी पर भरोसा नही रहता। कभी-कभी मेरा ऐसा जी चाहता है, कि उसका कान पकडकर हिलाऊँ।

जैक मारलो बहुत भलामानुस है। यह कोई अच्छी बात नही ह, कि हमारी बातें हर एक आदमी जान ले।

बार्थिविक इसकी तो चर्चा न करना ही अच्छा।

मिसेज बार्थिविक सब नीच जातो का यही हाल है, तुम यह नही बतला सकते कि वह कब सच बोल रहे हैं। आज जब मैं होलीरूड के घर से चलने के बाद बाजार गई, तो इन बेकार आदमियो मे से एक आकर मुझसे बातें करने लगा। मैं समझती हूँ मुझमें और गाडी में केवल बीस गज का अतर था। लेकिन ऐसा मालूम हुआ कि वह सडक फाडकर निकल आया।

बार्थिविक अच्छा! आजकल किसी से बातचीत करने में बहुत होशियार रहना चाहिए। न जाने कसा आदमी हो।

मिसेज बार्थिविक मैंने उसे कुछ जवाब थोडे ही दिया लेकिन मुझे तुरत मालूम हो गया, कि वह झूठ बोल रहा है।

बार्थिविक (एक अखरोट तोडकर) यह बडा अच्छा नियम है। उनकी आँखो को देखना चाहिए।

जैक दादा, जरा सरौता।

बार्थिविक (सरौता बढ़ाकर) अगर उनकी निगाह सीधी होती ह तो कभी कभी मैं छ पेंस दे देता हूँ। यह मेरे नियम के विरुद्ध है, लेकिन इनकार करते तो नही बनता। अगर तुम्हें यह दिखाई दे कि वे सुस्त, काहिल

ग्रौर कामचोर हैं तो समझ लो कि शराबी या कुछ ऐसे ही हैं।

मिसेज़ वार्थिविक इस ग्रादमी की ग्राँखें बडी डरावनी थी, वह ऐसे ताकता था, मानो किसी का खून कर डालेगा। उसने कहा—मेरे पास ग्राज खाने को कुछ नही ह। ठीक इसी तरह।

वार्थिविक विलियम क्या कर रहा था ? उसे वहाँ खडा रहना चाहिए था।

जैक (ग्रपनी गिलास नाक के पास ले जाकर) क्या दादा ! क्या यही सन् ६३ की है ?

[ वार्थिविक गिलास को ग्राँखों के पास किए हुए है। वह उसे नीचे करके नाक के पास ले जाता है। ]

मिसेज़ वार्थिविक मुझे उन लोगो से घृणा ह जो सच नही बोलत।

[ बाप ग्रौर बटे ग्लास के पीछे से ग्राँखें मिलाते हैं। ]

सच बोलने में लगता ही क्या है, मुझे तो यह बडा ग्रासान मालूम पडता ह। ग्रसली बात क्या ह, इसका पता ही नही चलता। ऐसा मालूम होता ह, जैसे कोई हमें बना रहा हो।

वार्थिविक (मानो फैसला सुना रहा हो) नीची जातें ग्रपने पैरो में ग्राप कुल्हाडी मारती हैं, ग्रगर हमारे ऊपर भरोसा रक्खें तो उनकी दशा इतनी बुरी न हो।

मिसेज़ वार्थिविक लेकिन उस पर भी उन्हें सँभालना मुश्किल ह। ग्राज मिसेज जोन्स ही को देखो।

वार्थिविक इस विषय में मैं वही करूँगा जो न्यायसगत है। ग्रभी तीसरे पहर मैं रोपर से मिला था। मैंने यह माजरा उससे कहा, वह ग्रा रहा होगा, यह सब खुफिया पुलीस के बयान पर है। मुझे तो बहुत सदेह ह। मैंने इस पर बहुत विचार किया है।

मिसेज़ वार्थिविक वह ग्रौरत मेरी ग्राखो में ज़रा भी नही जँची। उसे किसी बात की शर्म ही नही मालूम होती थी। देखो, वही मामला जिसकी वह चर्चा कर रही थी। जब वह ग्रौर उसका मद जवान थे। कैसी बेहयाई की बात थी ग्रौर वह भी तुम्हार ग्रौर जक के सामने। मेरा जी चाहता था कि उसे कमरे से निकाल दूँ।

वार्थिविक ग्रोह ! वह तो जैसे हैं सब जानते हैं पर ऐसी बातो पर गौर करते समय हमें तो सोच लेना चाहिये—

मिसेज़ वार्थिविक शायद तुम कहोगे कि उस ग्रादमी के मालिक ने उसे निकाल देने में गलती की ?

वार्थिविक बिल्कुल नही। इस विषय में मुझे कोई सदेह नही है। मैं अपने दिल से यह पछता हूँ—

जैक दादा, थाड़ी सी पोट!

वार्थिविक ( सूय के उदय और अस्त के ठीक ठीक नकल में बोतल को घुमाते हुए ) मैं अपने दिल स यह पूछता हूँ कि हम किसी को नौकर रखने के पहिले उसके बार में काफी तौर से जाच भी कर लिया करते ह, या नही खास कर उसके चाल-चलन के बारे में।

जैक अम्मा शराब को जरा इधर द दा।

मिसेज बार्थिविक ( बोतल बढ़ाकर ) क्यो बेटे, तुम बहुत ज्यादा तो नही पी रहे हो?

[ जैक अपना गिलास भरता है। ]

मारलो ( कमरे में आकर ) जासूस स्नो आपसे मिलना चाहता है।

वार्थिविक (बचैनी से ) अच्छा कहो अभी एक मिनट में आता हूँ।

मिसेज बार्थिविक ( बगैर सिर घुमाए हुए ) उसे यहा बुला लो, मारलो।

[ स्नो ओवरकोट पहिने अपनी बोलर हैट हाथ में लिये आता है ]

वार्थिविक ( कुछ उठकर ) आइये, बन्दगी।

स्नो बन्दगी साहब। बन्दगी मेम साहब। मैं यह बतलाने आया हूँ कि उस मामले में मैंने क्या किया। मुझे डर ह कि मुझे कुछ देर हो गयी है। मैं एक दूसर मुकदमे में चला गया था।

[ चादी की डिबिया जेब से निकालता है। बार्थिविक परिवार में सनसनी फैल जाती है। ]

मैं समझता हूँ यह ठीक वही चीज ह।

वार्थिविक ठीक वही, ठीक वही।

स्नो निशान और अक वैसे ही हैं, जसे आपने बतलाए थे। मुझे तो इस मामले में जरा भी हिचक नही हुई।

वार्थिविक शाबाश! आप भी एक गिलास पीजिये—( पोट की बोतल को देख कर ) शेरी को।

[ शेरी उँडलता है। ]

जक यह मिस्टर स्नो को द दा।

[ जैक उठकर गिलास स्नो को द देता है, तब अपनी कुर्सी पर पड़कर उसे आलस्य से देखता है। ]

स्नो (शराब पीकर और गिलास को नीचे रखकर) आपसे मिलने के बाद मैं उस औरत के डेरे पर गया। नीचो की बस्ती है। और मैंने सोचा कि ड्योढी पे नीचे ही कानिस्टेबुल खडा कर दूँ। शायद जरूरत पडे और मेरा विचार बिल्कुल ठीक निकला।

बार्थविक सच।

स्नो जी हाँ। कुछ झमेला करना पडा। मैंने उसस पूछा कि तुम्हारे घर में यह चीज कैसे आई। वह मुझे कुछ जवाब न दे सकी। हाँ, बराबर चोरी से इनकार करती रही। इसलिये मैंने उसे गिरफ्तार कर लिया। तब उसका शौहर मुझसे उलझ पडा। आखिर मैंने हमला करने के अपराध में उसे भी गिरफ्तार कर लिया। घर स पुलीस स्टेशन तक जाने में वह बहुत गम होता रहा—बिलकुल जामे से बाहर—बार-बार आप को और आपके लडके का धमकी देता था कि समझ लूगा। सच पूछिये तो बडा फितना निकला।

मिसेज़ बार्थविक बडा भारी बदमाश ह।

स्नो हाँ, मेम साहब, बडा ही उजड्ड असामी।

जैक (शराब की चुस्की लेता हुआ, मजे में आकर) पाजी का सिर तोड दे।

स्नो मैंने पता लगाया पक्का शराबी ह।

मिसेज़ बार्थविक मैं तो चाहती हूँ, बच्चा को कडी सजा मिले।

स्नो दिल्लगी तो यह ह कि वह अभी तक यही कहे जाता ह कि डिबिया मैंने खुद चुराई।

बार्थविक डिबिया उसने चुराई। (मुसकराता है) इसमें उसने क्या फायदा सोचा है?

स्नो वह कहता है कि छोटे साहब पिछली रात का नशे म थे।

[जैक अखरोट तोडना बन्द कर देता है और स्नो की ओर ताकने लगता है। बार्थविक की मुसकराहट गायब हो जाती है, गिलास रख देता है। सन्नाटा छा जाता है—स्नो बारी-बारी स हरेक का चेहरा देखता है, और कहता है।]

वह मुझे अपने घर लाए और खूब व्हिस्की पिलाई मैंने कुछ खाया न था, नशा जोर कर गया और उसी नशे में मैंने डिबिया उठा ली।

मिसेज़ बार्थविक गुस्ताख, पाजी कही का।

बार्थविक आप का ख्याल है कि वह कल अपने बयान में भी यही कहेगा।

स्नो यही उसकी सफाई हागी। कह नही सकता बीबी को बचाने के लिए ऐसा

वह रहा ह, या,

[ जैक की तरफ देखकर ]

इसमें कुछ तत्त्व भी है। इसका फैसला तो मैजिस्ट्रेट के हाथ में है।

मिसेज बार्थिविक ( गर्व से ) तत्त्व भी है? किसमें क्या? आपका मतलब समझ में नही आता। आप समझते ह, मेरा लडका ऐसे आदमी को कभी अपने घर नही लायेगा!

बार्थिविक ( अगीठी के पास से, शान्त रहने की चेष्टा करके ) मेरा लडका अपनी सफाई कर लेगा। अच्छा, जैक, तुम क्या कहते हो?

मिसेज बार्थिविक ( तीव्र स्वर में ) वह क्या कहेगा? यही और क्या है, कि सब मनगढंत ह।

जैक (दबसट में पडकर ) बात यह है, बात यह है, कि मुझे इसके बारे में कुछ भी मालूम नही।

मिसेज बार्थिविक वह तो मैं पहिले ही कहती थी। ( स्नो से ) वह आदमी दीदा दिलेर बदमाश है।

बार्थिविक ( अपने मन को दबाते हुए ) लेकिन जब मेरा लडका कह रहा ह कि इस मामले में कोई तत्त्व नही है, तो क्या ऐसी दशा मे उस आदमी पर मुकदमा चलाना जरूरी ह।

स्नो उस पर तो हमले का जुर्म लगाना होगा। मिस्टर जक बार्थिविक भी पुलीस कचहरी चल आयें तो बडा अच्छा हो। बच्चा जेल जायेंगे, यह ता मानी हुई बात है। विचित्र बात यह है कि उसक पास कुछ रुपये भी निकले और एक लाल रेशमी थैली भी थी।

[ बार्थिविक चौंक पडता है, जैक उठता है, फिर बैठ जाता है। ]

मेम साहब की थली तो नही गायब हो गई?

बार्थिविक (जल्दी से ) नही, नही उनकी थैली नही खोई।

जैक नही, थैली तो नही गई।

मिसेज बार्थिविक (मानो स्वप्न देखते हुए) नही। (स्नो से) मैं नौकरो से पता लगा रही थी। यह आदमी घर के आस पास चक्कर लगाया करता ह। अगर लबी सजा मिल जाय तो खटका निकल जाय। ऐसे बदमाशों से हमारी रक्षा तो होनी ही चाहिये।

बार्थिविक हाँ, हाँ, जरूर। यह तो सिद्धान्त की बात ह। लेकिन इस मामले में हम कई बाता पर विचार करना ह। (स्नो से) इस आदमी पर

तो मुकदमा चलाना ही चाहिये, क्यो, आप भी तो यही कहते हैं ?

स्नो अवश्य, इसमें क्या सोचना है।

बार्थिविक (जैक की ओर उदास भाव से ताकते हुए) मेरी इच्छा नही होती कि यह मुकदमा चलाया जाय। गरीबो पर मुझे बडी दया आती है। अपने पद का विचार करते हुए यह मानना मेरा कर्तव्य है कि गरीबो की हालत बहुत खराब है। इनकी दशा में बहुत कुछ सुधार की जरूरत है। आप मेरा मतलब समझ रहे होगे। अगर कोई ऐसी राह निकल आती कि मुकदमा न चलाना पडता तो बडी अच्छी बात होती।

मिसेज़ बार्थिविक (तीव्र स्वर में) यह क्या कहते हो जान ? तुम दूसरो के साथ अन्याय कर रहे हो। इसका आशय तो यह है कि हम जायदाद को लोगों की दया पर छोड दें। जिसका जी चाहे ले ले।

बार्थिविक (उसे इशारा करने की चेष्टा करके) मैं यह नही कहता कि उसने अपराध नही किया। मैं इसके सब पहलुओ पर सोच रहा हूँ।

मिसेज़ बार्थिविक यह सब फजूल है, हर काम का वक्त होता है।

स्नो (कुछ बनावटी आवाज में) मैं यह बता देना चाहता हूँ, कि चोरी का इलजाम उठा लेने से कोई फायदा नही होगा, क्योकि हमले के मुकदमे में सभी बातें खुल ही जायँगी।

[जैक की ओर मार्मिक दृष्टि से देखता है।]

और जैक, मैं पहले अर्ज कर चुका हूँ वह मुकदमा जरूर चलाया जायगा।

बार्थिविक (जल्दी से) हाँ, हाँ, यह तो होगा ही। उस स्त्री के विचार से मैं कह रहा हूँ, यह तो मेरा अपना ख्याल है।

स्नो अगर मैं आप की जगह होता तो इस मामले में जरा भी दखल न देता। इस में कोई बाधा पडने का भय नही है। ऐसे मामले चटपट तय हो जाते हैं।

बार्थिविक (सदेह के भाव से) अच्छा, यह बात ? अच्छा, यह बात ?

जैक (सचेत होकर) अच्छा। मुझे अपने बयान में क्या कहना पडेगा ?

स्नो यह तो आप खुद जान सकते हैं।

[दरवाजे तक जाकर]

शायद कोई नई बात खडी हो जाय। अच्छा यह है कि आप एक वकील कर लीजिये। हम खानसामा को यह साबित करने के लिए

तलब करेंगे कि चीज वास्तव में चोरी गई। अब मुझे आज्ञा दीजिये, मुझे आज बहुत काम ह। ग्यारह बजे के बाद किसी समय मुकदमा पेश होगा। वदगी हुजूर, बदगी मेम साहब। मुझे कल यह डिबिया अदालत में पेश करनी पडेगी, इसलिए यदि आपको कोई आपत्ति न हो तो मैं इसे अपने साथ लेता जाऊँ।

[ वह डिबिया उठा लेता है और सलाम करके चला जाता है। बार्थिविक उसके साथ जाने के लिए उठता है, और अपने हाथों को कोट के पीछे रखकर निराश होकर बोलता है।]

मैं चाहता हूँ कि तुम इन बातो मे दखल न दिया करो। मगर तुम्हारी ऐसी आदत है कि समझो या न समझो दखल हरेक बात मे दोगी। मारा—सब मामला चौपट कर दिया।

मिसेज बार्थिविक (रुखाई से) मेरी समझ में नही आता तुम्हारा मतलब क्या ह। अगर तुम अपने हक के लिए नही खडे हो सकते, तो मैं तो खडी हो सकती हूँ। मुझे तुम्हार सिद्धान्त जरा भी नही भाते। उन्हे लेकर तुम चाटा करो।

बार्थिविक सिद्धान्त। तुम हो किस फेर में। सिद्धान्तो की यहाँ चर्चा ही क्या ? तुम्हें मालूम नही कि पिछली रात को जैक नशे म चूर था ?

जैक अब्बा जान।

मिसेज बार्थिविक (भयभीत होकर खडी हो जाती है) जक, यह क्या बात ह ?

जैक कोई बात नही अम्मा। मैंने केवल भोजन किया था। सभी खात ह। मेरा मतलब ह, यानी मेरा मतलब है—आप मेरा मतलब समझ गई होगी। इसे नशे में चूर होना नही कहते। आक्सफोड में तो सभी मुह का मजा बदल लिया करते हैं।

मिसेज़ बार्थिविक यह बडी बेहूदा बात है। मगर तुम लोग आक्सफाड में यही सब किया करते हो—

जैक (क्रोध से) तो फिर आप लोगों ने मुझे वहाँ भेजा क्यो ? जैसे और सब रहते हैं वसे ही तो मुझे भी रहना पडेगा। इतनी सी बात को नशे में चूर कहना हिमाकत है। हाँ, मुझे खेद अवश्य है। आज दिन भर सिर में बडा दद रहा।

बार्थिविक छी ! अगर तुम्हें मामूली-सी तमीज़ भी होती और तुम्हें इतना-सा भी याद होता कि जब तुम यहाँ आए तो क्या-क्या बातें हुइ तो हमें

मालूम हो जाता कि इस बदमाश की बाता में कितना सच है। मगर अब ता कुछ समझ में हो नही आता। गोरख धन्धा सा होकर रह गया।

जैक (घूरता हुआ मानो अधूरी बातें याद आ रही है) कुछ-कुछ याद आता है —फिर सब भूल जाता हूँ।

मिसेज़ वार्थिविक क्या कहते हो जक ? क्या तुम्हें इतना नशा था कि तुम्हे इतना भी याद नही ?—

जैक यह बात नही हैं, अम्मा। मुझे यहाँ आने की खूब याद ह—मैं जरूर आया हूँगा—

वार्थिविक (गुस्से से बेकाबू इधर से उधर तक टहलता हुआ) खूब ! और वह मनहूस थैली कहा से आ गई। खुदा खर करे। जरा सोचा ता जैक ! यह सारी बातें पत्रों में निकल जायेंगी। किस को मालूम था कि मामला यहा तक पहुँचेगा। इससे ता यह कही अच्छा होता कि एक दजन डिबियें खो जाती और हम लोग ज़बान न खोलत। (पत्नी से) यह सब तुम्हारी करतूत हैं। मैंने तुमसे पहले ही कह दिया था कि अच्छा हो कही रोपर आ जाता।

मिसेज़ वार्थिविक (तीव्र स्वर से) मेरी समझ में नही आता, तुम क्या बक रहे हो, जान।

वार्थिविक (उसकी तरफ मुड़कर) नही तुम ! अजी—तुम—तुम कुछ जानती नही। (तेज आवाज स) आखिर ! वह रोपर कहाँ मर गया। अगर वह इस दलदल से निकलने की कोई राह निकाल दे, तो मैं जानू कि वह किसी काम का आदमी है। मैं बदकर कहता हूँ कि इससे निकलने का अब कोई रास्ता नही ह। मुझे तो कुछ सूझता नही।

जैक इधर सुनिये, अब्बाजान को क्या दिक करती हो ? मैं केवल इतना ही कह सकता हूँ कि मैं थककर बेदम हो गया था, और मुझे इसके सिवा कुछ याद नही ह कि मैं घर आया।

[बहुत मद स्वर से]

और रोज की तरह पलग पर जाकर सो रहा।

वार्थिविक पलग पर चले गये ? कौन जानता है कि तुम कहा चले गये, मुझे तुम्हारे ऊपर अब विश्वास नही रहा। मुझे क्या पता कि तुम ज़मीन पर पड रहे होगे।

जैक (बिगड़कर) जमीन पर नही, मैं—

वार्थविक (सोफा पर बैठकर) इसकी किसे परवाह है कि तुम कहाँ सोये थे ? उस वक्त क्या होगा जब वह कह देगा डूब मरने की बात होगी।

मिसेज़ वार्थविक क्या ? (सन्नाटा) बात क्या हुई, बोलते क्या नही ?

जैक कुछ नही—

मिसेज वार्थविक कुछ नही। कुछ नही, इसम तुम्हारा क्या मतलब है, जक ? तुम्हार दादा इसके लिए आसमान सिर पर उठा रहे है—

जैक वह थैली मेरी ह।

मिसेज़ वार्थविक तुम्हारी थैली ? तुम्हारे पास थैली कब थी ? तुम खूब जानते हा तुम्हारे पास थैली न थी।

जैक खर, दूसरे ही की सही—मगर यह केवल दिल्लगी थी। मुझे उस सडी सी थैली को लेकर क्या करना था ?

मिसेज़ वार्थविक तुम्हारा मतलब ह क्या किसी दूसरे की थैली थी और उसे इस बदमाश ने उडा ली ?

वार्थविक जी हाँ। थली उसने उडा ली। जोन्स वह आदमी नही है कि इस बात पर परदा डाल दे। वह इसे खूब नमक मिच लगाकर बयान करेगा। समाचार-पत्रो में इसकी चर्चा हागी।

मिसेज वार्थविक मेरी समझ म कुछ नही आ रहा है। किस बात का यह सब किस्सा है ?

[जक के ऊपर झुककर प्यार से]

जक बेटा, बताओ तो क्या बात है। डरा मत। साफ-साफ बता दो बात क्या ह ?

जैक अम्मा, ऐसी बातें न करो।

मिसेज़ वार्थविक कसी बातें बेटा ?

जैक कुछ नही या ही। मुझे कुछ याद नही कि वह चीज़ मेर पास कैसे आ गई। मुझमे और उसस एक पकड हो गई—मुझे कुछ खबर न थी कि मैं क्या कर रहा हूँ—मैंने—मैंने शायद मैंने—तम समझ गई होगी—शायद मैंने थैली उसके हाथ से छीन ली।

मिसेज़ वार्थविक उसके हाथ से ? किसके हाथ से ? कसी थला ? किसकी थैली ?

जैक अजी, मुझे कुछ याद नही—(निराश और ऊँची आवाज़ में) किसी औरत की थैली थी।

मिसेज़ वार्थविक किसी औरत की ? नही ! नही ! जैक ! एसा न कहो।

जैक (उछलकर) तुम मानती ही नही थी तो मैं क्या करता। मैं तो नही

बताना चाहता था। मेरा क्या कसूर है?

[द्वार खुलता है और मारलो एक आदमी को अंदर लाता है। अधेड़, कुछ मोटा आदमी है। शाम के कपड़े पहने हुए है। मूछें लाल और पतली हैं। आँखें काली और तेज। उसकी भवें चीनियों की सी हैं।]

मारलो रोपर साहब आये हैं हुजूर।

[वह कमरे से चला जाता है।]

रोपर (तेज आखों से चारों ओर देखकर) कैसे मिज़ाज हैं?

[जैक और मिसेज़ बार्थिविक दोनों चुप बैठे रहते हैं।]

बार्थिविक (जल्दी से आकर) शुक्र है आप आ तो गए। आप को याद है मैंने आज शाम को आप से क्या कहा था? जासूस अभी यहा आया था।

रोपर डिबिया मिल गई?

बार्थिविक हाँ, डिबिया तो मिल गई, पर एक बात है। यह मजदूरनी का काम न था। उसके शराबी और ठलुये शौहर ने वे चीजें चुराई थी। वह कहता है कि यही रात को उसे घर में लाया था।

[वह जैक की तरफ हाथ उठाता है, जो ऐसा दबक जाता है मानो वार बचाता हो।]

आप को कभी इसका विश्वास होगा?

[रोपर हँसता है और वह उत्तेजित होकर शब्दों पर ज़ोर देता हुआ]

यह हँसी की बात नही है। मैंने जैक का किस्सा भी आप से कहा था। आप समझ गए होगे—बदमाश दोनो चीजें उठा ले गया—वह सत्यानाशी थैली भी ले गया। अखबारों में इसकी चर्चा होगी।

रोपर (भवें चढ़ाकर) हूं! थैली! बड़े लोगों की दशा? आपके साहबजादे क्या कहते है?

बार्थिविक उसे कुछ याद नही। ऐसा अँधेर कभी देखा था? पत्रों तक यह बात पहुँचेगी।

मिसेज़ बार्थिविक (हाथों से आँखों को छिपाकर) नही! नही!! यह बात तो नही है—

[बार्थिविक और रोपर घूमकर उसकी ओर देखते हैं।]

बार्थिविक उस औरत पर कह रही है। वह बात अभी अभी इनके कानों में पड़ी है।

[ रोपर सिर हिलाता है और मिसेज़ बार्थिविक अपने होठों को दबाकर मन्द दृष्टि से जैक को देखती है और मेज़ के सामने बैठ जाती है । ]

आखिर, क्या करना चाहिए रोपर ? वह लुच्चा जोन्स इस थैली वाले मामले को खूब बढ़ावेगा, बात का बतगड बना देगा ।

मिसेज़ बार्थिविक मुझे विश्वास नही आता कि जैक ने थैली ली ।

बार्थिविक क्या अब भी कोई सदेह है ? वह औरत आज सवेरे अपनी थैली माँगने आई थी ।

मिसेज़ बार्थिविक यहाँ ? इतनी बेहया है । मुझे क्यो नही बताया ?

[ वह एक दूसरे के चेहरे को तरफ ताकती है, कोई उसे जवाब नहीं देता । सन्नाटा हो जाता है । ]

बार्थिविक (चौंककर) क्या करना होगा, रोपर ?

रोपर (धीरे से जैक से) तुमने कुजी तो दरवाजे में नही छोड दी थी ?

जैक (रुखाई से) हा, छोड तो दी थी ।

बार्थिविक *या ईश्वर । अभी और आगे न जाने क्या क्या होगा ?*

मिसेज़ बार्थिविक मुझे विश्वास है कि तुम उसे घर में नही लाए थे । जक ! यह सरासर झूठी बात है । मैं जानती हूँ इसमें सचाई की गध तक नही है । मिस्टर रोपर !

रोपर (यकायक) तुम रात कहाँ सोए थे ?

जैक (तुरन्त) सोफा पर वहाँ—

[ कुछ हिचिककर ]

यानी मैं

बार्थिविक सोफा पर । क्या तुम्हारा मतलब यह है कि चारपाई पर गए ही नही ।

जैक (मुह लटकाकर) नही ।

बार्थिविक अगर तुम्हें कुछ भी याद नही है तो यह इतना कैसे याद रहा ?

जैक क्योकि आज सुबह मेरी आँख खुली तो मैंने अपने को वही पाया ।

मिसेज़ बार्थिविक क्या कहा ?

बार्थिविक या खुदा !

जैक और मिसेज़ जोन्स ने मुझे देखा । मैं चाहता हूँ कि आप लोग मुझे यो दिक न करें ।

रोपर आपको याद ह कि आपने किसी को शराब पिलाई थी ?

जैक   हा, मैं कसम खाकर कहता हूँ कि मुझे एक आदमी की याद आ रही है उस आदमी के

[ रोपर की तरफ देखता है ।]

क्या आप मुझसे चाहते हैं कि

रोपर   (बिजली की तेजी से) जिसका चेहरा गदा है ।

जैक   (प्रसन्न होकर) हाँ, वही, वही ! मुझे साफ याद आ रहा ह

[ बार्थिविक अचानक खिसक जाता है ।]

[मिसेज बार्थिविक क्रोध से रोपर की तरफ देखती है और अपने बेटे की बाँह छूती है ।]

मिसेज बार्थिविक   तुमको बिलकुल याद नही है। यह कितनी हँसी की बात है। मुझे उस आदमी के यहाँ आने का बिलकुल विश्वास नही है।

बार्थिविक   तुम्हें सच बोलना चाहिए। चाहे यही सच क्यो न हो ? लेकिन अगर तुम्हें याद आता है कि तुमने ऐसी बेहूदगी की तो तुम फिर मुझसे कोई आशा न रक्खो ।

जैक   (उनकी तरफ घूरकर) आखिर आप लोग मुझसे चाहते क्या है ?

मिसेज़ बार्थिविक   जैक !

जैक   जी हाँ, मेरी समझ में बिलकुल नही आता कि आप लोगो की इच्छा क्या है।

मिसेज़ बार्थिविक   हम लोग यही चाहते ह कि तुम सच बोलो और कह दो कि तुमने उस नीच को घर में नही बुलाया ।

बार्थिविक   बेशक, अगर तुम खयाल करते हो, कि तुमने इस बेशरमी से उसे ह्विस्की पिलाई और अपनी करतूत उसे दिखाई, और तुम्हारी दशा इतनी खराब थी कि तुम्हें वे बातें बिलकुल याद नही, तो

रोपर   (जल्दी से) मुझे खुद कोई बात याद नही रहती। याददाश्त इतनी कमजोर है।

बार्थिविक   (निराश भाव से) तो मैं नही जानता कि तुम्हें क्या कहना पडेगा।

रोपर   (जैक से) तुम्हें कुछ कहने की जरूरत नही। अपने को इस झमेले में मत डालो। औरत ने चीज चुराई या मर्द ने चीजें चुराई, आप को इससे कुछ मतलब नही। आप तो सोफा पर सो रहे थे।

मिसेज़ बार्थिविक   तुमने दरवाजे में कुजी लगी हुई छोड दी, यही क्या कम है ? अब और कुछ कहने की जरूरत नही।

[ उसके माथे को प्यार से छूकर ]

तुम्हारा सिर आज कितना गम है ?

जैक लेकिन मुझे यह तो बतलाइए कि मुझे करना क्या होगा ? (क्रोध से) मैं नही चाहता, कि इस तरह चारो ओर से मुझे दिक करें।

[ मिसेज बार्थविक उसके पास से हट जाती है। ]

रोपर (जल्दी से) आप यह सब कुछ भूल जायें। आप तो साये थे।

जैक क्या कल मेरा कचहरी जाना जरूरी है ?

रोपर (सिर हिलाकर) नही।

बार्थविक (जरा शान्तचित्त होकर) सचमुच।

रोपर जी हाँ।

बार्थविक लेकिन आप तो जायेंगे ?

रोपर जी हाँ।

जैक (बनावटी प्रसन्नता से) बडी इनायत है। मैं यही चाहता हूँ कि मुझे वहाँ जाना न पडे।

[ सिर पर हाथ रखकर ]

मुझे क्षमा कीजिएगा। आज सिर में जोरों का दद है।

[ बाप की तरफ से माँ की तरफ देखता है।]

मिसेज बार्थविक (जल्दी से घूमकर) अच्छा, जाओ बेटा।

जैक अच्छा, अम्माँ।

[ वह चला जाता है। मिसेज बार्थविक लम्बी साँस खींचती हैं। सन्नाटा हो जाता है। ]

बार्थविक यह बहुत सस्ते छूट गए। अगर मैंने उस औरत को रुपए न दिए होते, तो उसने जरूर दावा किया होता।

रोपर अब आपको मालूम हुआ कि धन कितना उपयोगी ह।

बार्थविक मुझे अब भी सन्देह है कि हमें सच को छिपा देना चाहिए या नही।

रोपर चालान होगा।

बार्थविक क्या आपका मनशा है कि इन्हें अदालत में जाना पडेगा ?

रोपर हाँ।

बार्थविक अच्छा! मैंने समझा था कि आप देखिए मिस्टर रोपर। उस थली का जिक्र मिस्टर काग़ज़ों में न आने दीजिएगा।

[ रोपर अपनी छोटी आँखें उसके चेहरे पर जमा देता है और सिर हिलाता है। ]

मिसेज़ बार्थिविक मिस्टर रोपर, क्या आपके खयाल में यह मुनासिब नही है कि जोन्स परिवार का हाल मैजिस्ट्रेट से कह दिया जाय। मेरा मतलब यह है कि शादी के पहले उनका आपस में कितना अनुचित सम्बन्ध था। शायद जान ने आप से नही कहा।

रोपर यह तो कोई मार्के की बात नही।

मिसेज़ बार्थिविक मार्के की बात नही।

रोपर निजी बात है। शायद मैजिस्ट्रेट पर भी यही बीत चुकी हो।

बार्थिविक (पहलू बदलकर, मानो बोझ खिसका रहा है।) तो अब आप इस मामले को अपने हाथ में रखेंगे ?

रोपर अगर ईश्वर की कृपा हुई।

[हाथ बढ़ाता है।]

बार्थिविक (विरक्त भाव से हाथ हिलाकर) ईश्वर की इच्छा ? क्या ? आप चले ?

रोपर जी हाँ ! ऐसा ही मेरे पास एक दूसरा मुकदमा भी है।

[ मिसेज़ बार्थिविक को झुककर सलाम करता है और चला जाता है। बार्थिविक उसके पीछे पीछे अन्त तक बातें करता जाता है। मिसेज़ बार्थिविक मेज पर बैठी हुई सिसक सिसककर रोने लगती है। बार्थिविक लौटता है। ]

बार्थिविक (आप ही आप) बदनामी होगी।

मिसेज़ बार्थिविक (तुरत अपने रज को छिपाकर) मेरी समझ में यह बात नही आती कि रोपर ने ऐसी बात को हँसी में क्यो उडा दिया ?

बार्थिविक (विचित्र भाव से ताककर) तुम तुम्हारी समझ में कोई बात नही आती। तुम्हें रत्ती भर भी समझ नही है।

मिसेज़ बार्थिविक (क्रोध से) तुम मुझसे कहते हो कि मुझमें समझ नही है ?

बार्थिविक (घबराकर) मैं बहुत परेशान हूँ। सारी बात आदि से अन्त तक मेरे सिद्धान्त के विरुद्ध ह।

मिसेज़ बार्थिविक मत बको। तुम्हारा कोई सिद्धान्त भी है। तुम्हारे लिए दुनिया में डरने के सिवा और कोई सिद्धान्त नही है।

बार्थिविक (खिड़की के पास जाकर) मैं अपनी जिन्दगी में कभी न डरा। तुमने सुना है, रोपर क्या कहता था ? जिस आदमी के घर में ऐसी वारदात हो गई हो, उसके होश उडा देने को इतनी बात काफ़ी है। हम जो कुछ कहते या करते है वह हमारे मुँह से निकल ही पडता है। भूत-सा सिर पर सवार रहता है। मैं इन बातो का आदी नही हूँ।

[ वह खिडकी खोल देता है मानो उसका दम घुट रहा हो। किसी लडके के सिसकने की धीमी आवाज़ सुनाई देती है। ]

यह कैसी आवाज़ है ?

[ वे सब कान लगाकर सुनते हैं। ]

मिसेज बार्थिविक (तीव्र स्वर में) मुझसे रोना नही सुना जाता। मैं मारलो को भेजती हूँ कि इसे रोक दे। मेरे सारे रोएँ खडे हो गए।

[ घंटी बजाती है।]

बार्थिविक मैं खिडकी बन्द किए देता हूँ, फिर तुम्हे कुछ न सुनाई देगा।

[ वह खिडकी बन्द कर देता है और सन्नाटा हो जाता है। ]

मिसेज़ बार्थिविक (तीव्र स्वर में) इससे कोई फायदा नही। मेरा दिल धडक रहा है। मुझे किसी बात से इतनी घबडाहट नही होती, जितनी किसी बालक के रोने से।

[ मारलो आता है।]

यह कैसा रोने का शोर है मारलो ? किसी बच्चे की आवाज़ मालूम होती ह।

बार्थिविक बच्चा ह। उस मुडेर से चिपटा हुआ दिखाई तो पडता है।

मारलो (खिडकी खोलकर और बाहर देखकर) यह मिसेज जोन्स का छोटा लडका है, हुजूर ! अपनी माँ को खोजता हुआ यहाँ आया ह।

मिसेज़ बार्थिविक (जल्दी से खिडकी के पास जाकर) कैसा ग़रीब लडका ह ! जान, हमें यह मुक्दमा न चलाना चाहिए।

बार्थिविक (एक कुर्सी पर धम से बैठकर) लेकिन अब तो बात हमारे हाथ से निकल गई।

[ मिसेज बार्थिविक खिडकी की तरफ पीठ कर लेती है, उसके चेहरे पर बेचैनी का भाव दिखाई देता है, वह अपने ओठ दबाए खडी होती है। रोना फिर शुरू हो जाता है। बार्थिविक हाथों से अपने कान बन्द कर लेता है और मारलो खिडकी बन्द कर देता है। रोना बन्द हो जाता है। ]

[ पर्दा गिरता है। ]

# अंक ३

## दृश्य पहला

[ आठ दिन गुजर गए हैं। लन्दन के पुलिस कोर्ट का दृश्य है। एक बजा है। एक चदवे के नीचे न्याय का आसन है। इस चदवे के ऊपर शेर और गैंडे की प्रतिमा बनी हुई है। आंख के सामने एक मुरझाई हुई सूरत का न्यायाधीश अपने कोट के पिछले भाग को गम कर रहा है और दो छोटी छोटी लडकियों को घूर रहा है, जो नीले और नारगी चोयडे पहने हुए हैं। कपडों का रग बिलकुल उड गया है। ये लडकियां कठघरे में लाई जाती हैं। गवाहो के कठघरे के पास एक अफसर ओवरकोट पहने खडा है। उसकी दाढी छोटी और भूरी है। छोटी लडकियों के बगल में एक गजा पुलिस कास्टेबिल खडा है। अगली बेंच पर बार्यिविक और रोपर बैठे हुए हैं। जैक उनके पीछे बैठा है। जगलेदार कठघरे में कुछ फटेहाल मर्द और औरतें पीछे खडी हैं। कई मोटे-ताजे कास्टेबिल इधर-उधर खडे या बैठे हैं। ]

मैजिस्ट्रेट ( पिता भाव दिखाता हुआ कठोर स्वर में ) अब हमें इन लडकियो का झगडा तय कर देना चाहिए।

अहलमद थेरसा लिवेंस! माड लिवेंस!

[ गजा कास्टेबिल छोटी लडकियों को दिखाता है जो चुपचाप, स्थिति को समझती हुई विरक्त भाव से खडी हैं। ]

[ दारोगा गवाहों के कठघरे में आता है। ]

दारोगा! तुम अदालत के सामने जो बयान दोगे, वह बिल्कुल सच, पूरा-पूरा सच और सच के सिवा और कुछ न होगा। ईश्वर तुम्हारी मदद करे। इस किताब को चूमो।

[ दारोगा किताब चूमता है।]

दारोगा (एक ही आवाज में, हरएक आवाज के अन्त में रुकता हुआ ताकि उसका बयान लिखा जा सके।) आज सवेरे करीब दस बजे मैंने इन दोनों लड़कियों को ब्ल्यूस्ट्रीट में एक सराय के बाहर रोते हुए पाया। जब मैंने पूछा कि तुम्हारा घर कहाँ है तो उन्होंने कहा कि हमारा घर नहीं है। माँ कहीं चली गयी है। बाप के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि उसके पास कोई काम नहीं है। जब पूछा कि तुम लोग रात कहाँ सोई थी, तो उन्होंने अपनी फूफू का नाम लिया। हुजूर, मैंने तहकीकात की है। औरत घर से निकल गई है और मारी-मारी फिरती है। बाप बेकार है और मामूली सराय में रहता है। उसकी बहन के अपने ही आठ लड़के हैं, वह कहती है कि मैं इन लड़कियों का अब पालन नहीं कर सकती।

मैजिस्ट्रेट (कटघरे के नीचे अपनी जगह पर आकर) तुम कहते हो कि माँ मारी-मारी फिरती है। तुम्हारे पास क्या सबूत है?

दारोगा हुजूर, उसका शौहर यहाँ मौजूद है।

मैजिस्ट्रेट अच्छी बात है। उसे पेश करो।

[लिवेंस का नाम पुकारा जाता है। मैजिस्ट्रेट आगे झुक जाता है और कठोर दया से लड़कियों की ओर देखता है। लिवेंस अन्दर आता है। उसके बाल खिचड़ी हो गए हैं। कालर की जगह गुलूबन्द लगाए हुए है। वह गवाहों के कठघरे के पास खड़ा हो जाता है।]

अच्छा, तुम इनके बाप हो? तो तुम इन लड़कियों को घर में क्यों नहीं रखते? यह क्या बात है कि तुम इनको इस तरह सड़कों पर फिरने के लिए छोड़ देते हो?

लिवेंस हुजूर, मेरे कोई घर नहीं है। मेरे खाने का तो ठिकाना नहीं है। मैं बिलकुल बेकार हूँ और न मेरे पास कुछ है जिससे इनका पालन कर सकूं।

मैजिस्ट्रेट यह कैसे?

लिवेंस (शर्माकर) मेरी बीवी निकल गई और सारी चीजें गिरो रख दी।

मैजिस्ट्रेट लेकिन तुमने उसे ऐसा करने क्यों दिया?

लिवेंस हुजूर, मैं उसे रोक नहीं सका। उधर मैं काम की तलाश में गया, इधर यह निकल भागी।

मैजिस्ट्रेट क्या तुम उसे मारते-पीटते थे?

लिवेंस (ज़ोर देकर) हुजूर, मैंने कभी उसे तिनके से भी न मारा।
मैजिस्ट्रेट तब क्या बात थी, क्या वह शराब पीती थी ?
लिवेंस (धीमी आवाज में) हाँ, हुजूर।
मैजिस्ट्रेट उसका चाल-चलन अच्छा न था ?
लिवेंस (धीमी आवाज में) हा, हुजूर।
मैजिस्ट्रेट अब कहाँ है ?
लिवेंस मुझे नही मालूम, हुजूर। वह एक आदमी के साथ निकल गई और तब मैं—
मैजिस्ट्रेट हाँ, हाँ, ठीक है। यहाँ कोई उसे जानता थोडे ही है ?

[ गजे कास्टेबिल से ]

क्या यहा कोई जानता ह उसे ?
दारोगा इस इलाके में तो कोई नहीं जानता हुजूर। लेकिन मैंने पता लगाया कि—
मैजिस्ट्रेट हाँ, हाँ, ठीक है। इतना ही काफी है।

[ बाप से ]

तुम कहते हो कि वह घर से निकल गई और इन लडकियो को छोड गई। तुम इनके लिए क्या इन्तजाम कर सकते हो ? तुम देखने मे तो हट्टे-कट्टे आदमी हो।
लिवेंस हाँ, हुजूर, हट्टा-कट्टा तो हूँ, और काम भी करना चाहता हूँ, लेकिन अपना कोई बस नही। कही मजदूरी मिले तब तो ?
मैजिस्ट्रेट लेकिन तुमने कोशिश की थी ?
लिवेंस हुजूर, सब कुछ करके हार गया। कोशिश करने में कोई कसर नही उठा रखी।
मैजिस्ट्रेट अच्छा—
दारोगा (सन्नाटा हो जाता है) अगर हुजूर का खयाल हो कि ये बच्चे अनाथ हैं तो हम उनको लेने को तैयार हैं।
मैजिस्ट्रेट हाँ, हाँ, मैं जानता हूँ। लेकिन मेरे पास कोई ऐसी शहादत नही ह कि यह आदमी अपने बच्चो की ठीक तौर से देख रेख नही कर सकता।

[ वह उठता है और आग के पास चला जाता है। ]

दारोगा हुजूर, इनकी माँ इनके पास आती जाती है।

मैजिस्ट्रेट हाँ, हाँ ! माँ इस योग्य नही है कि बच्चे उसे दिए जायँ।

[ बाप से ]

तुम क्या कहते हो ?

लिवेंस हुजूर, मैं इतना ही कहता हूँ कि अगर मुझे काम मिल जाय तो मैं बडी खुशी से उनकी परवरिश करूँगा। लेकिन मैं क्या करूँ हुजूर, मेरे तो भोजन का ठिकाना नही। सराय में पडा रहता हूँ। मैं मजबूत आदमी हूँ, काम करना चाहता हूँ। दूसरा से दूनी हिम्मत रखता हूँ, लेकिन हुजूर देखते हैं कि मेरे बाल पक गए हैं बुखार के सबब से।

[ अपने बाल छूता है ]

इसलिए मैं जँचता नही। शायद इसीलिए मुझे कोई नौकर नही रखता।

मैजिस्ट्रेट ( आहिस्ता से ) हा, हाँ ! मैं समझता हूँ कि यह एक मामला है।

[ लडकियों की तरफ कडी आँखों से देखकर ]

तुम चाहते हो कि ये लडकियाँ अनाथालय में भेज दी जायँ।

लिवेंस हा हुजूर, मेरी तो यही इच्छा है।

मैजिस्ट्रेट एक हफ्ते की मुहलत देता हूँ। आज ही के दिन फिर लाना। अगर उस वक्त उचित हुआ तो मैं हुक्म दे दूँगा।

दारोगा आज के दिन हुजूर !

[ गजा कांस्टेबिल लडकियों का कधा पकडे ले जाता है। बाप उनके पीछे पीछे जाता है। मैजिस्ट्रेट अपनी जगह पर लौट आता है और झुककर क्लक से साथ साथ बातें करता है। ]

बार्थिविक ( हाथ की आड से ) बडा करुण दृश्य है रोपर, मुझे तो उन पर बडी दया आ रही ह।

रोपर पुलिस कोट में ऐसे सकडो आया करते हैं।

बार्थिविक वडो दिल दुखानेवाली बात ह। लोगो की दशा जितना ही देखता हूँ उतना ही मेरे दिल पर असर होता है। मैं पालमेंट में उनका पक्ष लेकर अवश्य खडा होऊँगा। मैं एक प्रस्ताव—

[ मैजिस्ट्रट क्लर्क से बोलना बन्द कर देता है। ]

क्लाक हिरासतवालो !

[ बार्थिविक एकाएक रुक जाता है। कुछ हलचल होती है और मिसेज जोन्स सदर दरवाजे से अन्दर आती है। जोन्स पुलिस

वालों के साथ कैदियों के दरवाजे से आता है। वे कठघरे के अन्दर एक क़तार में खड़े होते हैं। ]

क्लार्क जेम्स जोन्स ! जेन जोन्स !

अर्दली जेन जोन्स ?

बार्थिविक ( धीरे से ) देखो रोपर, उस थैली की ज़िक्र न आने पाए। चाहे जो कुछ हो तुम उसे समाचार पत्रों में न आने देना।

[ रोपर सिर हिलाता है। ]

गजा कास्टेबिल चुप रहो।

[ मिसेज जोन्स काले पतले फटे कपड़े पहने हुए है। उसकी टोपी काली है। वह कठघरे के सामने की दीवार पर हाथ रक्खे चुपचाप खड़ी हो जाती है। जोन्स कठघरे की पिछली दीवार टेककर खड़ा हो जाता है। और इधर उधर साहस भरी दृष्टि से ताकता है। उसका चेहरा उतरा हुआ है और बाल बढ़े हुए हैं। ]

क्लार्क ( अपने कागज देखकर ) हुजूर, यह वही मुकदमा है जो पिछले बुधवार को जेर तजवीज था। एक चाँदी की सिगरेट की डिबिया की चोरी और पुलिस पर हमला—दोनों मुलजिमों का साथ-साथ विचार हो रहा था। जेम्स जोन्स, जेन जोन्स।

मजिस्ट्रेट ( घूरकर ) हाँ, हाँ, मुझे याद है।

क्लार्क जेन जोन्स !

मिसेज जोन्स हाँ, हुजूर।

क्लार्क क्या तुम स्वीकार करती हो कि तुमने एक चाँदी की सिगरेट की डिबिया जिसकी कीमत ५ पौं० १० शिलिंग है, जान बार्थिविक मेम्बर पार्लमेंट के मकान से, ईस्टर मंडे के दिन ग्यारह बजे रात और ईस्टर ट्यूसडे आठ बजे दिन के बीच में चुराई थी। बोलो, हाँ या नहीं ?

मिसेज जोन्स ( धीमे स्वर में ) नहीं हुजूर, मैंने नहीं—

क्लार्क जेम्स जोन्स, क्या तुम स्वीकार करते हो, कि तुमने एक चाँदी की सिगरेट की डिबिया जिसकी कीमत ५ पौं० १० शिलिंग है, जान बार्थिविक मेम्बर पार्लमेंट के मकान से ईस्टर मंडे को ११ बजे रात और ईस्टर ट्यूसडे के ८ बजे दिन के बीच में चुराई ? और जब पुलिस ईस्टर ट्यूसडे को तीन बजे शाम के वक्त अपना काम करना चाहती थी, तो तुमने उस पर हमला किया ? बोलो, हाँ या नहीं।

जोन्स ( रुलाई से ) हाँ, लेकिन इसके बारे में मुझे बहुत-सी बातें कहनी हैं।

मैजिस्ट्रेट (क्लाक से ) हाँ, हाँ। लेकिन यह क्या बात है कि इन दोनो पर एक ही जुर्म लगाया गया है ? क्या वे मियाँ बीवी है ?

क्लार्क हा हुजूर ! आपको याद है कि आपने मुजरिम को हिरासत में रक्खा था कि शौहर के बयान पर और भी शहादत ली जा सके।

मैजिस्ट्रेट क्या तभी से ये दोनो हवालात में है ?

क्लार्क आपने औरत को उसी की जमानत पर छोड दिया था।

मैजिस्ट्रेट हाँ हाँ ! यह चाँदी की डिबिया वाला मामला है। मुझे अब याद आया। अच्छा !

क्लार्क टामस मारलो ?

[ टामस मारलो की पुकार होती है। मारलो अन्दर आता है और गवाहों के कठघरे में जाता है। वहाँ उसे हलफ दी जाती है। चाँदी को डिबिया पेश की जाती है और कठघरे की दीवार पर रखी जाती है। ]

क्लार्क (मिसिल पढता हुआ) तुम्हारा नाम टामस मारलो है ? तुम जॉन बार्थिविक न० ६ राकिंघम गेट के यहा खानसामा हो ?

मारलो जी हा !

क्लाक क्या तुमने पिछले ईस्टरडे की रात को चाँदी की एक डिबिया न० ६ राकिंघम गेट के खाने के कमरे मे एक तश्तरी में रक्खी ? क्या यही वह डिबिया है ?

मारलो जी हा !

क्लाक और जब तुम सुबह को पौने नौ बजे तश्तरी को उठाने गए तो तुम्हें डिबिया नही मिली ?

मारलो हाँ, हुजूर !

क्लाक तुम इस मुजरिम औरत को जानते हो ?

[ मारलो सिर हिलाता है। ]

क्या वह न० ६ राकिंघम गेट में मज़दूरी का कार्य करती है ?

[ मारलो फिर सिर हिलाता है। ]

जब तुमने डिबिया पाई तो उस वक्त मिसेज जोन्स उस कमरे मे थी ?

मारलो जी हाँ !

क्लाक फिर तुमने उस चोरी का हाल जाकर अपने मालिक से कहा और उसने तुम्हें थाने भेजा ?

मारलो जी हाँ !

क्लार्क (मिसेज़ जोन्स से) तुम्हें इनसे कुछ पूछना है ?

मिसेज़ जोन्स नहीं हुज़ूर। कुछ नहीं।

क्लार्क (जोन्स से) जेम्स जोन्स, क्या तुम्हें इस गवाह से कुछ पूछना है ?

जोन्स मैं तो उसे जानता भी नहीं।

मैजिस्ट्रेट क्या तुमको ठीक याद है कि तुमने उसी वक्त डिबिया रक्खी थी जिस वक्त की तुम बात कह रहे हो ?

मारलो हां, हुज़ूर।

मैजिस्ट्रेट अच्छी बात है। अब अफ़सर (खुफ़िया पुलिस) को बुलाओ।

[ मारलो चला जाता है और स्नो कठघरे में आता है। ]

अर्दली तुम अदालत के सामने जो बयान दोगे वह सच होगा, बिलकुल सच होगा और सच के सिवा कुछ न होगा, ईश्वर तुम्हारी मदद करे।

[ स्नो किताब चूमता है।]

क्लार्क (मिसिल चूमते हुए) तुम्हारा नाम राबर्ट स्नो है ? तुम मिट्रो पुलीटन पुलीस दल के *न० १० बी० विभाग के जासूस हो ?* आज्ञानुसार ईस्टर ट्यूसडे को तुम कैदी के मकान न० ३४ मरथर स्ट्रीट में गए थे ? और क्या तुमने अन्दर जाने पर इस डिबिया को मेज़ पर पड़ी पाया ?

स्नो जी हां।

क्लार्क क्या यही डिबिया है ?

स्नो (डिबिया को उंगली से छूकर) जी हाँ।

क्लार्क तब क्या तुमने डिबिया को अपने कब्ज़े में कर लिया और इस कैदी औरत पर उस डिबिया के चोरी का इलजाम लगाया ? और क्या उसने चोरी से इनकार किया ?

स्नो जी हाँ।

क्लार्क क्या तुमने उसे हिरासत में ले लिया ?

स्नो जी हाँ।

मैजिस्ट्रेट उसका बर्ताव कैसा था ?

स्नो उसने ज़रा भी हुज्जत न की। हाँ, बराबर इनकार करती रही।

मैजिस्ट्रेट तुम उसे जानते हो ?

स्नो नहीं हुज़ूर।

मैजिस्ट्रेट यहाँ और कोई उसे जानता है ?

राजा कान्स्टेबिल नहीं हुज़ूर। दो में से एक को भी कोई नहीं जानता। हमारे पास इनके खिलाफ़ कोई शिकायत नहीं है।

क्लार्क (मिसेज जोन्स) से तुम्हे इस अफसर से कुछ पूछना है ?

मिसेज जोन्स नही हुजूर, मुझे कुछ नही पूछना है।

मैजिस्ट्रेट अच्छी बात है, आगे चलो।

क्लार्क (मिसिल पढता हुआ) और जब तुम इस औरत को गिरफ्तार कर रहे थे, क्या मद बँदी ने मुदाखलत की और तुम्हें अपना काम करने से रोका ? और क्या तुमको एक घूसा मारा ?

स्नो जी हाँ।

क्लार्क क्या उसने कहा, इसे छोड दो, डिबिया मैंने ली है ?

स्नो जी हा।

क्लार्क और तब तुमने सीटी बजाई और दूसरे कास्टेबिल की मदद से उसे हिरासत मे ले लिया ?

स्नो जी हा।

क्लार्क क्या थाने पर जाते हुए वह बहुत गुस्से में था और तुम्हें गालियाँ दी ? और बार-बार कहता रहा कि डिबिया मैंने ली है ?

[ स्नो सिर हिलाता है।]

क्या इस पर तुमने उससे पूछा कि डिबिया तुमने कसे चुराई ? और क्या उसने कहा कि मैं छोटे मिस्टर बार्थिविक के बुलाने पर मकान में गया ?

[ बार्थिविक अपनी जगह पर घूमकर रोपर की तरफ कडी दृष्टि से देखता है। ]

क्या उस दिन ईस्टर मडे की आधी रात थी ? और मैंने ह्विस्की पी और उसी के नशे में डिबिया उठा ला ?

स्नो जी हाँ।

क्लार्क क्या वह बराबर इसी तरह झल्लाता रहा ?

स्नो जी हाँ।

जोन्स (बीच में बोलकर) जरूर झल्लाता रहा। जब मैं तुमसे कह रहा था कि डिबिया मैंने ली है तो तुमने मेरी बीवी पर क्यो हाथ डाला ?

मैजिस्ट्रेट (गदन बढाकर हिश करके डाँटता हुआ) तुम जो कुछ कहना चाहोगे, उसे कहने का मौका तुम्हें अभी मिलेगा। इस अफसर से तुम्हें कुछ पूछना है ?

जोन्स (चिढ़कर) नही।

मैजिस्ट्रेट अच्छी बात है। हम पहले मुजरिम औरत का बयान लेंगे।

मिसेज़ जोन्स  हुजूर, मैं तो अब भी वही कहती हूँ जो अब तक बराबर कहती आ रही हूँ कि मैंने डिबिया नही चुराई।

मैजिस्ट्रेट - ठीक है, लेकिन क्या तुमको मालूम था कि किसी ने उसे चुराया ?

मिसेज जोन्स  नही हुजूर, और मेरे शौहर ने जो कुछ कहा है उसके बारे मे मैं कुछ नही जानती। हाँ, इतना ज़रूर जानती हूँ कि वह सोमवार को बहुत रात गए घर आये। उस वक्त एक बज चुका था। और वह अपने आपे में न थे।

मैजिस्ट्रेट  क्या वह शराब पीये था ?

मिसेज़ जोन्स  हाँ हुजूर।

मैजिस्ट्रेट  और वह नशे में था ?

मिसेज जोन्स  हाँ हुजूर, बिलकुल बे खबर था ?

मैजिस्ट्रेट  और उसने तुमसे कुछ कहा ?

मिसेज जोन्स  नही हुजूर, खाली मुझे गालिया देता रहा। और सुबह को जब मैं उठी और काम करने चली गयी तो वह सोता रहा। फिर मैं इसके बारे में कुछ नही जानती। हाँ, मिस्टर बार्थविक ने, जो मेरे मालिक है, मुझसे कहा कि डिबिया गायब हो गई है।

मैजिस्ट्रेट  हाँ ! हाँ !

मिसेज़ जोन्स  तो जब मैं अपने शौहर का कोट हिलाने लगी तो सिगरेट की डिबिया उसमे से गिर पडी। और सारे सिगरेट चारपाई पर बिखर गए।

मैजिस्ट्रेट  (स्नो से) तुम कहते हो कि सिगरेट चारपाई पर बिखर गए ? तुमने सिगरेट चारपाई पर बिखरे देखे थे ?

स्नो  नही हुजूर, मैंने नही देखा।

मैजिस्ट्रेट  यह तो कहते ह कि मैंने उन्हें बिखरे नही देखा ?

जोन्स  न देखा हो, लेकिन बिखरे थे।

स्नो  हुजूर, मैंने कमरे की सब चीज़ो के देखने का मौका ही नही पाया। इस भद ने मेरा काम ही हल्का कर दिया।

मैजिस्ट्रेट  (मिसेज जोन्स से) अच्छा तुम्हें और क्या कहना है ?

मिसेज़ जोन्स  तो हुजूर, मैंने जब डिबिया देखी, तो मेरे होश उड गए। और मेरी समझ में न आया कि उन्होने क्यो ऐसा काम किया। जब जासूस अफ़सर आया तो हम लोगो में इसी के बारे में कहा-सुनी हो रही थी। क्योकि हुजूर, उसने मुझे तबाह कर दिया। अब मुझे कौन नौकर रक्खेगा। मेरे तीन-तीन बच्चे है हुजूर।

मैजिस्ट्रेट (गर्दन बढ़ाकर) हाँ, हाँ ! लेकिन उसने तुमसे कहा क्या ?

मिसेज जोन्स मैंने उससे पूछा कि तुम्हारे ऊपर ऐसी क्या आफ्त आई कि तुमने ऐसा काम कर डाला। उसने कहा कि यह नशे के कारण हुआ। मैंने बहुत शराब पी ली थी और न जाने मुझ पर क्या सनक सवार हो गई थी। और बात यह है हुजूर, कि उन्होंने दिन भर कुछ नहीं खाया था। और जब खाली पेट कोई शराब पीता है, तो झट दिमाग पर असर हो जाता है। हुजूर, न जानते हों, लेकिन यह बात सच है। और मैं कसम खाकर कहती हूँ कि जब से हमारा ब्याह हुआ, उसने कभी ऐसा काम नहीं किया। हालांकि हम लोगों को बड़ी-बड़ी आफतें झेलनी पड़ीं।

[ कुछ जोर देकर बात करती हुई ]

मुझे विश्वास है कि अगर वह अपने आपे में होते तो ऐसा काम कभी न करते।

मैजिस्ट्रेट हाँ, हाँ ! लेकिन क्या तुम नहीं जानतीं कि यह कोई उज्र नहीं है ?

मिसेज जोन्स हाँ जानती हूँ हुजूर। (मैजिस्ट्रेट आगे झुक जाता है और क्लार्क से बातें करता है।)

जैक (पीछे की जगह से आगे को झुककर) दादा, मैं कहता हूँ।

बार्थविक चुप रहो। (रोपर से बातें करते हुए मुँह छिपाकर) रोपर, अच्छा हो कि तुम अब खड़े हो जाओ और कह दो कि और सब बातों और कैदियों की गरीबी का खयाल करके हम इस मुकदमे को और आगे नहीं बढ़ाना चाहते। और अगर मैजिस्ट्रेट साहब इसे उस आदमी का फिसाद समझकर कारवाई करें—

राजा कांस्टेबिल खामोश।

मैजिस्ट्रेट अच्छा, अब अगर यह मान लिया जाय कि जो कुछ तुम कहती हो

[रोपर सिर हिलाता है।]

वह सच है और जो कुछ तुम्हारा शौहर कहता है वह भी सच है, तो मुझे यह विचार करना पड़ेगा कि वह कैसे घर के अन्दर पहुँचा। और क्या तुमने अन्दर पहुँचने में उसकी कुछ मदद की ? तुम उस मकान में मजदूरनी का काम करती हो न ?

मिसेज जोन्स जी हाँ, हुजूर, लेकिन अगर मैं उसको मकान के अन्दर घुसने में मदद देती तो मेरे लिए यह बहुत बुरा काम होता। और मैंने जहाँ जहाँ काम किया कभी ऐसा न किया।

मैजिस्ट्रेट खैर, यह तो तुम कहती हो। अब देखें तुम्हारा शौहर क्या बयान देता है।

जोन्स (जो पीछे के कठघरे में हाथ टेके हुए धीमी रूखी आवाज़ से बोलता है) मैं वही कहता हूँ जो कुछ मेरी बीवी कहती है। मैं कभी पुलीस कोर्ट में नहीं लाया गया। और मैं साबित कर सकता हूँ कि मैंने यह काम नशे में किया। मैंने अपनी बीवी से कह दिया और वह भी यही कहेगी कि मैं उस चीज़ को पानी में फेंकने जा रहा था। यह इससे कहीं अच्छा था कि मैं उसके पीछे परेशान होता।

मैजिस्ट्रेट लेकिन तुम मकान के अन्दर घुसे कैसे?

जोन्स मैं उधर से गुज़र रहा था। मैं 'गोट और बेल्स' सराय से घर जा रहा था।

मैजिस्ट्रेट गोट और बेल्स क्या चीज़ है? क्या सराय है?

जोन्स हाँ, उस कोने पर। उस दिन बैंक की छुट्टी थी और मैंने दो घूट पी ली थी। मैंने छोटे मिस्टर बार्थिविक का गलत जगह दरवाज़े पर कुंजी लगाते हुए देखा।

मैजिस्ट्रेट अच्छा!

जोन्स (आहिस्ता से और कई बार रुककर) तो मैंने उन्हें कुंजी का सुराख दिखा दिया। वह नवाबों की तरह शराब में चूर था। तब वह चला गया लेकिन थोड़ी देर बाद लौटकर बोला, मेरे पास तुम्हें देने को कुछ नहीं है। लेकिन अन्दर आकर थोड़ी-सी पी लो। तब मैं अन्दर चला गया। आप भी ऐसा ही करते। तब हमने थोड़ी-सी ह्विस्की पी। आप भी इसी तरह पीते। तब छोटे मिस्टर बार्थिविक ने मुझसे कहा, थोड़ा सी शराब पी लो। और तम्बाकू भी पियो। तुम जो चीज़ चाहो ले लो। यह कहकर वह सोफा पर सो गया। तब मैंने थोड़ी सी और शराब पी। और सिगरेट भी पिया। फिर मैं आपसे नहीं कह सकता कि इसके बाद क्या हुआ।

मैजिस्ट्रेट क्या तुम्हारा मतलब है कि तुम नशे में इतने चूर थे कि कुछ भी याद नहीं रहा?

जैक (बाप से नरमी के साथ) ठीक यही बात है—जो जो—

बार्थिविक चुप!

जोन्स हाँ, मेरा यही मतलब है।

मैजिस्ट्रेट फिर भी तुम कहते हो कि तुमने डिबिया चुराई?

जोन्स  मैंने डिबिया चुराई हरगिज़ नहीं। मैंने सिफ ले ली थी।

मैजिस्ट्रेट  (गर्दन आगे बढ़ाकर) तुमने इसे चुराया नहीं? तुमने इसे सिफ ले लिया? क्या तुम्हारी थी? यह चोरी नहीं तो और है क्या?

जोन्स  मैंने इसे ले लिया।

मैजिस्ट्रेट  तुमने इसे ले लिया। तुम इसे उनके घर से अपने घर ले गए—

जोन्स  (गुस्से से बात काटकर) मेरा कोई घर नहीं है।

मैजिस्ट्रेट  अच्छी बात है। देखें नवयुवक मिस्टर बार्थिविक तुम्हारे बयान के बारे में क्या कहते हैं?

*[ जोन्स गवाहों के कठघरे से चला जाता है। गजा कांस्टेबिल जैक को इशारे से बुलाता है और वह अपनी टोपी लिए गवाहों के कठघरे में आता है। रोपर मेज के पास चला आता है जो वकीलों के लिए अलग की हुई है। ]*

हलफ देने वाला क्लार्क  तुम अदालत के सामने जो बयान दोगे उसे सच होना चाहिए, बिलकुल सच होना चाहिए और सिवा सच के कुछ न होना चाहिए। ईश्वर तुम्हारी मदद करे। इस किताब को चूमो।

*[ जैक किताब चूमता है। ]*

रोपर  (जिरह करते हुए) तुम्हारा क्या नाम है?

जैक  (धीमी आवाज में) जान बार्थिविक जूनियर।

*[क्लार्क इसे लिख लेता है।]*

रोपर  कहाँ रहते हो?

जैक  नं० ६ रार्किघम गेट।

*[उसके सब जवाबों को क्लार्क लिखता जाता है।]*

रोपर  तुम मालिक के लड़के हो?

जैक  (बहुत धीमी आवाज में) हाँ।

रोपर  ज़रा ज़ोर से बोलो। क्या तुम मुजरिम को जानते हो?

जैक  (जोन्स स्त्री पुरुष की ओर देखकर धीमी आवाज में) मैं मिसेज़ जोन्स को जानता हूँ। मैं—(ऊँची आवाज में) मर्द को नहीं जानता।

जोन्स  लेकिन मैं तुमको जानता हूँ।

गजा कांस्टेबिल  चुप रहो।

रोपर  अच्छा, क्या तुम ईस्टर-मंडे की रात को बहुत देर में घर आए थे?

जैक  हाँ।

रोपर  क्या तुमने गलती से दरवाज़े की कुंजी दरवाज़े में लगी हुई छोड़ दी?

जैक हाँ।

मैजिस्ट्रेट अच्छा, तुमने कुंजी दरवाजे में ही लगी छोड़ दी ?

रोपर और अपने आने के विषय में तुम्हें सिर्फ इतना ही याद है ?

जैक (धीमी आवाज में) हाँ, इतना ही।

मैजिस्ट्रेट तुमने इस मर्द मुजरिम का बयान सुना है। उसके बारे में तुम क्या कहते हो ?

जैक (मैजिस्ट्रेट की तरफ मुड़कर दृढ़ता के साथ) बात यह है हुजूर, कि मैं रात को थिएटर देखने चला गया था। वहा खाना खाया और बहुत रात गए घर पहुँचा।

मैजिस्ट्रेट तुम्हे याद है कि जब तुम आए तो यह आदमी बाहर खड़ा था ?

जैक जी नही। (वह हिचकता है) मुझे तो याद नही।

मैजिस्ट्रेट (कुछ गड़बड़ाकर) क्या इस आदमी ने तुम्हें दरवाजा खोलने में मदद दी ? जैसा इसने अभी कहा है। किसी ने दरवाजा खोलने में तुम्हें मदद दी ?

जैक जी नहीं। मैं तो ऐसा नही समझता। मुझे याद नही।

मैजिस्ट्रेट तुम्हें याद नही ? लेकिन याद करना पड़ेगा। तुम्हारे लिए यह कोई मामूली बात तो नही है कि जब तुम आओ तो दूसरा आदमी दरवाजा खोल दे ! क्यों ?

जैक (लज्जा से मुस्कराकर) नही।

मैजिस्ट्रेट अच्छा तब ?

जैक (असमंजस में पड़कर) बात यह है कि शायद मैंने उस रात को बहुत ज्यादा शामपेन पी ली थी।

मैजिस्ट्रेट (मुस्कराकर) अच्छा, तुमने बहुत ज्यादा शामपेन पी ली था ?

जोन्स मैं इन महाशय से एक सवाल पूछ सकता हूँ ?

मैजिस्ट्रेट हा, हा ! तुम जो कुछ पूछना चाहो पूछ सकते हो।

जोन्स क्या आपको याद नही है कि आपने कहा था कि मैं अपने बाप की तरह लिबरल हूँ और मुझसे पूछा था कि तुम क्या हो ?

जैक (माथे पर हाथ रखकर) मुझे कुछ याद आता है—

जोन्स और मैंने आपसे कहा था कि मैं पक्का कंसर्वेटिव हूँ। तब आपने मुझसे कहा, तुम तो साम्यवादी से मालूम पड़ते हो। जो कुछ चाहो ले लो।

जैक (दृढ़ता के साथ) नही मुझे इस तरह की कोई बात याद नही है।

जोन्स लेकिन मुझे याद है। और मैं उतना ही सच बोलता हूँ, जितना आप।

मैं इसके पहले कभी पुलिस कोट में नही लाया गया। जरा इधर देखिए, क्या आपको याद नही है कि आपके हाथ में एक नीले रग की थैली थी ? और—

[ बार्थविक उछल पडता है। ]

रोपर मैं हुजूर से अर्ज करना चाहता हूँ कि यह प्रश्न फजूल है। क्योकि कैदी ने खुद इकबाल कर लिया है कि उसे कुछ याद नही।

[मैजिस्ट्रेट के चेहरे पर मुस्कराहट दिखाई पडती है।]

अन्धा अन्धे को क्या रास्ता दिखा रहा है।

जोन्स (बिगडकर) मैंने इनसे ज्यादा खराब काम नही किया है। मैं गरीब आदमी हूँ, मेरे पास न रुपए है न दोस्त है। वह धनी है, वह जो कुछ चाहे कर सकता है।

मैजिस्ट्रेट बस बस, इन बातो से कोई फायदा नही। तुम्हें शान्त रहना चाहिए। तुम कहते हो, यह डिबिया मैंने ले ली। तुमने क्यो उसे ले लिया ? क्या तुम्हें रुपए की बहुत जरूरत थी ?

जोन्स रुपए की तो मुझे हमेशा जरूरत रहती है।

मैजिस्ट्रेट क्या इसीलिए तुमने उसे ले लिया ?

जोन्स नही।

मैजिस्ट्रेट (स्नो से) इसके पास कोई चीज बरामद हुई ?

स्नो जी हाँ, हुजूर। इसके पास ६ पौं० १२ शिलिंग निकले। और यह थैली।

[ लाल रेशमी थैली मैजिस्ट्रेट के हाथ में रख दी जाती है। बार्थविक अपनी जगह से उचक पडता है लेकिन फिर बैठ जाता है। ]

मैजिस्ट्रेट (थैली की तरफ देखकर) हा, हा लाओ, इसे देखू।

[ सब चुप हो जाते हैं। ]

नही, थैली के बारे में कोई बयान नही है। तुम्हें ये सब रुपए कहाँ मिले ?

जोन्स (कुछ देर चुप रहकर एकाएक बोल उठता है) मैं इस सवाल का जवाब देने से इनकार करता हूँ।

मैजिस्ट्रेट अगर तुम्हारे पास इतने रुपए थे तो तुमने डिबिया क्यो ली ?

जोन्स मैंने इसे जलन की वजह से ली।

मैजिस्ट्रेट (गर्दन बढाकर) तुमने इसे जलन की वजह से लिया ? खैर, यह एक बात है। लेकिन क्या तुम खयाल करते हो कि तुम जलन की वजह से दूसरो की चीजें लेकर शहर में रह सकते हो ?

जोन्स अगर आपकी हालत मेरी सी होती, अगर आप भी बेकार होते—

मैजिस्ट्रेट हाँ, हाँ, मैं जानता हूँ। चूंकि तुम बेकार हो, तुम समझते हो कि चाहे तुम जो कुछ करो, माफ हो जाएगा।

जोन्स (जैक की तरफ उँगली दिखलाकर) आप उनसे पूछिए। उन्होने क्यो उसकी थैली—

रोपर (आहिस्ता से) क्या हुजूर को अभी इस गवाह की और जरूरत है ?

मैजिस्ट्रेट (व्यग से) नही। कोई फायदा नही।

[ जैक कठघरे से चला जाता है, और सिर झुकाए हुए अपनी जगह पर बैठ जाता है। ]

जोन्स आप इनसे पूछिए कि इन्होने क्यो उस औरत की—

[ लेकिन गजा कास्टेबिल उसकी आस्तीन पकड लेता है। ]

गजा कास्टेबिल चुप !

मैजिस्ट्रेट (जोर देकर) मेरी बात सुनो। मुझे इससे कोई मतलब नही कि इन्होने क्या लिया और क्या नही लिया ? तुमने पुलिस के काम में मदाखिलत क्यो की ?

जोन्स उनका काम यह नही था कि मेरी बीवी को गिरफ्तार करते। वह एक शरीफ औरत है और उसने कुछ नही किया ह।

मैजिस्ट्रेट नही, पुलिस का यही काम था। तुमने अफसर को घूसा क्यो मारा ?

जोन्स ऐसी हालत में दूसरा आदमी भी मारता ? अगर मेरा बस चलता तो फिर मारता।

मैजिस्ट्रेट इस प्रकार बिगडकर तुम अपने मुकदमे का कुछ मदद नही पहुँचा रहे हो। अगर सभी तुम्हारी तरह करने लगें तो हमारा काम ही न चले।

जोन्स (आगे झुककर, चिन्तित स्वर में) लेकिन उसकी क्या दशा होगी ? इस बदनामी से उसे जो नुक्सान हुआ, वह कौन भरेगा ?

मिसेज़ जोन्स हुजूर, बच्चा की फिक्र इन्हें सता रही है। क्योकि मेरी नौकरी जाती रही। और इस बदनामी की वजह से मुझे दूसरा मकान लेना पडा।

मैजिस्ट्रेट हाँ हाँ, मैं जानता हूँ। लेकिन इसने अगर ऐसा काम न किया होता, तो किसी का कुछ न होता।

जोन्स (घूमकर जैक की तरफ देखते हुए) मेरा काम इतना बुरा नही ह, कि जितना इनका। पूछता हूँ इनका क्या होगा ?

[ गजा कॉन्स्टेबिल फिर कहता है—चुप !]

रोपर  मिस्टर बार्थविक, यह अर्ज़ कर रहे है कि कैदी की गरीबी का खयाल करके वह डिबिए के मामले को आगे नही बढाना चाहते। शायद हुजूर दगे की कारवाई करेंगे।

जोन्स  मैं इसको दबने न दूँगा। मैं चाहता हूँ कि सब कुछ इसाफ के साथ किया जाए—मैं अपना हक चाहता हूँ।

मैजिस्ट्रेट  ( डेस्क को पीटकर ) तुम को जो कुछ कहना था, कह चुके। अब चुप रहो।

[ सन्नाटा हो जाता है। मैजिस्ट्रेट झुककर क्लार्क से बातें करता है। ]

हाँ, मेरा खयाल है कि इस औरत को बरी कर दूँ।

[ वह दया भाव से मिसेज जोन्स से कहता है जो अभी तक कठघरे पर हाथ धरे अनिश्चल खडी है। ]

तुम्हारे लिए यह दुर्भाग्य की बात है कि इस आदमी ने ऐसा काम किया। इसका फल उसको नही भोगना पडा बल्कि तुमको भोगना पडा। तुम्हें यहाँ दो बार आना पडा, तुम्हारी नौकरी छूट गई।

[ जोन्स की तरफ ताकता है।]

और यही हमेशा होता है। तुम अब जाओ। मुझे दुख है कि तुमको यहाँ व्यर्थ बुलाना पडा।

मिसेज जोन्स  ( धीमी आवाज में ) हुजूर। अनेक धन्यवाद।

[ वह कठघरे से चली जाती है और पीछे फिरकर जोन्स की तरफ देखती हुई अपने हाथों को मलती है और खडी हो जाती है। ]

मैजिस्ट्रेट  हा हाँ मेरे बस की बात नही। अब जाओ तुम खुद समझदार हो।

[ मिसेज जोन्स पीछे खडी होती है मैजिस्ट्रेट अपने हाथ पर सिर झुका लेता है तब सिर उठा के जोन्स से कहता है। ]

मेरी बात सुनो। क्या तुम चाहते हो कि यह मामला यहीं तय कर दिया जाय या जूरी ( पचायत ) के पास भेज दिया जाय।

जोन्स  ( बडबडाता हुआ ) मैं जूरी नही चाहता।

मैजिस्ट्रेट  अच्छी बात है। मैं यही तय कर दूँगा। ( जरा रुककर ) तुमने डिबिया चुराना स्वीकार कर लिया है।

जोन्स  चुराना नही।

गजा कास्टेबिल चुप !

मैजिस्ट्रेट और पुलीस पर हमला करना ।

जोन्स भला, कोई भी आदमी ऐसी बेजा

मैजिस्ट्रेट यहाँ तुम्हारा व्यवहार बहुत बुरा था । तुम यह सफाई देते हो कि जब तुमने डिबिया चुराई तब तुम नशे में थे । यह कोई सफाई नही है । अगर तुम शराब पीकर कानून को तोडोगे तो तुम्हें उसका फल भोगना पडेगा । और मैं तुमसे साफ-साफ कहता हूँ कि तुम जैसे आदमी जो नशे में चूर हो जाते है, और जलन या उसे जो कुछ तुम कहना चाहो उसके फेर में पडकर दूसरो की बुराई करते है, वे समाज के शत्रु है ।

जैक ( अपनी जगह पर झुककर ) दादा ! यही तो आपने मुझसे भी कहा था ।

बार्थिविक चुप ! ( सब चुप हो जाते हैं । मैजिस्ट्रेट क्लाक से राय लेता हैं । जोन्स आगे झुका हुआ प्रतीक्षा करता है । )

मैजिस्ट्रेट यह तुम्हारा पहला कसूर ह और मैं तुम्हें हल्की सजा देना चाहता हूँ । ( तीव्र स्वर में लेकिन बिना कोई भाव प्रकट किए हुए ) एक महीने की कडी कैद ।

[ वह झुककर क्लाक से बातें करता है । गजा कांस्टेबिल और एक दूसरा सिपाही मिलकर जोन्स को कठघरे से ले जाते हैं । ]

जोन्स ( रुककर और पीछे हटकर ) तुम इसे न्याय कहते हो ? जैक का तो कुछ भी नही बिगडा ? उसने शराब पी, उसने थैली ली—उसी ने थैली ली, लेकिन ( जबान दबाकर ) उसका रुपया उसे बचा ले गया । वाह रे इसाफ !

[ जोन्स कोठरी में बन्द कर दिया जाता है और स्त्री-पुरुषों के मुह से एक सूखी धीमी आह निकलती है । ]

मैजिस्ट्रेट ( वह अपनी जगह से उठता है ) अब हम नाश्ता करने जाते ह ।

[ अदालत में हलचल मच जाती है, रोपर उठता है और समाचार के सम्वाददाता से बातें करता है । जैक सिर उठाकर अकडता हुआ बरामदे में चला जाता है । बार्थिविक भी उसके पीछे-पीछे जाता है । ]

मिसेज जोन्स ( विनीत भाव से उसकी तरफ फिरकर ) हुजूर !

[ बार्थविक असमंजस में पड़ जाता है। फिर हिम्मत हारकर वह लज्जित भाव से इंकार का संकेत करता है और जल्दी से कचहरी से चला जाता है। मिसेज जोन्स उसकी तरफ देखती खड़ी रह जाती है। ]

[ परदा गिरता है। ]

●

# न्याय

[ जॉन गॉल्सवर्दी के 'जस्टिस' का अनुवाद ]

# पात्र-सूची

| | |
|---|---|
| जेम्स हो<br>वाल्टर हो (जेम्स हो का लडका) | सालिसिटर (वकील) |
| राबट कोकसन | उनका मैनेजिंग क्लाक (कार्याध्यक्ष) |
| विलियम फाल्डर | छोटा (जूनियर) क्लाक |
| स्वीडिल | आफिस का नौकर |
| विस्टर | डिटेक्टिव (खुफिया पुलीस) |
| कावली | एक कशियर (खजाची) |
| मिस्टर जस्टिस फ्लाइड | जज विचारक |
| हैरोल्ड क्लीवर | पुराना एडवोकेट (सरकारी वकील) |
| हेक्टर फ्रोम | एक युवक वकील |
| कैप्टेन डान्सन मी० सी० | एक जेल के अध्यक्ष |
| रेवरेन्ड हिउ मिलर | एक जेल के पादडी |
| एडवर्ड क्लेमेन्ट | एक जेल के डाक्टर |
| वुडर | प्रधान वाडर |
| मोने<br>क्लिप्टन<br>ओक्लिग्ररी | कैदी |
| रुथ हनीविल | एक औरत |

बैरिस्टर गण, सालिसिटर गण, दशक गण, चोबदार, रिपोर्टर गण, जूरीमैन, वार्डर गण और कैदी गण।

समय—वतमान काल।

अक १ जेम्स एएड वाल्टर हो का आफिस, सवेरा, जुलाई।

अक २ अदालत, दोपहर, अक्टूबर।

अक ३ जेल, दिसम्बर।

दृश्य पहला जेल अध्यक्ष का आफिस।

दश्य दूसरा   जाने आने का रास्ता ।

दृश्य तीसरा   जेल की कोठरी ।

अंक ४   जेम्स एण्ड वाल्टर हो का आफिस,

सबेरा, मार्च, दो वर्ष बाद की घटना ।

# अंक १

## दृश्य पहला

[ जुलाई मास का सवेरा, जेम्स और वाल्टर हो के मैनेजिंग क्लाक का कमरा है। कमरा पुराने ढंग का, महोगनी की पुरानी कुरसी और मेजों से सजा हुआ है, जिन पर चमड़ा लगा हुआ है। टीन के बक्स और इलाकों के नक्शे कतारों में सजे हैं। कमरे में तीन दरवाजे हैं, जिनमें दो दरवाजे बीच दीवार में पास-पास हैं। इन दरवाजों में एक बाहर के दफ्तर में जाने का है। लकड़ी और काच के परदे की दीवार से मैनेजर का कमरा उस बाहरी कमरे से अलग कर दिया गया है। बाहरी कमरे में जाने का दरवाजा खोलने पर एक चौड़ा दरवाजा और दिखाई देता है जहाँ से नीचे उतरने की सीढ़ियां हैं। बीच के दो दरवाजों में दूसरा दरवाजा छोटे क्लाक के कमरे में जाता है। तीसरा दरवाजा मालिकों के कमरे में जाने का है।

मैनेजिंग क्लाक कोक्सन बैठे हुए मेज पर रखी हुई पास बुक के अर्कों को जोड रहे हैं और अपने ही आप अर्कों को दुहराते भी जाते हैं। उनकी उम्र साठ वर्ष की है। चश्मा लगाये हुए हैं। क़द के ठिगने हैं, सिर गजा है। ठुड्डी कुछ आगे को उठी हुई है, जिससे नीयत की सफाई झलक रही है। एक पुराना काला कोट और धारीदार पतलून पहने हुए हैं। ]

**कोक्सन** और पाँच बारह, और तीन पन्द्रह, उन्नीस, तेईस, बत्तीस, इकतालीस हासिल आए चार।

[ पृष्ठ पर एक निशान लगाकर उसी प्रकार उच्चारण करता जाता है।]

पाँच, सात, बारह, सत्रह, चौबीस और नो सत्तीस, तरह, हासिल आया एक।

[ फिर निशान लगाता है। बाहर के कमरे का दरवाज़ा खुलता है, और ऑफिस का अदली स्वीडिल दरवाज़े को बन्द करता हुआ भीतर आता है। उसकी अवस्था १६ साल की है। उसके चेहरा का रंग पीला और बाल खड़े हैं। ]

[ झुंझलाकर ऐसी दृष्टि से देखता हुआ मानो कह रहा हो कि तुम क्या करने आए हो ? ]

और हासिल आया एक।

स्वीडिल फाल्डर को कोई पूछ रहा है।

कोकसन पाँच, नो, सोलह, इक्कीस, उन्तीस और हासिल आए दो। उस मारिस के मकान पर भेज दो। नाम क्या है ?

स्वीडिल हनीविल।

कोकसन चाहता क्या है ?

स्वीडिल औरत है।

कोकसन शरीफ औरत है ?

स्वीडिल नहीं, मामूली है।

कोकसन उसे भीतर बुला लो। यह पास-बुक मिस्टर जेम्स के पास ले जाओ।

[ पास बुक बन्द करता है। ]

स्वीडिल ( दरवाज़ा खोलकर ) ज़रा आप अन्दर चली आयें।

[ रुथ हनीविल भीतर आती है। उसकी अवस्था छब्बीस वर्ष की है। क़द लम्बा, आँखें और बाल काले हैं। चेहरा सुगठित, सुडौल और हाथी दाँत सा सफेद है। उसके कपड़े सादे हैं। वह बिलकुल चुपचाप खड़ी है। उसके अन्दाज़ और रंग-ढंग से मालूम होता है कि किसी अच्छे घर की है। ]

स्वीडिल पास-बुक लेकर मालिकों के कमरे की ओर चला जाता है। ]

कोकसन ( घूमकर रुथ की ओर देखते हुए ) वह अभी बाहर गया है। ( सन्देह के साथ ) आप अपना मतलब कहिए।

रुथ (बेधड़क होकर) जी हाँ, कुछ अपना काम है।

कोकसन यहाँ निजी काम से कोई नहीं आने पाता। आप चाहें तो उसे कुछ लिखकर रख जायें।

रुथ  नही, मैं उनसे मिलना नही चाहती हूँ।

[ यह अपनी काली आँखों को सिकोडकर कटाक्ष से उनकी ओर देखती है। ]

कोकसन  ( फूलकर ) यह बिलकुल नियम के विरुद्ध है। मान लीजिए मेरा ही कोई मित्र यहाँ मुझसे मिलने आए। यह तो ठीक नही है।

रुथ  जी नही, ठीक है ?

कोकसन  ( कुछ घबराकर ) हाँ कहता तो हूँ, और तुम तो यहाँ एक छोटे क्लार्क से मिलना चाहती हो ?

रुथ  जी हाँ, मुझे उससे बहुत ही जरूरी काम है।

कोकसन  (उसकी तरफ पूरी तरह मुह फेरकर, कुछ बुरा मानकर) लेकिन यह वकील का दफ्तर है। तुम उसके घर पर जाकर मिलो।

रुथ  वहाँ तो वह था ही नही।

कोकसन  ( चिन्तित होकर ) क्या तुम्हारा उससे कुछ रिश्ता है ?

रुथ  जी नही।

कोकसन  ( दुविधे में पडकर ) मेरी समझ मे नही आता क्या कहूँ ? यह कोई दफ्तर का काम तो है नही।

रुथ  लेकिन मैं करूँ तो क्या करूँ ?

कोकसन  वाह ! यह मैं क्या जानूं ?

[ स्वीडिल लौट आता है, और इस कमरे से कोक्सन की ओर कुतूहल से घूरता हुआ कमर में चला जाता है। जाते समय दरवाजे को सावधानी के साथ दो एक इंच खुला छोड जाता है। ]

कोकसन  ( उसकी दृष्टि से होशियार होकर ) ऐसा नही हो सकता, आप जानती हैं, ऐसा किसी तरह नही हो सकता ! मान लो एक मालिक ही आ जायें तो ?

[ बाहरी कमरे के बाहरी दरवाजे से रह-रहकर कुंडी का खटकना और हँसना सुनाई देता है। ]

स्वीडिल  ( दरवाजे के भीतर सिर डालकर ) यहाँ बाहर कुछ बच्चे खडे हैं।

रुथ  जी, वे मेरे बच्चे हैं।

स्वीडिल  मैं उन्हें देखता रहूँ ?

रुथ  यह तो बिलकुल छोटे बच्चे हैं। (कोक्सन की ओर एक कदम बढ़ाती है।)

कोकसन  तुम्हें दफ्तर के घटो में उसका समय नष्ट न करना चाहिए। यों ही हमारे यहाँ एक क्लार्क की कमी है।

मरने जीने का सवाल है जी।

रुथ   मरने जीने का सवाल है जी।

कोकसन   ( फिर कान खड़े करके ) मरने जीने का ?

स्वीडिल   यह फाल्डर साहब आ गए।

[ फाल्डर बाहर के कमरे से भीतर आता है। उसका चेहरा पीला है, देखने में अच्छा है। उसकी आँखें तेज और सहमी हुई हैं। वह क्लाक के कमरे की ओर बढ़ता है और वहाँ हिचकता हुआ खड़ा हो जाता है। ]

कोकसन   खैर, मैं तुम्हें एक मिनट दे सकता हूँ। लेकिन यह नियम विरुद्ध है।

[ वह कागजों का एक पुलिन्दा उठाकर मालिकों के कमरे में घुस जाता है। ]

रुथ   ( धीमी, घबराई हुई आवाज से ) वह फिर पीने लगा, बिल। कल रात को उसने मेरा गला काटने की कोशिश की थी। उसके जागने के पहिले ही मैं बच्चों को लेकर भाग आई हूँ। मैं तुम्हारे घर गई थी।

फाल्डर   मैंने डेरा बदल दिया है।

रुथ   आज रात के लिए सब तैयारी हो गई है न ?

फाल्डर   मैं टिकट ले आया हूँ। टिकट घर के पास मुझसे पौने बारह बजे मिलना। ईश्वर के लिए भूल मत जाना कि हम स्त्री-पुरुष हैं।

[ उसकी ओर स्थिर और निराश नेत्रों से देखते हुए ]

रुथ   तुम जाने से डर तो नही रहे हो ?

फाल्डर   क्या अपना और बच्चो का सामान तुमने ठीक कर लिया है ?

रुथ   नही, सब छोड आई हूँ। मुझे हनीविल के जग जाने का भय था। बस एक बेग लेकर चली आई हूँ। मैं अब घर के पास तक नही जा सकती।

फाल्डर   ( हक्का-बक्का होकर ) वह सब रुपया यो ही बरबाद गया। कम-से कम कितने रुपये हो तो तुम्हारा काम चल जाय ?

रुथ   छ पाउड। मेरे ख्याल से इतने में काम चल जायगा।

फाल्डर   देखो, हमारे जाने की खबर किसी को न हो। ( मानो कुछ अपने ही आप से ) वहाँ जाकर मैं यह सब भुला देना चाहता हूँ।

रुथ   अगर तुम्हें खेद हो रहा हो, तो रहने दो। मुझे उसके हाथ से मर जाना मजूर है। परन्तु तुम्हारी मरजी के खिलाफ तुम्हें न ले जाऊँगी।

फाल्डर   ( एक अजीब हँसी हँसकर ) हमारा जाना तो रुक नही सकता। तुम्हें परवा नही। मैं तो तुम्हें चाहता हूँ।

रुथ   अब भी विचार कर लो, क्योंकि अभी कुछ नही बिगडा है।

फाल्डर जो कुछ होना था हो गया। यह लो सात पाउंड। याद रखना टिकट घर के पास—पौने बारह बजे। रुथ, यदि मुझे तुमसे प्रेम न होता।

रुथ मुझे प्यार करो।

[ दोनों आवेग के साथ चिपट जाते हैं, ठीक इसी समय कोकसन के आ जाने से वे झट अलग हो जाते हैं। रुथ बाहर के कमरे से होकर चली जाती है। कोकसन गंभीर भाव से सब समझते हुए भी दृढ़ता से धीरे-धीरे जाकर अपनी जगह पर बैठते हैं। ]

कोकसन यह बात ठीक नहीं है, फाल्डर।

फाल्डर फिर ऐसा कभी नहीं होगा।

कोकसन इस जगह यह बिलकुल मुनासिब नहीं।

फाल्डर हाँ, ठीक है।

कोकसन तुम खुद समझ सकते हो, मैंने केवल इसीलिए आने दिया कि वह कुछ दुखी थी और उसके साथ बच्चे थे। ( मेज की दराज से एक पुस्तक निकालकर देते हुए ) लो इसे पढना। घर की पवित्रता बड़े अच्छे ढग से लिखी गयी है।

फाल्डर ( एक अजीब मुह बनाकर उसे लेते हुए ) धन्यवाद।

कोकसन और सुना फाल्डर, वाल्टर साहब आते ही होंगे। क्या तुमने यह सूची पूरी कर ली जो डेविस जाने से पहिले कर रहा था ?

फाल्डर जी, मैं कल उसे बिलकुल पूरी कर दूँगा। निश्चय।

कोकसन डेविड का गये एक हफ्ता हो गया। देखो फाल्डर, ऐसे काम नहीं चलेगा। तुम निजके झगडो में पडकर दफ्तर के कामों में लापरवाई कर रहे हो। मैं उस औरत के आने की बात तो किसी से न कहूँगा। लेकिन—

फाल्डर ( अपने कमरे में जाते हुए ) बड़ी दया है।

[ कोकसन उस दरवाज़े की ओर घूरता है, जिसमें से होकर फाल्डर गया है। फिर एक बार सिर हिलाकर कुछ लिखने के लिए तैयार होता है। उसी समय बाहर कमरे से वाल्टर हो आता है। उसकी उम्र पैंतीस वर्ष की होगी। सूरत भलेमानुसों की सी है। आवाज मीठी और नम्र है। ]

वाल्टर गुडमार्निंग, कोकसन।

कोकसन गुडमार्निंग, मिस्टर वाल्टर।

वाल्टर अब्बा जान ?

कोकसन (बड़प्पन जताते हुए, मानो ऐसे युवक से बातें कर रहा हो, जो अपने काम में जी न लगाता हो) मिस्टर जेम्स तो ठीक ग्यारह बजे यहाँ आ गए हैं।

वाल्टर मैं तसवीर देखने गिल्डहाल चला गया था।

कोकसन (इस प्रकार से उसकी ओर देखते हुए मानो उसने ठीक इसी उत्तर की आशा की हो।) देख आए आप? हाँ, यह वोल्टर का पट्टा है। क्यों इसे वकील के पास भेज दूँ?

वाल्टर अब्बा जान क्या कहते हैं?

कोकसन उनसे पूछना व्यर्थ है।

वाल्टर मगर हमें बहुत होशियार रहना चाहिए।

कोकसन बिलकुल ज़रा-सी तो बात है। मुशकिल से मिहनताने भर का भी न होगा। मैं समझता था आप खुद ही इसे कर लेंगे।

वाल्टर नहीं आप भेज ही दें। मैं जिम्मेदारी अपने सिर नहीं लेना चाहता।

कोकसन (ऐसे दयाभाव से जो शब्दों में नहीं प्रकट किया जा सकता) जैसी आपकी इच्छा, और यह रास्ते के हकवाला जो मामला है, उसकी सब लिखा-पढ़ी हो गयी है।

वाल्टर मैं जानता हूँ, लेकिन साफ-साफ तो उनकी मनशा यही मालूम होती है कि शिरकत की ज़मीन को अलग कर दिया जाय।

कोकसन हमें इससे क्या मतलब, हम कानून से बाहर नहीं हैं।

वाल्टर मैं इसे पसंद नहीं करता।

कोकसन (सद्भाव से मुसकिराकर) हम कानून के खिलाफ नहीं जा सकते। आपके पिता जी भी ऐसे कामों में समय नष्ट करना पसंद न करेंगे।

[ठीक इसी समय जेम्स हो मालिकों के कमरे में से होकर भीतर आते हैं। वह ठिगने हैं। सफेद गलमुच्छे हैं। सिर के बाल घने और सफेद हैं। आँखों से होशियारी टपकती है। सोने का कमानीदार चश्मा नाक पर लगा है।]

जेम्स गुडमार्निंग, वाल्टर।

वाल्टर आपका मिजाज कैसा है, अब्बा जान?

कोकसन (अपने हाथ के कागजों को नाक के नीचे से इस तरह देखता हुआ, मानो उनके आकार को तुच्छ समझ रहा हो) मैं वोल्टर के पट्टे को फाल्डर को दिये आता हूँ कि इस बारे में हिदायत तैय्यार कर दे।

[फाल्डर के कमरे में जाता है।]

वाल्टर उस रास्ते के हकवाले मामले में क्या होगा ?

जेम्स हाँ, हमको वहा जाना पडेगा । मुझे याद आता है तुमने कहा था न, कि फर्म का रोकड चार सौ के कुछ ऊपर ह ?

वाल्टर हा, है तो ।

जेम्स (पास बुक बटे की ओर बढ़ाकर) तीन-पाच एक—और हाल का तो कोई चेक है ही नहीं । ज़रा वह चेक-बुक निकाल तो लाओ ।

[ वाल्टर एक अलमारी की दराज खोलकर चेकबुक लाकर देता है । ]

जेम्स मुसन्नों में पाउड पर निशान लगाते जाओ । पाच, चौवन, सात, पाँच, अट्ठाइस, बीस, नब्बे, ग्यारह, बावन, इकहत्तर, मिलते है न ?

वाल्टर ( सिर हिलाकर ) कुछ समझ ही म नही आता, मैंने तो अच्छी तरह देख लिया था, चार सौ से ऊपर थे ।

जेम्स लाओ मुझे तो दो । (चेक-बुक लेकर मुसन्नों को अच्छी तरह जाँचता है ।) देखो ता यह नब्बे कसा ह ?

वाल्टर इसे किसने मँगाया ?

जेम्स तुमने ।

वाल्टर ( चेक-बुक लेकर ) जुलाई ७ को लिखा गया है ? हाँ, उसी दिन मैं ट्रेन्टन का इलाका देखने गया था । शुक्रवार को मैं गया था और मगलवार को वापस आया था । आपको तो याद होगा। लेकिन देखिए, अब्बा जान, मैंने नौ पाउड का चक भुनाया था । पाँच गिनी स्मियर को दिया । बाकी सब मेरे खच में आया । हाँ, केवल आधा क्राउन बचा था ।

जेम्स (गम्भीर भाव से ) उस नब्बे पाउडवाले चेक को देखना चाहिए ।

[ पासबुक के पाकिट में से चेक को ढूढ निकालता है । ]

ठीक तो मालूम होता है । यहाँ नौ ता कही नही ह । कुछ गडबड है । उस नौ पाउड के चेक को किसने भुनाया था ?

वाल्टर ( परेशानी और दुख के साथ ) लाइए देखूँ, मैं मिसेज़ रेडी की वसीयत लिख रहा था । उतना ही समय मिला था । याद आ गया, हाँ मैंने कोकसन को दिया था ।

जेम्स इन अक्षरो को तो देखो । क्या तुमने लिखा था ?

वाल्टर ( विचारकर ) अक्षर पीछे की ओर कुछ घूम जाता है । लेकिन यह तो नही घूमता ।

जेम्स ( कोकसन उसी समय फाल्डर के कमरे से निकलकर आता है।) उससे पूछना चाहिए। कोकसन जरा इधर आकर सोचो तो सही। क्या तुम्हें याद है, गए शुक्रवार को मिस्टर वाल्टर ने तुम्हें एक चेक भुनाने के लिए दिया था ? यह वही दिन है जिस दिन वह टेन्टन गए थे।

कोकसन हाँ, नौ पाउड का चेक था।

जेम्स जरा देखो तो इसे।

( चेक उसके हाथ में देता है।)

कोकसन नही। नौ पाउड था मेरा खाना उसी समय आता था। और मैं गम-गम खाना पसन्द करता हूँ इस लिये चेक को मैंने डेविस को दे दिया कि जल्दी बक चला जाय। वह गया और सब नोट ही नोट लाया था। आपको तो याद होगा, मिस्टर वाल्टर। गाडी के भाडे के लिए आपको कुछ रेजगारी की दरकार थी। (कुछ अवज्ञा भरी दया की दृष्टि से) इधर लाइए जरा मैं तो देखू। आप शायद गलत चेक देख रहे ह।

[ चेक बुक और पास बुक वाल्टर के हाथ से ले लेता है। ]

वाल्टर नही, ऐसा नही है।

कोकसन ( जाँचकर ) बडे अचम्भे की बात है।

जेम्स तुमने डेविस को दिया था, और इधर डेविस सोमवार को आस्ट्रेलिया के लिये रवाना हो गया। दाल में कुछ काला ह, कोकसन।

कोकसन (परेशानी और घबराहट के साथ) यह तो पक्का जाल ह। नही-नही, जरूर कुछ गलती हो रही है।

जेम्स मेरा भी ऐसा ही खयाल ह।

कोकसन मुझे यहाँ तीस साल हो गए, पर ऐसा कभी इस दफ्तर में नही हुआ।

जेम्स (चेक और मुसन्ने को देखते हुए) किसी बडे चालाक आदमी का काम है। यह तुम्हारे लिए चेतावनी है वाल्टर, कि अको के बाद जगह मत छोडा करो।

वाल्टर (कुछ चिढ़कर) मैं जानता हूँ, लेकिन उस दिन मैं बडी जल्दी में था।

कोकसन (अकस्मात्) मेरे तो होश ठिकाने नही ह।

जेम्स मुसन्ने मे भी अक बदले हुये है। बडी उस्तादी से माल उडाया ह। डेविस कौन से जहाज से गया है ?

कोकसन 'सिटी आफ रगून' से।

जेम्स हमें तार देकर उसे नेपल्स में गिरफ्तार करा देना चाहिए। अभी वहाँ पहुँचा न होगा।

कोकसन उसकी जवान बीवी का क्या होगा। उस डेविस युवक को मैं बहुत चाहता हूँ। छी! छी! इस दफ्तर में ऐसी—

वाल्टर मैं बैंक जाकर खजाची से दर्याफ्त करूँ ?

जेम्स (गभीर भाव से) उसे यहाँ ले आओ और कोतवाली को भी टेलीफोन करो।

वाल्टर सचमुच ?

[ बाहर के कमरे से होकर चला जाता है, जेम्स कमरे में टहलने लगता है। फिर ठहरकर कोकसन की ओर देखता है जो बचैनी से पाजामे के ऊपर से घुटनों को रगड रहा है। ]

जेम्स देखो कोकसन, चाल-चलन बडी चीज है। है न ?

कोकसन (चश्मे के ऊपर से उसकी ओर देखकर) मैं आपका ठीक मतलब समझ नही सका।

जेम्स तुम्हारा बयान उसे बिलकुल न जँचेगा जो तुम्हें नही जानता है।

कोकसन आँ-हाँ (वह हँस पडता है और फिर यकायक गभीर होकर कहता है।) मैं उस युवक के लिए बहुत दु खित हूँ। मिस्टर जेम्स, मुझे अपने लडके के लिये भी इससे अधिक दु ख न होता।

जेम्स बुरी बात ह।

कोकसन सब काम ठीक चलता हो वहाँ यकायक ऐसी वारदात हो जाय! आफत ह और क्या। आज खाना भी न रुचेगा।

जेम्स ऐं—यहाँ तक नौबत पहुँच गई ?

कोकसन चिंता मे डालने वाली बात ह। (धीरे से) वह जरूर किसी लालच में पड गया होगा।

जेम्स इतनी जल्दी नही, कोकसन। अभी उस पर दोष भी तो नही साबित हुआ ह।

कोकसन अगर मुझे एक महीने की तनख्वाह न मिलती तो मुझे अफसोस न होता, मगर यह तो—(सोचता है)

जेम्स मैं ख्याल करता हूँ यह जल्दी पहुँचेगा।

कोकसन (खजाची के लिए सब सामान ठीक कर) पचास गज भी तो नही है यहाँ से, अभी एक मिनट में आ पहुँचता है।

जेम्स इस दफ्तर में बेईमानी ! यह सोचकर मेरे दिल को चोट लगती ह।

[वह मालिकों के कमरे की ओर जाता है।]

स्वीडिल (आहिस्ते से आकर धीरे धीरे कोकसन से) वह फिर आ पहुँची।

फाल्डर से शायद कुछ कहना भूल गई है।

कोकसन (यकायक चौंककर) हैं ? नही असभव है। लौटा दो उसे।

जेम्स मामला क्या है ?

कोकसन कुछ नही मिस्टर जेम्स, एक निजी मामला है। चलो, मैं खुद चलता हूँ।

[ जेम्स के मालिक के कमरे में जाते ही, वह बाहर के दफ्तर में आता है।]

देखो अब तुम तग मत करो, अभी हम किसी से मिल नही सकते।

रुथ क्या एक मिनट के लिए भी नही ?

कोकसन नही, हरगिज नही। अगर तुम्हें कुछ बहुत जरूरी काम हो, तो बाहर ठहरो। अभी थोडी देर बाद वह खाना खाने जायगा।

रुथ जी। बहुत अच्छा।

[ वाल्टर खजांची के साथ जाता है, और रुथ के बगल से होकर निकलता है। रुथ भी उसी समय बाहर के कमरे से चली जाती है। ]

कोकसन (खजाची से, जो देखने में, घुडसवार पलटन का एक आलसी सिपाही सा मालूम होता था।) गुडमानिंग (वाल्टर से) आपके अब्बाजान कहाँ है ?

[ वाल्टर मालिकों के कमरे की ओर चला जाता है। ]

कोकसन मिस्टर कौली, बात तो छोटी है पर है बडी भद्दी। मुझे शर्म आती है कि इसके लिए आपको कष्ट देना पडा।

कौली मुझे वह चेक खूब याद है। उसमें कोई खराबी नही थी।

कोकसन खैर, आप बैठिए तो। मैं ऐसा आदमी तो नही हूँ कि जरा-सी बात में घबडा जाऊँ, लेकिन इस तरह का मामला ऐसी जगह में हो जाय, यह तो ठीक नही। मैं तो यह चाहता हूँ कि लोग सच्चे दिल से खुशी खुशी काम करें।

कौली ठीक है।

कोकसन (बटन पकडकर, खींचते हुए और मालिकों के कमरे की ओर देखते हुए।) मान लिया कि वह अभी बिलकुल नासमझ है पर मैंने उससे कई बार कहा कि अको के आगे जगह न छोडा करो, पर वह सुनता ही नही।

कौली मुझे उस आदमी की सूरत खूब याद है—बिलकुल जवान था।

कोकसन पर बात यो है कि शायद उस आदमी को हम आपके आगे पेश न

कर सकें ।

[जेम्स और वाल्टर अपने कमरे में से बाहर आते हैं ।]

जेम्स गुडमार्निंग, मिस्टर कौली ! आपने मुझे और मेरे लड़के को तो देख ही लिया । मिस्टर कोकसन और मेरे आफिस के नौकर स्वीडिल को भी आप देख चुके हैं । मैं समझता हूँ, हममें से कोई न था । (खजांची मुसकिराकर सिर हिलाता है ।)

जेम्स आप कृपा कर बैठिए तो यहाँ, मिस्टर कौली ! कोकसन तुम जरा तब तक इनसे बातें तो करो । (फाल्डर के कमरे की ओर जाते हैं ।)

कोकसन ज़रा एक बात सुनते जाइए, मिस्टर जेम्स ।

जेम्स कहो, कहो ।

कोकसन उस बेचारे को क्यो परेशान करते हैं ? वह गरीब तो यो ही बात-बात में घबडा जाता है ।

जेम्स इस मामले को बिलकुल साफ कर लेना चाहिए कोकसन । फाल्डर की ही नही तुम्हारी भी नेकनामी है इसी में ।

कोकसन (जरा अकडकर) खैर, मेरी तो आप चिन्ता न करें । वह आज सबेरे एक बार हैरान हो चुका है । मैं नही चाहता कि उसे दोबारा उलझन में डाला जाय ।

जेम्स यह तो जाब्ते की बात है, लेकिन ऐसे विषय में भलमसी की क्या बात है । बहुत संगीन मामला है । जब तक कौली साहब को बातो में लगाइये । (फाल्डर के कमरे का दरवाजा खोलता है ।) बोल्टर के पट्टे की मिसिल तो लाओ फाल्डर ।

कोकसन (झटके के साथ) आप कुत्ते तो नही पालते ?

[ खजाची दरवाजे की ओर एक टक देखता रहता है, और कुछ जवाब नहीं देता । ]

कोकसन आपके पास कोई बुलडाग का बच्चा हो, तो एक मुझे दे दीजिए ।

[ खजाची के चेहरे का रंग देखकर उसका चेहरा उतर जाता है, और वह फाल्डर की ओर मुड़कर देखता है । फाल्डर कौली के चेहरे की ओर इस तरह टकटकी लगाए द्वार पर खड़ा है, जैसे खरगोश सांप की ओर आंख जमा लेता है । ]

फाल्डर (कागजों को लाकर) जी, ये हैं सब ।

जेम्स (उनको लेकर) धन्यवाद !

फाल्डर जी, तो मेरे लिये और कोई काम नही है ?

जेम्स नही। (फाल्डर घूमकर अपने कमरे में चला जाता है, जैसे ही वह दर वाजा बन्द करता है, जेम्स खजांची की ओर प्रश्नसूचक दृष्टि से देखता है। खजांची सिर हिलाता है।)

जेम्स यही था? हमें तो यह संदेह न था।

कौली बिलकुल ठीक, यह भी मुझे पहिचान गया। उस कमरे से भाग तो नही सकता?

कोकसन (दु खित होकर) एक ही खिडकी है, नीचे पूरा एक मजिल और तह खाना।

[ फाल्डर के कमरे का दरवाजा खुलता है, फाल्डर हाथ में टोपी लिये, बाहरी कमरे के दरवाजे की तरफ़ जाता है। ]

जेम्स (धीरे से) कहाँ जाते हो, फाल्डर?

फाल्डर जी, खाना खाने।

जेम्स थोडी देर और ठहर सकते हो? मुझे तुमसे इस पट्टे के बारे में कुछ कहना ह। समझे।

फाल्डर जी, अच्छा। (अपने कमरे में वापस जाता है।)

कौली अगर जरूरत पडे, तो मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि इसी आदमी ने चेक भुनाया था। उस दिन सवेरे वही आखिरी चेक था जो खाना खाने के पहिले मैंने लिया था। देखिये मेरे पास उन नोटा के नम्बर भी मौजूद हैं।

[ एक कागज का पुरजा मेज पर रखता है फिर अपनी टोपी घुमाते हुए। ]

अच्छा, गुडमार्निंग।

जेम्स गुडमार्निंग, मिस्टर कौली।

कौली गुडमार्निंग, मिस्टर कोक्सन।

कोकसन (कुछ भौंचक्के से होकर) गुडमार्निंग।

[ खजांची बाहर के आफिस घर से होकर जाता है, कोकसन अपनी कुर्सी पर इस भाँति बैठ जाता है, मानो इस परेशानी में उसे सिर्फ कुर्सी ही का सहारा है। ]

वाल्टर आप अब क्या करना चाहते हैं?

जेम्स उसे यहाँ बुलाओ, चेक और मुसन्ना मुझे दे दो।

कोकसन आखिर यह बात क्या है मैंने तो समझा था यह डेविस—

जेम्स अभी सब मालूम हुआ जाता है।

वाल्टर  ठहरिए, क्या आपने अच्छी तरह सोच लिया है ?

जेम्स  बुलाओ उसको अन्दर।

कोकसन  (मुश्किल से उठकर फाल्डर के कमरे का दरवाजा खोलकर भारी स्वर से) जरा यहाँ तो आना।

[ फाल्डर आता है। ]

फाल्डर  (शान्त भाव से) जी, हाज़िर हूँ।

जेम्स  (अचानक उसकी ओर मुड़कर चेक को उसकी ओर बढाते हुए) तुम इस चेक का पहिचानते हो, फ़ाल्डर ?

फाल्डर  जी नही।

जेम्स  अच्छी तरह देखो तो इसे, तुमने पिछले शुक्रवार को इसे भुनाया था।

फाल्डर हाँ, जी हा। यह वही ह, जिसे डेविस ने मुझे दिया था।

जेम्स  मुझे मालूम ह और तुमने डेविस को रुपए दिए थे ?

फाल्डर  जी हाँ।

जेम्स  जब डेविस ने तुम को यह चेक दिया था तब क्या यह ठीक ऐसा ही था ?

फाल्डर  जी हाँ, मेरा तो यही ख़याल है।

जेम्स  क्या तुम्हे मालूम हैं कि मिस्टर वाल्टर ने केवल ९ पाउड का चेक लिखा था ?

फाल्डर  जी नही, नब्बे का।

जेम्स  नही, फाल्डर, सिफ नौ का।

फाल्डर  (घबड़ाकर) मैंने समझा नही।

जेम्स  मतलब यह कि इस चेक में फेरफार किया गया ह। अब सवाल यह ह कि तुमने किया या डेविस ने।

फाल्डर  मैंने मैंने ?

जेम्स  समझकर जवाब दो, सोच लो।

फाल्डर  (समझकर) जी नही, मुझसे यह काम नही हुआ।

जेम्स  मिस्टर वाल्टर ने कोकसन को चेक दिया था। उसी समय कोकसन का खाना आया था। उस समय ज़रूर एक बजा होगा।

कोकसन  हाँ, इसीलिए तो मैं जा नही सका।

जेम्स  ठीक ह इसीलिए कोकसन ने डेविस को चेक दे दिया। तुमने सवा बजे चेक भुनाया था। यह ऐसे पता चलता है कि खजाची ने खाना न खाने के पहिले इसी चेक के रुपए दिए थे।

फाल्डर  जी हाँ, डेविस ने मुझे इसलिए चेक दिया था कि उसके कुछ मित्र उसे

एक दावत दे रहे थे।

जेम्स (सिटपिटाकर) तो तुम डेविस पर दोष लगाते हो ?

फाल्डर यह मैं कैसे कह सकता हूँ ? बड़े अचरज की बात है।

[ *वाल्टर अपने बाप के बिलकुल पास जाकर कान में कुछ कहता है।* ]

जेम्स फिर शनिवार के बाद तो डेविस यहाँ नही आया न ?

कोकसन (किसी प्रकार इस युवक को सहारा देने की इच्छा से और इस बात के टलने की झलक की तनिक आशा पाकर) नही, वह सोमवार को चला गया।

जेम्स वह यहाँ आया तो नही था ? क्यो फाल्डर ?

फाल्डर (बहुत धीमे स्वर से) जी नही।

जेम्स बहुत अच्छा, तब तुम इस बात का क्या जवाब देते हो कि मुसन्ना में नौ के बाद सिफर मगल के दिन या उसके बाद जोड़ा गया।

कोकसन (आश्चर्य से) यह क्या ?

[ फाल्डर का सिर चकराने लगता है, बड़ी कठिनाई के साथ वह अपने को सँभालता है। मगर उसकी हालत बुरी हो जाती है।]

जेम्स (बहुत गभीर होकर) कोकसन, बात पकड़ गई न ! चेकबुक मिस्टर वाल्टर की जेब में मगलवार तक था। क्योकि उसी दिन सवेरे ब्रैटन से लौटे है। क्या अब भी तुम इनकार करते हो फाल्डर तुमने चेक और मुसन्ने को नही बदला ?

फाल्डर जी नही, जी नही, हाँ साहब। जी हाँ, मैंने ही यह काम किया है।

कोकसन (दु ख के आवेश में) छी ! छी ! ऐसा काम किया तुम ने ?

फाल्डर साहब मुझे रुपए की बड़ी सख्त जरूरत थी। मुझे ध्यान ही न रहा कि मैं क्या कर रहा हूँ।

कोकसन तुम्हारे दिमाग में यह बात आई कैसे ?

फाल्डर (उसकी बातों का मतलब समझकर) मैं कुछ नही कह सकता, साहब, एक मिनट के लिए मैं पागल हो गया था।

जेम्स तुम्हारा मिनट बहुत लम्बा होता है फाल्डर। (मुसन्ने को ठोंकते हुए) कम से कम चार दिन का।

फाल्डर हुजूर मैं कसम खाता हूँ, मुझे बिलकुल ख्याल न था कि मैं क्या कर रहा हूँ। जब कर चुका तब होश आया। मेरी इतनी हिम्मत न हुई कि कह दूँ। भूल जाइए साहब, मेरी इस दुर्बलता को, मैं सब रुपए

वापस कर दूँगा, मैं वादा करता हूँ।

जेम्स अपने कमरे में जाओ।

[ फाल्डर करुणाजनक दृष्टि से देखकर अपने कमरे में चला जाता है। सन्नाटा छा जाता है। ]

इससे बुरा मामला और क्या हो सकता है?

कोकसन ऐसी सीनाज़ोरी और यहां!

वाल्टर अब क्या करना चाहिए?

जेम्स और कुछ नही, मुकदमा चलाइये।

वाल्टर मगर यह इसका पहिला कसूर है।

जेम्स (सिर हिलाकर) मुझे इसमें बहुत सन्देह ह। कितनी सफाई के साथ हाथ मारा है!

कोकसन मैं तो समझता हूँ इसे किसी ने मोह में डाल दिया।

जेम्स जीवन भारी मोह के सिवा और है क्या?

कोकसन हाँ, यह तो ठीक है लेकिन मैं काया और कामिनी की बात कर रहा हूँ, मिस्टर जेम्स! उससे मिलने के लिए आज ही एक औरत आई थी।

वाल्टर वही औरत जो आते वक्त हमारे सामने से निकली थी। क्या वह इसकी बीवी है?

कोकसन नही, कोई रिश्ता नही। (आँखें मटकाना चाहता है, पर समय का विचार करके रुक जाता है।) हा, विवाहिता है।

वाल्टर आपको कैसे मालूम?

कोकसन अपने बच्चा को साथ लाई थी।

[ विरक्ति के साथ ]

वे दफ्तर के बाहर थे।

जेम्स तब तो पक्का शोहदा है।

वाल्टर मेरे ख्याल से उसे इस बार क्षमा कर देना चाहिए।

जेम्स जिस कमीनापन से उसने यह काम किया है, उससे तो मैं क्षमा नही कर सकता। यह समझे बैठा था, कि अगर बात खुल गई, तो हमारा सन्देह डेविस पर होगा। यह बिलकुल इत्तिफाक था कि चेक-बुक तुम्हारी जेब में पडी रह गई।

वाल्टर जरूर किसी क्षणिक मोह में पड गया था। उसको सोचने का वक्त नही मिला।

जेम्स कोई ईमानदार और साफ दिल आदमी एक मिनट के अन्दर ऐसे मोह में नहीं पड जाता। उसका कोई ठिकाना नही है। रुपये के मामले मे अपनी नीयत को साफ रखने की शक्ति उसमें नही है।

वाल्टर (रूखे स्वर से) लेकिन पहिले कभी उसने ऐसा नही किया।

जेम्स (उसकी बात को अनसुनी करके) अपने समय में मैंने ऐसे बहुत आदमी देखे है। इसके सिवा कोई उपाय नही कि उन्हें हानि के पथ से दूर रक्खा जाय। उनकी आखें नही होती।

वाल्टर उसे सख्त कैद की सजा हो जायगी।

कोकसन जेल बडी बुरी जगह है।

जेम्स (हिचक्ता हुआ) समझ मे नही आता, उसे कसे छोड दिया जा सकता है। इस दफ्तर म उसे रखने का तो अब कोई सवाल ही नही। लेकिन ईमान ही मनुष्य का सबसे बडा गुण है।

कोकसन (मन्त्र मुग्ध की भाति) इसमे क्या शक।

जेम्स वैसे ही उसे हम उन लोगो के बीच में नही छोड सकते जो उसके चाल चलन को नही जानते। समाज की ओर भी हमारा कुछ कर्त्तव्य है।

वाल्टर लेकिन उस पर इस तरह का दाग लगा देना अच्छा नही।

जेम्स अगर चकमा देने की कोशिश न करता तो मैं उसे क्षमा कर देता। लेकिन उसने अपराध पर अपराध किया है। आवारा है।

कोकसन मैं यह नही कहता, परिस्थितियो पर विचार करके उसका अपराध हलका हो जाता है।

जेम्स एक ही बात है उसने खूब दाव घात लगाई, और मालिको की आंखो में धूल झोंकी, और एक निर्दोषी आदमी के सिर अपराध मढ दिया। अगर ऐसा मामला भी कानून के लायक न हो, तो कौन होगा।

वाल्टर फिर भी उसकी सारी जिन्दगी की ओर देखिए।

जेम्स (चुटकी लेते हुए) अगर तुम्हारी चले तो कोई अभियोग हो न चले।

वाल्टर (मुह सिकोडकर) मैं ऐसी बातो से नफरत करता हूँ।

कोकसन हमें तो सिर्फ अपने बचाव से मतलब।

जेम्स ऐसी बातो से कोई फायदा नही।

[ अपने कमरे की ओर बढता है। ]

वाल्टर थोडी देर के लिए, आप अपने को उसकी जगह पर रखिए, पिताजी।

जेम्स यह मेरे बस की बात नही।

वाल्टर हमें क्या मालूम कि उसके ऊपर क्या सकट पडा था।

जेम्स यह समझ लो वाल्टर, कि जो आदमी ऐसा करना चाहता है, वह करेगा, चाहे सकट हो या न हो। अगर न करना चाहे तो कोई उसको मजबूर नही कर सकता।

वाल्टर वह आगे ऐसा काम नही करेगा।

कोकसन अच्छा, मैं अभी उससे इस बारे में बातें करता हूँ। उस बेचारे पर सख्ती न करनी चाहिए।

जेम्स अब जाने दो, कोकसन! मैंने इरादा पक्का कर लिया है।

[ अपने कमरे में चला जाता है। ]

कोकसन (थोडी देर सन्देह के साथ कुछ सोचकर) तुम्हारे पिता का कोई विशेष दोष नही है, अगर वह यही उचित समझते है, तो मैं उनका हाथ न पकडूँगा।

वाल्टर हटो भी कोकसन, तुम मेरी बात पर ज़ोर क्यो नही देते। उस पर दया तो आती है।

कोकसन (गरूर से) मैं नही कह सकता मुझे दया आ रही है या नही।

वाल्टर हमें पछताना पडेगा।

कोकसन उसने जान-बूझकर यह काम किया है।

वाल्टर दया खीचतान से नही आती।

कोकसन (प्रश्नसूचक दृष्टि से उसकी ओर देखकर) नाराज न हो हम सोच समझकर काम करना चाहिए।

स्वीडिल (तश्तरी में खाना लाकर) आपका खाना, हुजूर।

कोकसन रखो।

[ स्वीडिल खाना मेज पर रखता है, ठीक इसी समय जासूस विस्टर बाहर के कमरे में आता है। और वहा किसी को न देखकर भीतर चला आता है। वह मोटा आदमी है, क़द मामूली, मूछें मुडी हुई, नीले रग का टिकाऊ सूट पहिने है। मजबूत बूट पैर में है। ]

विस्टर (वाल्टर से) मैं स्काटलैण्ड याड के थाने से आ रहा हू। मेरा नाम डिटेक्टिव सार्जेण्ट विस्टर है।

वाल्टर (प्रश्नसूचक दृष्टि से देखता हुआ) बहुत अच्छा, मैं अपने पिता को खबर देता हूँ।

[ वह मालिकों वाले कमरे में जाता है, जेम्स आता है। ]

जेम्स गुडमार्निग!

[कोकसन से जो उसकी ओर करुणा भरी दृष्टि से देखता है।]

मुझे अफसोस है कि मैं मान नही सकता। मुझे ऐसा करना ही पड़ेगा। उस दरवाजे को खोलो।

[ स्वीडिल आश्चय के साथ सहमते हुए दरवाजा खोलता है।]

इधर आओ, फाल्डर।

[ जैसे ही फाल्डर झिझकता हुआ बाहर निकलता है, डिटेक्टिव जेम्स का इशारा पाकर उसकी बाहों को पकड़ लेता है। ]

फाल्डर (सिकुड़ते हुए) नही-नही-नही-नही !

विस्टर बस ! बस ! तुम तो समझदार आदमी हो।

जेम्स मैं इस पर चोरी करने का जुर्म लगाता हूँ।

फाल्डर हुजूर, दया कीजिए, एक औरत है जिसके लिये मैंने यह काम किया। मुझे कल तक के लिए छोड दीजिए।

[ जेम्स हाथ का इशारा करता है। उसके उस निष्ठुर भाव को देखकर फाल्डर निश्चल हो जाता है। फिर धीरे धीरे मुड़कर अपने को डिटेक्टिव के हाथ में दे देता है। जेम्स कठोर और गम्भीर होकर पीछे पीछे चलता है। स्वीडिल लपककर द्वार खोलता है, और उनके पीछे बाहर के कमरे से दालान तक जाता है, जब वे सब चले जाते हैं कोकसन एक बार चारों ओर घूमकर बाहर के कमरे की ओर दौड़ता है। ]

कोकसन (अधीर होकर) सुनो, सुनो ! ये सब हम क्या कर रहे हैं ?

[ चारों ओर सन्नाटा छा जाता है, वह अपना रूमाल निकाल कर मुह पर से पसीना पोंछता है। फिर अपनी मेज के पास अंधे की तरह आकर बैठ जाता है। और खाने की ओर उदास भाव से देखता है। ]

[ पर्दा गिरता है। ]

# अंक २

## दृश्य पहला

[ न्यायालय। अक्टूबर महीने का तीसरा पहर, चारों ओर कुहरा छाया हुआ है। कचहरी में बारिस्टर, वकील, सम्वाद-दाता, चपरासी, जूरियों से ठसाठस भरा है। एक बडे मजबूत कठघरे में फाल्डर है। उसके दोनों तरफ दो सिपाही निगरानी के लिए खडे हैं, मानो उनकी उस पर कुछ विशेष दृष्टि नहीं है। फाल्डर ठीक जज के सामने बैठा है। जज एक ऊँची जगह पर बैठा है। उसका भी ध्यान किसी खास चीज पर नहीं है। सरकारी वकील हेरोल्ड क्लीवर दुबला और पीला आदमी है। उम्र अधेड से कुछ अधिक है। सिर पर एक नक़ली बाल लगाए बैठा है, जिसका रग उसके चेहरे के रग से मिलता जुलता है। वादी का वकील हेक्टर फ्रोम जवान और लम्बे कद का है। मूछ और दाढी साफ है। एक सफेद नक़ली बाल सिर पर पहिने है। दर्शकों में जेम्स और मिस्टर होम बैठे हैं उनकी गवाही हो चुकी है। कोकसन और खजाची भी बैठे हैं। विस्टर गवाही के कठघरे से उतर रहा है। ]

क्लीवर यह सरकारी मुकदमा है हुजूर।

[अपने कपडों को सँभालकर बैठता है।]

फ्रोम (अपनी जगह से उठता हुआ, जज को सलाम करके) हुजूर जज और जूरी के सदस्य गण! मैं इस यथार्थ बात को अस्वीकार नही करता कि अभियुक्त ने चेक के अको को बदला था। मैं आपके सम्मुख इस बात का प्रमाण दूँगा कि उस समय अभियुक्त की मानसिक अवस्था कैसी थी, और आपकी सेवा में निवेदन करूँगा कि उस समय उसे उसका जिम्मेदार समझने में आप उसके साथ अन्याय करेंगे, वास्तव में अभि-

युक्त ने यह काम चित्त की अव्यवस्थित दशा में किया जो क्षणिक उन्माद के समान था। इसका कारण वह भीषण समस्या थी, जो उस पर आ पड़ी थी। महोदयो! अभियुक्त की उम्र केवल तेइस वर्ष की है। मैं अभी एक औरत को यहा पेश करता हूँ जिसके बयान से आपको मालूम हो जायगा, कि अभियुक्त ने यह काम क्यो किया। आप स्वय उसके मुख से उसके जीवन की करुण-कथा और उससे भी करुण प्रेम-वृत्तान्त सुनेंगे, जो अभियुक्त के हृदय में उसने जागृत की थी। महाशय गण! वह औरत अपने पति के साथ बडी बुरी अवस्था में रहती है। उसका पति बराबर उसके साथ अत्याचार करता है। यहा तक कि उस बेचारी को डर है कि वह उसे मार तक न डाले। इस समय मेरे कहने का तात्पर्य यह नही है कि किसी नवयुवक के लिए किसी की विवाहिता स्त्री से प्रेम करना प्रशसनीय या उचित है अथवा उसको यह अधिकार है कि वह उस स्त्री की उसके पिशाच पति से रक्षा करे। परन्तु हम सब को मालूम है, कि प्रेम आदमी से क्या-क्या नही करा सकता। महोदयो! मैं आपसे कहता हूँ कि उस औरत का बयान सुनते समय आप इस बात पर ध्यान रखें, कि एक निर्दय और अत्याचारी व्यक्ति से विवाह होने के कारण वह उसके हाथ से छुटकारा नही पा सकती। क्योकि विवाह विच्छेद कराने के लिए मार पीट के सिवा किसी और दोष का दिखाना जरूरी है जो शायद उसके पति में नही है।

जज क्या इन बातो का भी अभियोग से कोई सम्बन्ध है, मिस्टर फ्रोम?

फ्रोम हुजूर, मैं अभी यह आपको साबित करूँगा।

जज बहुत अच्छा।

फ्रोम इस प्रकार की अवस्था में वह और क्या कर सकती थी। उसके लिए और कौन-सा रास्ता खुला था? या तो वह अपने शराबी पति के साथ रहकर अत्याचारो को चुपचाप सहती अथवा अदालत के जरिए विवाह विच्छेद कराती। लेकिन महाशय गण! अपने अनुभवो से मैं कह सकता हूँ कि अदालत की शरण लेकर भी अपने पति के अत्याचारो से बचना कठिन था। और किसी तरह वह बच भी जाती, तो सिवा किसी कारखाने में जाने या सडक पर मारे मारे फिरने के और कुछ भी नही कर सकती थी। क्योकि कोई काम न जानने वाली औरत के लिए अपना और अपने बच्चो का पालन करना आसान

काम नहीं। यह अब उसे मालूम हो रहा है। या तो वह सरकारी खैरात-खाने में जाती या अपनी लाज बेचती।

जज आप अपने विषय से बहुत दूर चले गए, मिस्टर फ्रोम।

फ्रोम मैं एक मिनट के अन्दर अपना आशय बतला दूँगा, हुजूर।

जज खैर, कहो।

फ्रोम महोदय! विचार कीजिए। यह औरत स्वयं आपको ये बातें बतायेगी और अभियुक्त भी उसका समर्थन करेगा, कि ऐसी अवस्थाओं में पड़ कर उसने अपने उद्धार की सारी आशाएँ उस पर छोड़ दी। क्योंकि इस युवक के हृदय में उसने जो भाव उत्पन्न किए थे, उससे वह अपरिचित न थी। इस विपत्ति से बचने के लिए, उसे इसके सिवा और कोई मार्ग दिखाई न दिया कि किसी दूर देश में जाकर, जहाँ उन्हें कोई न पहिचाने, वे पति-पत्नी की तरह रहें। बस यही उनका अंतिम और, जैसा निस्सदेह मेरे मित्र मिस्टर क्लेवर कहेंगे, अविचार-पूर्ण निर्णय था। परन्तु यह सच्ची बात है कि दोनों का मन इसी पर तुला हुआ था। एक अपराध से बचने के लिए दूसरा अपराध करना अच्छी बात नहीं। और जिनके लिए ऐसी अवस्था में पड़ने की सम्भावना नहीं है वे शायद मेरी बातों पर चौंक उठेंगे। परन्तु मैं उनका उत्तर देना नहीं चाहता। महोदय, चाहे आप इनके इस कार्य को किसी भी दृष्टि से देखें, चाहे इस दशा में पड़कर इन दोनों को कानून के हाथ में ले लेना आपको उचित मालूम हो या अनुचित पर बात यह अवश्य ठीक है। आफ़त की मारी हुई यह बेचारी औरत और उसको जान से चाहने वाला यह अभियुक्त, जो बालक से कुछ ही अधिक उम्र का होगा, इन दोनों ने एक साथ किसी दूर देश में जाने का निश्चय कर लिया था। अब इसके लिए इनको रुपए की आवश्यकता भी थी। परन्तु इनके पास रुपया नहीं था। अब सातवीं जुलाई की घटनाओं के विषय में, जिस दिन चेक पर का अंक बदला गया था, और जिन घटनाओं से मैं यह सिद्ध करना चाहता हूँ कि अभियुक्त इस कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं था, ये बातें आप गवाहों के मुख से ही सुनेंगे। राबर्ट कोकसन।

[ एक बार चारों ओर घूम पड़ता है फिर सादा कागज हाथ में लेकर इन्तजार करता है। ]

[ कोक्सन की पुकार होती है, वह आकर गवाहों के कठघरे

में जाता है, टोपी को अपने सामने पकड़े रहता है, उसे हलफ दी जाती है। ]

फ्रोम आपका नाम क्या है?

कोकसन राबर्ट कोकसन।

फ्रोम क्या आप उस आफिस के मैनेजिंग क्लर्क हैं, जिसमें अभियुक्त नौकर था?

कोकसन हाँ।

फ्रोम अभियुक्त उनके यहा कितने दिनों से काम कर रहा है?

कोकसन दो साल से। नहीं—मैं भूल रहा हूँ—हाँ—बस १७ दिन कम दो साल।

फ्रोम ठीक है, अच्छा मिहरबानी करके यह बतलाइए, कि दो साल में आपने उसका चाल चलन कैसा पाया है?

कोकसन (मानो इस प्रश्न से कुछ ताज्जुब हुआ हो, वह धीरे से जूरी से कहता है।) वह बहुत अच्छा और शरीफ़ आदमी था। मैंने कभी उसका कोई दाग नहीं देखा। मुझे तो बड़ा आश्चर्य हुआ था, जब उसने ऐसी हरकत की।

फ्रोम क्या कभी उसने ऐसा मौका दिया था, जिससे उसकी ईमानदारी पर आपको सदेह हुआ हो?

कोकसन नहीं, हमारे दफ्तर में बेईमानी! नहीं, ऐसा कभी नहीं हुआ।

फ्रोम मुझे विश्वास है मिस्टर कोकसन, कि जूरी महादय गए आप की बात को ध्यान से सुन रहे हैं।

कोकसन हर एक रोजगारी आदमी जानता है कि कारबार में ईमानदारी ही सब कुछ है।

फ्रोम क्या आप उसके चाल चलन की तारीफ कर सकते हैं?

कोकसन (जज की ओर मुड़कर) बेशक! हमेशा से हम लोग सब बहुत अच्छी तरह आनदपूर्वक रहते थे। उसे सुनकर मेरे तो होश उड़ गए।

फ्रोम अच्छा, अब सातवीं जुलाई का दिन याद कीजिए। जिस दिन कि यह चेक बदला गया था। उस दिन उसके चित्त की क्या दशा थी?

कोकसन (जूरियों से) यदि मुझसे पूछा, तो मैं कहूँगा, कि उस समय उसका चित्त ठिकाने नहीं था।

जज (तीव्र स्वर में) क्या तुम्हारा मतलब है कि वह पागल था?

कोकसन परेशान था।

जज जरा साफ़-साफ कहो।

फ्रोम (नम्रता के साथ) कहिए, मिस्टर कोकसन!

कोकसन (कुछ चिढ़कर) मेरी राय में

[ जज की ओर देखकर ]

वह जैसी कुछ भी हो। वह कुछ डावाडोल-सा था, आश्य जूरीगण मेरे मतलब को समझ गए होंगे।

फ्रोम क्या आप कह सकते है कि आपने यह राय कैसे कायम की।

कोकसन हाँ! मैं कह सक्ता हूँ, मैं होटल से खाना मँगवाता हूँ। थोडा-सा कबाब और आलू। इससे वक्त की बहुत बचत होती है। हाँ, जब मेरा खाना आया मिस्टर वाल्टर ही ने मुझे वह चेक भुनाने के लिए दिया। इधर अगर मैं उस समय जाऊँ, तो खाना ठंडा हुआ जाता है, और फिर ठंडा खाना किस काम का। यह तो आप समझ ही सकते है। हा, तो बस मैं क्लर्कों के कमरे मे गया, और दूसर क्लर्क डेविस को मैंने वह चेक भुना लाने को दे दिया। मैंने उस समय फाल्डर को कमरे में टहलते देखा, मैंने उससे कहा भी था 'फाल्डर यह चिड़िया-घर नही है।'

फ्रोम क्या आपको याद है उसने इसका क्या जवाब दिया ?

कोकसन हाँ, उसने कहा, 'ईश्वर इसे चिड़ियाघर बना देता तो अच्छा होता। मुझे बडा आश्चर्य हुआ।

फ्रोम और भी आपने कोई विशेष बात देखी ?

कोकसन हाँ देखा था।

फ्रोम वह क्या ?

कोकसन उसके गले का बटन खुला हुआ था। मैं हमेशा चाहता हूँ कि लोग साफ और कायदे से रहें। मैंने उससे कहा, तुम्हारे कालर का बटन खुला है।

फ्रोम उसने आपकी बात का क्या जवाब दिया था ?

कोकसन उसने मुझे घूरकर देखा, यह बेअदबी थी।

जज तुम्हें घूरकर देखा था ? क्या यह एक बहुत मामूली बात नही है ?

कोकसन हाँ, लेकिन उसका देखना कुछ मैं ठीक बयान नही कर सकता, एक अजीब तरह का था।

फ्रोम क्या आपने कभी ऐसी दृष्टि उसकी आँखो से आगे नहीं देखी थी ?

कोकसन नही। अगर देखता, तो मैं मालिकों से उसकी शिकायत कर देता। हम ऐसे झक्की आदमी को अपने यहाँ नही रखते।

जज क्या तुमने इस बात की शिकायत अपने मालिको से की थी ?

कोकसन (आहिस्ते से) बिना किसी पक्के सबूत के मैं उनको कष्ट देना उचित नहीं समझता।

फ्रोम लेकिन आप पर इस बात का खास असर पड़ा था ?

कोकसन इसमें क्या शक ! डेविस अगर यहाँ होता, तो वह भी यही कहता।

फ्रोम अफसोस है कि वह यहाँ नहीं है। खैर, अब आप उस दिन की बात याद कर सकते हैं, जिस दिन वह जाल पकड़ा गया। क्या उस दिन कोई खास बात हुई थी ? वह १८ तारीख थी।

कोकसन (कान पर हाथ रखकर) मैं कुछ कम सुनता हूँ।

फ्रोम जिस दिन आपको इस जाल की बात मालूम हुई उस दिन उसके पहिले कोई ऐसी घटना हुई थी, जिससे आपका ध्यान आकर्षित हुआ हो ?

कोकसन हाँ, एक औरत।

जज इस बात से इसका क्या सम्बन्ध है, मिस्टर फ्रोम ?

फ्रोम हुजूर, मैं कोशिश कर रहा हूँ जिससे मालूम हो जाय कि अभियुक्त ने यह काम किस प्रकार की मानसिक अवस्था में किया है।

जज ठीक है, यह मैं समझता हूँ। लेकिन आप जो पूछ रहे हैं, वह इसके बहुत बाद की बात है।

फ्रोम हाँ, हुजूर। लेकिन यह मेरे कथन को पुष्ट करती है।

जज ठीक है।

फ्रोम आपने क्या कहा ? एक औरत ? तो क्या वह दफ्तर म आई थी ?

कोकसन हाँ।

फ्रोम किस लिये ?

कोकसन फाल्डर से मिलने के लिए। वह उस समय मौजूद नहीं था।

फ्रोम उसे आपने देखा था ?

कोकसन हा ! देखा था।

फ्रोम क्या वह अकेली आई थी ?

कोकसन (दृढ़ता से) आप मुझे मुश्किल मे डाल रहे है। चपरासी ने जो कुछ कहा था वह बयान करते हुए मुझ सकोच होता ह।

फ्रोम ठीक है मिस्टर कोकसन, ठीक है !

कोकसन (अकस्मात इस भाव से जैसे कहता हो तुम इन बातों को क्या समझो अभी बच्चे हो, मैं कहता हूँ।) फिर भी दूसरी तरह समझा देता हूँ। एक आदमी के किसी प्रश्न के उत्तर में उस औरत ने जवाब दिया था, वे मेरे हैं, महाशय !

जज वे क्या थे ? कौन थे ?

कोकसन उसके बच्चे बाहर थे।

जज आपको कैसे मालूम ?

कोकसन हुजूर। मुझसे यह बात न पूछें, वरना मुझे सब माजरा कहना पडेगा। यह ठीक नहीं है।

जज (मुस्कराते हुए) दफ्तर के चपरासी ने आपसे सब माजरा कह दिया।

कोकसन जी हां! जी हां!

फ्रोम खैर, मैं जो पूछना चाहता हूँ, मिस्टर कोकसन, वह यह है, कि जब वह औरत मिस्टर फाल्डर से मिलने के लिए आग्रह कर रही थी, उस समय उसने कोई ऐसी बात कही थी, जो आपको खास तौर से याद हो ?

कोकसन (उसकी ओर इस तरह से देखता हुआ मानो उसे उस वाक्य को पूरा करने के लिए उत्साहित कर रहा हो) हां, कुछ और कह रहा था।

फ्रोम या उसने कुछ नही कहा था ?

कोकसन नही, कहा था। लेकिन मैं इस प्रश्न का उत्तर देना ठीक नही समझता।

फ्रोम (चिढ़ से मुसकिराकर) क्या आप जूरी से भी नही कह सकते ?

कोकसन जीने मरने का सवाल है।

जूरी का मुखिया क्या आपका मतलब है कि उस औरत ने यह कहा था ?

कोकसन (सिर हिलाकर) यह ऐसी बात है जो आप सुनना पसन्द न करेंगे।

फ्रोम (बेसब्र होकर) क्या फाल्डर उस औरत के सामने ही आ गया था ?

[ कोकसन सिर हिलाता है। ]

और वह उससे भेंट करके चली गई ?

कोसकन ऐं! मैंने ठीक समझा नही मैंने उसे जाते नही देखा।

फ्रोम तो क्या वह अब भी वही है ?

कोकसन (प्रसन्नता से मुसकिराकर) नही।

फ्रोम धन्यवाद, मिस्टर कोकसन।

[ वह बैठता है। ]

क्लीवर (उठकर) आपने कहा कि जाल के दिन अभियुक्त कुछ विचलित-सा था। उसके मानी क्या, महाशय ?

कोकसन (नर्मी से) यह आपको खुद समझ लेना चाहिए, आपने कोई ऐसा कुत्ता देखा ह—कुत्ता जो अपने मालिक से भटक गया हो—उस समय वह चारो ओर निगाह दौडाता है ?

क्लीवर ठीक, मैं भी आँखों की बात पूछने वाला था। आपने कहा, उसकी दृष्टि कुछ अजीब थी। अजीब मे आपका क्या मतलब है ? विचित्र या कुछ और ?

कोकसन हा अजीब सी।

क्लीवर (झुँझलाकर) हाँ, यह तो ठीक है। लेकिन आपके लिए जा अजीव हा, मुमकिन है वह मेरे लिए अथवा जूरी के लिए अजीब न हा। आपका मतलब क्या है डरी हुई लजाई हुई या गुस्से म भरी हुई ?

कोकसन आप मेरा काम और मुश्किल कर रहे ह। मैं एक शब्द कहता हूँ, आप उसके लिए दूसरा शब्द चाहते है।

क्लीवर (टेबिल पर हाथ रगडते हुए) क्या अजीव का अर्थ पागल है ?

कोकसन पागल नही—अजीब।

क्लीवर खैर आपने कहा उसके गले का बटन खुला हुआ था। क्या उस दिन बहुत गर्मी थी ?

कोकसन हा, शायद थी तो।

क्लीवर जब आपने उससे कहा, तो क्या उसने बटन लगा लिया ?

कोकसन हाँ, शायद लगा लिया।

क्लीवर क्या इससे यह मालूम होता है कि उसका दिमाग ठीक नही था ?

[ कोकसन जवाब देने को मुह खोलकर ही रह जाता है। क्लीवर बैठ जाता है। ]

फ्रोम (जल्दी से उठकर) क्या आपने कभी पहिले भी उसे ऐसे अस्तव्यस्त देखा था ?

कोकसन नही वह हमेशा शात और साफ रहता था।

फ्रोम बस, इतना काफी है।

[ कोकसन जज की ओर घूमकर इस प्रकार से देखता है मानो वकील भूल गया हो कि जज भी कुछ पूछेगा। फिर जब समझ जाता है कि जज कुछ नहीं पूछेगा तो उतरकर जेम्स और वाल्टर के बगल में बैठ जाता है। ]

फ्रोम रुथ हनीविल !

[ रुथ हनीविल अदालत में आकर गवाहों के कठघरे में स्थिर भाव से शात खडी होती है, उसका चेहरा मुरझाया हुआ है। ]

फ्रोम नाम क्या है ?

रुथ रुथ हनीविल।

फ्रोम उमर ?

रुथ छब्बीस साल।

फ्रोम आपकी शादी हो चुकी है ? अपने पति के साथ रहती हैं ? जरा जोर से बोलिए।

रुथ नहीं जुलाई से उसके साथ नहीं रहती।

फ्रोम आपके बाल बच्चे हैं ?

रुथ जी हाँ ! दो हैं।

फ्रोम क्या वे आपके साथ रहते हैं ?

रुथ जी हाँ !

फ्रोम क्या आप अभियुक्त को जानती हैं ?

रुथ (उसकी ओर देखकर) हाँ !

फ्रोम आपके साथ उसका किस प्रकार का सम्बन्ध था ?

रुथ मित्र था।

जज मित्र !

रुथ (भोलेपन से) जी हाँ, प्रेमी।

जज (तीव्र स्वर से) किस मानी में ?

रुथ हम दोनों एक दूसरे को प्यार करते हैं।

जज ठीक है ! लेकिन—

रुथ (सिर हिलाकर) जी नहीं, और कुछ नहीं हुआ।

जज अभी तक कुछ नहीं हुआ

[ रुथ से फाल्डर की ओर दृष्टि घुमाकर ]

ठीक है !

फ्रोम आपके पति क्या करते हैं ?

रुथ मुसाफ़िर हैं।

फ्रोम आप दोनों में कैसी पटती है ?

रुथ (सिर हिलाकर) वह कहने की बात नहीं है।

फ्रोम क्या वह तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार करते थे या और कोई बात है ?

रुथ हाँ, पहिले बच्चे के बाद से ही।

फ्रोम किस प्रकार ?

रुथ यह मैं नहीं कह सकती—हर तरह से।

जज मुझे डर है, आप यह सब नहीं कह सकतीं।

रुथ (फाल्डर की ओर इशारा करके) उन्होंने मुझे अपनी शरण में लेने का

बचन दिया। हम दक्षिण अमरीका जाने वाले थे।

फ्रोम (जल्दी से) हाँ, ठीक है। और फिर अड़चन क्या पड़ी?

रुथ मैं दफ्तर के बाहर ही खड़ी थी कि वह पकड़ लिए गए। इससे मेरा दिल टूट-सा गया।

फ्रोम तो आप जान गई थी कि वह गिरफ्तार कर लिया गया?

रुथ जी हाँ मैं उसके बाद दफ्तर में गई थी, और उन्होंने

[ कोकसन की ओर इशारा करके। ]

मुझे सब बतला दिया।

फ्रोम अच्छा, क्या आपको ७वी जुलाई की बात याद है?

रुथ हाँ।

फ्रोम क्यो?

रुथ उस दिन मेरे पति ने मेरा गला घोट डालना चाहा था।

जज गला घोट डालना चाहा था?

रुथ (सिर नीचा करके) जी हाँ।

फ्रोम हाथ से या किसी

रुथ हाँ, मैं किसी प्रकार वहा से भाग आई, और अपने मित्र से मिली। उस समय ठीक आठ बजे थे।

जज सवेरे? तुम्हारे पति उस समय शराब के नशे में तो नही थे?

रुथ हमेशा शराब के नशे मे ही नही मारते थे।

फ्रोम आप उस समय किस हालत में थी?

रुथ बहुत बुरी हालत में। मेरे कपडे सब फट रहे थे, और मेरा दम घुट रहा था।

फ्रोम क्या आपने अपने मित्र से यह माजरा कहा था?

रुथ हाँ, कहा था। अब समझती हूँ, अगर न कहती, तो अच्छा होता।

फ्रोम क्या यह सुनकर वह आपे से बाहर हो गया था?

रुथ बुरी तरह।

फ्रोम उसने किसी चेक के बारे में कभी आप से कुछ कहा था?

रुथ कभी नही।

फ्रोम उसने कभी आपको रुपए भी दिए थे?

रुथ हा, दिए थे।

फ्रोम किस दिन?

रुथ शनिवार के दिन।

फ्रोम  ८ तारीख को।

रुथ  मेरे और बच्चों के लिए कपड़े खरीदने और चलने की तैयारी करने के लिए।

फ्रोम  क्या इससे आपको आश्चर्य हुआ था ?

रुथ  किस बात से ?

फ्रोम  कि उसके पास तुम्हें देने को रुपए निकल आए।

रुथ  हाँ, हुआ था। इसलिए कि जब मेरे पति ने मुझे मारा था उस दिन सवेरे मेरे मित्र रोने लगे थे कि उनके पास रुपए नहीं हैं जो वे मुझे कहीं ले चलें। बाद को उन्होंने मुझसे कहा था कि अचानक उनकी किस्मत खुल गई है।

फ्रोम  आपने उनको आखिरी बार कब देखा था ?

रुथ  जब वे पकड़ लिए गए। यही दिन हमारे रवाना होने का था।

फ्रोम  अच्छा, क्या आपसे उसकी मुलाकात शुक्रवार और उस दिन के बीच में और भी कभी हुई थी ?

[ रुथ सिर हिलाकर क़बूल करती है।]

उस समय उसकी क्या हालत थी ?

रुथ  गूंगे के समान। कभी-कभी तो उसके मुँह से एक शब्द भी नहीं निकलता था।

फ्रोम  मानो कोई असाधारण बात हो गई हो ?

रुथ  हाँ।

फ्रोम  रंज की, खुशी की, या और किसी बात की ?

रुथ  जैसे उनके सिर पर कोई विपत्ति मंडरा रही हो।

फ्रोम  (कुछ हिचककर) मैं पूछ सकता हूँ कि तुम्हें उससे बहुत प्रेम था ?

रुथ  (सिर नवाकर) हाँ।

फ्रोम  क्या वह भी आपसे बहुत प्रेम करता था ?

रुथ  (फाल्डर की ओर देखकर) हाँ, साहब।

फ्रोम  अच्छा जी, आपका क्या विचार है ? आपको खतरे और आफत में देखकर वह बदहवास हो गया और उसका अपने ऊपर काबू न रहा या और कुछ ?

रुथ  हाँ, यही बात है।

फ्रोम  भले बुरे का ख्याल भी जाता रहा ?

रुथ  हाँ, कुछ देर के लिए अवश्य।

फ्रोम अच्छा, क्या शुक्रवार को वह बहुत घबड़ाया हुआ था या साधारण दशा में ?

रुथ बहुत ही घबड़ाए हुए। मैं उन्हें अपने पास से जाने न देती थी।

फ्रोम क्या आप अब भी उसे चाहती हैं ?

रुथ (फाल्डर की ओर देखकर) उन्होंने मेरे लिए अपना सत्यानाश कर लिया।

फ्रोम धन्यवाद।

[ वह बैठ जाता है, रुथ वहीं पर अविचलित भाव से सीधी खड़ी रहती है। ]

क्लीवर (लिहाज़ से) जब शुक्रवार सात तारीख के सवेरे आप उनसे विदा हुई, उस समय वह होशहवास म थे ?

रुथ जी हाँ।

क्लीवर धन्यवाद। मुझे आपसे और कुछ नही पूछना है।

रुथ (जूरी की ओर कुछ झुककर) शायद मैं भी उनके लिए ऐसा ही कर सकती थी, अवश्य कर सकती थी।

जज ज़रा ठहरो, तुम कहती हो कि तुम्हारा विवाहित जीवन बिलकुल सुख रहित ह। दोनो ही का दोष होगा।

रुथ मेरा दोष है कि मैं कभी उसकी खुशामद नही करती। ऐसे आदमी की खुशामद करें ही क्यो ?

जज तुम उनका कहना नही मानती होगी।

रुथ (प्रश्न को टालकर) मैं हमेशा उसकी इच्छा के अनुसार काम करती रही हूँ।

जज मुलजिम से जान पहिचान होने के पहिले तक ?

रुथ नही, बाद को भी।

जज मैं यह सवाल इसलिए पूछ रहा हूँ कि तुम मुलजिम से प्रेम करना निंदा की बात नही समझती ?

रुथ (हिचककर) कदापि नही, मेरे जीवन का यही आधार ह।

जज (कड़ी निगाह से देखकर) अच्छा, अब तुम जा सकती हो।

[ रुथ फाल्डर की ओर देखती है, फिर धीरे धीरे उतरकर गवाहों में जाकर बैठ जाती है। ]

फ्रोम मैं अब मुलजिम का बुलाता हूँ हुज़ूर।

[ फाल्डर कठघरे में से उतरकर गवाहों के कठघरे में जाता है। बाक़ायदा क़सम दिलाई जाती है। ]

फ्रोम तुम्हारा नाम क्या है ?
फाल्डर विलियम फ़ाल्डर ।
फ्रोम और उम्र ?
फाल्डर तेईस साल ।
फ्रोम तुम्हारी शादी नही हुई है ?
[ फाल्डर सिर हिलाकर इनकार करता है ]
फ्रोम उस महिला को तुम कितने दिनो से जानते हो ?
फाल्डर छ महीने से ।
फ्रोम उसने तुम्हारे साथ अपना जो रिश्ता बतलाया है, क्या वह ठीक है ?
फाल्डर हाँ ।
फ्रोम तो तुम्हें उससे गहरा प्रेम है । क्यो ?
फाल्डर हाँ ।
जज यह जानते हुए भी कि उसकी शादी हो गई है ?
फाल्डर हुजूर, मैं लाचार हो गया ।
जज लाचार हो गए ?
फाल्डर हुजूर, मैं अपने को सँभाल न सका ।
[ जज कधा हिलाता है ]
फ्रोम तुमसे उससे जान-पहिचान कैसे हुई ?
फाल्डर मेरी एक विवाहिता बहिन के जरिए ।
फ्रोम क्या तुम जानते थे कि अपने पति के साथ वह सुखी थी, अथवा नही ?
फाल्डर उसे कभी सुख नही मिला ।
फ्रोम क्या तुम उसके पति को जानते थे ?
फाल्डर हाँ, केवल उसी के द्वारा मैंने जाना था वह नरपशु है ।
जज मैं नही चाहता पड़ोस में किसी आदमी को गालियाँ दी जायें ।
फ्रोम (सिर झुकाकर) जैसी हुजूर की आज्ञा ! (फाल्डर से) क्या तुम इस चेक मे रद्दोबदल स्वीकार करते हो ?
[ फाल्डर सिर झुका लेता है । ]
फ्रोम तारीख ७ जुलाई की बात याद करो और जूरी से उस दिन की घटना बयान करो ।
फाल्डर (जूरी की ओर देखकर) मैं सवेरे अपना नाश्ता कर रहा था जब वह आई । उसके सारे कपडे फटे हुए थे, वह हाफ रही थी मानो सास लेने में उसे कष्ट हो रहा हो । उसके गले पर पुरुष की उँगलियों

के निशान थे। उसकी बाँहो में चोट आ गई थी। और खून जम गया था। मैं उसकी यह दशा देखकर डर गया। उसके बाद उसने सब हाल मुझसे कहा। मुझे ऐसा मालूम होने लगा—ऐसा मालूम होने लगा और वह मैं बयान नही कर सकता। मेरे लिए वह असह्य था।

[ एकाएक तनकर ]

आप उसे देखते, और आपके दिल में भी उसके लिए मेरी जसी मुहब्बत होती तो आप भी मेरे ही समान व्याकुल हो जाते।

फ्रोम अच्छा!

फाल्डर वह मेरे पास से चली गई क्योंकि मुझे दफ्तर जाना था। तो इस भय से मरे होश उडे थे कि कही वह फिर उस पर अत्याचार न करे। सोच रहा था क्या करूँ। मैं काम न कर सका। रात दिन इसी तरह बीत गया। किसी काम मे जी ही न लगता था। सोचने की शक्ति न थी। चुपचाप बैठा न जाता था। ठीक उसी समय डेविस मेरे पास आया, और चेक देकर बोला, फाल्डर जाओ, ज़रा बैंक से रुपये लेते आओ, शायद हवा म फिर आने से तुम्हें कुछ आराम मिले। मालूम होता ह तुम्हारी आधी जान निकल गई है। फिर जब वह चेक मेरे हाथ मे आया मैं नही जानता मुझे क्या हुआ। न जाने क्याकर मेर मन में आया कि अगर टी वाई जोड कर अक के आगे एक बिंदी लगा दूँ तो रथ को वहाँ हटा ले जाने के लिए रुपए हा जायेंगे। वह बात मेरे दिमाग म आई और चली गई। मुझे फिर कुछ याद नही कि डविस के जाने के बाद मैंने क्या किया। केवल जब कशियर को मैंने चेक दिया, ता उसने पूछा था कि क्या नोट दूँ? तब शायद मुझे मालूम हुआ कि मैंने क्या किया। जब मैं बाहर आया, तो जी मे आया किसी मोटर के नीचे दबकर मर जाऊ। मैंने चाहा रुपयों को फेंक दूँ लेकिन फिर मुझे उसकी याद आई और मैंने उसे बचाने की ठान ली चाहे कुछ भी हो। यह सच ह कि सफर के टिकट क रुपए और जो कुछ मैंने उसको दिए थे सब मिट्टी में मिल गए। लेकिन बाकी रुपए मैंने बचा लिए ह। मैं सोच रहा हूँ मैंने यह काम कसे किया, क्योंकि यह मेरा स्वभाव नही है।

[ फाल्डर चुप हो जाता है और हाथ मलता है। ]

फ्रोम तुम्हारे आफिस से बैंक कितनी दूर है?

फाल्डर कोई पचास गज़ से अधिक न होगा।

फ्रोम डेविस के चले जाने के बाद से तुम्हारे चेक भुनाने में कितना समय लगा होगा ?

फाल्डर चार मिनट से ज्यादा न लगे होंगे क्योंकि मैं दौडता हुआ गया था।

फ्रोम क्या चार मिनट के भीतर का हाल तुम्हें याद नही ?

फाल्डर जी नही, सिवाय इसके कि मैं दौडता हुआ गया था।

फ्रोम टी वाई और बिन्दी का जोडना भी तुम्हें याद नही ?

फाल्डर जी नही, मैं सच कहता हूँ।

[फ्रोम बैठता है और क्लीवर उठता है।]

क्लीवर लेकिन तुम्हें याद है कि तुम दौडे थे ?

फाल्डर जब मैं बैंक पहुँचा, उस समय मेरा दम फूल रहा था।

क्लीवर और तुम्हें चेक का बदलना याद नही ?

फाल्डर (धीरे से) जी नही।

क्लीवर मेरे मित्र ने जो विलक्षणता का आवरण डाल रक्खा है उसे हटा देने से क्या वह साधारण जालसाजी के सिवा और कुछ हो सकता है ? बोलो ?

फाल्डर मैं उस दिन आधा पागल हो रहा था, जनाब।

क्लीवर ठीक, ठीक! लेकिन तुम इनकार नही कर सकते कि टी वाई और सिफर बाकी लिखावट के साथ ऐसा मिल गया था कि खजाची धोखा खा गया।

फाल्डर सयोग था।

क्लीवर (खुश होकर) विचित्र का सयोग था, क्यो ? मुसन्ने को तुमने कब बदला ?

फाल्डर (सिर झुकाकर) बुधवार के दिन।

क्लीवर क्या वह भी सयोग था ?

फाल्डर (क्षीण स्वर से) जी नही।

क्लीवर यह काम करने के लिए तुम अवश्य मौका ढूढते रहे होगे। क्यो ?

फाल्डर (आवाज मुश्किल से सुनाई पडती है।) हा।

क्लीवर तुम यह तो नही कहते, कि काम करते वक्त भी तुम बहुत उत्तेजित थे ?

फाल्डर मेरे सिर पर भूत सवार था।

क्लीवर पकडे जाने के डर से ?

फाल्डर (बहुत धीरे से) हाँ!

जज  क्या तुमने यह नही सोचा कि अपने मालिक से मारी थानें बहत्तर रुपए लौटा देना ही तुम्हारे लिए अच्छा होगा ?

फाल्डर  मैं डरता था।

[ सब चुप हो जाते हैं। ]

क्लीवर  नि संदेह तुम्हारी इच्छा थी कि तुम इसके बाद उस औरत को भगा ले जाओगे।

फाल्डर  जब मुझे मालूम हुआ कि मैंने ऐसा काम कर डाला, तो उसका उपयोग न करना गुनाह बेलज्जत था। इससे तो कही अधिक अच्छा नदी में डूबकर मर जाना था।

क्लीवर  तुम जानते थे कि कनक डेविस इगलैड से जा रहा है। जब तुमने चेक बदला था तब क्या तुम्हें नही सूझा था कि सबका शक डेविस पर होगा ?

फाल्डर  मैंने पल भर के भीतर सब काम किया। हाँ, बाद में यह बात मेरी समझ में आई थी।

क्लीवर  और फिर भी तुमने अपनी गलती जाहिर न की गई ?

फाल्डर  (उदासी से) मैंने सोचा था वहाँ पहुँचकर मैं सब कुछ लिख भेजूगा। मेरी इच्छा रुपए का चुका देने की थी।

जज  लेकिन इसी बीच में तुम्हारा निर्दोषी मित्र कनक गिरफ्तार हो सकता था।

फाल्डर  मैं जानता था, कि वह बहुत दूर है, हुजूर। मैंने सोचा था कि वक्त मिल जायगा। इतनी जल्दी बात जाहिर हो जायगी यह मुझे खयाल ही नही था।

फ्रोम  शायद हुजूर को याद दिलाना बेजा न होगा, चेक बुक मिस्टर वाल्टर हो के पास डेविस के चले जाने के बाद तक था। अगर यह जालसाजी एक दिन बाद पकडी जाती, तो फाल्डर भी चला गया होता। इससे शक भी फाल्डर पर ही होता न डेविस पर।

जज  सवाल यह है कि मुलजिम को यह बात मालूम थी या नही कि शक उस पर होगा न कि डेविस पर ?

[ फाल्डर से तीव्र स्वर में। ]

क्या तुम जानते थे कि चेक मिस्टर वाल्टर हो के पास डेविस के चले जाने के बाद तक था ?

फाल्डर  मैं मैं मैंने सोचा था वह

जज  देखो सच-सच बोलो, हाँ या नही।

फाल्डर  (बहुत आहिस्ते) नही हुजूर, यह मैं नही जानता था।

जज यहाँ तुम्हारी बात कट जाती है, मिस्टर फ्रोम।

[ फ्रोम सिर झुकाता है। ]

क्लीवर क्या ऐसी सनक तुम्हें पहले भी कभी सवार हुई थी ?

फाल्डर (कातर भाव से) जी नहीं।

क्लीवर तीसरे पहर तुम इतने स्वस्थ हो गए थे कि फिर तुम उस समय पूरे तौर से काम पर वापस अपना काम करने के लिए गए।

फाल्डर हा मुझे रुपया लेकर आफिस से वापस जाना था।

क्लीवर तुम्हारा मतलब नौ पाउड से है। तुम्हारा होश तो इतना ठीक था कि तुम्हें यह खूब अच्छी तरह याद थी फिर भी तुम कहते हो कि तुम्हारे चेक के अंक बदलने की बात याद नहीं।

फाल्डर अगर मैं उस समय पागल न होता, तो मैं कभी भी यह काम करने की हिम्मत न करता।

फ्रोम (उठकर) क्या वापस जाने के पहिले तुमने अपना खाना खाया था ?

फाल्डर नहीं, मैंने दिन भर कुछ नहीं खाया था। और रात को नींद भी मुझे नहीं आई।

फ्रोम अच्छा, डेविस के जाने और नोट भुनाने के बीच जो चार मिनट बीते थे, उसकी बात क्या तुम्हें बिलकुल याद नहीं है ?

फाल्डर (एक मिनट ठहरकर) मुझे केवल यह याद है कि उस समय मिस्टर कोकसन का चेहरा मुझे याद आ रहा था।

फ्रोम मिस्टर कोकसन का चेहरा ? उससे और तुम्हारे काम से क्या सम्बन्ध ?

फाल्डर नहीं, महाशय।

फ्रोम क्या तुम्हें आफिस में जाने के पहले भी वही बात याद थी ?

फाल्डर हा ! उस समय, बाहर दौडते समय भी।

फ्रोम और क्या उस समय तक ही याद थी जब खजाची ने तुम से कहा 'क्या नोट लेंगे ?'

फाल्डर हा, उसके बाद मुझे होश आ गया। लेकिन तब सोचना बेकार था।

फ्रोम धन्यवाद ! बस सफाई के सब गवाह गुजर चुके।

[ जज सिर हिलाता है। फाल्डर अपनी जगह पर वापस आता है। ]

फ्रोम (कागज वगैरह सँभालकर) हुजूर और जूरी गण, मेरे मित्र ने अपनी जिरह में इस सफाई का मजाक उडाने की कोशिश की है जो इस मामले में हमारी तरफ से पेश की गई है। मैं जानता हूँ कि जो गवाह

पेश किए गए है उससे अगर आपके दिल में यह यकीन न हो गया हो कि मुलजिम ने यह काम केवल एक क्षणिक दुबलता के कारण किया है, और दरअसल उसको इसके लिए जिम्मेदार नही कहा जा सकता तो मेरे कथन का भी कुछ असर आप पर नही पडेगा। उसके हृदय में जो भयानक उथल पुथल था, उसने उसकी मानसिक और नैतिक शक्तियो को ऐसा कुचल डाला कि उसे एक क्षणिक पागलपन कहा जा सकता है। मेरे मित्र ने कहा है कि मैंने इस मामले पर विलक्षणता का आवरण डालने की कोशिश की ह। महोदय गण, मैंने ऐसी कोशिश नही की। मैंन केवल जीवन का वह आधार दिखाया है—उस अस्थिर जीवन का, जो प्रत्येक पाप का कारण होता है, चाहे मेरे मित्र उसकी कितनी हँसी क्यो न उडाएँ। महाशय गण, हम इस समय एक ऐसे सभ्य युग में पहुँच गए है कि किसी प्रकार के भीषण *अत्याचार का दश्य हमारे दिल पर एक खास असर डाले बिना नही* रहता, चाहे हमारे साथ उस मामले का कुछ भी सम्बन्ध न हो। पर अगर हम ऐसा अत्याचार एक औरत पर होते देखें, और वह एसी औरत हो जिसे हम प्यार करते है, तब क्या होगा? सोचिए, यदि मुलजिम की दशा में आप होते, ता किस प्रकार का भाव आपके मन म उत्पन्न होता? इस बात को सोचिए और तब उसके मुह की ग्रार देखिए। वह उन बेफिक्रो में और बेहयाओ में नही ह जो उस औरत पर जिसे वह प्यार करता ह पैशाचिक अत्याचार के चिह्न देखे और विचलित न हो। हाँ महाशय गण, देखिए उसके मुख पर दृढता नही ह। और न उसके चेहरे से पाप ही झलक रहा है। यह एक ऐसा साधारण चेहरा ह जो बडी आसानी से अपने भावो के वशीभूत हा जाता है। उसकी आखो का हाल भी आपने सुना ह। मेरे मित्र चाहे अजीब शब्द पर हँस उठें, लेकिन दरअसल ऐसी अवस्थाओ में मनुष्या की आंखो में जो चचलता आ जाती है वह सिवाय 'अजीब' के और कुछ नही कही जा सकती। याद रखिए, मैं यह नहीं कहता कि उसकी मानसिक दुबलता क्षणिक अन्धकार की झलक मात्र नही थी जिसम धम और अधम का ज्ञान लुप्त हा गया, लेकिन मैं मह कहता हूँ कि जिस तरह कोई मनुष्य ऐसी परिस्थिति में आत्म-हत्या कर लेने पर आत्म-हत्या के दोष से मुक्त हो जाता ह, उसी भाँति वह इस अव्यवस्थित दशा में दूसरे अपराध भी कर सकता है, और करता ह।

इस कारण उसको अपराधी न कहकर एक मरीज कहना चाहिए और उसके इलाज का प्रबन्ध भी करना चाहिए। मैं मानता हूँ इस तक का दुरुपयोग किया जा सकता है। परिस्थिति को देखकर ही इसका निर्णय करना चाहिए। लेकिन यह एक ऐसी भावना है, जिसमें आपको सन्देह का फल अपराधी को देना चाहिए। आपने सुना होगा मैंने अपराधी से प्रश्न किया था कि उसने उन अभागे चार मिनट में क्या सोचा था। उसने क्या जवाब दिया? 'मुझे मिस्टर कोकसन का चेहरा याद आ रहा था।' महाशय गण, कोई आदमी बनावटी तौर से ऐसा जवाब नहीं दे सकता। इस पर सत्य की एक गम्भीर छाप लगी हुई है। जो औरत आज अपनी जान को भी जोखिम में डालकर यहाँ गवाही देने आई है उसके साथ अपराधी का जो प्रेम है, चाहे उचित हो या न हो, वह भी आप से अब छिपा नहीं है। जिस दिन उसने यह काम किया था उस दिन वह कितना घबड़ाया हुआ था इसमें तो कोई सन्देह करना असम्भव है। इस प्रकार के दुर्बल और भाव प्रबल आदमी का ऐसी दशा में कितना पतन हो सकता है यह हम सब को अच्छी तरह मालूम है। यह सारा काम केवल एक मिनट में हुआ। बाकी काम ठीक वैसे ही हुआ, जैसे छुरा भोंकने के बाद आदमी मर जाता है या सुराही उलट देने से पानी गिर पड़ता है।

आपको यह बतलाने की जरूरत नहीं कि जीवन में कोई बात इतनी दुखदाई नहीं है जितनी यह कि जो हो चुका वह मेटा नहीं जा सकता। एक बार जब चेक पर अंक बदल दिया गया और उसके रुपये मिल गए, जो चार भयंकर मिनटों का काम था, तो चुप साध लेने के सिवा और क्या किया जा सकता था? लेकिन उन चार मिनटों में यह आदमी जो आपके सामने खड़ा है उस पिंजड़े में आकर फँस गया जो आदमी को बेदाग नहीं छोड़ता। उसके बाद के काम—उसका अपराध स्वीकार न करना, मुसन्ने को बदलना, भागने की तयारी करना—इनसे यह नहीं सिद्ध होता कि उसने दृढ़ पापमय सकल्प से ये काम किए, जो मूल आचरण के फलमात्र थे। बल्कि इनमें केवल उसके चरित्र की दुर्बलता सिद्ध होती है और यही उसकी विपत्ति का कारण है। लेकिन क्या हमें केवल इसलिये उसे पतित कर देना चाहिए कि वह जन्म और शिक्षा से दुर्बल चरित्र है। महोदय गण, इस अपराधी की तरह हजारों आदमी हमारे कानून की चक्की

में रोज पिसकर मर रहे हैं। केवल इसलिए कि हममें वह इनसानियत की आँख नही ह जिससे हम देखें कि वे अपराधी नही केवल मरीज हैं। यदि मुलजिम अपराधी साबित हो गया और उसके साथ मुलजिम या पाप में सने प्राणियो का-सा व्यवहार किया गया तो वह सचमुच ही एक अपराधी वन जायगा, जैसा हम अपने अनुभव मे कह सकते हैं।

मैं आपसे प्राथना करता हूँ कि ऐसी व्यवस्था न दीजिए जो उसे जेल में ले जाकर हमेशा के लिए दाग लगा द। महोदय गण! न्याय एक यन्त्र है जिसे यदि कोई चला द तो फिर वह अपने ही आप चलता रहता है। क्या हम इस व्यक्ति को दरअसल उस मशीन के नीचे दबाकर चकनाचूर कर देंगे? और वह इसलिए कि दुबलता के वशीभूत होकर उसने एक भूल की है। क्या आप उसे उन अभागे मल्लाहो का एक सदस्य बनाना चाहते है जो उन अँधेरे और भीषण जहाजो को चलाते हैं जिन्हें हम जेलखाना कहते ह? क्या उसे वह यात्रा शुरू करनी होगी जहा से शायद ही कोई लौटता हो? या फिर उसे एक बार समय देना चाहिए कि सुबह का खोया हुआ शाम को भी लौट आता ह, या नही? मैं आप लोगो से अर्ज करता हूँ कि उस नौजवान की जिन्दगी को बरबाद न कीजिए। यह सारी बरबादी उन्ही चार मिनटो का फल है। घोर सवनाश उसकी ओर मुह खोले खडा है। अभी यह बच सकता है। आज आप उसे अपराधी की तरह सजा दे दीजिए और मैं आपसे कह देता हूँ कि वह हमेशा के लिए हाथ से निकल जायगा। न तो उसका चेहरा और न उसका रग-ढग यह कह सकता है कि वह उस अग्नि-परीक्षा से बच निकलेगा। उसके अपराध को एक पलडे में तौलिए और दूसरे पर उसके उन कष्टो को तौलिए जो वह पा चुका ह। आपको मालूम होगा कि कष्टों का पलडा दस गुना अधिक भारी हो गया। दो महीने मे वह हवालात में सड रहा है। क्या सम्भव है वह इसे भूल जायगा? इस दो महीने मे उसके हृदय को जो दु ख हुआ होगा उसे सोचिए। आप यकीन रखिए कि उसकी सजा काफी हो गयी। न्याय की भीषण चक्की उसको तभी से पीसने लगी है जब से इसका गिरफ्तार होना तय हो चुका था। यह उसकी सजा की दूसरी मजिल चल रही ह। यदि आप तीसरी पर ले जाने की चेष्टा करेंगे तो मैं आगे कुछ नही कहना चाहता।

[ अपनी उँगली और अँगूठे को मिलाकर एक दायरा बनाता है, फिर हाथ को नीचा कर लेता है और बैठ जाता है । ]

[ जूरी एक दूसरे का मुह देखकर सिर हिलाते हैं, फिर सरकारी वकील की ओर देखते हैं । वह उठता है और अपनी आँखें ऐसी जगह गडाकर जिससे उसे कुछ सुविधा मालूम पडती है बार-बार आँखें फेरकर जूरी की ओर देखता जाता है । ]

क्लीवर हुजूर ! (पजे के बल खडे होकर) और जूरी गण ! इस मामले की घटनाओ पर कोइ आपत्ति नही की गई और मेरे मित्र क्षमा करे, सफाई जो दी गई है वह इतनी कमजोर ह कि मैं फिर गवाहो के बयान की आलोचना करके आपका समय नही खराब करना चाहता । सफ़ाई में क्षणिक पागलपन की दलील पेश की गई ह, और क्या यह बे-सिर-पैर की सफ़ाई पेश की गई ? शायद आप मुझे माफ़ करें, मैं आपसे ज्यादा अच्छी तरह जानता हूँ ! ऐसी सफाई को बे-सिर-पैर के सिवा और क्या कहा जाय ? कसूर का इकबाल कर लेना ही दूसरा रास्ता था । महोदय गण ! अगर अपराध स्वीकार कर लिया गया होता, तो मेरे मित्र को हुजूर की सीधी-सादी दया की प्रार्थना करने के सिवा और कोई उपाय न था । परन्तु उन्होने ऐसा न करके इस मामले की कतर-ब्यात की है, और यह सफाई गढ डाली है जिससे उन्हें त्रिया-चरित्र की बानगी दिखाने एक स्त्री को गवाह के कठघरे में खडा करने और इसे एक करुण प्रेम के रग म रँगने का अवसर दे दिया ह । मैं अपने मित्र की इस सूझ-बूझ की तारीफ करता हू । इससे उन्होने किसी हद तक कानून से बचने की कोशिश की ह । शायद और किसी तरह वह प्रेरणा और चिन्ता के सारे किस्से को अदालत के सामने इस प्रकार न खडा कर सकते । लेकिन महादय गण ! एक बार जब आपका असली बात मालूम हो गई, तब आप सारी बात मान गए ।

[ सहृदय उपेक्षा के साथ ]

अच्छा, इस पागलपन की दलील का देखिए । पागलपन के सिवा हम इसे कुछ नही कह सकते । आपने उस औरत का बयान सुना है । वह कदी के हक में गवाही देगी इसमें कुछ आश्चर्य की बात नही । फिर भी उसने क्या कहा था, आपको मालूम ह ? उसने कहा—जब उसने कैदी से विदा ली थी उस समय वह किसी तरह

अव्यवस्थित न था। अगर चिन्ताओं ने उसे अशान्त कर दिया था तो वही एक ऐसा वक्त था, जब उसके मन की अशान्ति प्रगट होती। सफाई के दूसरे गवाह मनेजिंग क्लर्क की गवाही भी आपने सुनी जो उन्होंने वदी के हक म दी थी। कुछ कठिनाई के बाद मैं उससे कबूल करा पाया हूँ कि डेविस को चेक देते वक्त मुलजिम कुछ अस्थिर ( उनका विचार ऐसा मालूम होता था कि आप इस शब्द का आशय समझ जायँगे और यकीन है, महाशयगण आप समझ गए होंगे ) होने पर भी पागल नही था। अपने मित्र की भाँति मुझे भी दु ख है कि डेविस यहाँ नही है। लेकिन मुलजिम ने वे शब्द कहे ह जो डेविस ने उन्हें चेक देते समय कहे थे। अवश्य ही वह इस समय पागल नही था। नही तो वह इन शब्दों को जरूर भूल जाता। खजाची ने भी कहा कि चेक भुनाते वक्त उसके होश-हवाश बिलकुल ठीक थे। इसलिए इस सफाई का मतलब यह हुआ कि एक आदमी जो एक बजकर दस मिनट पर स्वस्थ था और एक बजकर पन्द्रह मिनट पर भी ठीक था, वह अपने को इस समय के बीच में केवल अपराध की सजा पाने के डर से पागल कह रहा ह।

महाशय यह दलील इतनी लचर ह कि मैं ज्यादा बकवास करके आपका समय नष्ट नही करना चाहता। आप स्वय निश्चय कर सकते हैं कि उसका क्या मूल्य है। मित्र ने यह आधार लेकर जवानी, प्रलोभन, आदि के विषय में बहुत कुछ कहा है और बडे सुन्दर शब्दो में कहा है। परन्तु मैं केवल इतना ही याद दिलाता हूँ कि मुलजिम ने जो अपराध किया ह कानून की दृष्टि से बहुत भारी अपराध है। साथ ही इस मामले में कुछ और भी विचार करने की बात है। जसे मुलजिम का अपने साथ के निर्दोषी क्लर्क पर शक करवाने की कोशिश करना, दूसरे की ब्याही हुई औरत के साथ रिश्ता रखना, इत्यादि। इन सब बातो से आपके लिए इस सफाई को अधिक महत्व देना कठिन हो जायगा। साराश यह कि मैं आपसे मुलजिम को दोषी स्वीकार करने की प्राथना करता हू, जो इन सारी बातो को देखते हुए आपके लिए लाजिम हो गई है।

**[ दृष्टि को जज और जूरी की ओर से फेरकर, फाल्डर की ओर घुमाता है फिर बैठ जाता है।]**

जज (जूरी की ओर कुछ झुककर और हाकिमाना अंदाज से) जूरीगण, आपने गवाहों के बयान और उन पर जिरह सुन ली है। मेरा काम केवल यही है कि मैं आपके सामने वह तनकीहें रख दूँ जिन पर आपको विचार करना है। यह बात तो स्वीकार कर ही ली गई है कि चेक और मुसन्ने के अंकों को मुलज़िम ने बदला। अब सफाई यह दी गई है कि मुलज़िम ने जब यह अपराध किया, उस समय वह अपने होश-हवास में न था। जहाँ तक पागलपन की बात है आपने मुलज़िम का सारा किस्सा और दूसरे गवाहों के बयान भी सुन लिए। अगर इन बातों से आप इस नतीजे पर पहुँचें कि जाल करते वक्त मुलज़िम पागल था तो आप यही कह सकते हैं कि मुलज़िम अपराधी है लेकिन वह पागल था। और यदि आपका यह विश्वास हो कि मुलज़िम का दिमाग ठीक था (याद रखिए पूरा पागल होना जरूरी है) तो आप उसे अपराधी ठहराएँगे। उसके मन की दशा के विषय में जो शहादतें हैं, उन पर विचार करते समय आप बहुत होशियारी से जालसाज़ी के पहिले और पीछे मुलज़िम के रंग-ढंग और चाल-ढाल पर ध्यान रक्खें। खुद मुलज़िम की, उस औरत की काक्सन की, और कैशियर की शहादतों से क्या सिद्ध होता है? इस विषय में मैं आपको यह भी याद दिलाना चाहता हूँ कि मुलज़िम ने कबूल किया है कि टी वाई और सिफर को जोड़ने की बात चेक हाथ में आते ही उसके मन में आ गई थी। मुसन्ने के बदलने के बाद उसका आचरण कैसा था इसे भी ध्यान में रखिए। इन सब बातों का पूर्व-निश्चय के प्रश्न से जो सम्बन्ध है वह खुला हुआ है। और पूर्व निश्चय स्वस्थ दशा में ही हो सकता है। उसकी उम्र और चित्त की चंचलता इत्यादि बातों पर विचार करके आपको उसके साथ रियायत करने की जरूरत नहीं। यदि आप उसे दोषी के साथ पागल निर्णय करें, तो यह सोच देखें कि वह पागलपन उसका उस लायक था या नहीं कि उस वक्त वह पागलखाने भेज दिया जाता।

[ वह रुक जाता है, फिर जूरी के मेम्बरों को दुविधे में पड़ा हुआ देखकर कहता है। ]

अब आप चाहें तो अलग जा सकते हैं।

[ जज के पीछे के दरवाज़े से जूरी चले जाते हैं, जज कुछ कागज़ों को सिर झुकाकर देखने लगता है, फाल्डर अपने कठघरे से

झुककर अपने वकील से घबड़ाए हुए स्वर में रुथ की ओर संकेत कर कुछ बात करता है। वकील उसे सुनकर फ्रोम से कहता है। ]

फ्रोम (उठकर) हुजूर, मुलजिम ने मुझे आपसे यह अर्ज करने को कहा है कि आप कृपा करके रिपोटरों से कह दें कि व अखबार में उस गवाह औरत का नाम इस मामले की कार्यवाही की रिपोर्ट में न छापें। शायद हुजूर समझ सकते हैं कि नतीजा उसके लिए कितना बुरा हो सकता है।

जज (चोट करते हुए हलकी-सी मुसकिराहट के साथ) लेकिन मिस्टर फ्रोम, आप इन बातों को जानते हुए भी उसे यहाँ लाए हैं न ?

फ्रोम (सन्देह के साथ सिर झुकाकर) क्या हुजूर समझते हैं कि और किसी प्रकार मैं मामले को साफ-साफ पेश कर सकता था ?

जज हूँ! खैर!

फ्रोम हुजूर, दरअसल उस पर बड़ी भारी आफत आ जायगी।

जज यह कोई कारण नहीं ह कि मैं आपकी बात पर ध्यान दूँ।

फ्रोम हुजूर, इतनी दया करें। मैं यकीन दिलाता हूँ, कि मैं अत्युक्ति नहीं कर कर रहा हूँ।

जज गवाह के नाम को छुपा रखना मेरे नियम के विरुद्ध ह।

[ फाल्डर की ओर देखता है, जो हाथ मलता रहता है, फिर रुथ की ओर देखता है, जो स्थिर बैठी हुई फाल्डर की ओर देखती है। ]

मैं आपको बात पर विचार करूँगा। मैं सोचूँगा, क्योंकि मुझे यह भी देखना ह कि यह औरत कहीं कैदी के लिए झूठी गवाही देने न आई हो।

फ्रोम हुजूर, मैं सच—

जज ठीक है मैं अभी कोई ऐसी बात नहीं कह रहा हूँ। मिस्टर फ्रोम, अभी इस बात को छोड़िए।

[ बात खतम होते ही जूरी लौटते हैं और अपनी जगह पर बैठते हैं।]

अहलमद जूरीगण, क्या आप सब की राय मिल गई ह ?

फोरमैन हाँ मिल गई ह।

अहलमद क्या आपने उसे दोषी निर्णय किया है या दोषी के साथ पागल भी ?

फोरमैन दोषी।

[ जज प्रसन्न होकर सिर हिलाता है, फिर कागजों को हिला कर फाल्डर की ओर देखता है जो चुपचाप स्थिर भाव से बैठा है ।]

फ्रोम (उठकर) हुजूर का हुक्म हो तो आप से उसकी सजा कुछ कम करने के लिए अर्ज करूँ । जूरी से तो मैं उसकी उम्र और यह काम करते समय उसके मन की चंचलता के विषय में जो कुछ कहना था, कह चुका । उसके उपरान्त हुजूर से कुछ और कहने की जरूरत मैं नहीं समझता ।

जज मेरा तो ऐसा ही खयाल है ।

फ्रोम अगर हुजूर ऐसा फरमाते हैं तो मैं केवल इतना ही अर्ज करूँगा कि हुजूर सजा देते वक्त मेरी अर्ज का खयाल रक्खें ।

जज (क्लर्क से) कैदी को आवाज दो ।

क्लर्क मुलजिम ! सुनो तुम्हारे ऊपर जालसाजी करने का अपराध लगाया गया है । क्या तुम्हें इस विषय में कुछ कहना है कि अदालत से तुम्हें कानून के मुताबिक सजा क्या न दी जाय ?

[ फाल्डर सिर हिलाकर नहीं' कहता है । ]

जज विलियम फाल्डर तुम्हारा विचार अच्छी तरह किया गया और तुम्हारे ऊपर जालसाजी का अपराध सिद्ध हुआ है, और मेरी राय में ठीक सिद्ध हुआ है ।

[ कुछ ठहरकर कागज देखता है और कहता है । ]

तुम्हारी ओर से यह सफाई दी गई थी कि यह अपराध करते समय तुम अव्यवस्थित थे, और इसलिये इस काम के लिये तुम जिम्मेदार नहीं कहे जा सकते । मैं खयाल करता हूँ कि यह केवल उस प्रलोभन का प्रत्यक्ष रूप दिखाने की एक चाल थी, जिसने तुम्हें चंचल कर दिया, क्योंकि तुम्हारे विचार के प्रारम्भ से ही तुम्हारे वकील ने एक प्रकार से केवल दया की प्रार्थना की है । यह सफाई पेश करने से इतना जरूर हुआ कि उन्हें ऐसी गवाहियाँ दिलाने का अवसर मिला जो उस विचार से ध्यान देने योग्य है । यह कार्यवाही उचित थी या नहीं थी, दूसरी बात है । उन्होंने तुम्हारे बारे में कहा है कि तुम्हें अपराधी नहीं, मरीज समझना चाहिए । और उनकी इस दलील का जिसका अन्त दया की एक मर्मस्पर्शी प्रार्थना पर हुआ, तत्व क्या है ? यही कि हमारी न्यायपद्धति दूषित है और पापवृत्ति को सुधारने के बदले उसको पुष्ट और पूर्ण करती है । इस प्रार्थना को कितना महत्व देना चाहिए इस विषय में कई बातें विचारणीय हैं । पहले तो तुम्हारे

अपराध की गुरुता ह । किस चालाकी के साथ तुमने मुसन्ने को बदला, किस कमीनापन मे एक निर्दोषी के सिर अपराध मढने की कोशिश की । और यह मेरे खयाल म एक बहुत बडी बात है । और सब से बडी बात यह ह कि मुझे दूसरा को तुम्हारा उदाहरण दिखाकर ऐसे कामो स रोकना है । दूसरी ओर यह भी विचार करना ह कि तुम कम उम्र हो ।

इसके पहिले तुम्हारा चाल चलन हमेशा अच्छा रहा ह । और जैसा कि तुम्हारे और तुम्हारे गवाहा के बयान से मालूम होता है कि तुम यह काम करत वक्त कई कारणो से कुछ अस्थिरचित्त भी थे । तुम्हारे प्रति और समाज के प्रति जो मेरा कतव्य ह उसके अदर रहते हुए मेरी पूरी इच्छा है कि मैं तुम पर दया का व्यवहार करूँ । और यह मुझे इन बाता की याद दिलाता है जिनके आधार पर ही मुग्रामले का विचार किया जा सकता है । तुम वकील के दफ्तर में क्लक का काम करते हो यह इस मामले में एक बडी भारी बात ह । यह तुम किसी प्रकार भी नही कह सकते कि तुम्हे अपराध की भीषणता या उसके दण्ड का पूरा ज्ञान नही था । हा, यह कहा गया ह, कि तुम्हारे मनोभावा ने तुम्हे अस्थिर बना दिया था । हनोविल से जो तुम्हारा रिश्ता था उसका वृत्तान्त आज कहा गया ह, उसी वृत्तान्त पर सफाई और दयाप्रायना दोना ही का आधार रक्खा गया ह । दया की प्राथना केवल उसी पर से की गई है । अच्छा अब वह वृत्तान्त क्या है ?

तुम एक युवक हा और वह एक विवाहिता युवती ह, यद्यपि उसका विवाहित जीवन दुखी ह । तुम दोनो का आपस में प्रेम हो गया । तुम दानो कहते हो कि वह सम्बन्ध अपवित्र और कलुषित नही था । मैं नही जानता कि यह बात कहा तक सच ह । फिर भी तुम स्वीकार करते हो कि शीघ्र ही वह होने वाला था । तुम्हारे वकील ने इस बात पर पर्दा डालने के लिए यह कहा है कि उस औरत की अवस्था बडी करुण थी । मैं अपनी राय इस विषय में नहो देना चाहता । मैं इतना जानता हूँ कि वह एक विवाहिता स्त्री ह, और यह खुली हुई बात है कि तुमने यह अपराध एक भ्रष्ट सकल्प को पूरा करने के लिए किया । इच्छा होने पर भी मैं दया प्रापना का अनुमोदन नही कर सकता, जिसका आधार सदाचार के विरुद्ध ह । तुम्हारे

वकील ने यह भी कहा ह कि तुमको और अधिक कैद की सजा देना तुम्हारे प्रति अविचार होगा। मैं उनके इस कथन से सहमत नही हूँ। कानून जो है वही रहेगा। कानून एक विशाल भवन ह जो हम सब की रक्षा करता है, और जिसका हरएक पत्थर दूसरे पत्थर पर अवलम्बित ह। मैं केवल इसका व्यवहार करने वाला हूँ। तुमने जो अपराध किया है वह बडा भारी है। इस हालत में कर्तव्य की ओर दृष्टि रखकर मेरे हृदय म तुम्हारे प्रति जा दया की इच्छा है, वह मैं पूरी नही कर सकता। तुम्हें तीन साल की सख्त सज़ा भागनी पडेगी।

[ फाल्डर जो अब तक व्यग्रता के साथ जज की वक्तता को सुन रहा था, अपनी छाती पर सिर झुका लेता है। जैसे ही वाडर उसे ले जाने लगते हैं रुथ अपनी जगह पर खडी होती है। अदालत में गोलमाल होने लगता है। ]

जज (रिपोटरों से) प्रेस के महोदयगण, आज के मामले में जिस औरत ने गवाही दी ह उसका नाम कागज़ा में जाहिर न हा।

[ रिपोटर लोग सिर झुकाकर स्वीकार करते हैं। ]

जज (रुथ से जो उसकी ओर देख रही है) तुम समझ गई न ? तुम्हारा नाम जाहिर न होगा।

कोकसन (रुथ की आस्तीन पकडकर) जज आपसे कुछ कह रहे ह।

[ रुथ जज को ओर देखती है और चली जाती है। ]

जज आज मैं अभी और बैठूंगा। दूसरा मामला पेश करो। अहलमद जान बूली को आवाज दो।

अहलमद (वाडर से) जान बूली वाले गवाह हाजिर ह ?

[ वह आवाज देता है—जान बूली वाले गवाह हाजिर हैं ? ]

[ परदा गिरता है। ]

# अंक ३

## दृश्य पहला

[ जेलखाने में मामूली तरह से सजा हुआ एक कमरा, जिस
दो बडी बडी खिडकियां हैं। खिडकियों में छड लगी हुई है, जिनमें
कैदियों के कसरत करने का आंगन दिखाई दे रहा है। वहा कैदी प
कपडे पहिने हुए दिखाई देते हैं। उनके कपडों पर तीर का निश
लगा हुआ है। सिर पर पीली मुडी टोपी है। वे सब एक कता
चार चार गज के फासले से सफेद और टेढी-मेढी लकीरों पर ते
चलते दिखाई देते हैं जो आगन के फर्श पर बनी हैं। दो सिपाही
रग का कपडा पहिने हुए, तलवार लिए बीच में खडे हैं। उ
टोपी के सामने थोडा सा हिस्सा निकला हुआ है। कमरे की
रग से पुती हुई हैं। कमरे में किताब रखने का एक आला है
सरकारी ढग की किताबें रक्खी हैं। दोनो खिडकियों के बी
अलमारी है। दीवार पर जेलखाने का एक नक्शा लटक र
एक लिखने की मेज़ पर सरकारी कागजात रखे हैं। यह क्रिस
सध्या है। दारोगा साफ रोबदार आदमी है। कतरी हुई छ
हैं। मुल्लाओं की सी आखें, बाल खिचडी हो गए हैं, और
से फिरे हुए हैं। मेज के पास खडा एक आरी को देख रह
किसी धातु की बनी हुई है। जिस हाथ में वह उसे पक
उसमें दास्ताना है, क्योंकि उसके हाथ की दो उंगलियां
प्रधान वाडर वुडर लम्बा और दुबला है, और पलटनि
होता है। उसकी उम्र साठ वर्ष की है। मूछें सफेद हैं।
सी उदास आंखें हैं। गवनर से दो क़दम की दूरी पर
खडा है। ]

दारोगा (रूखी और हलकी मुसकिराहट के साथ) बड़े आश्चर्य की बात है, मिस्टर वुडर ! तुम्हें यह कहां मिली ?

वुडर उसकी चादर के नीचे साहब। ऐसी बात दो वर्ष से नजर नहीं आई।

दारोगा (आश्चर्य से) कोई सधी-बधी बात थी क्या ?

वुडर उसने अपनी खिड़की की गराद इतनी काट डाली है।

[ अँगूठे और उँगली को एक चौथाई इंच अलग करके उठाता है। ]

दारोगा मैं दोपहर को उससे मिलूंगा, उसका नाम क्या है ? मानी, शायद कोई पुराना आसामी है।

वुडर हां, साहब ! यह चौथी बार सजा भुगत रहा है। ऐसे पुराने खिलाड़ी को तो ज्यादा समझ से काम लेना चाहिए था।

[ करुणाभाव से ]

कह रहा था, मन बहलाता था। कहीं घुस गए, कहीं से निकल आए। सब इसी धुन में पड़े रहते हैं।

दारोगा दूसरे कमरे में कौन रहता है ?

वुडर ओक्लियरी हुजूर !

दारोगा अच्छा, वह आइरिश मैन ?

वुडर उसके दूसरे कमरे में रहता है वह युवक फाल्डर, सभ्य श्रेणी का। उसके बाद बूढ़ा क्लिपटन।

दारोगा हां, वह दार्शनिक। मैं उससे मिलूंगा। उसकी आंखों के बारे में पूछना है।

वुडर कुछ अक्ल काम नहीं करती। ऐसा मालूम होता है कि अगर एक भागने की कोशिश करता है, तो बाकी सबों को उसकी खबर हो जाती है। सभी भागने पर उतारू हो जाते हैं। खूब हलचल मच रही है।

गवर्नर (विचार करके) यह हलचल बुरा है।

[ क़ैदियों को कसरत करते देखता हुआ ]

वहां तो सब के सब बड़े शान्त मालूम होते हैं।

वुडर उस आइरिशमैन ओक्लियरी ने आज दरवाज़े पर धक्का देना शुरू किया। बिलकुल ज़रा-सी बात उनमें खलबली डाल देने को काफी है। वे कभी-कभी सब बे-ज़बान जानवरों से हो जाते हैं।

दारोगा घोड़ों में बादल गरजने के पहले यह बात मैंने देखी है। सवारों की कतारों को चीरते हुए निकल जाते थे।

[ जेल का पादरी आता है। बाल काले हैं, वैराग्य का भाव है, गिर्जे के कपडे पहिने हैं। चेहरा बहुत गम्भीर, होंठ कुछ जकडे हुए। धीरे से सभ्य भाषा में बात करता है। ]

दारोगा (आरा दिखाकर) इसे देखा तुमने, मिलर ?

चैपलेन काम की चीज़ मालूम होती ह।

दारोगा अजायबघर में भेजने लायक है।

[ अलमारी के पास जाकर उसे खोलता है और उसमें पुरानी रस्सियों के टुकडे, कीलें और धातुओं के बने हुए औज़ार नज़र आते हैं। उनमें कागज़ के पर्चे बँधे हुए हैं। ]

अच्छा धन्यवाद मिस्टर वुडर, तुम जा सकते हो।

वुडर (सलाम करके) जो हुक्म।

[ चला जाता है। ]

दारोगा क्यो मिस्टर मिलर—दो तीन दिन म यह क्या हो गया है ? सारे जेल की हवा बिगडी हुई ह।

चैपलेन मुझे तो कुछ नही मालूम।

दारागा खैर, जाने दो। कल यही भोजन कीजिए न ?

चैपलेन बडा दिन ह अनेक धन्यवाद ।

दारोगा आदमियो की हलचल मुझे परेशान कर देती है।

[ आरे को देखते हुए ]

इस शैतान को भी सज़ा देनी पडेगी। जो भागने की कोशिश करता ह उस पर सख्ती करने का जी नही चाहता।

[ आरे को जेब में रख लेता है, और अलमारी में भी ताला बन्द करता है। ]

चैपलेन बाज़ बाज़ बन्दे के हठीले और शरीर होते है। बिना सख्ती के कुछ नही किया जा सकता।

दारोगा फिर भी तो कोई नतीजा नही। गोल्फ के लिए ज़मीन बहुत कडी है, क्या ?

[ वुडर फिर भीतर आता है। ]

वुडर एक आदमी आपसे मिलना चाहते ह महाशय ! मैंने उनसे कहा ऐसा कायदा नही ह।

दारोगा क्या चाहता है ?

वुडर कहिए तो विदा कर दूँ।

दारोगा (मजबूरी से) नही, नही, बुलाओ। तुम वठा, मिलर।

[ वुडर किसी को आने के लिए इशारा करता है, और उसके भीतर आते ही वह चला जाता है। मिलने वाला कोक्सन है, वह घुटने तक मोटा ओवरकोट पहिने है। हाथ में ऊनी दस्ताने हैं। ऊची टोपी लिये हुए है। ]

कोक्सन: मुझे आपका कष्ट देने का खेद ह। लेकिन मुझे एक युवक के बारे में कुछ वहना है।

दारोगा यहाँ ता बहुत से युवक है।

कोकसन फाल्डर नाम है। जालसाजी मे। (अपने नाम का काड दारोगा को दे कर) जेम्स ऐण्ड वाल्टर हो का कार्यालय वकालत के लिए मशहूर हैं।

दारोगा (मुसकिराहट के साथ काड लेते हुए) आप किस लिए मुझसे मिलना चाहते हैं ?

कोकसन (अकस्मात् क़ैदियों की क़वायद देखकर) कैसा दश्य ह।

दारोगा हा, हमारे यहा स अच्छी तरह दिखाई देता है। मेरे दफ्तर की मरम्मत हो रही ह।

[ टेबिल के पास बैठकर ]

हाँ, कहिए।

कोकसन (मानो कष्ट के साथ अपनी दृष्टि को क़ैदियों की ओर फेरकर) मै आपसे दो एक बात करना चाहता हू। मुझे अधिक देर लगेगी। (धीरे से) बात यह है कि मैं कायद से ता यहा नही आ सकता। परन्तु उसकी बहन मेरे पास आई थी। बाप माँ तो काई ह ही नही। वह बहुत घबराई हुई थी। मुझमे बाला मेरे पति तो मुझे उससे मिलने जाने नही देते। कहते ह उसने कुल मे कलक लगाया ह। दूसरी बहन बिलकुल चलने फिरन से लाचार ह। उसने मुझम आन के लिए वहा। मुझे भी उस युवक मे प्रेम है। मरा हो मातहत था। मैं भी उसी गिर्जे म जाया करता हूँ। इसलिए मैं इनकार न कर सका।

दारोगा लेकिन खेद ह, उस किसी से मिलने का हुकुम नही ह। वह यहाँ केवल एक मास की काल कोठरी के लिए आया ह।

कोकसन मैं उसस उस समय एक बार मिला था जब वह हवालात में बन्द था और उसका मामला चल रहा था। बचारे के आगे पीछे कोई नही है।

दारोगा (कुछ प्रसन्न होकर) मिलर जरा घटी तो बजाओ।

[ कोकसन से ]

[ जेल का पादरी आता है। बाल काले हैं, वैराग्य का भाव है, गिर्जे के कपड़े पहिने हैं। चेहरा बहुत गम्भीर, होंठ कुछ जकड़े हुए। धीरे से सभ्य भाषा में बात करता है। ]

दारोगा (आरा दिखाकर) इसे देखा तुमने, मिलर ?

चैपलेन काम की चीज़ मालूम होता है।

दारोगा प्रजायबघर म भेजने लायक ह।

[ अलमारी के पास जाकर उसे खोलता है और उसमें पुरानी रस्सियों के टुकड़े, कीलें और धातुओं के बने हुए औज़ार नज़र आते हैं। उनमें कागज़ के पर्चे बँधे हुए हैं। ]

अच्छा, धन्यवाद मिस्टर वुडर, तुम जा सकते हो।

वुडर (सलाम करके) जो हुक्म।

[ चला जाता है। ]

दारोगा क्यो मिस्टर मिलर—दो तीन दिन में यह क्या हो गया है ? सारे जेल की हवा बिगडी हुई ह।

चैपलेन मुझे तो कुछ नही मालूम।

दारोगा खर, जाने दो। कल यही भोजन कीजिए न ?

चैपलेन बडा दिन ह अनेक धन्यवाद ।

दारोगा आदमियो की हलचल मुझे परेशान कर देती ह।

[ आरे को देखते हुए ]

इस शैतान को भी सजा देनी पडेगी। जो भागने की कोशिश करता है उस पर सख्ती करने का जी नही चाहता।

[ आरे को जेब में रख लेता है, और अलमारी में भी ताला बन्द करता है। ]

चैपलेन बाज़ बाज़ बल्त के हठीले और शरीर होते ह। बिना सख्ती के कुछ नही किया जा सकता।

दारोगा फिर भी तो कोई नतीजा नही। गोल्फ के लिए ज़मीन बहुत कडी है, क्या ?

[ वुडर फिर भीतर आता है। ]

वुडर एक आदमी आपसे मिलना चाहते है महाशय ! मैंने उनसे कहा ऐसा कायदा नही ह।

दारोगा क्या चाहता है ?

वुडर कहिए तो विदा कर दूँ।

दारोगा (मजबूरी से) नही, नही, बुलाओ। तुम बठा, मिलर।

[ वुडर किसी को आने के लिए इशारा करता है, और उसके भीतर आते ही वह चला जाता है। मिलने वाला कोक्सन है, वह घुटने तक मोटा ओवरकोट पहिने है। हाथ में ऊनी दस्ताने हैं। ऊची टोपी लिये हुए है। ]

कोकसन : मुझे आपका कष्ट देने का खेद ह। लेकिन मुझे एक युवक के बारे में कुछ कहना ह।

दारोगा यहाँ तो बहुत से युवक है।

कोकसन फाल्डर नाम है। जालसाज़ी म। (अपने नाम का काड दारोगा को दे कर) जेम्स ऐण्ड वाल्टर हो का कार्यालय वकालत के लिए मशहूर हैं।

दारोगा (मुसकिराहट के साथ काड लेते हुए) आप किस लिए मुझसे मिलना चाहते ह ?

कोकसन (अकस्म त कैदियों की क़वायद देखकर) वसा दश्य ह।

दारोगा हाँ, हमारे यहाँ स अच्छी तरह दिखाई दता है। मेरे दफ्तर की मरम्मत हो रही ह।

[ टेबिल के पास बैठकर ]

हा, कहिए।

कोकसन (मानो कष्ट के साथ अपनी दृष्टि का कैदियों की ओर फेरकर) मैं आपसे दो एक बात करना चाहता हूँ। मुझे अधिक देर लगेगी। (धीरे से) बात यह है कि मैं कायदे से ता यहा नही आ सकता। परन्तु उसकी बहन मेरे पास आई थी। बाप मा तो काई ह ही नही। वह बहुत घबराई हुई थी। मुझसे बोली मेरे पति तो मुझे उससे मिलन जाने नही देते। कहते ह उसने कुल में कलक लगाया है। दूसरी बहन बिलकुल चलने फिरने से लाचार है। उसने मुझस आने के लिए कहा। मुझे भी उस युवक से प्रेम है। मेरा ही मातहत था। मैं भी उसी गिर्जे म जाया करता हूँ। इसलिए मैं इनकार न कर सका।

दारोगा लेकिन खेद है, उस किसी से मिलने का हुकुम नही ह। वह यहाँ केवल एक मास की काल कोठरी के लिए आया है।

कोकसन मैं उसस उस समय एक बार मिला था जब वह हवालात में बन्द था और उसका मामला चल रहा था। बेचारे के आगे पीछे कोई नही ह।

दारोगा (कुछ प्रसन्न होकर) मिलर जरा घटी तो बजाओ।

[ कोकसन से ]

क्या आप सुनना चाहते है कि डाक्टर उसके बारे मे क्या कहते है ?

चैपलेन (घंटी बजाकर) मालूम होता है कि आप जेलखाने में बहुत कम जाते है।

कोकसन हाँ, लेकिन देखकर दुःख होता है, वह अभी बिलकुल युवक है। मैंने उससे कहा—"धीरज रखो।" हाँ, यही कहा था। "धीरज" उसने जवाब दिया। "एक दिन अपने को कमरे मे बन्द करके मेरी ही भांति सोचिए और कलपिए तो मालूम हो। बाहर का एक दिन यहा के एक वर्ष के समान है। मैं क्या करूँ ?" उसने फिर कहा, "मैं कोशिश करता हूँ, मिस्टर काकसन, परन्तु अपनी आदत से लाचार हूँ।" फिर हाथों से मुह ढाप कर वह रोने लगा। मैंने देखा उँगलियों के बीच में से होकर आसू टपक रहे थे। मैं तो तडप उठा।

चैपलेन वही युवक है न जिसकी आखें कुछ अजीब तरह की है। चर्च आफ इंगलैंड का नहीं मालूम होता।

कोकसन नहीं।

चैपलेन जानता हूँ।

दारोगा (वुडर से जो भीतर आया है) डाक्टर साहब से कहो कि कृपा करके एक मिनट के लिए मुझसे आकर मिल लें।

[ वुडर सलाम करके चला जाता है। ]

उसकी शादी तो नहीं हुई है।

कोकसन नहीं।

[ गुप्त भाव से ]

लेकिन एक औरत है, जिसे वह बहुत चाहता है, ठीक वेश्या नहीं है। बडी करुण कहानी है।

चैपलेन अगर दुनिया में शराब और औरत न होती तो जेलखाने ही न होते।

कोकसन (चश्मे के ऊपर से चैपलेन को देखता हुआ) हाँ, लेकिन मैं विशेषकर वही बात आपसे कहने आया हूँ। यह चिन्ता उसे मारे डालती है।

दारोगा अच्छा!

कोकसन बात यह है कि उस औरत का पति बडा ही बदमाश है और वह उसे छोड बैठी है। वह उस युवक के साथ ही भाग जाने का इरादा करती है। यह बात अच्छी नहीं है। लेकिन मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया। जब मुकदमा खतम हो गया, तो उसने कहा कि अलग रहकर अपना पेट चलाऊँगी और जब तक वह सजा काटकर बाहर न आए

उसके नाम पर बठी रहूँगी। उसको इस बात से बडी भारी शान्ति मिली थी। लेकिन एक महीने बाद वह मुझको मिली। मुझसे उससे जान पहिचान नही है पर बोली— 'अपनी बात ता दूर हैं, मैं अपने बच्चो तक का पालन नही कर सकती। मेरे काई मित्र नही ह। मैं ज्यादा किसी से मिल-जुल भी नही सकती। उससे मेरे पति को मेरा पता लग जाने का डर ह। मैं बिलकुल दुबली हा गयी हूँ।" दर-असल वह दुबली हो गई हैं। "अब शायद मुझे किसी कारखाने में जाना पडेगा।' यह बडी दु ख भरी कहानी है। मैंने कहा 'नही, कही न जाना पडेगा। मेरे घर पर मेरी स्त्री है बच्चे ह। यदि उन्हे भोजन मिलेगा ता तुमको भी क्यो नही मिल सकता?" दरअसल वह बडी नेक औरत हैं। उसने जवाब दिया "सच? लेकिन मैं आपसे यह नही कह सकती। इससे तो अच्छा हैं कि मैं अपने पति के पास लौट जाऊँ।" यद्यपि मैं जानता हूँ कि उसका पति एक शराबी तथा पशु के समान अत्याचारी आदमी ह फिर भी मैंने उसे पति के पास जाने को मना नही किया।

चैपलेन आप कैसे कर सकते थे?

कोकसन हाँ, लेकिन उसके लिए मुझे दु ख है। युवक को अभी तीन साल सजा भुगतनी है। मैं चाहता हू यह कुछ आराम से रहे।

चैपलेन (कुछ चिढकर) कानून आपके साथ बिलकुल सहमत नही।

कोकसन वह बिलकुल अकेला ह, मुझे डर ह वह पागल न हो जाय। भला ऐसा कौन चाहता होगा? मुझे जब उसने देखा ता रोने लगा, मुझम किसी का रोना देखा नही जाता।

चैपलेन यह बहुत ही कम देखा गया है, कि कैदी किसी का देखकर राने लगे।

कोकसन (उसकी ओर ताकता हुआ यकायक जामे से बाहर होकर) मेरे घर कुत्ते भी हैं।

चैपलेन अच्छा!

कोकसन हाँ, और मैं कह सकता हूँ कि मैं कभी उन्हें हफ्तो तक अकेले बन्द नही रख सकता। चाहे वह मुझे टुकडे-टुकडे कर डालें।

चैपलेन मगर अपराधी तो कुत्ते नही ह। उनमें धम-अधम का ज्ञान होता हैं।

कोकसन लेकिन उसको समझाने का यह ढग नहीं ह।

चैपलेन खेद है हम आप से एक-मत नही हो सकते।

कोकसन कुत्तों में भी यही बात है, आप उनसे दया का व्यवहार करेंगे तो वे

आपके लिए सब कुछ करेंगे। मगर उनको अकेले बन्द कर रखिये। आप देखेंगे वे झल्ला उठेंगे।

चैपलेन मगर इतना आप जरूर स्वीकार करेंगे, जो आप से ज्यादा अनुभव रखते हैं वह जानते हैं कि कैदियों से किस तरह व्यवहार किया जाय।

कोकसन (हठ करके) मैं इस बेचारे युवक का जानता हूँ। मैं उसे वर्षों से देखता आ रहा हूँ। वह कुछ दिन का कमजोर है। उसका बाप भी क्षय से मरा था। मैं केवल उसके भविष्य की बात सोच रहा हूँ। अगर उसका काल कोठरी में रक्खा जायगा जहाँ कुत्ता बिल्ला तक उसके साथी नही हैं, तो उसके स्वास्थ्य को जरूर नुकसान पहुँचेगा। मैंने उससे पूछा था कि "तुम्हें क्या कष्ट है?" उसने जवाब दिया, "यह मैं आपसे ठीक बयान नही कर सकता, मिस्टर कोकसन, लेकिन कभी कभी जी चाहता है कि अपना सिर दीवार पर पटक दूँ।" कितनी भयानक बात है।

[ उसकी बात के बीच में ही डाक्टर भीतर आते हैं। उनका कद मझोला है, खूबसूरत भी कहा जा सकता है, आँखें तेज हैं, खिडकी पर झुककर खडे होते हैं। ]

दारोगा यह महाशय कह रहे है कि एकांतवास से उच्च श्रेणी के न० ३००७ वही दुबला सा युवक फाल्डर की दशा बिगड रही है। आपकी क्या राय है डाक्टर क्लेमेंट?

डाक्टर हां, वह जरूर ऊब गया है। परन्तु उसके स्वास्थ्य में तो कोई खराबी नही आई है। केवल एक महीना तो है।

कोकसन लेकिन यहां आने के पहिले तो उसे हफ्ता रहना पडा था।

डाक्टर यह तो जानी-बूझी बात है। यहाँ उसका वजन कुछ नही घटा है।

कोकसन लेकिन मेरा मतलब उसके दिमाग से है।

डाक्टर उसका दिमाग भी दुरुस्त है। कुछ घबडाया-सा जरूर रहता है। परन्तु और कोई शिकायत नहीं है। मैं उसके विषय में सावधान हूँ।

कोकसन (लाजवाब होकर) मुझे यह सुनकर बडी खुशी हुई।

चैपलेन (सज्जनता के साथ) यही एक ऐसा वक्त है कि हम उसके दिल पर कुछ असर डाल सकते है। मैं अपने निज की दृष्टि से कहता हूँ।

कोकसन (दारोगा की ओर भौंचक्केपन से देखकर) मैं आपसे शिकायत नहीं करना चाहता, परन्तु मेरे खयाल में यह अच्छी बात नही।

दारोगा मैं खुद जाकर आज उसे देखूगा।

कोकसन इसलिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मेरा खयाल है कि रोज देखते रहने से शायद आपको कुछ पता न लगे।

दारोगा (कुछ तीखेपन से) अगर उसके स्वास्थ्य में कुछ भी खराबी मालूम हुई तो मामला फौरन आगे भेज दिया जावेगा, इसका काफी प्रबन्ध है।

[ वह उठता है। ]

कोकसन (अपनी ही धुन में) यह बात अवश्य है कि जो बात आँख से नही देखी जाती उसके लिए कष्ट नही होता। परन्तु मैं उधर से निश्चिन्त हो जाना चाहता हूँ।

दारोगा आप उसे हमारे ऊपर छोड दीजिए।

कोकसन (नम्र और विनीत भाव से) शायद आप मेरा आशय समझ गए हो। मैं सीधा-सादा आदमी हूँ। अफसर के विरुद्ध मैं कुछ नही कहना चाहता।

[ चैपलेन की ओर झुककर ]

बुरा न मानिएगा। गुडमार्निंग।

[ जब वह चला जाता है, तब तीनों कर्मचारी एक दूसरे को ओर नहीं देखते। लेकिन उनके चेहरे पर एक विचित्र भाव छा जाता है। ]

चैपलेन हमारे इन मित्र का खयाल है कि जेल अस्पताल है।

कोकसन (अकस्मात लौटकर बडे ही विनीत भाव से) एक बात और है, वह औरत—मेरे खयाल में आपसे यह कहना उचित न होगा, अगर आवे तो उसे इससे मिला दीजिएगा। इससे दोनो निहाल हो जायँगे। वह उसी का ध्यान कर रहा होगा। माना वह उसकी बीवी नही है, लेकिन किसी बात का खटका नही है। बेचारे दोनो बडे ही दुखी हैं। आप कोई खास रियायत नही कर सकते ?

दारोगा (उकताकर) मुझे सचमुच ही दुःख है कि मैं कोई खास रियायत नही कर सकता। वह जब तक मामूली जेलखाने में न जाय, तब तक वह किसी से नही मिल सकता।

कोकसन ठीक है। (निराश स्वर से) आपको तक्लीफ दी, माफ कीजिए।

[ फिर बाहर चला जाता है। ]

चैपलेन (कधों को हिलाकर) बडा सीधा आदमी है बिचारा। चलो क्लेमेंट खाना खा लो।

[ वह और डाक्टर बातें करते जाते हैं। ]

[ दारोगा एक लम्बी सांस लेकर टेबिल के पास कुर्सी पर बैठ जाता है और क़लम उठा लेता है । ]

[ परदा गिरता है । ]

## दृश्य दूसरा

[ जेलखाने की पहिली मंजिल के दालान का हिस्सा । दीवारें फीके हरे रंग से गहरे रंग की एक धारी तक रंगी हुई हैं जो मनुष्य के कन्धे की ऊँचाई तक होंगी । इसके ऊपर सफेदी की हुई है । ज़मीन काले पत्थरों की बनी हुई है । किनारे पर की एक खिड़की से रोशनी छनकर आ रही है । चार कोठरियों के दरवाजे नज़र आ रहे हैं । आख की ऊँचाई पर हर एक कोठरी के दरवाज़े में एक छोटा झरोखा है जिस पर एक गोल ढॅकना लगा है । उसको ऊपर उठाने से कोठरी का भीतरी दृश्य दिखाई देता है । कोठरी के पास ही दीवार पर एक छोटा चौकोर तख़्ता लगा है जिस पर कैदी का नाम, नम्बर और हाल लिखा है ।

[ ऊपर दोमंजिले और तिमंजिले के दालानों के लोहे के छज्जे दिखाई दे रहे हैं ।

[वाडर (जमादार) एक कोठरी से बाहर निकल रहा है । उसके डाढ़ी है और नीली वर्दी पहिने हुए है । वर्दी पर एक गर्दपोश है, उसमें चाबियाँ लटक रही हैं । ]

जमादार (दरवाज़े से कोठरी के अन्दर बोलते हुए) जब यह कर लोगे तो मैं तुम्हें कुछ थोड़ा-सा काम और दूँगा ।

ओक्लियरी (नेपथ्य में आयरिश स्वर में) ठीक है, हुजूर ।

जमादार (दोस्ताना ढंग से) आखिर बैठकर क्या करोगे ? कुछ न कुछ करना ही अच्छा है ।

ओक्लियरी यही तो मैं सोचता हूँ ।

[ कोठरियों के बन्द होने और ताला पड़ने का शब्द सुनाई देता है । फिर किसी के पैरों की आवाज़ सुनाई देती है । ]

जमादार (गला कुछ बदलकर जल्दी से) देखो, अच्छी तरह काम करो ।

[ कोठरी का दरवाजा बन्द करता है और तनकर खड़ा होता है। दारोग़ा आता है, पीछे-पीछे वुडर है। ]

दारोगा कोई नई बात ?

जमादार (सलाम करके) क ३००७।

[ एक कोठरी की ओर इशारा करके ]

काम में पीछे ह। उसको आज नम्बर नही मिल सकता।

[ दारोगा सिर हिलाता है और आखिरी कोठरी के पास जाता है। जमादार चला जाता है। ]

दारोगा इन्ही महाशय ने आरी बनायी है न ?

[ जेब में से आरी निकालता है, वुडर कोठरी का दरवाजा खोलता है, क़ैदी सिर पर टोपी दिए बिछौने पर सीधा लेटा नज़र आता है। वह चौंक पडता है और कोठरी के बीच में खड़ा हो जाता है। वह दुबला आदमी है, उम्र छप्पन वर्ष की, कान चमगीदड के-से, डरावनी घूरती हुई और कठोर आखें हैं। ]

वुडर टोपी उतारो। (मोनी टोपी उतारता है।) बाहर आओ।

[ मोनी दरवाज़े के पास आता है। ]

दारोगा (उसे दालान में निकल आने का इशारा करके जेब में से आरी निकालकर उसे दिखाते हुए इस ढग से बोलता है जैसे कोई अफसर सिपाही से बात कर रहा हो।) इसके बारे में कुछ कहना है ? बोलो।

[ मोनी चुप रहता है फिर पूछने पर बोलता है। ]

मोनी वक्त काट रहा था।

दारोगा (कोठरी की ओर इशारा करके) काम कम है, क्या ?

मोनी उसमें मन नही लगता !

दारोगा (आरी को खटखटाकर) तो इससे अच्छा ढग सोचना चाहिए था।

मोनी (मुह लटकाकर) और कौन सा ढग था ? जब तक मैं यहा से निकल न जाऊँ, तब तक मुझे किसी न किसी काम में अपना वक्त काटना पड़ेगा। इस उम्र में और मेरे लिए रक्खा ही क्या है ?

[ ज्यों-ज्यों जबान हिलती है वह नम होता जाता है। ]

आपको तो मालूम ही ह कि इस मियाद के बाद दो ही एक साल में मुझे फिर लौट आना पड़ेगा। मैं बाहर निकलकर अपनी बेइज्ज़ती न कराऊँगा। जेल को क़ायदे से दुरुस्त रखने म आपको गर्व ह। मुझे भी अपनी इज्ज़त प्यारी है।

[ यह देखकर कि दारोगा उसकी बातों को ध्यान से सुन रहा है वह आरी की ओर इशारा करके कहता है । ]

कुछ थोडा-थोडा यह काम भी करता रहूँ तो किसी का क्या बिगडता है ? पाँच हफ्ता से मैं इसे बना रहा था । शायद बुरा तो नही बना । अब शायद काल कोठरी मिलेगी । या सात दिन सिर्फ रोटी और पानी । आपके बस की बात नही । मैं जानता हूँ कायदे से आप भी लाचार ह ।

दारोगा अच्छा, देखो मोनी अगर मैं इस बार तुम्हें माफ कर दूँ तो क्या तुम मुझसे वायदा कर सकते हो कि आगे तुम कभी ऐसा न करोगे ? सोचो ।

[ वह कमरे में घुसता है और उसके सिरे तक चला जाता है । फिर स्टूल पर चढकर खिडकी की सलाखों को आजमाता है । ]

दारोगा (लौटकर) क्या कहते हो ?

मोनी (जो सोच रहा था) अभी मुझे छ हफ्ते और यहाँ अकेले रहना है । बस मुमकिन ह कि मैं बिना कुछ किए चुपचाप रहूँ । कोई चीज़ जरूर चाहिए जिसमे मेरा मन लगे । आपकी बडी दया है । लेकिन मैं कोई वायदा नही कर सकता । एक भले आदमी को धोखा नही देना चाहता ।

[ कोठरी की ओर देखकर ]

अगर चार घटे डटकर और मिलते तो मैं इसे पूरा कर लेता ।

दारोगा तो उससे होता क्या ? फिर पकड लिए जाते । यहाँ लाए जाते और सजा मिलती । पाँच हफ्ते की सख्त मिहनत करने पर भी कोठरी में बन्द रहना पडता । तुम्हारी खिडकी पर एक नई गराद लगा दी जाती । सोचो मोनी क्या यह काम इस लायक है ?

मोनी (कुछ डरावने भाव से) हाँ, ह ।

दारोगा (हाथों से भौंहों को खुजाते हुए) अच्छा दो दिन कोठरी और सिर्फ रोटी और पानी ।

मोनी धन्यवाद !

[ वह जानवर की भाँति घूमता है और अपने कमरे में घुस जाता है । दारोगा उसकी ओर देखता रहता है, और सिर हिलाता है । वुडर कोठरी को बन्द करके ताला डालता है । ]

दारोगा क्लिप्टन की कोठरी खोलो ।

[ वुडर क्लिप्टन की कोठरी खोलता है, क्लिप्टन ठीक दरवाजे के पास एक स्टूल पर बैठा हुआ पाजामा सी रहा है । वह नाटा,

मोटा और अधेड है। सिर मुड़ा हुआ। धुधले चश्मे के पीछे छोटी और काली आँखें मानो बूझ रही हों। वह उठकर दरवाजे में चुपचाप खड़ा हो जाता है और आने वालों को घूरता है। ]

दारोगा (उसको बाहर जाने का इशारा कर) जरा एक मिनट के लिए बाहर आओ क्लिप्टन !

[ क्लिप्टन एक डरावनी खामोशी के साथ बाहर आता है, सुई-डोरा उसके हाथ में है। दारोग़ा वुडर से इशारा करता है, वह जाच करने के लिए कोठरी के भीतर जाता है। ]

दारोगा तुम्हारी आँखें कैसी है ?

क्लिप्टन मुझे उनकी कुछ शिकायत नही करनी ह। यहाँ सूरज के कभी दर्शन नही होते।

[ चोरों की तरह कदम उठाकर सिर बढा देता है। ]

मैं चाहता हूँ कि आप मेरे इस दूसरे कमरे के महाशय से कुछ कह दें कि वह जरा कुछ चुप रहा करें।

दारोगा क्यो, क्या बात है ? मैं चुगली नही सुनना चाहता क्लिप्टन।

क्लिप्टन मैं नही जानता वह कौन ह। मुझे तो उसके मारे नीद तक नही आती।

[ उपेक्षा से ]

शायद कोई उच्च ( स्टार ) श्रेणी का होगा। उसे हमारे साथ नही रखना चाहिए।

दारोगा (शान्त स्वर से) ठीक है क्लिप्टन जब कोई कोठरी खाली होगी तब वह हटा दिया जायगा।

क्लिप्टन सबेरे वह दरवाजे पर धमाधम शब्द करता है, मानो कोई जगली जानवर हो। मुझे बरदाश्त नही होती। मेरी नीद खुल जाती है। शाम को भी यही हाल होता ह। यह कोई अच्छी बात नही है। आप ही सोच देखिए। नीद के सिवा यहाँ और ह क्या ? वह मुझे पेट भर मिलनी चाहिए।

[ वुडर कोठरी के बाहर आता है। जैसे ही वह आता है क्लिप्टन चोर की तरह झट से अपनी कोठरी में घुस जाता है। ]

वुडर सब ठीक ह हुजूर !

[ दारोग़ा सिर हिलाता है, वुडर दरवाजे को बन्द कर ताला लगाता है। ]

दारोगा वह कौन है जो सबेरे अपने दरवाजे पर धक्का मार रहा था ?

वुडर (ओक्लियरी की कोठरी के पास जाकर) यह ह, साहब।

[ वह ढकना उठाकर झरोखे में से भीतर देखता है। ]

दारोगा खोलो।

[ वुडर दरवाजा बिलकुल खोल देता है, ओक्लियरी दरवाजे के पास टेबिल के सामने कान लगाए बैठा हुआ नजर आता है। दरवाजा खुलते ही वह उछलकर ठीक द्वार पर सीधा खड़ा हो जाता है। उसका चेहरा चौड़ा है, उम्र अधेड़ है, मुह पतला, चौड़ी और गालों की ऊँची हड्डियों के नीचे गढ़े हो गए हैं। ]

दारोगा क्या मजाक है, ओक्लियरी ?

ओक्लियरी मजाक हुजूर ! मैंन ता बहुत न्नि‍ा स इस नही देखा।

दारोगा अपने दरवाजे पर धक्के लगाना !

ओक्लियरी ओ ! वह !

दारोगा यह जनानो का सा काम ह।

ओक्लियरी और दो महीने मे ही क्या रहा ह ?

दारोगा कोई शिकायत है ?

ओक्लियरी नही हुजूर।

दारोगा तुम पुराने आदमी हो, तुम्हें सोच समझकर काम करना चाहिए।

ओक्लियरी यह सब तो सुन चुका हूँ।

दारोगा तुम्हारे बाद वाले कमरे में एक लौंडा ह, वह घबड़ा जायगा।

ओक्लियरी कभी-कभी सनक सवार हो जाती है, हुजूर। मैं क्या करूँ ? हमेशा मन ठिकाने नही रहता।

दारोगा काम तो पसन्द है न ?

ओक्लियरी (एक चटाई उठाकर जो वह बना रहा था ) यह काम मुझे दिया गया ह। मेरे चाहे कोई प्राण ही ले ले, पर यह मुझसे न होगा। ऐसा मरियल काम ! एक चूहा भी इसे बना सकता ह।

[ मुह बनाकर ]

बस, यही मुझसे नही सहा जाता। यही सन्नाटा ! जरा-सी कोई भनक कान में आए तो जी हलका हो जाता ह।

दारोगा तुम बाहर किसी दूकान म ही होते तो क्या बातें करने पाते ?

ओक्लियरी ससार की बातचीत तो सुनता।

दारोगा (मुसकिराकर) अच्छा, अब ये बातें बन्द होनी चाहिए।

ओक्लियरी अब जबान न खोलूँगा, हुजूर।

दारोगा (घूमकर) सलाम।

मोक्लियरी सलाम, हुजूर।

[ वह कोठरी में जाता है, दारोगा दरवाजा बन्द करता है। ]

दारोगा (चाल-चलन की तख्ती को पढ़कर) इस पाजी से कुछ कहने को जी नही चाहता।

वुडर हाँ, साहब, मुहब्बती आदमी ह।

दारोगा (दालान से निकलने के रास्ते की ओर इशारा करके) वुडर, जाकर डाक्टर का बुला लाओ।

[ वुडर उधर चला जाता है। ]

[ दारोगा फाल्डर की कोठरी की ओर जाता है। वह हाथ उठाकर झरोखे के ढक्ने को खोलना चाहता है कि अचानक ही सिर हिलाकर हाथ नीचा कर लेता है। फिर चाल चलन की तख्ती पढकर वह दरवाजे को खोलता है। फाल्डर जो दरवाजे के सहारे ही खडा हुआ था गिरते गिरते सँभलता है। ]

दारोगा (बाहर आने का इशारा कर) कहो, क्या अब भी तुम शात नही हो सके फाल्डर ?

फारडर (हाफता हुआ) हाँ, साहब।

दारागा मेरा मतलब यह ह कि अपने सिर को दीवार पर पटकने से कुछ न होगा।

फाल्डर जी नही।

दारोगा फिर ऐसा मत किया करो।

फाल्डर कोशिश करूँगा, हुजूर।

दारोगा क्या तुम्हें नीद नही आती ?

फाल्डर बहुत थोडी। दो बजे और उठने के समय के बीच में दिल बहुत घबडाता हैं।

दारोगा क्यो ?

फाल्डर (उसके ओंठ फैल जाते हैं, जैसे मुसकिराता हो) यह नही जानता। मैं कच्चे दिल का आदमी हूँ।

[अचानक वाचाल होकर]

उस समय सभी बातें मुझे भयानक मालूम होती हैं। कभी-कभी सोचता हूँ कि शायद मैं यहाँ से कभी बाहर नही निकलूगा।

दारोगा दोस्त यह वहम ह। अपने को सँभालो।

फाल्डर (अचानक झुंझलाकर) हां, करना ही पड़ेगा।

दारोगा अपने और साथियों को देखो।

फाल्डर उनको आदत हो गई है। जी हां, शायद मैं भी कुछ दिनों में उन्हीं जैसा हो जाऊँगा।

दारोगा (कुछ दुखित होकर) खर, यह तुम जानो। अच्छा, अब काम में अपना मन लगाने की कोशिश करो। तुम अभी बिलकुल जवान हो। आदमी जैसा चाहे बन सकता है।

फाल्डर (उत्सुकता से) जी हाँ।

दारोगा अपने मन को वश में रक्खो। कुछ पढ़ते हो?

फ़ाल्डर (सिर झुकाकर) मेरी समझ में कुछ आता ही नहीं। मैं जानता हूँ इससे कोई फायदा नहीं। फिर भी बाहर क्या हो रहा है, यह जानने की इच्छा होती है।

दारोगा क्या कोई घरेलू मामला है?

फाल्डर जी हां।

दारोगा उन बातों को तुम्हें नहीं सोचना चाहिए।

फाल्डर (कोठरी की ओर देखकर) यह मेरे बस की बात नहीं है।

[ वुडर और डाक्टर को आते देखकर बिलकुल चुप और स्थिर हो जाता है। दारोगा उसे कोठरी में जाने का इशारा करता है। ]

फाल्डर (जल्दी से धीमे स्वर में) मेरा दिमाग बिलकुल ठीक है, साहब।

[ कोठरी के भीतर जाता है। ]

दारोगा (डाक्टर से) जाओ और उसे जरा देख आओ, क्लेमट।

[ डाक्टर के भीतर जाते ही दारोगा दरवाजे को भेड़ देता है, फिर खिड़की की ओर जाता है। ]

वुडर (उनके पीछे-पीछे चलकर) बड़े दुख की बात है कि आपको इन सबों के पीछे इतना कष्ट उठाना पड़ता है। मगर सब आदमी सुखी हैं।

दारोगा क्या तुम ऐसा सोचते हो?

वुडर हाँ, साहब, केवल 'बड़े दिन' के कारण सब जरा बेचैन हो उठे हैं।

दारोगा (अपने ही आप) अजीब बात है।

वुडर क्या कहा हुजूर?

दारोगा बड़ा दिन।

[ खिड़की की ओर मुंह फेरता है। वुडर उनको ओर बड़ी चिंता और दया की दृष्टि से देखता है। ]

वुडर (यकायक) कहिए तो अबकी कुछ धूमधाम ज्यादा की जाय, या आप चाहें तो हाली* के और पौधे लगा दिए जाएँ।

दारोगा कोई जरूरत नही।

[ डाक्टर फाल्डर के कमरे से बाहर आता है, दारोगा उसे इशारे से बुलाता है। ]

दारोगा कहिए।

डाक्टर मैं तो कोई खराबी नही पाता हूँ। हाँ, कुछ घबडाया जरूर है।

दारोगा क्या उसकी हालत की इत्तला देनी चाहिए ? सच कहो डाक्टर।

डाक्टर बात तो यह ह, उसे इस प्रकार एकात में रखने से कोई फायदा नही हो रहा है। परन्तु यह बात तो मैं बहुतो के लिए कह सकता हूँ।

दारोगा आपका मतलब ह कि आपको औरो के लिए भी सिफारिश करनी पडेगी।

डाक्टर कम से कम एक दजन के लिए। केवल जरा घबराहट है और कोई बात स्पष्ट नही ह। यही देखो न।

[ ओक्लियरी की कोठरी की ओर इशारा करके ]

इसकी भी हालत यही ह। अगर मैं लच्छ्णा को छोड दूँ तो कुछ भी कर ही नही सकता। ईमान की बात तो यह ह कि मैं कोई खास रियायत नही कर सकता। वजन में कुछ घटा नही है। आँखें ठीक हैं, नब्ज भी ठीक है। बातें बिलकुल होश की करता ह। और अब एक हफ्ता तो रह ही गया है।

दारोगा उन्माद का रोग तो नही मालूम होता ?

डाक्टर (सिर हिलाकर) यदि आप कहें तो मैं उसके बारे म रिपोट पेश कर सकता हूँ। लेकिन फिर मुझे औरो के लिए भी रिपोट पेश करनी पडेगी।

दारोगा अच्छा ! (फाल्डर की कोठरी की ओर देखते हुए) उस बेचारे को अभी यही रहना होगा।

[ कहने के साथ कुछ अनमना-सा होकर वुडर की ओर देखता है। ]

वुडर आप कुछ कह रहे हैं, हुजूर ?

[ जवाब के बदले दारोगा उसकी ओर आँखें फाडकर देखता है। फिर पीछे फिरकर चलने लगता है। किसी धातु की चीज पर कुछ ठोंकने का शब्द सुनाई देता है। ]

---

*क्रिसमस में यूरोप में हाली के पौदो से सजावट की जाती है। इसे शुभ समझा जाता है।

दारोगा (ठहरकर) क्या है, मिस्टर वुडर ?

वुडर अपने दरवाजे को पीट रहा है, साहब। अभी शात होता नही जान पडता।

[ वह जल्दी से दारोगा की बगल से होकर चला जाता है, दारोगा भी धीरे धीरे उसी ओर जाता है। ]

[ परदा गिरता है। ]

## दृश्य तीसरा

[ फाल्डर की कोठरी। दीवारों पर सफेदी है, कमरा तेरह फीट चौडा, सात फीट लम्बा है। ऊँचाई नौ फीट है। छत गोल है। जमीन चमकीली, काली इटो की बनी है। जगलेदार खिडकी है जिसके ऊपर हवादान है। खिडकी सामने की दीवार के बीचोंबीच बनी है। उसके सामने की दीवार में छोटा-सा दरवाजा है। एक कोने में चादर और बिछावन लपेटा हुआ रक्खा है (दो कम्बल, दो चादरें और एक गिलाफ)। ठीक उसके ऊपर चौथाई गोल लकडी का ताक है, जिस पर बाइबिल और कई धर्मग्रन्थ तले ऊपर मीनार की तरह रक्खे हैं। बालों का काला बुरुश, दातों का बुरुश, और एक छोटा सा साबुन भी रक्खा है। दूसरे कोने में लकडी की एक खाट खडी रक्खी है। खिडकी के नीचे एक अधेरा हवादान है और एक दरवाजे के ऊपर भी है। फाल्डर का काम (एक कमीज पर उसे बटन के काज बनाने को दिया गया है।) एक खूटी पर टँगा हुआ है। उसके नीचे एक लकडी की मेज पर उपन्यास 'लोना दून' खुला हुआ रक्खा है। कोने में दरवाजे के पास कुछ नीचे एक वग फुट का मोटा काच का पर्दा है जो दीवार में लगी हुई गैस की नाली के द्वार को छेके हुए है। एक लकडी का स्टूल भी रक्खा है। उसके नीचे जूते रक्खे हैं। खिडकी के नीचे तीन चमकदार टीन के डब्बे जडे हुए हैं।

[ दिन शीघ्रता से ढल रहा है। फाल्डर मोजा पहिने हुए दरवाजे से सिर लगाकर (मानो कुछ सुन रहा हो) चुपचाप खडा है। वह दरवाजे के कुछ और पास बढता है, पैरों में मोजा रहने के कारण शब्द नहीं होता। वह दरवाजे से सटकर खडा होता है। वह खूब कोशिश करता है कि बाहर की कोई बात उसे सुनाई दे जाय।

अचानक वह उछल कर सीधा साँस बन्द करके खड़ा होता है मानो किसी की आहट पाई हो। फिर एक लम्बी साँस लेकर वह अपने काम (कमीज) की ओर बढ़ता है और सिर नीचा करके उसे देखता है। सुई लेकर दो एक टाके लगाता है। उसकी मुद्रा से प्रकट होता है कि वह रज में इतना डूबा है कि हर एक टाका मानो उसमें स्फूर्ति का सचार कर रहा है। फिर यकायक काम छोड़कर वह इस तरह कोठरी में टहलने लगता है जैसे पिंजड़े में जानवर। वह फिर दरवाजे के पास खड़ा होता है, कुछ सुनता है, फिर हथेली को फैलाकर दरवाजे पर रखता है, और माथे को दरवाजे से टेक लेता है। वहाँ से मुड़कर धीरे धीरे उँगली को दीवार की ऊँची रंगीन लकीर पर फेरता हुआ वह खिड़की के पास आता है। वहाँ आकर ठहरता है, और टीन के डब्बे का एक ढकना उठाकर देखता है मानो अपने ही चेहरे का एक साथी बनाना चाहता हो। बहुत कुछ अधेरा हो गया है। अचानक उसके हाथ से टीन का ढक्कन झन झन शब्द के साथ गिर पड़ता है। सन्नाटे में इस आवाज से वह कुछ चौंक उठता है। वह उस कमीज को ओर एक नजर से देखता रहता है जो दीवार पर लटकी हुई है, और अधेरे में कुछ सफेदी दिखाई देती है। ऐसा मालूम होता है मानो कोई चीज या किसी आदमी को देख रहा हो। खट से एक आवाज होती है, कमरे के अन्दर की गैस की बत्ती जो शीशे के आइने में है जल उठती है। कमरे में खूब उजाला होने लगता है, फाल्डर हाँफता हुआ नजर आता है, अचानक दूर पर कोई शब्द होता है मानो धीरे धीरे किसी धातु पर कोई चीज ठोकी जा रही हो। फाल्डर पीछे खिसकता है, उससे यह अचानक आने वाला शोर नहीं सुना जाता। परन्तु आवाज बढ़ती जाती है मानो कोई बड़ा ठेला कोठरी की ओर आ रहा हो। फाल्डर मानो इस आवाज से सम्मोहित होता जाता है। वह यकायक इंच दरवाजे की ओर खिसकता है, धम धम की आवाज कोठरियों को पार करती हुई और भी पास आती जाती है। फाल्डर हाथ हिलाने लगता है मानो उसकी आत्मा उस शब्द से मिल गई हो। फिर वह आवाज मानो कमरे के भीतर घुस आती है। अकस्मात वह बँधी हुई मुट्ठी उठाता है, जोर-जोर से हाँफता हुआ वह दरवाजे पर गिर पड़ता है और उसे पीटने लगता है।]

[ परदा गिरता है। ]

# अंक ४

## दृश्य पहला

[ दो साल गुजर गए हैं । कोकसन का वही कमरा । मार्च का महीना है । दस बजने को दो मिनट बाकी हैं । दरवाजे सब अच्छी तरह खुले हैं । स्वीडिल आफिस को ठीक कर रहा है । उसकी अब छोटी-छोटी मूछें निकल आई हैं । वह कोकसन के टेबिल को झाड पोंछ रहा है । फिर एक ढक्कनदार सिगार मेज के पास जाता है और ढक्कन को खोलकर शीशे में अपना चेहरा देखता है । ठीक इसी समय रुथ हनीविल बाहर के दफ्तर के भीतर से होकर आती है और दरवाजे के पास खडी हो जाती है । उसके चेहरे पर आनन्द के भाव झलक रहे हैं । ]

स्वीडिल (उसको देखते ही उसके हाथ से ढक्कन छूटकर धम्म से गिर पडता है । ) अच्छा, आप ह !

रुथ हा !

स्वीडिल अभी तो यहा केवल मैं ही हूँ वे सुबह ही सुबह आकर अपना वक्त खराब नही करते । ओफ ! करीब दो साल बाद आप से मुलाकात हुई ।

[ कुछ हिचककर ]

आप क्या करती थी ?

रुथ (जबरदस्ती हँसकर) जी रही थी ।

स्वीडिल (दु खित होकर) अगर आप उनसे—

[ कोकसन की कुर्सी की ओर इशारा करके ]

मिलना चाहती ह तो जरा बठिए । वे आते ही होगे । उनको कभी दर नही होती ।

[ सकोच के साथ ]

मैं ख्याल करता हूँ वे देहात से वापस आए होंगे। उनकी मियाद ता तीन महीने हुए पूरी हो गई जहाँ तक मुझ याद है।

[ रुथ सिर हिलाकर स्वीकार करती है। ]

मुझे उनके लिए बहुत दु ख ह। मेरे खयाल से मालिक ने उनके साथ अन्याय किया।

रुथ हाँ, अन्याय ता किया।

स्वीडिल उनको चाहिए था कि उन्हें उस बार माफ कर देते। और जज को भी चाहिए था कि उन्हे छोड देते। वे आदमी का स्वभाव क्या जानें। हम लोग इनसे कही अच्छी तरह जानते है।

[ रुथ कनखियों से देखकर मुसकिराती है। ]

स्वीडिल ये हमारे कन्धा पर पत्थरो की गाडी लाद देते है, हमें मटियामेट कर देते है, और फिर यदि हम उठ न सकें तो हमी को बुरा कहते है। मैं इन लोगो को खूब जानता हूँ। मैंने इस थोडी-सी उम्र में ऐसी बातें बहुत देखी ह।

[ इस तरह सिर हिलाकर मानो बुद्धि उसी के हिस्से में पडी है। ]

यही देखो न उस दिन मालिक

[ कोक्सन बाहर के दफ्तर से भीतर आता है। पूर्वी हवा ने कुछ ताजा कर दिया है। हाँ, बाल कुछ और सफेद हो गए हैं। ]

कोकसन (कोट और दस्तानों को खोलते हुए) अच्छा, तुम हो।

[ स्वीडिल को बाहर जाने का इशारा करके दरवाजा बन्द करते हुए। ]

बिलकुल भूल गया। दो वष बाद तुम्हें देखा, मुझसे मिलने आई हो ? अच्छा मैं तुम्हें कुछ समय दे सकता हूँ। बठ जाओ, घर पर सब कुशल तो हैं ?

रुथ मैं अब वहाँ नही रहती।

कोकसन (तिरछी नजर से उसकी ओर देखकर) मैं आशा करता हूँ घर की अवस्था पहिले से अच्छी होगी।

रुथ उतने बखेडे के बाद मैं हनीविल के साथ न रह सकी।

कोकसन तुम कोई पागलपन कर बठी ? मुझे यह सुनकर दु ख होगा।

रुथ मैंने बच्चो को अपने पास रक्खा है।

कोकसन (उसे चिन्ता होने लगती है कि बातें वैसी आशाजनक नहीं हैं, जैसा उसने ख़याल किया था।) ख़ैर, मुझे तुमसे मिलकर बड़ी प्रसन्नता हुई। रिहाई के बाद तो तुमसे शायद फाल्डर से मुलाकात नहीं हुई होगी।

रुथ नहीं, कल अकस्मात उनसे भेंट हो गई।

कोकसन अच्छी तरह हैं न ?

रुथ (अकस्मात झल्लाकर) उन्हें कुछ काम नहीं मिल रहा है। उनकी हालत बुरी हो रही है। हड्डी-हड्डी निकल आई है।

कोकसन (सच्ची सहानुभूति से) सच ! मुझे यह सुनकर बहुत रंज हुआ।

[ अपने को सँभालकर ]

उसको रिहा करने के बाद क्या उन लोगों ने कोई काम नहीं तलाश कर दिया ?

रुथ वह केवल तीन हफ्ते वहाँ काम कर पाए थे। पर उसे छोड़ना पड़ा।

कोकसन मेरी समझ में नहीं आता तुम्हारी क्या मदद करूँ। किसी को साफ जवाब देते मुझे बुरा लगता है।

रुथ मुझसे उसकी यह दशा नहीं देखी जाती।

कोकसन (उसकी प्यारी सूरत की ओर देखता हुआ) मुझे मालूम है उसके रिश्तेदार उसे आश्रय न देंगे। शायद तुम इस बुरे वक्त में उसकी कुछ मदद कर सको।

रुथ अब नहीं कर सकती। पहिले कर सकती थी। अब नहीं कर सकती।

कोकसन मेरी समझ में नहीं आता तुम कह क्या रही हो।

रुथ (अभिमान से) मैं उससे फिर मिली थी। अब कोई आशा नहीं।

कोकसन (उसकी ओर ग़ौर से देखकर कुछ घबड़ाया हुआ) मैं बाल बच्चों वाला आदमी हूँ। मैं ऐसी कोई ख़राब बात नहीं सुनना चाहता। मुझे माफ करो। अभी मुझे बहुत काम करना है।

रुथ मैं अपने घर वालों के पास गाँव में बहुत दिन पहिले चली गई होती, लेकिन हनीविल से शादी करने के कारण वे मुझे कभी माफ न करेंगे। मैं चालाक तो कभी नहीं थी साहब, लेकिन मुझमें गरूर अवश्य है। मैं बहुत छोटी थी जब मैंने उससे शादी की थी। मैं समझती थी कि इससे बढ़कर कोई होगा ही नहीं। वह अक्सर हमारे खेतों में आया करता था।

कोकसन (दुःख से) मैंने तो समझा था कि मुझसे मिलने के बाद उसने तुमसे

अच्छा व्यवहार किया होगा।

रुथ वह मुझे और भी सताने लगा। वह मुझे अपने काबू में तो न ला सका लेकिन मेरा स्वास्थ्य खराब हो गया। फिर उसने बच्चो को मारना शुरू किया। मैं नही बरदाश्त कर सकी। अब अगर वह मर रहा हो, तो मैं उसके पास नही जाऊँगी।

कोकसन (खडा होकर इस तरह कभी काटता है, मानो अग्नि प्रवाह से बच रहा हो।) हमें इतना आपे से बाहर नही होना चाहिए—क्या ?

रुथ (क्रोध से) जो आदमी ऐसा कमीना बर्ताव

[ सन्नाटा छा जाता है। ]

कोकसन (स्वभाव के विरुद्ध अनुरक्त होकर) हाँ, तो फिर तुमने क्या किया ?

रुथ (सिहरकर) पहिली बार उसे छोडकर जो करती थी वही काम फिर शुरू किया। कमीजा की सिलाई सस्ती बेचनी पडती थी। यही एक काम मैं कर सकती थी। परन्तु किसी हफ्ते में सात आठ रुपए से ज्यादा न कमा सकी। अपना सूत होता था और दिन भर काम करना पडता था। रात को बारह बजे के पहिले कभी नही सोती थी। नौ महीने तक मैं यह करती रही।

[ क्रोध से ]

लेकिन मैं इस तरह काम नही कर सकती थी। मर जाना अच्छा है।

कोकसन चुप रहा, ऐसी बातें मत करो।

रुथ बच्चो को भी भूखा मरना पडता था। इतने आराम से रहने के बाद मैं उनकी तरफ से बेपरवाह हो गई। मैं बहुत थक जाती थी।

[ चुप हो जाती है। ]

कोकसन (उत्कण्ठा से) फिर क्या हुआ ?

रुथ (हँसकर) दूकान के मालिक ने मेरे ऊपर दया की, अभी तक उनकी दया बनी हुई हैं।

कोकसन ओफ ! मैंने ऐसी बात कभी नही सुनी।

रुथ (उदासीन भाव से) उनका व्यवहार मेरे साथ अच्छा है। लेकिन अब वह सब खतम हो गया।

[ उसके होंठ अचानक काँपने लगते हैं। उलटी हथेली से वह होंठों को छिपा लेती है। ]

मैंने कभी नही सोचा था कि फिर उनसे कभी मेरी मुलाकात होगी। अचानक ही मुझसे कल 'हर्द बाग' में मुलाकात हो गई। हम

दोनों वहाँ बहुत देर तक बैठ रहे। उसने अपनी सब राम कहानी मुझे सुना दी। ओफ! कोकसन साहब, आप उसे फिर अपने यहाँ ले लीजिए।

कोकसन (व्यग्र होकर) तो तुम दोनों ने अपनी रोजी खो दी। कितनी भीषण समस्या है।

रुथ अगर वह यहाँ आ जाते तो यहाँ तो उनके विषय में कोई पूछताछ न होती।

कोकसन हम कोई काम नहीं कर सकते जिससे कार्यालय की बदनामी हो।

रुथ मेरे लिए और कहीं ठिकाना नहीं है।

कोकसन मैं मालिकों से कहूँगा, लेकिन मैं नहीं खयाल करता कि वे उसे ले लेंगे। बात ऐसी ही आ पड़ी है।

रुथ वह मेरे साथ आए हैं, उधर सड़क पर बैठे हैं।

[ खिड़की की ओर दिखाती है। ]

कोकसन (शान दिखाकर) उसे नहीं आना चाहिए जब तक कि उसे बुलाया न जाय।

[ उसके मुख की ओर देखकर नम्र स्वर से ]

हमारे यहाँ एक जगह खाली है, लेकिन मैं वादा नहीं कर सकता।

रुथ आप उसे प्राण दान देंगे।

कोकसन मुझसे जहाँ तक होगा मैं कोशिश करूँगा लेकिन निश्चय नहीं कह सकता। अच्छा उससे कह दो वह यहाँ न आए जब तक मैं अवस्था का विचार न लूँ। अपना पता बता जाओ।

[ उसके पते को दुहराकर ]

८३ मलिंगर स्ट्रीट।

[ ब्लाटिंग कागज पर लिख लेता है। ]

अच्छा, सलाम।

रुथ धन्यवाद! (वह दरवाजे के पास जाकर कुछ कहने के लिए रुकती है। परन्तु फिर चली जाती है।)

कोकसन (सिर और कपाल का पसीना एक बड़े सफेद रूमाल से पोंछकर) ओफ, क्या बुरी गत है।

[ कागजों की ओर देखकर घण्टी बजाता है। स्वीडिल आता है। ]

कोकसन क्या वह जवान रिचार्ड्स आज क्लर्क की जगह के लिए आएगा?

स्वीडिल जी हा।

कोकसन ग्रच्छा उसे टाल देना। मैं ग्रभी उससे मिलना नही चाहता।

स्वीडिल उससे क्या कहूँ, हुजूर?

कोकसन (झिझककर) कोई बहाना सोच लो। बुद्धि से काम लो। हाँ, उसे एकदम भगा मत देना।

स्वीडिल क्या उससे कह दूँ कि ग्रापका तबियत खराब है?

कोकसन नही, झूठ मत बोलो। कह देना कि मैं ग्राज ग्राया नही हूँ।

स्वीडिल ग्रच्छा, साहब, तो मैं उसे ग्रभी घुमाता रहूँ।

कोकसन हाँ! ग्रौर देखो तुम फाल्डर का तो भूले नही हो, न? शायद वह मुझसे मिलने ग्रावे। देखो उसके साथ वैसा ही बर्ताव करना जैसा उसकी दशा में तुम खुद चाहते।

स्वीडिल यह तो मेरा धर्म ही ह।

कोकसन ठीक, गिरे हुए को ठोकर मारना चाहिए। फायदा ही क्या? उसे हाथ का सहारा दे दो। यह एक ऐसा सिद्धान्त है जिसे जीवन में कभी न भूलना चाहिए। यही पक्की नीति ह।

स्वीडिल ग्रापको ग्राशा ह कि मालिक लोग उन्हे ले लेंगे।

कोकसन यह ग्रभी कुछ कह नही सकता।

[ बाहर के दफ्तर में किसी के पैरो की आहट पाकर ]

कौन है?

स्वीडिल (दरवाजे के पास जाकर देखता हुआ) फाल्डर ग्राए ह।

कोकसन (चिल्लाकर) ग्राफ! यह उसकी बडी बेवकूफी है। उसे फिर ग्राने को कहो। मैं नही चाहता

[ फाल्डर के भीतर आते ही वह चुप हो जाता ह। उसका चेहरा पीला और मुरझाया हुआ है। उम्र भी ज्यादा हो गई है। आँखें अस्थिर हो रही हैं। कपडे पुराने और फटे हैं।

[ स्वीडिल खुशी के साथ अभिवादन करके चला जाता है। ]

कोकसन तुम्हे देखकर बहुत खुश हुआ, मगर तुम कुछ पहले ग्रा गए।

[ लल्लो-चप्पो करते हुए ]

ग्राग्रो, हाथ मिलाग्रो। वह तो खूब दौड धूप कर रही ह।

[ पसीना पोंछकर ]

उसका कसूर नही ह, बिचारी बहुत चिन्तित है।

[ फाल्डर सकोच के साथ कोकसन से हाथ मिलाता है और

मालिकों के कमरे की ओर देखता है । ]

कोकसन नही, अभी वे आए नही हैं, बठ जाओ ।

[ फाल्डर कोकसन की मेज के किनारे एक कुर्सी पर बैठता है और अपनी टोपी मेज पर रखता है । ]

अच्छा अब अपना कुछ हाल बतलाओ ।

[ चश्मे के ऊपर से उसको देखते हुए ]

तबीयत कसी हैं ?

फाल्डर जीता हूँ ।

कोकसन (किसी और ध्यान में पडे हुए) यह सुनकर मुझे खुशी ह । हाँ, उसक बारे मे देखो, में कोई ऐसी बात नही करना चाहता जा देखने मे भद्दी हो । मह मेरी आदत ह । मैं सीधा आदमी हूँ । मैं सब बाते साफ साफ करना ही पसन्द करता हूँ । मैंने, लेकिन तुम्हारे मित्र स वादा किया ह कि मालिकों से तुम्हारे बारे में कहूगा । तुम जानते हा मैं अपनी ज़बान का पक्का हूँ ।

फाल्डर बस मैं एक मौका और चाहता हूँ, मिस्टर काकसन । मैंने जा काम किया था उसका हजार गुना दण्ड भाग चुका । हाँ, साहब, हज़ार गुना ज्यादा । मेरे दिल से पूछिए । लाग कहते ह मेरा वज़न बढ गया हैं । लेकिन इस—

[ सिर पर हाथ रखकर ]

चीज़ को उन्होने नही तौला । कल तक भी मैं सोचता था यह शायद यहा

[ दिल पर हाथ रखकर ]

अब कुछ नही ह ।

काकसन (चिन्तित भाव से) तुम्ह दिल की बामारी तो नही हुई ह ?

फाल्डर उनके खयाल में मेरा स्वास्थ्य बहुत अच्छा है ।

कोकसन लेकिन उन्होने तुम्हारे लिए कोई जगह तो तलाश कर दी थी न ?

फाल्डर कर दी थी, बहुत अच्छे लोग थे । सब जानते हुए भी मुझसे खुश थे । मैंने सोचा था मजे से दिन कट जायेंगे । लेकिन एक दिन और क्लर्कों के कान में भनक पड गई वे मुझसे फिर मैं वहाँ न रह सका, मिस्टर कोकसन ! बहुत मुशकिल था ।

कोकसन दिल को सँभालो, भाई, घबडाओ मत ।

फाल्डर उसके बाद एक जगह और मुझे मिल गई थी, पर चली नही ।

काकसन क्या ?

फाल्डर आपसे झूठ बालकर कुछ फायदा नही ह, मिस्टर कोकसन ! बात यह ह मुझे ऐसा मालूम होता है कि मुझे किसी चीज ने चारो ओर से जकड रक्खा ह जिसमें फँसा पडा हुआ हूँ । ठीक जैस मैं किसी जाल में फांस लिया गया हूँ । ताड से गिरता हूँ ता बबूल पर अटकता हू । बिना प्रशसा पत्र के कोई काम नहो दता था । इस विषय मे मुझे जो कुछ न करना चाहिए था वह मैंने किया । और उपाय ही क्या था ? परन्तु मुझे डर लगा कि कही पकडा न जाऊँ । बस, इसीलिये छाड दिया । अब भी मुझे डर लगा रहता ह ।

[ सिर नीचाकर टबिल के सहारे निराश होकर झुक जाता है । ]

कोकसन तुम्हारी हालत पर मुझे बहुत रज है । विश्वास मानो । क्या तुम्हारी बहन तुम्हारे लिए कुछ न करेगी ?

फाल्डर एक का तपेदिक की बीमारी ह और दूसरी

कोकसन हाँ, मुझे याद ह, तुमने मुझसे कहा था कि उनक पति तुमसे बहुत खुश नही है ।

फाल्डर मैं जब वहाँ गया तब व खाना खा रहे थे । मेरा बहन मुझे चूम लेना चाहती थी । मगर उसने उसकी ओर घूरकर देखा फिर मुझस कहा—'तुम क्यो आये हो ? मैंने अपने सब अभिमानो का दबाकर कहा—क्या तुम मुझसे हाथ नही मिलाओगे, जिम ? ' उसने कहा—दखो जी, जो कुछ हुआ वह हुआ । मैं तुमसे निबटारा कर लेना चाहता हू । मैं जानता था कि तुम आओगे, और मैंने पहिले ही निश्चय कर लिया ह । मैं तुम्हें २५ गिन्नी देता हूँ । तुम केनाडा चले जाओ ।' मैंने कहा, ठीक ह, सब गला छुडा रहे हो । धन्यवाद ! मुझे जरूरत नही ह, २५ गिन्नी अपने पास रक्खो । जिस दशा में मैं रह चुका हूँ उस दशा में रहने के बाद फिर कहाँ की दोस्ती ?

कोकसन मैं समझ गया । अच्छा, यदि मैं तुम्हें २५ गिन्नी दूँ ता तुम लाग, भाई ?

[ फाल्डर को अपनी ओर मुसकिराते देखकर झेंपता है । ]

बुरा मानने की बात नही, मेरा इरादा बुरा न था ।

फाल्डर तो यहाँ मुझे नौकरी न मिलेगी ?

कोकसन नही, नही, तुम मेरा मतलब नही समझ रहे हो ।

फाल्डर मैंने इस हफ्ते में रात बगीचे में सोकर काटी है। कवियों की उषा का वहा कहीं पता भी नहीं। लेकिन कल उससे मिलकर मुझे मालूम होता है कि मैं आज कुछ और ही हो गया हूँ। मेरे जीवन में जो सुख या शान्ति है वह केवल उसके प्रेम में है। वह मेरे लिये पवित्र है। फिर भी उसने मेरा सर्वनाश कर दिया। कितनी अजीब बात है।

कोकसन हम सब को ही तुम्हारे लिये दुःख है।

फाल्डर हां, यहां तो मैं भी देख रहा हूँ। अत्यन्त दुःख है।

[ श्लेष के साथ ]

लेकिन चोर, डाकुओं के साथ मिलना आपकी शान के खिलाफ है।

कोकसन छी फाल्डर क्यों अपने को गाली देते हो? इससे कोई फायदा नहीं है। इस पर परदा डाल दो।

फाल्डर परदा डाल देना मामूली बात है अगर आपके पास काफी धन हो। मेरी तरह टूट जाइये तो मालूम हो। मसल है—'जो जैसा करता है फल पाता है।' मुझे तो कुछ ज्यादा मिल गया।

कोकसन (चश्मे के ऊपर से उसकी ओर तिरछी नजर से देखकर) तुम साम्यवादी तो नहीं बन गये हो?

[ फाल्डर अकस्मात चुप हो जाता है मानो पिछली बातें सोच रहा है। कुछ अजीब तरह से हँसता है। ]

कोकसन विश्वास मानो, सब लोग दिल से तुम्हारी भलाई चाहते हैं। तुम्हारा नुकसान करना कोई नहीं चाहता।

फाल्डर आप बहुत ठीक कहते हैं, कोकसन। हमारा दुश्मन तो कोई नहीं है। फिर भी जान के गाहक सब हैं।

[ चारों ओर देखने लगता है, मानो कोई उसे फँसा रहा हो। ]

यह मुझे कुचले डालता है।

[ मानो अपने को भूलकर ]

जान ही लेकर छोड़ोगे।

कोकसन (बहुत बेचैन होकर) यह सब कुछ नहीं है। सब अपने आप ठीक हो जायगा। मैं बराबर तुम्हारे लिए प्रार्थना करता था। तुम निश्चिन्त रहो। मैं होशियारी से काम लूंगा और जब वे जरा मौज में रहेंगे, तब यह जिक्र छेड़ूंगा।

[ ठीक इसी समय जेम्स और वाल्टर हो आते हैं। ]

कोकसन (कुछ घबराकर, परन्तु साथ ही उन्हें इतमीनान दिलाने के लिए) आज ता आप लाग बहुत जल्द आ गए। मैं जरा उनसे बातें कर रहा था—आप इन्हें भूले न होगे ?

जेम्स (तीव्र गम्भीर भाव से देखकर) बिलकुल नही। क्से हो फाल्डर ?

वाल्टर (डरता हुआ अपना हाथ फैलाकर) तुम्हे देखकर बहुत खुश हुआ फाल्डर।

फारडर (अपने को सँभालकर वाल्टर से हाथ मिलाते हुए) आपको धन्यवाद देता हूँ।

कोकसन आपसे एक बात करनी है मिस्टर जेम्स।

[ क्लक के कमरे की ओर फाल्डर को इशारा करके ]

तुम जरा वहाँ जाकर बठ जाओ। मेरा जूनियर आज नही आएगा। उसकी स्त्री के बच्चा हुआ ह।

[ फाल्डर हिचकता हुआ क्लक के कमरे में जाता है। ]

कोकसन (गोपनीय भाव से) मैं आपसे इसी के बारे में कहना चाहता हू। अपनी भूल पर बहुत लज्जित है। लेकिन लोग उस पर शुभा करते ह। और उसका चेहरा भी आज उतरा हुआ ह। भोजन के लाले पडे हैं। भोजन के बिना कोई कस रह सकता ह ?

जेम्स अच्छा भोजन भी नही मिलता ?

कोकसन हां, मैं आपसे यही पूछना चाहता था, अब तो उसको काफी सबक मिल गया है और हमें एक क्लक की जरूरत भी है। फाल्डर हम लोगो के लिये कोई नया आदमी नही ह। एक युवक ने दरखास्त तो भेजी ह, लेकिन म उस टाल रहा हूँ।

जेम्स क्या जेल के असामी को आफिस में रक्खोगे कोकसन ? मुझे तो अच्छा नही लगता।

वाल्टर वकील की वह बात मैं कभी न भूलूगा। 'न्याय की चक्की के चलते हुए पाट।'

जेम्स इस मामले म मैंने ऐसा कोई काम नही किया जिसे कोई बुरा कह सके। जेल से निकलकर अब तक क्या करता रहा ?

कोकसन एकाध जगह नौकरी मिली थी मगर वहाँ टिक नही सका। वह बहुत शक्की है—स्वाभाविक बात ह—उसे मालूम होता है कि सारी दुनिया उसके पीछे पडी ह।

जेम्स यह और खराब बात है, मैं उसे पसन्द नही करता। कभी नही किया।

दुबल चरित्र' तो मानो उसके चेहर पर लिखा हुग्रा है ।

वाल्टर हमें एक बार उसे सहारा तो देना ही चाहिए ।

जेम्स उसने अपने ही हाथो तो अपने पैर में कुल्हाडी मारी ।

वाल्टर इस जमाने में पूरी जिम्मेदारी का सिद्धान्त मानने योग्य नही ।

जेम्स (गम्भीरता से) फिर भी तुम्हारा कल्याए इसी में है कि इसे मानते रहो ।

वाल्टर हा, अपने लिए दूसरो के लिए नही ।

जेम्स खैर, मैं सख्ती नही करना चाहता ।

कोकसन मुझे खुशी ह कि आप ऐसा कहते ह ।

[ हाथ फैलाकर ]

वह अपने चारो ग्रार कुछ देखता रहता ह । यह दुबलता का चिह्न ह ।

जेम्स उस औरत का क्या हुग्रा जिससे उसका कुछ सम्बन्ध था ? ठीक वैसी ही एक औरत को बाहर अभी देखा ह ।

कोकसन वह वह—आपसे कह देना ही ठीक ह, वह उससे मिल चुका है ।

जेम्स क्या वह अपने पति के साथ रहती ह ?

कोकसन नही ।

जेम्स शायद फाल्डर उसके साथ रहता होगा ।

कोकसन (बनती हुई बात को बनाए रखने की प्रबल चेष्टा करके) यह मुझ नही मालूम । मुझसे इससे क्या मतलब ?

जेम्स लेकिन अगर हम उसे नौकर रक्खेंगे तो हमें इससे जरूर मतलब ह ।

कोकसन (अनिच्छा से) शायद आपसे कहना ही ठीक ह । वह आज यहाँ आई थी ।

जेम्स मैंने भी यही सोचा था ।

[ वाल्टर से ]

नही, बेटा, हम ऐसा नही कर सकते । सरासर बदनामी ह ।

कोकसन दोनो बातो के मिल जाने से मामला बेढब हो गया है । मैं समझता हूँ ।

वाल्टर मैं नही समझता कि हम उसकी निजी बातो से क्या सरोकार है ।

जेम्स नही-नही, यहाँ आने के पहिले उसे उस औरत को छोडना पडेगा ।

वाल्टर गरीब बिचारा !

कोकसन आप उससे मिलेंगे ?

[ जेम्स को सिर हिलाते देखकर ]

शायद मैं उसे समझा सकू ।

जेम्स (गम्भीर भाव से) मैं समझा लूगा, तुम्हें कुछ कहने की जरूरत नही ।

वाल्टर (कोकसन जब फाल्डर को बुलाता है उस समय धीमे स्वर में जेम्स से) उसकी सारी जिन्दगी अब आपके हाथ में है पिता जी ।

[ फाल्डर आता है, उसने अपने को सँभाल लिया है, बेधडक आकर खडा होता है । ]

जेम्स देखो फाल्डर, वाल्टर और मैं चाहता हूँ कि तुम्हें फिर एक बार मौका दूँ । लेकिन मैं दो बातें तुमसे कह देना चाहता हूँ । पहिली बात यह है कि यहा सताए हुए की भाँति आना ठीक नही है । अगर तुम्हारा यह खयाल है कि तुम्हारे साथ अन्याय किया गया है, तो उसे भूल जाना पडेगा । आग में कूदकर यह नही हो सकता कि आँच न लगे । समाज यदि अपनी रक्षा न करेगा, तो उसकी कोई परवा न करेगा । समझते हो ?

फाल्डर जी हाँ, लेकिन क्या मैं भी कुछ कह सकता हूँ ।

जेम्स कहो ।

फाल्डर मैंने जेल में इन सब बातो पर बहुत विचार किया है ।

कोकसन (उत्साह देते हुए) हा अवश्य किया होगा ।

फाल्डर वहाँ सब तरह के आदमी थे । मुझे मालूम हुआ यदि पहिली बार मेरे साथ नर्मी की गई होती और जेल में रखने के बदले किसी ऐसे आदमी के मातहत रक्खा जाता जो हमारी कुछ देख-भाल करता, तो वहाँ जितने कैदी है उनके एक चौथाई भी न रहते ।

जेम्स (सिर हिलाकर) मुझे इसमें बहुत सन्देह है, फाल्डर ।

फाल्डर (कुछ ईर्ष्या के भाव से) ठीक है साहब लेकिन मेरा यह अनुभव है ।

जेम्स भाई, तुम्हे यह न भूलना चाहिए कि तुमने शुरू किया था ।

फ़ाल्डर लेकिन मेरी मशा बुराई की नही थी ।

जेम्स शायद न हो, लेकिन तुमने की जरूर ।

फाल्डर (बीते हुए कष्टों की बात सोचकर) इसने मुझे कुचल डाला, साहब !

[ सीधा खडा होकर ]

मै कुछ और था और अब कुछ और हूँ ।

जेम्स इसस तो हमारे मन म शका होती है फाल्डर ।

कोकसन आप समझे नही, मिस्टर जेम्स उसका मतलब यह नही है ।

फाल्डर (तीव्र शोक से उद्धत होकर) नही, मेरा मतलब यही है कि मिस्टर

कोकसन

जेम्स  खैर, उन सब बातो को छोडो, फाल्डर, अब आगे की ओर देखो।

फाल्डर  (तत्परता के साथ) हाँ, साहब, लेकिन आप समझ नही सकते कि जेल क्या चीज़ है।

[ अपनी छाती को पकडकर ]

बस, यहाँ उसकी चोट पडती है।

कोकसन  (जेम्स के कान में) मैंने आपसे कहा था कि उसे अच्छे भोजन की जरूरत है।

वाल्टर  मत घबडाओ मित्र यह सब शान्त हो जायगा। समय तुम पर दया करेगा।

फाल्डर  (कुछ मुह सिकोडकर) मुझे भी ऐसी आशा है।

जेम्स  (बडी नम्रता से) खैर, देखो भाई, तुम्हें जो कुछ करना है वह यह कि बीती हुई बातों पर पर्दा डालो और अपनी अच्छी साख जमाओ। अब रही दूसरी बात, वह यह है कि जिस औरत के साथ तुम्हारा सम्बन्ध था, तुम्हे वचन देना पडेगा कि आगे उसके साथ तुम्हारा कोई सरोकार नही रहेगा। अगर तुम इस तरह का सम्बन्ध रखकर अपना जीवन-सुधार शुरू करोगे, तो तुम कभी अपनी नीयत ठीक नही रख सकते।

फाल्डर  (हर एक के मुह की ओर दु खी आखों से देखकर) लेकिन साहब इसी भरोसे पर तो मैंने यह सब दु ख झेले है। और भी कल रात को ही मुझसे उसकी मुलाकात हुई है।

[ यह और इसके पीछे की बातें सुनकर कोकसन की परेशानी बढ़ती जाती है। ]

जेम्स  यह बहुत दु ख की बात है फाल्डर। तुम समझ सकते हो मेरे जसे कार्यालय के लिए यह असभव है कि वह अपनी आँखे सब तरफ से बन्द कर ले। अपनी नीयत ठीक करने का यह प्रमाण द दो, बस मैं तुम्हें अपने यहाँ रख लूगा नही तो मैं लाचार हूँ।

फाल्डर  (जेम्स की ओर स्थिर दृष्टि से देखते हुए अचानक कुछ दृढ होकर) नही मैं उसे छोड नही सकता। यह असम्भव है। मेरे लिए उसके सिवा और कोई नही है साहब। और उसके लिए भी मैं ही सब कुछ हूँ।

जेम्स  मुझे इसके लिए दु ख है फाल्डर। लेकिन मैं अपना विचार बदल नही

सकता। तुम दोनो के लिए आगे चलकर इसका नतीजा अच्छा होगा। इस सम्बन्ध में भलाई कभी नही हो सकती। यही तुम्हारे सब दुखो का कारण था।

फाल्डर लेकिन, साहब, इसका तो यह मतलब है कि मैंने वे सारे दुख व्यर्थ ही झेले, किसी काम का नही रहा। मेरा स्वास्थ्य बिलकुल चौपट हो गया। यह सब मैंने उसके लिए ही किया था।

जेम्स अच्छा सुनो, अगर दरअसल वह अच्छी औरत है, तो खुद ही समझ जायगी। वह कभी तुम्हारी दुर्गति न कराएगी। हाँ, अगर उसके साथ तुम्हारे विवाह होने की आशा होती, तो दूसरी बात थी।

फाल्डर यह मेरा कसूर नही है, साहब, कि वह अपने पति से छुटकारा नही पा सकी। अगर उसका वश होता, तो वह जरूर ऐसा करती। यही सारी विपत्ति का मूल कारण ह (अकस्मात वाल्टर की ओर देखकर) अगर कोई इसकी मदद कर सकता। अब केवल धन की जरूरत है।

कोकसन (वाल्टर हिचककर कुछ कहना ही चाहता था कि बीच में बात काट कर) मेरी समझ में अभी उसकी चर्चा करने की जरूरत नही। यह बहुत दूर की बात है।

फाल्डर (वाल्टर की ओर कातर भाव से) उसने तब म उस पर और भी अत्याचार किया होगा। वह साबित कर सकती है, कि उसने उसे छोडने पर मजबूर किया।

वाल्टर मैं तुम्हारी सब तरह से मदद करने को तैयार हूँ फाल्डर, अगर अपने बस की बात हो।

फाल्डर आपकी मुझ पर बडी कृपा है।

[ वह खिडकी के पास जाकर नीचे सडक की ओर देखता है। ]

कोकसन (जल्दी से) मेरी बातो पर न जाइए मि० वाल्टर। उसके विशेष कारण ह।

फाल्डर (खिडकी के पास से) वह नीचे खडी है, बुलाऊँ? यहीं से बुला सकता हूँ।

[ वाल्टर हिचकता है, और कोकसन तथा जेम्स की ओर देखता है। ]

जेम्स (सिर हिलाकर) हाँ, बुलाओ।

[ फाल्डर खिडकी से इशारा करता है। ]

कोकसन (घबड़ाकर जेम्स और वाल्टर से धीमी आवाज़ में) नहीं, मिस्टर जेम्स, जब यह जेल में था तब उसे जिस तरह रहना चाहिए था, वैसे वह न रह सकी। उसने मौका खो दिया। हम कानून को धोखा देने की सलाह नहीं कर सकते।

[ फाल्डर खिड़की के पास से चला आता है। तीनों आदमी चुपचाप गम्भीर भाव से उसकी तरफ देखते हैं। ]

फाल्डर (उनके भावों में परिवर्तन देखकर सशंक नेत्रों से हर एक की तरफ देखते हुए) हमारा और उसका सम्बन्ध अभी तक पवित्र है, साहब! जो कुछ मैंने अदालत में कहा था वह बिलकुल सच है। कल रात को हम थोड़ी देर तक बगीचे में केवल बैठे ही थे।

[ स्वीडिल बाहर के कमरे से आता है। ]

कोकसन क्या है?

स्वीडिल श्रीमती हनीविल।

[ सब चुप रहते हैं। ]

जेम्स बुलाओ।

[ रुथ धीरे धीरे भीतर आती है, और फाल्डर के पास एक किनारे स्थिर भाव से खड़ी हो जाती है। बाकी तीनों आदमी दूसरी ओर खड़े हैं। कोई बोलता नहीं। कोकसन अपनी मेज़ के पास जाकर कागज़ों को देखने के लिए झुक जाता है मानो अवस्था ऐसी ही आ गई है कि वह अपनी पुरानी जगह पर आ बैठने के लिए मजबूर है। ]

जेम्स (तेज़ आवाज़ से) दरवाज़ा बन्द कर दो।

[ स्वीडिल दरवाज़ा बन्द करता है। ]

हमने तुम्हें इसलिए बुलाया है कि इस मामले में कुछ बात तै करनी ज़रूरी है। मुझे मालूम हुआ कि तुम फाल्डर से अभी हाल में ही फिर मिली हो।

रुथ जी हाँ, कल ही।

जेम्स उसने अपने बारे में सब बातें हमसे कह दी है, और हम उसके लिए बहुत रंज है। मैंने उसे अपने यहाँ काम देने का वादा किया है इस शर्त पर कि वह फिर से नई ज़िन्दगी शुरू करे। (रुथ की ओर गौर से देखकर) इसमें केवल ज़रा हिम्मत की ज़रूरत है।

[ रुथ अपने हाथों को मलती हुई फाल्डर की ओर देखती रहती है। मानो उसे विपत्ति का आभास हो गया है। ]

फारडर वाल्टर साहब ने हमारे ऊपर दया करके कहा ह कि वह तुम्हारा विवाह-विच्छेद करा देंगे ।

[ रुथ चौंककर जेम्स और वाल्टर की ओर देखती है । ]

जेम्स यह तो बहुत कठिन है, फाल्डर ।

फाल्डर लेकिन साहब ।

जेम्स (गम्भीर होकर) देखो श्रीमती हनीविल, तुम्हें इनसे प्रेम ह ?

रुथ हाँ, साहब, मैं उनसे प्रेम करती हूँ ।

[ फाल्डर की ओर दुखित नेत्रो से देखती है । ]

जेम्स तब तुम उसके रास्ते का काँटा नही बनोगी—क्यो ?

रुथ (कपित कठ से) मैं उसकी सेवा कर सकती हूँ ।

जेम्स सबसे अच्छी सेवा जो तुम कर सकती हो, वह यह ह कि तुम उसे छोड दो ।

फाल्डर नही कोई मुझे तुमसे अलग नही कर सकता, रुथ । तुम विवाह विच्छेद करा सकती हो । हममें तुममें और कोई बात तो नही हुई ह । बोलो ।

रुथ (उसकी ओर न देखकर उदासी के साथ सिर हिलाते हुए) नही ।

फाल्डर हुजूर जब तक मामला साफ न हो जायगा हम एक दूसरे से अलग रहेंगे । हम यह बचन देते ह । केवल आप हमारी मदद करें ।

जेम्स (रुथ से) तुम सब बाते समझ रही हा न ? मेरा मतलब भी तुम समझती हा ।

रुथ (बहुत धीरे से) हा ।

कोकसन (अपने ही आप) औरत समझदार है ।

जेम्स यह अवस्था भयकर है ।

रुथ क्या मुझे उसका छोडना ही पडेगा, साहब ?

जेम्स (अनिच्छा से उसकी ओर देखकर) मैं तुम्हारे ऊपर छोडता हूँ । देवी उसका भविष्य तुम्हारे ही हाथ में ह ।

रुथ (व्याकुल होकर) मैं उसकी भलाई क लिए सब कर सकती हूँ ।

जेम्स (कुछ खुशी से) यही ता चाहिए । यही तो चाहिए ।

फाल्डर मेरी समझ में कुछ नही आता । क्या सचमुच तुम मुझे छाड दोगी ? कोई और बात ह ।

[ जेम्स की ओर एक कदम बढ़ाकर ]

मैं ईश्वर की कसम खाकर कहता हूँ कि अभी हम दोना का सम्बन्ध

बिलकुल पवित्र है ।

जेम्स मैं तुम पर विश्वास करता हू, फाल्डर । तुम भी उसकी तरह हिम्मत बाधो ।

फाल्डर अभी-अभी आप कह रहे थे कि तुम्हारी मदद करेंगे । (रुथ की ओर ताक्ता है जो मूर्ति की भाति खडी है । ज्यों-ज्यो उसे समस्या का ज्ञान होता है उसके मुह और हाथ कापने लगते हैं ।)
यह क्या बात ह ? आपने तो

वाल्टर पिता जी।

जेम्स (जल्दी से) मत घबडाओ, मत घबडाओ, फाल्डर । मैं तुम्ह काम देता हूँ । केवल मुझे जानने मत देना कि तुम क्या कर रहे हो ।—बस ।

फाल्डर (मानो सुना ही नहीं) रुथ ।

*[ रुथ उसकी ओर देखती है, फाल्डर अपने हाथों से मुह ढाप लेता है । सन्नाटा छा जाता है ]*

कोकसन (अचानक) बाहर कमरे म कोइ आया ह ।

*[ रुथ से ]*

तुम जरा भीतर जाओ, दो चार मिनट अकेले रहने से तुम्हें आराम मिलेगा ।

*[ क्लक के कमरे की ओर इशारा करता है और बाहर की ओर जाने लगता है । फाल्डर चुप खडा रहता है । रुथ डरते-डरते अपना हाथ बढाती है । उसके स्पश से फाल्डर सिहरकर पीछे की ओर हटता है । वह दु खित होकर क्लक क कमरे की ओर जाती है। अचानक चौंककर वह भी पीछे हो लेता है और दरवाजे के भीतर जाकर उसका कधा पकडता है । कोकसन दरवाजा ब द करता है । ]*

जेम्स (बाहर के कमरे की ओर उँगली दिखाकर) कोई भी हा अभी भगा दा ।

स्वीडिल (दरवाजा खोलकर सहमी हुई आवाज से) सार्जेंट विस्टर, खुफिया पुलीस ।

*[ डिटेक्टिव कमरे में आकर दरवाजा ब द कर देता है । ]*

विस्टर आपको तक्लीफ नी माफ कीजिए । ढाई साल पहिले आपके यहाँ एक क्लक था जिसको मैंने इसी कमर म गिरफ्तार किया था।

जम्स हाँ तो क्या हुआ ?

विस्टर मैंने सोचा कि शायद आपको इसका पता मालूम हो ।

[ सकोचवश कोई जवाब नहीं देता है । ]

कोकसन (हँसकर बात बनाते हुए) यह बतलाना हमारा काम नही कि वह कहाँ है ।—बतलाइए ।

जेम्स आपका उससे क्या काम है ?

विस्टर उसने इधर हाजिरी नही बोली ह ।

वाल्टर क्या अभी तक पुलीस से उसका पिंड नही छूटा है ?

विस्टर हा, हमें उसका पता मालूम होना जरूरी है । खैर, यह कोई ऐसी बात नही थी । लेकिन हमें मालूम हुआ है कि भूठे प्रशसापत्र दिखा कर उसने एक नौकरी कर ली थी । दानो बातें साथ-साथ आ पडी । अब हम उसे छोड नही सकते ।

[ फिर सब चुप हो जाते हैं । वाल्टर और कोकसन कनखियों से जेम्स को ओर देखते हैं जो खडा डिटेक्टिव की ओर स्थिर दृष्टि से देखता रहता है । ]

कोकसन (कुछ तेज होकर) अभी हम बहुत व्यस्त ह और किसी वक्त आइए तब शायद हम बतला सकें ।

जेम्स (दृढता से) मैं नीति का मेवक हूँ । लकिन किसी की मुखबिरी करना मुझे पसन्द नही । मुझसे ऐसा काम नही हो सकता । अगर तुम्हे उसे गिरफ्तार करना ह ता बिना हमारी मदद के कर सकते हो ।

[ बातें करते-करते उसकी आख फाल्डर की टोपी पर पडती है जा टेबिल पर पडी हुई थी । वह मुह सिकोडता है । ]

विस्टर (उसके भाव के परिवतन को दखकर शात स्वर से) बहुत अच्छा, साहब । लेकिन मैं आपको हाशियार कर दता हू कि उसको आश्रय दना

जेम्स मैं किसी का आश्रय नही देता, लेकिन आप आगे कभी आकर मुझसे ऐसे प्रश्न न कीजिएगा जिनका जवाब देने के लिए हम मजबूर नही है ।

विस्टर (रूखी आवाज से) खर, साहब, अब आगे मैं आपका तकलीफ़ नही दूँगा ।

कोकसन मुझे दरअसल अफसोस ह कि मैं आपको कोई खबर नही द सकता । खर, आप ता समझते ही ह । अच्छा सलाम ।

[ विस्टर जाने के लिए मुडता है, लेकिन बाहर की ओर न जाकर क्लर्क के कमरे की ओर बढता है । ]

कोकसन वह नही—वह नही, दूसरा दरवाजा ।

[ विस्टर क्लर्क के कमरे का दरवाजा खोलता है, रुथ की आवाज सुनाई देती है। वह कह रही है, 'मान जाओ।' फाल्डर कहता है, 'नहीं, मैं नहीं मान सकता।' थोडी देर सन्नाटा रहता है। अचानक रुथ डरकर चिल्ला उठती है 'यह कौन है ?' विस्टर भीतर घुस जाता है। तीनों आदमी दरवाजे की ओर हक्के-बक्के होकर देखते हैं। ]

विस्टर (भीतर से) तुम हट जाओ।

[ वह जल्दी से फाल्डर का हाथ पकडकर बाहर आता है। फाल्डर का चेहरा बिलकुल सफेद हो गया है, वह तीनों आदमियों की ओर देखता है। ]

वाल्टर ईश्वर के लिए उसे इस बार छोड दो।

विस्टर मैं अपने ऊपर यह जिम्मेदारी नही ले सकता, साहब।

फाल्डर (एक विचित्र निराशापूर्ण हँसी के साथ) अच्छी बात है।

[ रुथ की ओर एक दृष्टि डालकर वह सिर उठाता है, और बाहर के आफिस से निकल जाता है। विस्टर उसके साथ प्राय घिसटता हुआ जाता है। ]

वाल्टर (व्यथित होकर) बस, अब कही का नही रहा। बराबर यही बला सिर पर सवार रहेगी।

[ स्वीडिल बाहर के कमरे से ताकता हुआ नजर आता है। सीढी से नीचे उतरने की आवाज आती है। अचानक द्वार पर विस्टर की धीमी आवाज 'या खुदा !' सुनाई देती है। ]

जेम्स यह क्या हुआ ?

[ स्वीडिल झपटकर आगे बढ़ता है, दरवाजा भी बन्द हो जाता है। पूरा सन्नाटा छा जाता है। ]

वाल्टर (भीतर के कमरे की ओर बढकर) अरे ! यह औरत बेहोश हो रही है।

[ वह और कोकसन बेहोश होती हुई रुथ को उठाकर क्लर्क के कमरे के दरवाजे से बाहर लाते हैं। ]

कोकसन (घबडाकर) शान्त हो, शान्त हो, मत घबडाओ।

वाल्टर तुम्हारे पास ब्राडी नही है ?

कोकसन मेरे पास शेरी है।

वाल्टर अच्छा, ले आओ जल्दी।

[ जेम्स एक कुर्सी खींच लाता है, वाल्टर रुथ को उस पर लिटा देता है । ]

कोकसन (शेरी की बोतल लाकर) यह लीजिए, बहुत तेज अच्छी शेरी ह ।

[ वे उसके होंठों के भीतर शेरी डालने की चेष्टा करते हैं । पैरों की आहट पाकर ठहर जाते हैं । बाहर का दरवाजा खुलता है । और उसी कमरे में विस्टर और स्वीडिल कोई चीज लादकर लाते हैं । ]

जेम्स (तेजी से बढकर) यह क्या ह ?

[ वे उस बोझ को नजरों से बाहर दफ्तर में उतारते हैं । रुथ के सिवा सब जाकर उसके चारों ओर खडे हो जात हैं और दबी जबान से बातें करते हैं । ]

विस्टर कूद पडा—गरदन टूट गयी ।

वाल्टर हा ईश्वर !

विस्टर यह सोचना पागलपन था कि मुझे झाँसा देकर निकल जायगा । दो चार महीने के सिवा और तो कुछ होता ही नहीं ।

वाल्टर (निराशा से) बस, इतना ही ।

जेम्स श्राफ ! जान ही पर खेल गया ।

[ अचानक बडे ही व्यथित कठ से ]

जल्दी जाओ । एक डाक्टर बुला लाओ ।

[ स्वीडिल दौडता है । ]

एक डोली भी लाना ।

[ विस्टर चला जाता है । रुथ के चेहरे पर भय और कातरता का भाव बढता जाता है मानो किसी की बात सुनने की हिम्मत उसमें न हो । फिर धीरे-धीरे उठकर उनकी ओर बढती है । ]

वाल्टर (अचानक उसकी ओर देखकर) हटो ।

[ तीनों आदमी रास्ता छोडकर पीछे हटते हैं । रुथ घुटनों के बल देह के पास गिर पडती है । ]

रुथ (धीमी आवाज से) यह क्या ? इसकी सास बन्द हो रही ह ।

[ लाश से लिपटकर ]

मेरे प्रियतम ! मेरे सुहाग !

[ बाहर के कमरे के दरवाजे पर लोग खडे नजर आते हैं । ]

रुथ (उन्मत्त की भाँति खडी होकर) नहीं, नहीं, वह मर गए । मत छुओ ।

[ सब लोग हट जाते हैं । ]

कोकसन (चुपके से बढ़कर बैठे हुए कंठ से) हाय दुखिया ! तुझ पर इतनी विपत्ति !

[ अपने पीछे पैरों की आहट सुनकर रुथ कोकसन की ओर देखती है । ]

कोकसन अब उसे कोई नहीं छू सकता और न कभी छू सकेगा । वह अब ईश्वर के शान्तिभवन में सुरक्षित है ।

[ रुथ पत्थर की भांति निश्चल होकर दरवाजा के पास खड़े हुए कोकसन की ओर देखती है । कोकसन झुककर व्यथित भाव से उसका हाथ पकड़ लेता है जैसे कोई किसी भूले भटके को पथ बताने के लिए पकड़ता हो । ]

[ परदा गिरता है । ]

●

# हडताल

[ जान गॉल्सवर्दी के 'स्ट्राइक' का हिन्दी अनुवाद ]

# पात्र सूची

| | |
|---|---|
| जॉन ऐंथ्वनी | ट्निाथ के टीन के कारखाने का प्रधान |
| एडगार ऐंथ्वनी | उसका पुत्र |
| फ्रेडरिक वाइल्डर | |
| विलियम स्कॉटलबरो | बोर्ड के डाइरेक्टर |
| ओलिवर वेंकलिन | |
| हेनरी टेंच | मन्त्री |
| फ्रांसिस अन्डरवुड | मनेजर |
| साइमन हार्निस | ट्रेड यूनियन का एक अधिकारी |
| डेविड राबट | |
| जेम्स ग्रीन | |
| जॉन बल्जिन | मजदूरों की कमेटी |
| हेनरी टामस | |
| जॉर्ज राउस | |
| हेनरी राउस | |
| लुइस | |
| जागो | |
| एवेंस | कारखाने के मजदूर |
| एक लुहार | |
| डेविस | |
| लाल बालवाला युवक | |
| ब्राउन | |
| फ्रास्ट | जॉन ऐंथ्वनी का खानसामा |
| एनिड | जॉन ऐंथ्वनी की बेटी |
| एनी राबर्ट | डेविड राबट की बीवी |
| मेज टामस | हेनरी टामस की बेटी |
| मिसेज़ राउस | जॉर्ज और हेनरी राउस की माँ |
| मिसेज़ बल्जिन | जॉन बल्जिन की बीवी |

| | |
|---|---|
| मिसेज़ यो | एक मज़दूर की बीबी |
| अन्डरवुड परिवार की एक सेविका | |
| जॉन मज़दूरों का एक समूह | मेज का छोटा भाई |

अंक १ मैनेजर के घर का भोजनालय।

अंक २ दृश्य पहला राबर्ट के घर का बावर्चीखाना।
दृश्य दूसरा कारखाना के बाहर का दृश्य।

अंक ३ मैनेजर के घर का दीवानखाना।

घटना सातवी फरवरी को तीसरे पहर बारह और छ बजे के बीच में शुरू होती है।

# अंक १

## दृश्य पहला

[ दोपहर का समय है, अंडरवुड के भोजनालय में तेज आग जल रही है। आतिशदान के एक तरफ दुहरे दरवाजे हैं, जो बैठक में जाते हैं। दूसरी तरफ एक दरवाजा है, जो बड़े कमरे में जाता है। कमरे के बीच में, एक लम्बी खाने की मेज है। उस पर कोई मेज पोश नहीं है। वह लिखने की मेज बना ली गई है। उसके सिरे पर सभापति के स्थान पर जॉन ऐंथ्वनी बैठा हुआ है। वह एक बुड्ढा, बड़े डीलडौल का आदमी है। दाढ़ी मूछ मुड़ी हुई, रंग लाल, घने सफेद बाल और घनी काली भौंहें। चाल-ढाल से वह सुस्त और कमजोर मालूम होता है, लेकिन उसकी आँखें बहुत तेज हैं। उसके पास पानी का एक गिलास रक्खा हुआ है। उसकी दाहिनी तरफ उसका बेटा एडगार बैठा अखबार पढ़ रहा है। उसकी उम्र ३० साल की होगी। सूरत से उत्साही मालूम होता है। उसके बाद वेंकलिन झुका हुआ दस्तावेजों को देख रहा है, उसकी भौंहें उभरी हुई हैं और बाल खिचड़ी हो गए हैं। टॅच जो मन्त्री है, खड़ा उसे मदद दे रहा है। वह छोटे कद का दुबला, और कुछ गरीब आदमी है। वह गलमुच्छे रक्खे हुए है। वेंकलिन की दाहिनी तरफ मैनेजर अंडरवुड बैठा है। वह शांत मनुष्य है जिसके जबड़े की हड्डी लम्बी और गठी हुई है और आँखें स्थिर हैं। आतिशदान के पीछे स्कैंटलबरी बैठा हुआ है, जो भारी भरकम, पीला सुस्त आदमी है। उसके बाल सफेद हैं, और कुछ गंजा है। उसके और सभापति के बीच में दो खाली कुर्सियाँ हैं। ]

वाइल्डर (दुबला मुर्दा और चिड़चिड़ा आदमी है। उसकी सफेद मूछें झुकी हुई हैं। आग के सामने खड़ा है।) इस आग के मारे नाक में दम है। क्या टेंच, यहाँ कोई जँगला होगा?

स्कॅटलबरी जँगला!

टेंच हाँ, अवश्य मिस्टर वाइल्डर।

[ वह अण्डरवुड की तरफ देखता है। ]

शायद मैनेजर—शायद मिस्टर अण्डरवुड—

स्कॅटलबरी अन्डरवुड यह तुम्हारे आतिशदान—

अन्डरवुड (कागजों को देखते देखते चौंककर) परदा? शायद! मुझे खेद है।

[ वह कुछ मुसकराकर द्वार की ओर जाता है। ]

हम तो आजकल यहाँ यह शिकायत कम सुनते हैं कि आग बहुत तेज है।

[ वह इस तरह धीरे-धीरे और चबा-चबाकर बोलता है, जैसे मुँह में पाइप लिए हुए हो। ]

वाइल्डर (दुखी होकर) तुम्हारा मतलब मजदूरों से है, अच्छा।

[ अण्डरवुड बाहर चला जाता है। ]

स्कॅटलबरी बड़ा दुखी है, बेचारा।

वाइल्डर यह उन्हीं का दोष है स्कॅटलबरी।

एडगार (अपना अखबार ऊपर उठाकर) इस अखबार से तो मालूम होता है कि उन्हें बहुत तकलीफ है।

वाइल्डर अजी वह रद्दी अखबार है इसे वेंकलिन को दे दो। उसके उदार विचारों से मेल खाता है। ये सब हमें शायद दानव कहते होंगे। इस रद्दी अखबार के एडीटर को गोली मार देना चाहिए।

एडगार (पढ़ता है) 'अगर उन सभ्य पुरुषों का बोर्ड जो लन्दन में आराम कुर्सियों पर बैठे हुए टिनाथ के टीन के कारखाने को चलाते हैं, इतना दया करे कि यहाँ आकर इस हड़ताल में मजदूरों की दुर्दशा को अपनी आँखों से देखे—

वाइल्डर अब तो हम आ गए हैं।

एडगार (पढ़ता हुआ) तो हमें विश्वास नहीं होता कि उनके पाषाण हृदय भी द्रवित न हो जायें।

[ वेंकलिन उसके हाथ से पत्र ले लेता है। ]

वाइल्डर बदमाश ! मैं इस आदमी को उस समय से जानता हूँ जब उसके पास अभी कौडी भी न थी। शैतान ने उन लोगो को धमका-धमकाकर खूब धन जोड लिया है जिनके विचार उसके विचारो से नही मिलते।

[ ऐंथ्वनी कुछ कहता है, जो सुनाई नहीं पड़ता। ]

वाइल्डर तुम्हारे पिता जी क्या कहते है ?

एडगार वह कहते ह—'पतीली और बतन'।

वाइल्डर अच्छा !

[ वह स्कॅंटलबरी के बगल में बैठ जाता है। ]

स्कॅंटलबरी (मुह से हवा निकालकर) अगर जँगला न आएगा तो मैं उबल जाऊँगा।

[ अन्डरवुड और एनिड एक जँगला लेकर आते हैं और आग के सामने रख देते हैं। एनिड का क़द लम्बा, चेहरा दृढ़ और छोटा और अवस्था २८ साल है। ]

एनिड इसे और पास रक्खो फ्रॅंक। इससे काम चल जायगा मिस्टर वाइल्डर ? इससे बडा हमारे पास नही ह।

वाइल्डर बहुत अच्छी तरह, धन्यवाद।

स्कॅंटलबरी (आनन्द से सास लेकर घूमता हुआ) आपने बडी दया की देवी जी।

एनिड पिता जा, आप को किसी और चीज़ की जरूरत है ?

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है। ]

तुम्हे कुछ चाहिए एडगार ?

एडगार हाँ, मुझे एक 'जे' निब दे दो।

एनिड वह मिस्टर स्कॅंटलबरी के पास रक्खी हुई ह।

स्कॅंटलबरी (निबों की एक छोटी सी डिबिया उठाकर) अच्छा ! तुम्हारे भाई साहब 'जे' निब से लिखते ह। मनेजर साहब किस निब से लिखते ह ?

[ विशष नम्रता से ]

तुम्हार पति किस निब स लिखते ह।

अन्डरवुड पर की कलम स।

स्कॅंटलबरी बतख का पर भी कितनी अच्छी चीज ह।

[ वह पर की क़लमों को दिखाता है। ]

अन्डरवुड (रुखाई से) धन्यवाद ! एक मुझे दीजिए ।

[ वह एक क़लम लेता है । ]

खाने में क्या देर ह एनिड ?

एनिड (दुहरे दरवाजे पर रुकती है) हम यहाँ दीवानखाने में खाना खायेंग । इसलिए कमरे में जल्दी करने की जरूरत नही ।

[ वेंकलिन और वाइल्डर सिर झुकाते हैं और वह चली जाती है । ]

स्कैंटलबरी (यकायक चौंककर) अच्छा खाना ! वह होटल—भयकर ! कल रात को तुमने भुनी हुई चर्बी खाई थी ?

वाइल्डर साढे १२ बज गए ! क्यो टेंच तुम जलसे की कार्यवाही नही पढोग ?

टेंच (रजामन्दी के लिए सभापति की ओर देखकर, एक स्वर में तेजी से पढता है ।) बोर्ड के एक जलसे की कायवाही जो ३१ जनवरी को कम्पना के दफ्तर न० ५१२ केनन स्ट्रीट मे हुआ । उपस्थित मिस्टर ऐंथ्वना सभापति, मिस्टर वाइल्डर, विलियम स्कैंटलबरी, ओलिवर वेंकलिन, और एडगार ऐंथ्वनी । मैनेजर के वह पत्र पढे गए जो उसने २० २३, २५ और २८ जनवरी को कम्पनी के कारखाना की हडताल के विषय में लिखे थे । वह पत्र पढे गए जो मनजर का २१, २४, २६ व २९ जनवरी का लिखे गए । सेन्ट्रल यूनियन के प्रतिनिधि मिस्टर साइमन हार्निस का पत्र पढा गया जिसमें उन्होने बोड से बातचीत करने की अनुमति माँगी थी । मजदूरो की कमेटी का पत्र पढा गया जिस पर डेविड राबट, जेम्स ग्रीन, जॉन बल्जिन हेनरी टामस, जाज राउस के दमखत थे, जिसमें उन्हाने बोड से बात-चीत करनी चाही थी । यह निश्चय हुआ कि सातवी फरवरी को मनेजर के मकान पर बोड की एक विशेष बठक हो जाय जिसमें मिस्टर साइमन हार्निस और मजदूरो की कमेटी मे उसी जगह इम मामले पर बातचीत की जाय । १२ बनामे मजूर हुए, नौ सार्टीफिकेट और एक बकाया के सार्टीफिकेट पर दसखत किये और मुहर लगाई ।

[ वह रजिस्टर को सभापति की ओर बढा देता है । ]

ऐंथ्वनी (लम्बी साँस लेकर) अगर आप लोग उचित समझें ता उस पर दसखत कर दें ।

[ क़लम को मुश्किल से घुमाकर हस्ताक्षर कर देता है । ]

वेंकलिन क्यो टेंच यूनियन की यह क्या चाल है ? मजदूरो से ता उनका मेल

नही हुआ । । हार्निस किस लिए मिलना चाहता है ?

टेंच उसे आशा है कि हममें कोई समझौता हो जायगा ? वह आज शाम को मजदूरो से कुछ बातचीत करेगा ।

वाइल्डर हार्निस ! ठीक ! वह एक ही घुटा हुआ, काइयाँ आदमी ह । मैं इन पर विश्वास नही करता । मुझे ऐसा मालूम होता ह कि हमने नर्मी करने में भूल की । मजदूर लाग यहा कब तक आ जायेंगे ?

अन्डरवुड आते ही होगे ।

वाइल्डर अच्छी बात ह, अगर हम तैयार नही ह ता उन्हे रुकना पडेगा—अगर थोडी देर तक अपनी एडियाँ ठढी कर ले, ता उन्हें कोई हानि न होगी ।

स्कॅटलवरी (आहिस्ता से) बेचारे गरीब हैं । बफ गिर रही हैं क्या मौसिम है।

अन्डरवुड (अपने मतलब से रुक रुककर) इस घर से ज्यादा गर्म जगह इन जाडो में उन्हें न मिली होगी ।

वाइल्डर खैर, मुझे आशा है, हम इस मामले को इतनी जल्द तै कर लेंगे कि मुझे साढे ६ की गाडी मिल जाय । मैं कल अपनी बीवी को स्पेन ले जा रहा हूँ ।

[ गप शप करने के विचार से ]

मेरे बाप के कारखाने में भी सन ६६ में हडताल हुई थी । ठीक यही फरवरी का महीना था । मजदूर लाग उन्हे गाली मार देना चाहते थे ।

वेंकलिन अच्छा ! इस जीवरक्षा के दिनो मे जिन महीना मे चिडिया अण्डे देती हैं, उनमें शिकार खेलना मना है ।

वाइल्डर मालिको के लिए जीवरक्षा के दिन थे । वह जेब में पिस्तौल रखकर दफ्तर जाया करते थे ।

स्कॅटलवरी (कुछ डरकर) सच !

वाइल्डर (बातचीत का अत करने के लिए) नतीजा यह हुआ कि उन्होने एक मजदूर के पैर में गाली मार दी ।

स्कॅटलवरी (बे-अख्तियार जाघ को स्पश करके) सच ! ईश्वर बचाए !

ऐंथ्वनी (एजिडा को ऊपर उठाकर) हमें यह विचार करना ह कि इस हड ताल के सम्बन्ध म बोड का क्या निश्चय होगा ।

[ सब चुप हो जाते हैं । ]

वाइल्डर यह सत्यानाशी तिरमुखी लडाई ह—यूनियन, मजदूर और हम ।

वेंकलिन यूनियन से हमें कोई मतलब नही ।

स्कॅटलबरी (सिर हिलाकर) हा हा !

वेंकलिन क्यो टेंच, इस हडताल से हमें कितना घाटा हुआ ?

टेंच पचास हजार से ऊपर।

स्कॅटलबरी (दुख से) यह बात ह !

वाइल्डर इस घाटे का पूरा होना कठिन है।

टेंच और क्या।

वाइल्डर किसे मालूम था कि मजदूर लाग इस तरह अड रहेंगे—किसी ने मुह तक नही खोला।

[ टेंच को क्रोध से देखता है। ]

स्कॅटलबरी (सिर हिलाकर) मैं लडाई झगड से हमेशा भागता हूँ और हमेशा भागूगा।

ऐंथ्वनी हम उनके पैरा नही पड सकते।

[ सब उसको तरफ ताकने लगते हैं। ]

वाइल्डर पैरो कौन पडना चाहता है ?

[ ऐंथ्वनी उसकी तरफ ताकता है। ]

मैं साच समझ कर काम करना चाहता हूँ। जब मजदूरा ने राबट को दिसम्बर में बोड के पास भेजा था तब अवसर था। हमे उसको मिला लेना चाहिए था इसके बदले सभापति ने—

[ ऐंथ्वनी के सामने आखें नीची करके ]

हमने उसे झिडक दिया। अगर उस वक्त जरा चतुराई से काम लेत ता सब हमारे पजे में आ जाते।

ऐंथ्वनी समझौता नही हा सकता !

वाइल्डर यही तो बात ह। यह हडताल अक्तूबर से अब तक चली आ रही है और जहाँ तक मैं समझता हूँ, शायद छ महीने और चले। तब तक तो हम चौपट ही हो जायँगे। अगर आसू पोछने की कोई बात ह, तो यही कि मजदूर लोग और भी चौपट हो जायँगे।

एडगार (अडरवुड से) क्यो फ्रेंक, आज कल उनकी असली हालत क्या ह ?

अन्डरवुड (उदासीन भाव से) बहुत खराब !

वाइल्डर लेकिन यह कौन समझ सकता था कि वे इतने दिनो तक बिना सहायता के डटे रहेंगे।

अन्डरवुड जो उन्हें जानते है वे समझे हुए थे।

वाइल्डर मैं हाथ मारकर कहता हूँ कि यहाँ उन्हें कोई नही जानता ! अच्छा

वाइल्डर मेरा तो यह अनुभव ह कि यूनियन हमेशा बीच में कूद पडता है। उसका बुरा हो ! अगर यूनियन मजदूरो की सहायता से मुह मोडना चाहता ह और वैसा कर भी रहा है, तो फिर उसने क्यो इन आदमियों को हडताल करने ही दिया ?

एडगार ऐसे एक दजन अवसर आ चुके ।

वाइल्डर लेकिन मैं इसे कभी समझ नही सका । यह मेरी समझ से बाहर ह । वे कहते है कि इजिनियरो और भट्ठी वालो की माग बहुत ज्यादा हैं—बात ठीक ह, लेकिन यह इस बात के लिए काफी नही ह कि यूनियन उनकी सहायता से मुह मोड ले । इसका क्या मतलब ह ?

अन्डरवुड हार्पर और टाइनवेल क कारखानो में हडताल होने का डर ।

वाइल्डर (विजय गव से) अच्छा ! तो दूसरी हडतालो से डरते है ! बस, अब बात समझ म आ गई । लेकिन हमे पहले यह क्या न बतलाया गया ?

अन्डरवुड बतलाया गया था ।

टेंच आप उस दिन बोड मे न आए थे ।

स्कॅंटलबरी मजदूर लाग समझ गए कि अगर यूनियन ने हाथ खीच लिया, तो फिर उनका कही ठिकाना नही है । यह पागलपन है ।

अन्डरवुड यह राबर्ट की करतूत है ।

वाइल्डर यह हमारा सौभाग्य है कि मजदूरों का राबर्ट जैसा कट्टर उपद्रवी नेता मिल गया ।

[ सब चुप हो जाते हैं । ]

वेंकलिन (ऍंथ्वनी को देखकर) अब !

वाइल्डर (चिड चिडाता हुआ बोल उठता है) पूरी आफत है । हम लाग जिस स्थिति मे पड गए है, मैं उसे नही पसन्द करता । मैं बहुत दिना से यही कहता आ रहा हूँ ।

[ वेंकलिन को देखकर ]

जब वेंकलिन और मै क्रिसमस के पहिले यहाँ आए थे ता ऐसा मालूम हाता था कि मजदूर लाग राह पर आ जायेंगे । तुम्हारा भी तो यही विचार था अन्डरवुड ।

अन्डरवुड हाँ ।

वाइल्डर लेकिन व राह पर नही आए, और हमारी दशा दिन दिन बिगडती जाती है—हमारे ग्राहक टूटते जाते ह—हिस्सा का दर घटता जाता ह ।

स्कैंटलबरी (सिर हिलाकर) हा हा !

वेंकलिन क्यों टैंच, इस हड़ताल से हमें कितना घाटा हुआ ?

टैंच पचास हज़ार से ऊपर।

स्कैंटलबरी (दुख से) यह बात है !

वाइल्डर इस घाटे का पूरा होना कठिन है।

टैंच और क्या।

वाइल्डर किसे मालूम था कि मज़दूर लोग इस तरह अड़ रहेंगे—किसी ने मुह तक नही खोला।

[ टैंच को क्रोध से देखता है। ]

स्कैंटलबरी (सिर हिलाकर) मैं लडाई-झगड़े से हमेशा भागता हूँ और हमेशा भागूगा।

ऐंथ्वनी हम उनके पैरों नही पड सकते।

[ सब उसकी तरफ ताकने लगते हैं। ]

वाइल्डर पैरो कौन पड़ना चाहता है ?

[ ऐंथ्वनी उसकी तरफ ताकता है। ]

मैं सोच समझ कर काम करना चाहता हूँ। जब मज़दूरों ने राबट को दिसम्बर में बोर्ड के पास भेजा था तब अवसर था। हमें उसको मिला लेना चाहिए था, इसके बदले सभापति ने—

[ ऐंथ्वनी के सामने आखें नीची करके ]

हमने उसे झिड़क दिया। अगर उस वक्त जरा चतुराई से काम लेते तो सब हमारे पजे में आ जाते।

ऐंथ्वनी समझौता नही हो सकता !

वाइल्डर यही तो बात है। यह हड़ताल अक्तूबर से अब तक चली आ रही है और जहा तक मैं समझता हूँ, शायद छ महीने और चले। तब तक तो हम चौपट ही हो जायेंगे। अगर आसू पोछने की कोई बात है, तो यही कि मज़दूर लोग और भी चौपट हो जायेंगे।

एडगार (अडरवुड से) क्यों फ्रैंक, आज कल उनकी असली हालत क्या है ?

अन्डरवुड (उदासीन भाव से) बहुत खराब !

वाइल्डर लेकिन यह कौन समझ सकता था कि वे इतने दिनो तक बिना सहायता के डटे रहेंगे।

अन्डरवुड जो उन्हें जानते है वे समझे हुए थे।

वाइल्डर मैं हाथ मारकर कहता हूँ कि यहाँ उन्हें कोई नही जानता ! अच्छा

दिन का क्या रग ह ? दिन दिन तेज होता जाता ह । जब हमारा कारखाना चलने भी लगेगा तो हमें बाजार-भाव के ऊपर चुकाए हुए माल को लेना पडेगा ।

वेंकलिन इसके बारे में आप क्या कहते है सभापति महोदय ?

ऐंथ्वनी लाचारी है ।

वाइल्डर ईश्वर जाने कब तक हम नफा न दे सकेंगे ।

स्कॅटलबरी (जोर देकर) हमें हिस्सेदारो का खयाल रखना चाहिए ।

[ सभापति की ओर फिरकर ]

सभापति महोदय, हमें हिस्सेदारो का खयाल रखना चाहिए ।

[ ऐंथ्वनी मुह में कुछ कहता है । ]

स्कॅटलबरी आप क्या कह रहे है ?

टेंच सभापति कहते है कि उन्हें आपका खयाल ह ।

स्कॅटलबरी (फिर शिथिल होकर) काटे खाता ह !

वाइल्डर यह अब दिल्लगी की बात नही है । सभापति महोदय को नफे का चिन्ता न हो लेकिन मैं बरसो तक नफे को तिलाजलि नही दे सकता। हमसे यह नही हो सकता कि कम्पनी के धन का मटियामेट करते रहें ।

एडगार (कुछ लज्जित होकर) मेरा विचार ह कि हम मजदूरो की दशा का अधिक ध्यान रखना चाहिए ।

[ ऐंथ्वनी के सिवा सब अपनी-अपनी जगहों पर बैठे इशारे बाजी करने लगते हैं । ]

स्कॅटलबरी (लम्बी सास लेकर) मित्र, पर हमें यहा अपने निजी मनोभावो का विचार न करना चाहिए । इससे काम न चलेगा ।

एडगार (व्यग से) मैं अपने लोगो के मनोभावो का विचार नही कर रहा हू, मजदूरो के भावो का विचार कर रहा हूँ ।

वाइल्डर इसका जवाब तो यही ह कि हम भी रोजगारी आदमी ह, परोपकार करने नही बठे है ।

वेंकलिन इसी का तो रोना ह ।

एडगार मजदूरो की यह सब दुर्दशा देखकर यह जरूरी नही ह कि हम इस मामले को इतना बढाएँ—यह यह निर्दयता ह ।

[ किसी की जबान नहीं खुलती, मानो एडगार ने कोई ऐसी चीज खोलकर सामने रख दी है जिसका मौजूद होना कोई भला

आदमी स्वीकार नहीं कर सकता । ]

वॅकलिन (व्यगमय हँसी के साथ) यह तो उचित नही है कि हम अपनी नीति की बुनियाद दया जसी शौक की बाता पर रक्खें ।

एडगार मुझे ऐसे मामलो से घृणा ह ।

ऍथ्वनी हमने ता रार नही मोल लिया था ।

एडगार इतना ता मैं भी जानता हूँ साहब, लेकिन हम लोग अब बहुत दूर बढे जा रहे ह ।

ऍथ्वनी हर्गिज़ नही ।

[ सब एक दूसरे का मुह ताकते हैं । ]

वॅकलिन सभापति महोदय शौक की बात अलग ह हमें यह देखना ह कि हम कर क्या रहे ह ।

ऍथ्वनी मजदूरो से एक बार दबे तो फिर हमेशा दबते रहना पडेगा । कभी इसका अन्त न हागा ।

वॅकलिन मैं इसे मानता हूँ, लेकिन—

[ ऍथ्वनी सिर हिलाता है । ]

लेकिन आप इसे अटल सिद्धान्त का विषय बना रहे हैं ।

[ ऍथ्वनी सिर हिलाकर स्वीकार करता है । ]

मगर महोदय, फिर वही शौक की बात आ गई । हम यहाँ सिद्धान्तो की रक्षा करने नही बठे है । हिस्सो का मूल्य घट गया ह ।

वाइल्डर और अबकी नफा बाँटने के समय तक आधा ही रह जायगा ।

स्कॅटलबरी (घबराकर) अजी नही, ऐसी बुरी दशा क्या हागी ।

वाइल्डर (धमकाकर) वह तो आगे ही आएगी ।

[ ऍथ्वनी की बात सुनने के लिये आगे को झुककर ]

मैं कुछ सुन नही सका—

एडगार (तेजी से) पिता जी कहते ह जो कुछ करना चाहिए वह करो और दूसरे झगडा में न पडो ।

वाइल्डर छी !

स्कॅटलबरी (हाथ ऊपर उठाकर) सभापति बरागी है—मैं हमेशा कहता आता हूँ कि सभापति बैरागी ह ।

वाइल्डर हमारी तो लुटिया ही डूब जायगी ।

वेकलिन (मधुर स्वर में) सभापति महोदय क्या आप सचमुच केवल एक—एक सिद्धान्त के लिए—अपने जहाज को डुबा दोगे ?

ऐंथ्वनी वह डूबेगा नहीं।

स्कैंटलवरी (घबराकर) जब तक मैं बोर्ड में हूं तब तक तो मुझे आशा है न डूबेगा।

ऐंथ्वनी (आखें मारकर) जरा समझ-बूझकर, स्कैंटलवरी।

स्कैंटलवरी क्या आदमी है।

ऐंथ्वनी मैंने उन्हें हमेशा ललकारा है और कभी नीचा नहीं देखा।

वेंकलिन हमारा और आपका सिद्धान्त एक है महोदय। लेकिन हम सब लोहे के नहीं बने हैं।

ऐंथ्वनी हमें केवल अटल रहना चाहिए।

वाइल्डर (उठकर आग के पास जाता है) और जितनी जल्द हो सके तबाह हो जाना चाहिए।

ऐंथ्वनी तबाह हो जाना दब जाने से कहीं बढ़कर है।

वाइल्डर (चिढ़कर) यह आपको अच्छा लगता होगा, लेकिन मुझे तो नहीं अच्छा लगता और जहां तक मैं समझता हूँ, और कोई भी इसे पसन्द नहीं करता।

[ऐंथ्वनी उसके मुख की ओर ताकता है—सब चुप हो जाते हैं।]

एडगार हड़ताल जारी रहने का मतलब यह है कि मजदूरों के बाल-बच्चे भूखों मर जायें। मेरी समझ में नहीं आता हम इस बात को कैसे भूल सकते हैं।

[वाइल्डर यकायक आग की ओर मुंह फेर लेता है और स्कैंटलवरी इस खयाल को दूर रखने के लिए हाथ फैलाता है।]

वेंकलिन फिर वही दया और धर्म की बात आ गई!

एडगार क्या आप का खयाल है कि व्यापारियों के लिये सज्जनता का नाम लेना ही पाप है?

वाइल्डर मजदूरों के लिये मुझे भी उतना ही दुख है जितना दूसरों को हो सकता है लेकिन अगर वे अपने पाँव में कुल्हाड़ी मारें तो यह हमारा दोष नहीं। हमारे लिये अपनी और हिस्सेदारों की चिन्ता काफी है।

एडगार (चिढ़कर) अगर हिस्सेदारों को एक या दो बार नफा न मिले तो वह मर न जायेंगे। यह तो ऐसा कारण [illegible] लोग अपनी हार मान लें।

स्कैंटलवरी (बहुत [illegible] जान, तुम [illegible] हो माना

मुनाफा काई चीज ही नही। मुझे नही मालूम कि हम कितने पानी में है।

वाइल्डर इस मामले म केवल एक बात सोचने की है। हम इस हडताल के हाथो तबाह नही होना चाहते।

ऐंथ्वनी हम कदम पीछे न हटायेंगे।

स्कॅटलवरी (निराशा का सकेत करके) जरा आपकी सूरत देखिए।

[ ऐंथ्वनी अपनी कुरसी पर फिर टिककर बैठ रहा है। सब लोग उसकी ओर देखते हैं। ]

वाइल्डर (अपनी जगह पर लौटकर) अगर सभापति की यही राय है ता मेरी समझ मे नही आता कि हम लोग यहाँ आए क्या करने।

ऐंथ्वनी मजदूरो से यह कहने के लिये कि हमसे कोई आशा मत रक्खो। (दृढता से) जब तक उनसे सीधी-सादी भाषा म यह न कह दिया जायगा उन्हें इसका विश्वास न आएगा।

वाइल्डर ठीक। मुझे बिलकुल आश्चय न होगा। अगर उस पाजी राबट न यही बात कहने के लिये हमें यहाँ बुलाया हो। कपटी आदमियो से मुझे चिढ ह।

एडगार (क्रोध से) हमने उसके आविष्कार का कुछ भी मूल्य नही दिया। मैं जभी से यह कहता चला आता हूँ।

वाइल्डर हमने उसे ५००) उसी वक्त दिए और दो साल बाद २००) बोनस दिया। क्या इतनी रकम काफी नही ह ? वह और क्या चाहता ह ?

टेंच (असन्तोष के भाव से) कम्पनी ने उसके आविष्कार से एक लाख पैदा किया और उसके हत्थे चढे कुल ७००)। इसी तरह उसके दिन कट रहे ह।

वाइल्डर वह तो आग लगाने वाला आदमी ह। मुझे इन पचायतो स घृणा ह, लेकिन अब हार्निस यहाँ आ गया ह, और हमें चाहिए कि उसकी मारफत सारे झगडे त कर लें।

ऐंथ्वनी नही।

[ सब के सब फिर उसकी ओर देखते हैं। ]

अन्डरवुड राबट मजदूरा को इस पर राजी न होने देगा।

स्कॅटलवरी खूनी आदमी है खूनी।

वाइल्डर (ऐंथ्वनी की ओर देखकर) और वह अकेला ही नही है।

[ फ्रास्ट बडे कमरे से अन्दर आता है। ]

फ्रास्ट (ऐंथ्वनी से) यूनियन के मिस्टर हार्निस आए हुए है। मजदूर लोग भी आ गए है।

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है। ]

[ अन्डरवुड जाता है और हार्निस को लेकर लौटता है। हार्निस डाढी मोछ मुडाए हुए है, उसका रग पीला है, गाल पिचके हुए, आखें तेज और ठुड्डी गोल—फ्रास्ट चला जाता है। ]

अन्डरवुड (टेंच की कुर्सी की तरफ इशारा करके) वहा सभापति के बगल में बैठ जाव मिस्टर हार्निस।

[ हार्निस के आते ही बोड के लोग एक दूसरे के पास आ जाते हैं और उसकी तरफ देखते हैं जैसे मवेशी किसी कुत्ते को देखे। ]

हार्निम (सब को गौर से देखकर और सिर झुकाकर) धन्यवाद।

[ वह बैठ जाता है। नाक से बोलता है। ]

महाशयगण मुझे आशा ह कि आज हम लोग इस मामले का त करेंगे।

वाइल्डर ये तो इस बात पर मुनहसर ह कि तुम किसे त करना कहते हो। आदमियो को अन्दर क्या नही बुला लेते ?

हार्निस (चतुराई से) मजदूर लाग आप लोगो से कही ज्यादा न्याय पर ह। हमारे सामने अब यह प्रश्न ह कि हमें उन लागो की फिर मदद करनी चाहिए या नही।

[ वह ऐंथ्वनी के सिवा और किसी से नहीं बोलता। उसका रुख ऐंथ्वनी की तरफ है। ]

ऐंथ्वनी तुम्हारा जी चाहे तुम उनकी मदद करो। हम खुद मजदूर रख लेंगे और तुमसे कोई सरोकार न रखलगे।

हार्निस यह नही हा सकता मिस्टर ऐंथ्वनी, आपको बगैर पचायत की मदद के मजदूर न मिलगे और आप इसे जानते हैं।

ऐंथ्वनी यही देखना है।

हार्निस मैं आप से सफाई के साथ बातें करना चाहता हूँ। हम आपके मजदूरो की मदद से इसलिए हाथ खीचने पर मजबूर हुए कि उनकी कुछ मांगें बजार दर से बढ़ी हुई हैं। मुझे आशा है कि आज हम लोग उनसे वह शर्तें उठवा लेंगे। अगर उन्होने ऐसा किया, तो मैं आप लोगो से साफ कहता हूँ कि हम फिर उनकी मदद करने लगेंगे। इसलिये मैं चाहता हूँ कि आज हम लोग कुछ न कुछ तय करके ही उठें। क्या

हम लोग इस पुराने ढग की खीचातानी का अन्त नही कर सकते ? इससे आप लोगो को क्या मिल रहा ह ? आप लाग यह क्यो नही मानते कि ये बेचारे आप ही लागो जैसे मनुष्य हैं, और उसी तरह अपना भला चाहते हैं जसे आप लोग अपना भला चाहते ह—

[ कटु स्वर में ]

आपकी मोटर गाडियाँ, और शाम्पेन और लम्बी लम्बी दावतें

ऐंथ्वनी अगर मजदूर लोग काम पर आ जायें तो हम उनके साथ कुछ रिआयत कर देंगे ।

हार्निस (व्यग से) आप लोगो की भी यही राय है साहब ? आप आप आप ?

[ डाइरेक्टर लोग जवाब नहीं देते ]

खैर, मैं यही कह सकता हूँ कि इस ध्वनि में रईसो का घमड और रोष भरा हुआ है जिसका मेरे खयाल में अब जमाना नही रहा— लेकिन मालूम होता ह मैं गलती पर था ।

ऐंथ्वनी यह वही ध्वनि ह जिसमें मजदूर लोग बातें करते ह । अब तो यह देखना है कि कौन ज्यादा दिनो तक अड सकता है—वह लोग हमारे बिना, या हम लोग उनके बिना ?

हार्निस मुझे आश्चर्य ह कि आप लोग व्यापारी हाकर भी शक्ति के इस तरह बरबाद हाने पर लज्जित नही होते । इसका नतीजा जो कुछ होगा, वह आप से छिपा नही ह ।

ऐंथ्वनी क्या होगा ?

हार्निस समझौता—यही बराबर होता है ।

स्कॅटलवरी आप मजदूरो को यह नही समझा सकते कि हमारा और उनका एक ही स्वाथ ह ?

हार्निस (घूमकर व्यग से) अगर यह बात ठीक होती ता मैं उन्हे समझा सकता था ।

वाइल्डर देखो हार्निस, तुम बुद्धिमान हो और साम्यवादिया के उन गोरखधधो को नही मानते जिनकी आजकल धूम मची हुई है । उनके और हमारे दिल में जरा भी अन्तर नही है ।

हार्निस मैं आप से एक बहुत सीधा-सादा, छोटा-सा प्रश्न करता हूँ । आप मजदूरो को उससे एक कौडी भी ज्यादा देंगे जितना आपको लाचार होकर देना पडेगा ?

[ वाइल्डर चुप रहता है। ]

वेंकलिन (उसी स्वर में) मेरा तुच्छ विचार तो यह ह कि आदमियो का उतनी ही मजदूरी देना जितना जरूरी हो, वाणिज्य का क, ख, ग ह।

हार्निस (व्यग से) हाँ, मालूम तो यही होता है कि वह वाणिज्य का क, ख, ग है और यही वाणिज्य का क, ख, ग आपके हित को मजदूरो के हित से अलग किए हुए ह।

स्कॅटलवरी (धीरे से) हमे कुछ निश्चय कर लना चाहिए।

हार्निस (रुखाई से) ता यह तय हो गया कि बोर्ड मजदूरो के साथ काई रिम्रायत न करेगा ?

[ वेंकलिन और वाइल्डर कुछ बोलने के लिये आगे झुकते हैं, पर रुक जाते हैं। ]

ऐंथ्वनी (सिर हिलाकर) हाँ।

[ वेंकलिन और वाइल्डर फिर आगे को झुकते हैं और स्कॅटलवरी यकायक गुर्रा उठता है। ]

हार्निस शायद आप कुछ कहने जा रहे थे ?

[ लेकिन स्कॅटलवरी कुछ नहीं बोलता ]

एडगार (यकायक सिर उठाकर) हमे मजदूरा की इस दशा पर बहुत खेद है।

हार्निस (बेपरवाही से) मजदूरा को आपकी दया की जरूरत नही है साहब, वह केवल न्याय चाहते है।

ऐंथ्वनी तो उन्हें न्यायी बनाओ।

हार्निस 'न्यायी' की जगह 'दीन' कहिए मि० ऐंथ्वनी। मगर वह क्यो दीन बनें ? यह सयोग की बात है कि उनके पास धन नही है, नही तो आप लागो ही जैसे मनुष्य वे लोग भी है।

ऐंथ्वनी ढोंग है!

हार्निस खैर, मैं पाँच साल अमेरिका मे रह चुका हूँ। इसमे आदमी के विचारा पर असर पडता ही है।

स्कॅटलबरी (मानो अपनी अधूरी गुर्राहट की कसर निकालने के लिये) मजदूरा को भीतर बुलाकर सुनना चाहिए कि वह क्या कहते ह।

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है और अण्डरवुड इकहरे दरवाजे से बाहर जाता है। ]

हार्निस (बेपरवाही से) आज शाम को मेरी उन लागो से बातचीत होगी। इसलिए मैं आपसे अर्ज करूँगा कि जब तक वह परी न हो जाय आप

लोग कोई तोड न करें।

[ ऐंथ्वनी फिर सिर हिलाता है, और अपना ग्लास उठाकर पीता है ।

[ अ डरवुड फिर अन्दर आता है। उसके पीछे-पीछे राबट, ग्रीन बलजिन, टामस, और राउस आते हैं। वे हाथ में हाथ मिला कर एक कतार में चुपचाप खडे हो जाते हैं। राबट दुबला, औसत क़द का आदमी है, उसकी पीठ कुछ झुकी हुई है। उसकी खसखसी भूरी दाढी है, गाल की हड्डियाँ ऊँची, गाल पिचके हुए, आँखें तेज और छोटी। वह एक पुराना चरबी के दागों से भरा हुआ नीले सज का कोट पहिने हुए है। उसके हाथ में पुरानी टोपी है। वह सभापति के समीप ही खडा होता है। उसके बाद ग्रीन है। उसका चेहरा मुरझाया और मुडा हुआ है, छोटी सफेद बकरियों की सी दाढी है और नीचे झुकी हुई मूछें, शा त और निष्कपट आखो के ऊपर लोहे की ऐनक लगाए हुए है। वह एक ओवरकोट पहिने है, जो पुराना होने से हरा हो गया है। उसके बाद बलजिन है जो एक लम्बा मजबूत, काली मूछों वाला और मजबूत कल्ले का आदमी है। वह एक लाल मफलर पहिने हुए और अपनी टोपी को इस हाथ से उस हाथ बदलता रहता है। उसके बग़ल में टामस है। वह बुड्ढा आदमी है जिसकी मूछें पकी हुई हैं, डाढी घनी और चेहरे पर झुरियाँ पडी हुई हैं। उसके दाहिनी तरफ राउस है वह पाँचों से छोटा है और सिपाही सा दीखता है, उसकी आखें चमकदार हैं। ]

अन्डरवुड (इशारा करके) राबट, दीवार से मिली हुई वह कुर्सिया है, उन्हें खीच ला और बैठो।

राबट घ यवाद, मिस्टर अ डरवुड हम बोड के सामने खडे ही रहेंगे।

[ वह कडी आवाज में बातें करता है और उसका उच्चारण विदेशियों जैसा है। ]

कसा मिजाज ह मिस्टर हार्निस ? आज शाम तक तो आशा न थी कि आप से भेंट हागी।

हार्निस (दृढता से) ता हम फिर मिल लेंगे राबट।

राबट बडे आनन्द की बात है। हमारा कुछ सदेशा ह। उसे आप अपनी सभा तक पहुँचा दीजिएगा।

ऐंथ्वनी ये लोग क्या चाहते हैं ?

रावर्ट (तीव्र स्वर में) जरा फिर कहिए, मैं चेयरमन की बात नही सुन पाया।

टेंच (सभापति की कुर्सी के पीछे से) सभापति यह जानना चाहते हैं कि आप मिया को क्या कहना है।

रावर्ट हम यहाँ यह सुनने के लिए आए हैं कि बोर्ड को क्या कहना है। पहिले बोर्ड को बोलना चाहिए।

एंथ्वनी बोर्ड को कुछ नही कहना है।

रावर्ट (मजदूरों की पंक्ति की ओर देखकर) ऐसी दशा में हम डाइरेक्टरों का समय नष्ट नही करना चाहते। हमें इस कीमती गालीचे पर से अपने पैर उठा लेने चाहिए।

[ वह घूमता है और मजदूर भी धीरे धीरे चलते हैं, मानो सम्मोहित हो गए हों। ]

वेंकलिन (नर्मी से) सुनो रावर्ट, तुमने हमें इस जाड़े-पाले में इतना ही कहने के लिए तो नही बुलाया। हमने कितना लम्बा सफर किया है।

टामस (जो वेल्स का रहने वाला है) नही साहब, और मैं यह कहता हूँ—

रावर्ट (तीव्र कंठ से) हाँ हाँ टामस, बोलो क्या कहते हो ? डाइरेक्टरों से बातें करने के लिए तुम मुझसे कहीं अच्छे हो।

[ टामस चुप हो जाता है। ]

टेंच सभापति कहते हैं कि मजदूरों ही ने इस बैठक के लिए कहा था। इसलिए बोर्ड सुनना चाहता है कि वे क्या कहते हैं।

रावर्ट अगर मैं उनकी दुःख कहानी कहने लगूं तो आज पूरी न होगी। और आप में से कुछ लोग पछताएँगे कि लन्दन के महल छोड़कर न आते तो अच्छा होता।

हार्निस तुम्हारा मतलब क्या है जी। बेमतलब की बातें न करो।

रावर्ट आप मतलब की बात चाहते हैं मिस्टर हार्निस, तो आज इस बैठक के पहिले जरा यहाँ की सैर कीजिए।

[ वह मजदूरों की ओर देखता है, उनमें से कोई नहीं बोलता ]

तो तुम्हें बड़े अच्छे अच्छे दृश्य दिखाई देंगे।

हार्निस बहुत अच्छा दोस्त, मगर देखो टाल मत देना।

रावर्ट (मजदूरों से) हम लोग मिस्टर हार्निस को टालेंगे नही। भोजन के साथ थोड़ी शाम्पेन भी लीजियेगा। आपको इसकी जरूरत पड़ेगी।

हार्निस अच्छा, अब कुछ काम करना चाहिए।

टामस यह समझ लीजिए कि हम जो कुछ माँगते हैं वह सीधा-सादा न्याय है।

रावट (जहरीले स्वर में) लन्दन से न्याय ? क्या बकते हो हेनरी टामस, पागल तो नहीं हो गए हो ?

[ टामस चुप है । ]

हम खूब जानते हैं कि हम क्या हैं—मरभुखे कुत्ते—जिन्हें कभी सताप नहीं होता—सभापति ने मुझसे लदन में क्या कहा था ? 'तुम जानते ही नहीं कि तुम क्या कह रहे हो । तुम मूर्ख गँवार आदमी हो । और उन आदमियों के विषय में कुछ नहीं जानते जिनके पक्ष में तुम खड़े हो ।"

एडगार आप तो विषय से दूर चले जा रहे हैं ।

ऐंथ्वनी (हाथ उठाकर) रावट मालिक एक ही हो सकता है ।

रावर्ट तो फिर हम ही मालिक होंगे ।

[ सब चुप हो जाते हैं, ऐंथ्वनी और रावट एक दूसरे से आँखें मिलाते हैं । ]

अन्डरवुड रावट, अगर तुम्हें डाइरेक्टरों से कुछ नहीं कहना है, तो ग्रीन या टामस को मजदूरों की तरफ से क्या नहीं बोलने देते ।

[ ग्रीन और टामस चिन्तित भाव से रावट को, एक दूसरे को, और दूसरे आदमियों को देखते हैं । ]

ग्रीन (जो अँगरेज है) महाशयो अगर आप लोगों ने मेरी बात मानी होती—

टामस मुझे जो कुछ कहना है वही हम सब को कहना है—

रावट तुम्हें जो कुछ कहना हो कहो हेनरी टामस ।

स्कॅटलबरी (तीव्र आत्मिक अशाति के भाव से) ये बेचारे अपनी आत्मा की रक्षा भी नहीं कर सकते ।

रावर्ट और क्या ? आत्मा के सिवा उनके पास और है ही क्या ? क्योंकि देह का तो आप लोगों ने उद्धार कर दिया, मिस्टर स्कॅटलबरी ।

[ चुभती हुई आवाज में, मानो मिस्टर का शब्द निकालना ही आपत्ति है । ]

(मजदूरों से) क्यों तुम लोग बोलते हो या मैं ही तुम्हारी तरफ से बोलूँ ?

राउस (चौंककर) रावट या तो तुम्हीं बोलो या दूसरों का ही बोलने दो ।

रावट (व्यग के भाव से) धन्यवाद जॉर्ज राउस ।

[ ऐंथ्वनी की तरफ रुख करके ]

सभापति और डाइरेक्टरों के बोर्ड ने हमारी विपत्ति-कथा सुनने के

लिए लंदन से यहाँ आकर हमारा सम्मान किया है। यह उचित नहीं है कि हम उन्हें और देर यहाँ इन्तजार में रक्खें।

वाइल्डर इसके लिए ईश्वर को धन्यवाद।

राबर्ट हमारी कथा सुन लेने के बाद आप ईश्वर को धन्यवाद न देंगे, मिस्टर वाइल्डर चाहे आप कितने ही बड़े धर्मात्मा हों। सम्भव है आप के लंदनी ईश्वर के पास मजदूरों की बातें सुनने के लिए समय न हो। मैंने सुना है कि वह ईश्वर बड़ा धनवान है, लेकिन यदि वह मेरी बात सुने तो उससे उसे कहीं ज्यादा ज्ञान होगा जितना कॅंसिंगटन* में हो सकता है।

हार्निस देखो राबर्ट, जिस तरह तुम अपने ईश्वर को पूज्य समझते हो, वैसे ही दूसरे आदमियों के ईश्वर को भी समझो।

राबर्ट यह ठीक है साहब, हमारा यहाँ दूसरा ही ईश्वर है। मैं समझता हूँ कि वह मिस्टर वाइल्डर के ईश्वर से भिन्न है। हेनरी टामस से पूछो वह बतायेंगे कि उनका और वाइल्डर का ईश्वर एक है या दो।

[ टामस अपना हाथ उठाता है, और सिर ऊँचा कर लेता है, जैसे कोई भविष्यवाणी कर रहा हो। ]

वेंकलिन राबर्ट, ईश्वर के लिए, मूल विषय ही पर रहो।

राबर्ट मेरे विचार में तो यही मूल विषय है, मिस्टर वेंकलिन। अगर आप लंदन के ईश्वर को श्रम की गलियों में ले आएँ और इसका ध्यान रक्खें कि वह क्या-क्या देखता है, तो मैं आप की सज्जनता का कायल हो जाऊँगा, हालाँकि आप रेडिकल (स्वतन्त्रतावादी) हैं।

ऐंथ्वनी मेरी बात सुनो, राबर्ट,

[ राबर्ट चुप हो जाता है। ]

तुम यहाँ आदमियों की तरफ से बोलने आए हो जैसे मैं बोर्ड की तरफ से बोलने आया हूँ।

[ वह धीरे धीरे इधर-उधर ताकता है। ]

[ वाइल्डर, वेंकलिन और स्कैंटलबरी विरोध के भाव प्रकट करते हैं और एडगार जमीन की तरफ ताकता है। हार्निस के चेहरे पर हल्की मुसकुराहट आ जाती है। ]

अब बोलो तुम क्या कहते हो ?

---

*कॅंसिंगटन—लन्दन में अमीरों का एक महल्ला।

रावट जी हाँ ठीक है—

[ इसके बाद जो कुछ होता है उसमें वह और ऐंथ्वनी एक दूसरे पर आँखें जमाए रहते हैं। मजदूर लोग और डाइरेक्टर भिन्न-भिन्न रीति से अपने छिपे हुए उद्वेग प्रगट करते हैं, मानो वे ऐसी बातें सुन रहे हैं जो वे खुद न कहते। ]

मजदूर लदन तक जाने की सामथ्य नही रखते और उन्हें विश्वास नही है कि वे जो कुछ लिखकर देंगे उसे आप लोग न मानेंगे। पत्र व्यवहार का हाल भी उन्हें मालूम है।

[ वह अन्डरवुड और टेंच को घूरकर देखता है। ]

और डाइरेक्टरो की बठको का हाल भी उनसे छिपा नही ह। मैनेजर से कफियत तलब करो—मैनेजर से पूछा जाय, कि मजदूरो की हालत क्या ह। क्या हम उन्हे और कुछ दबा सकते हैं ?

अन्डरवुड (धीमी आवाज़ में) कमर के नीचे वार मत करो, रावट।

राबर्ट क्या यह कमर के नीचे ह, मिस्टर अन्डरवुड ? मज़दूरो से पूछो जब मैं लदन गया था तो मैंने सब हाल साफ-साफ कह दिया था। पर उसका फल क्या हुआ ? मुझसे कह दिया गया कि तुम खुद नही जानते क्या कहते हो। मुझम यह सामथ्य नही ह कि वही बात सुनने के लिए फिर लदन जाऊँ।

ऐंथ्वनी तुम्हें आदमियो के विषय म क्या कहना ह ?

राबट पहिले मुझे उनकी दशा बतलानी ह। आप लागो को इसकी जरूरत नही है कि मैनेजर से पूछ। अब आप उन्हें और नही दबा सकते। हमम से हर एक भूखा मर रहा है।

[ मजदूर लोग चकित हो होकर एक दूसरे के कान में कुछ कहने लगते हैं। रावट चारों तरफ देखता है। ]

आपको आश्चय होगा कि मैं यह क्यो कह रहा हूँ ? हम सभी का बुरा हाल है। इधर कई हफ्तो से हमारी जो दशा ह उससे हीन मब हो ही नही सकती। आप लाग यह न समझें कि कुछ दिन और अड़े रहने से आप हमें काम करने पर मजबूर कर देंगे। इसके पहिले हम लोग प्राण द देंगे। मजदूरो ने आप लोगो को यह अतिम सूचना देने को बुलाया ह, कि आप लोग उनकी माँगें स्वीकार करते हैं या नही ? मैं मत्री के हाथ मे कागज का ताव दख रहा हूँ।

[ टेंच कुछ घबरा जाता है। ]

यह वही है न मिस्टर टॅंच ? यह ता बहुत बडा नही है ।

टॅंच (सिर हिलाकर) हाँ ।

राबर्ट उस कागज पर एक वाक्य भी ऐसा नही है जिसे हम छोड सकें ।

[ आदमियों में कुछ हलचल होती है, राबर्ट चमककर उनकी तरफ देखता है । ]

आप लोग इसे मानते है न ?

[ मजदूर लोग अनिच्छा से स्वीकार करते हैं । ऐंथ्वनी टॅंच से कागज लेकर पढता है । ]

एक वाक्य भी नही । इनमें से कोई माँग ऐसी नही ह जा अनुचित कही जा सके । हमने कोई बात ऐसी नही माँगी है जिसका हम हक न हा । मैंने लन्दन म जो कुछ कहा था वही अब फिर कहता हूँ । उस कागज पर कोई ऐसी बात नही है जिसे माँगने या देने में किसी शरीफ आदमी का सकोच हो ।

[ कुछ सोचने लगता है ]

ऐंथ्वनी इस कागज पर एक माँग भी ऐसी नही है, जो हम लोग पूरी कर सकें ।

[ इन शब्दों के बाद जो हलचल मच जाता है, उसमें राबर्ट डाइरेक्टरों को ध्यान से देखता है और ऐंथ्वनी मजदूरों को । वाइल्डर यकायक उठ जाता है और आग की तरफ जाता है । ]

राबर्ट यह आप दिल म कहते हैं ।

ऐंथ्वनी हाँ ।

[ वाइल्डर आग के पास खडा स्पष्ट रूप से घृणा का भाव दिखाता है । ]

राबर्ट (गहरी निगाह से देखता हुआ पर उदासीन भाव से) आप लोग खूब जानते ह कि कम्पनी की दशा आदमियो की दशा से अच्छी ह या नही ।

[ डाइरेक्टरों के चेहरों को गौर से देखकर ]

आप लाग खूब जानते ह कि आप यह अन्याय कर सकते ह या नही । लेकिन मैं यह आपसे कहूँगा अगर आप लोग सोचते ह कि मजदूर जौ भर भी दबेंगे तो आप लोग भयकर भूल करते ह ।

[ स्कॅंटलबरी के चेहरे पर आखें जमा देता है । ]

यह बडे शम की बात ह कि यूनियन हमारी मदद नही कर रहा ह ।

इससे आप लोग यह सोचते होगे कि हम लोग एक शुभ मुहूर्त म आपके पैरो पर गिर पड़ेंगे। आप लोग सोचते हैं कि इन आदमियो के बाल-बच्चे हैं इसलिए यह दो-एक हफ्तो ही का मामला है—

ऐंथ्वनी हमारे क्या विचार हैं अगर तुम इसे मन ही में रक्खो तो अच्छा।

राबर्ट हाँ, मैं जानता हूँ कि इससे हमें कुछ फायदा नही है। मिस्टर ऐंथ्वनी मैं आपकी इतनी तारीफ तो जरूर करूँगा कि आप जो कुछ कहते ह स्पष्ट कहते हैं।

[ ऐंथ्वनी की ओर देखकर ]

मुझे आपकी ओर से कोई भ्रम नही है।

ऐंथ्वनी (व्यंग से) धन्यवाद।

राबर्ट और मैं भी जो कुछ कहता हूँ स्पष्ट ही कहता हूँ। सुन लीजिए, मजदूर लोग अपनी बीबी-बच्चा को किसी देहात में भेज देंगे और चाहे भूखा मर जायें, मगर हार न मानेंगे। मैं आपको सलाह देता हूँ मिस्टर ऐंथ्वनी, कि आप कम्पनी का सर्वनाश देखने के लिए तयार रहिए। आप सोचते होगे कि यह लोग मूर्ख हैं। लेकिन हम हवा का रुख देख रहे हैं। आपकी दशा बहुत अच्छी नही है।

ऐंथ्वनी कृपा करके हमारी दशा के बारे में अपनी राय मत प्रगट करो। जाओ और अपनी दशा पर फिर विचार करो।

राबर्ट (आगे बढ़कर) मिस्टर ऐंथ्वनी, अब आप जवान नही ह। जबसे मुझ याद ह, आप हमेशा अपने मजदूरो का शत्रु समझते आए हैं। मैं यह नहीं कहता कि आप कमीने या निर्दयी आदमी ह, लेकिन आपने कभी उन्हें अपने विषय में एक शब्द कहने का भी अवसर नही दिया। आप उन्हें चार बार नीचा दिखा चुके हैं। मैंने यह भी सुना है कि आपको लड़ाई अच्छी लगती ह। लेकिन मैं आपस कहे देता हूँ कि यह आपकी आखिरी लड़ाई है।

[ टैंच राबर्ट की आस्तीन छूता है। ]

अन्डरवुड राबर्ट, राबर्ट!

राबर्ट क्या राबर्ट-राबर्ट कर रहे हो? जब सभापति अपने मन की बात मुझस कहते ह तो मैं क्यो अपनी बात न कहने पाऊँ?

वाइल्डर आज क्या होने वाला है?

[ ऐंथ्वनी की ओर देखता है। ]

ऐंथ्वनी (वाइल्डर की ओर देखकर वृद्धता से मुसकुराता है) हाँ-हाँ, कहो

राबट, जो कुछ जी में आवे कहो।

राबर्ट (जरा ठहरकर) अब मुझे कुछ नही कहना है।

ऐंथ्वनी यह बठक पाच वजे तक के लिए स्थगित है।

वकलिन (अडरवुड से धीमी आवाज में) इस तरह तो हम कुछ भी न त कर सकेंगे।

राबट (चुटकी लेकर) हम सभापति और डाइरेक्टरो को धन्यवाद देते है कि उन्होने दया करके हमारी दशा सुन ली।

[ वह धीरे धीरे द्वार की तरफ जाता है। मजदूर लोग भौंचक्के होकर एक जगह जमा हो जाते हैं। तब राउस अपना सिर उठाकर राबट के सामने से होता हुआ बाहर चला जाता है। उसके पीछे और आदमी भी चले जाते हैं। ]

राबट (दरवाजे पर हाथ रखकर—कटुता से) बन्दगी साहबो।

[ चला जाता है। ]

हार्निस (चुटकी लेता हुआ) आप लोगो ने जो रवादारी का भाव प्रकट किया है, उस पर मैं आपको बधाई देता हूँ। आपके आज्ञानुसार मैं फिर ५॥ बजे आऊँगा। बन्दगी।

[ वह कुछ सिर झुकाकर ऐंथ्वनी को ध्यान से देखता है। ऐंथ्वनी भी स्थिर भाव से उसकी ओर ताकता है। तब हार्निस और अडरवुड दोनों बाहर चले जाते हैं। एक क्षण सन्नाटा छाया रहता है। अडरवुड डयोढी में फिर आता है। ]

वाइल्डर (बुरी तरह चिढकर) अब ?

[ दुहरे दरवाजे खुल जाते हैं ]

एनिड (डयोढी में खडी होकर) भोजन तयार है।

[ एडगार यकायक उठकर अपनी बहिन के पास होता हुआ बाहर चला जाता है। ]

वाइल्डर क्या स्कॅटलबरी भोजन करने आते हो ?

स्कॉटलबरी (कठिनता से उठकर) हाँ-हाँ, इससे सिवा और क्या करना ह।

[ वे दुहरे दरवाजे से बाहर चले जाते हैं। ]

वेंकलिन (आहिस्ता से) क्यो सभापति जी क्या आप सचमुच अत तक लडना चाहते ह ?

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है। ]

वेंकलिन हाशियार रहिए। कब दबना चाहिए यह जान लेना सबसे बडा

सिद्धि है।

[ ऐंथ्वनी कोई जवाब नहीं देता ]

वेंकलिन (बड़ी गंभीरता से) यही विनाश का मार्ग है। मिसेज अन्डरवुड, तुम्हारे पिता जी ने पुराने जमाने के ट्रोजनों को भी मात कर दिया।

[ वह दुहरे दरवाजे से चला जाता है। ]

एनिड मैं पिता जी से कुछ बातें करना चाहती हूँ फ्रंक।

[ अन्डरवुड और वेंकलिन दोनों बाहर चले जाते हैं। टेंच मेज की चारों तरफ घूमकर फैले हुए क़लमों और कागज़ों को सँभालकर रख रहा है। ]

एनिड क्या आप नहीं आ रहे हैं दादा?

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाकर नहीं कहता है। एनिड टेंच की तरफ मार्मिक भाव से देखती है। ]

एनिड क्यों मिस्टर टेंच, आप कुछ भोजन करने नहीं जा रहे हैं?

टेंच (हाथ में कागज़ लिए हुए) धन्यवाद।

[ वह पीछे ताकता हुआ धीरे धीरे चला जाता है। ]

एनिड (दरवाजे को बन्द करके) दादा, मामला त हो गया न?

ऐंथ्वनी नहीं।

एनिड (बहुत निराश होकर) अरे! क्या आप लोगों ने कुछ नहीं किया?

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाकर नहीं करता है। ]

एनिड फ्रंक कहते हैं कि राबर्ट के सिवा और सबके सब कुछ समझौता करना चाहते हैं। सच!

ऐंथ्वनी मैं नहीं करना चाहता।

एनिड हम लोगों के लिए यह स्थिति बहुत ही भयंकर है। अगर आप मैनेजर की स्त्री होते, और यहां का सारा हाल अपनी आंखों से देखते, तो आपकी आँखें खुल जाती।

ऐंथ्वनी सच?

एनिड हमें सारी दुर्गति देखनी पड़ती है। आपको मेरी नौकरानी एनी का ख्याल आता है, जिसने राबर्ट से विवाह किया था?

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है। ]

उसकी दशा बहुत ही खराब है। उसको दिल की बीमारी है। जब से हड़ताल शुरू हुई उसे ठीक भोजन भी नहीं मिल रहा है। मेरी आँखों देखी बात है दादा।

उसे जिस चीज की जरूरत हो दे दो।

ऐंथ्वनी गरीब है बेचारी, उसे हम लोगों से कोई चीज न लेने देगा।

एनिड राबर्ट उसे हम लोगों से कोई चीज न लेने देगा।

ऐंथ्वनी (सामने ताकता हुआ) अगर मजदूर लोग जान देने पर तुले हैं तो मेरा क्या दोष है?

एनिड सबके सब कष्ट में हैं दादा। मेरी खातिर से इसे बन्द कर दो।

ऐंथ्वनी (उसे तीव्र दृष्टि से देखकर) बेटी, तुम इस बात को न समझ सकोगी।

एनिड अगर मैं डाइरेक्टर होती, तो कुछ न कुछ जरूर ही करती।

ऐंथ्वनी क्या करती?

एनिड इस झगड़े का कारण यही है कि आपको दबना बुरा लगता है। यह बिलकुल—

ऐंथ्वनी हाँ हाँ कहो।

एनिड बिलकुल अनावश्यक है।

ऐंथ्वनी तुम क्या जानती हो कि कौन सी बात आवश्यक है? अपने उपन्यास पढ़ो, गाना गाओ, गपशप करो, मगर मुझे यह बतलाने की चेष्टा मत करो कि इस टंटे का कारण क्या है।

एनिड मैं यहाँ रहती हूँ और सब कुछ आँखों से देखती हूँ।

ऐंथ्वनी तुमने कभी सोचा है कि जिन लोगों पर तुम्हें इतनी दया आ रही है, उनके और हमारे बीच में कौन सी दीवार खड़ी है?

एनिड (उदासीनता से) मैंने आपका मतलब नहीं समझा, दादा।

ऐंथ्वनी अगर वह लोग जिन्हें ईश्वर ने आँखें दी हैं परिस्थिति को न देखें और अपने हक के लिए खड़े होने का साहस न करें तो थोड़े ही दिनों में तुम्हारी और तुम्हारे बाल बच्चों की दशा इन्हीं आदमियों जैसी हो जायगी।

एनिड, मजदूरों की जो दशा है उसे आप नहीं जानते।

ऐंथ्वनी खूब जानता हूँ।

एनिड आप नहीं जानते, दादा अगर आप जानते तो आप—

ऐंथ्वनी तुम खुद इस प्रश्न की सीधी सादी बातों को नहीं जानती हो। अगर हम मजदूरों की शर्तों को आँखें बन्द करके मानते चले जायँ तो समझती हो तुम्हारी क्या दशा होगी? यह दशा होगी।

[ वह अपना हाथ गले पर रखता है और उसे दबाता है। ]

पहले तुम्हारे कोमल मनोभाव विदा हो जायेंगे। तुम्हारी सभ्यता और तुम्हारी सुख सामग्रियों का कहीं पता न लगेगा।

एनिड मैं नही चाहती कि समाज में भिन्न भिन्न श्रेणियाँ बन जायँ।
ऐंथ्वनी तुम नही चाहती—कि समाज में—भिन्न भिन्न—श्रेणियाँ बन जायँ ?
एनिड (उदासीनता से) और मेरी समझ में यह नही आता कि इस मामले से उसका क्या सम्बन्ध है।
ऐंथ्वनी यह समझने के लिए तुम्हें एक या दो पुश्त चाहिए।
एनिड यह सब कुछ आप और रावट के कारण हो रहा है दादा, और आप इसे जानते हैं।
[ ऐंथ्वनी अपना नीचे का होंठ निकाल लेता है। ]
इससे कम्पनी का सर्वनाश हो जायगा।
ऐंथ्वनी इस विषय में मैं तुम्हारी राय नही माँगता।
एनिड (चिढ़कर) यह मुझसे नही हो सकता कि रावट की स्त्री यों कष्ट भोगे और मैं खड़ी तमाशा देखती रहूँ और दादा, बच्चों का भी तो ख्याल कीजिए। मैं आपको जताए देती हूँ।
ऐंथ्वनी (निर्दयता से मुसकुराकर) आखिर तुम्हारी क्या मंशा है ?
एनिड इसे आप मुझ पर छोड़ दीजिए।
[ ऐंथ्वनी केवल उसकी ओर ताकता है। ]
एनिड (बदली हुई आवाज में उसकी आस्तीन खींचती हुई) दादा, आपको मालूम है यह चिन्ता आपके लिए हानिकारक है। आपको याद है डाक्टर फिशर ने क्या कहा था ?
ऐंथ्वनी कोई बूढ़ा आदमी बूढ़ी औरतों की सी बातें सुनना पसन्द नही करता।
एनिड लेकिन अगर आपके लिए यह सिद्धान्त की ही बात हो तब भी आप बहुत कुछ कर चुके।
ऐंथ्वनी तुम्हारा यह ख्याल है !
एनिड अब इन बातों में न पड़िए दादा, आपको हमारा खयाल करना चाहिए।
[ उसके चेहरे से याचना का भाव प्रकट होता है। ]
ऐंथ्वनी रखता हूँ।
एनिड यह भार आप सह न सकेंगे।
ऐंथ्वनी (आहिस्ता से) मैं अभी मरूँगा नही विश्वास रखो।
[ टेंच कागज लेकर फिर आता है। वह उनकी तरफ कनखियों से देखता है। तब हिम्मत करके आगे बढ़ता है। ]
टेंच क्षमा कीजिएगा, मैडम, मैंने सोचा खाना खाने के पहले इन कागजों को निबटा दूँ।

[ एनिड उकताकर उसी तरफ देखती है, तब अपने बाप की ओर देखकर यकायक लौट पडती है, और दीवानखाने में चली जाती है । ]

टेंच (बहुत डरता हुआ ऐंथ्वनी के सामने काग़ज़ और क़लम रखता है ।) कृपा कर इन कागजो पर दसखत कर दीजिए ।

[ ऐंथ्वनी कलम लेकर दस्तखत करता है । ]

टेंच ( सोखते का एक टुकडा लिए एडगार की कुर्सी के पीछे खडा हो जाता है और डरते डरते बोलना शुरु करता है । ) यहाँ मुझे हुजूर ही ने नौकर रक्खा ।

ऐंथ्वनी क्या बात ह ?

टेंच यहा जो कुछ हाता है वह सब मुझे देखना पडता है । कम्पनी ही मेरा आधार ह । अगर इसमें कुछ गडबड हुआ तो मैं कही का न रहूँगा ।

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है । ]

और मेरे घर मे हाल ही में दूसरा बच्चा हुआ है, इसलिये इस समय मैं और भी चिन्तित हूँ । हमारी तरफ बाजार का भाव भी बडा तेज ह ।

ऐंथ्वनी (कठोर विनोद के साथ) हमारी तरफ भी तो बाजार भाव उतना ही तेज है ।

टेंच जी नही । (बहुत डरकर) मुझे मालूम है कि कम्पनी की आप को बडी चिन्ता है।

ऐंथ्वनी हा है । मैंने ही इसे खोला था ।

टेंच जी हा । अगर हडताल जारी रही तो बहुत बुरा होगा । मैं समझता हूँ कि डाइरेक्टरो की समझ म अब यह बात आने लगी ह ।

ऐंथ्वनी (व्यग से) सच ?

टेंच मैं जानता हूँ कि इस विषय मे आपके विचार बडे कट्टर है और कठिनाइयो का सामना करना आपकी आदत है, लेकिन मैं समझता हूँ कि डाइ-रेक्टर लोग इसे पसन्द नही करते क्योकि अब उन्हें असली हाल मालूम होने लगा है ।

ऐंथ्वनी (कठोरता से) शायद तुम्हें भी पसन्द न हागा ।

टेंच (फीकी हँसी के साथ) यह बात नही ह, हुजूर । मेरे बाल-बच्चे अवश्य हैं, और पत्नी भी बीमार ह । मेरी दशा में इन बातो का ख्याल करना लाचारी है ।

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है । ]

लेकिन मैं यह नही कह रहा था, अगर आप मुझे क्षमा करें ।

[ हिचकता है । ]

ऐंथ्वनी तो फिर कहते क्या नही ?

टेंच मेरे पिता मुझसे कहा करते थे कि आदमी जब बुड्ढा हो जाता है तो उसके दिल पर हरेक बात का गहरा असर पड़ता है ।

ऐंथ्वनी (पिता भाव से) क्या कहते हो टेंच, कहो ?

टेंच मुझे कहते अच्छा नही लगता, हुजूर ।

ऐंथ्वनी (कठोरता से) तुमको बतलाना पड़ेगा ।

टेंच (जरा दम लेकर निर्भयता से बोलता हुआ) मेरा खयाल है कि डाइरेक्टर लोग आपको दगा देंगे ।

ऐंथ्वनी (चुपचाप बैठा रहता है) घंटी बजाओ ।

[ टेंच डरता हुआ घंटी बजाता है, और आग के पास खड़ा हो जाता है । ]

टेंच यह बात कहने के लिए मुझे क्षमा कीजिए । मैं केवल आपके ख्याल से कह रहा था ।

[ फ्रास्ट बड़े कमरे से आता है, वह मेज के पाए के पास आता है, और ऐंथ्वनी की तरफ देखता है । टेंच अपनी घबराहट को छिपाने के लिए कागजों को सँभालने लगता है । ]

ऐंथ्वनी मेरे लिए ह्विस्की और सोडा लाओ ।

फ्रास्ट खाने के लिए भी कुछ लाऊँ, हुजूर ?

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाकर नहीं करता है—फ्रास्ट छोटी मेज के पास जाता है और शराब तैयार करता है । ]

टेंच (धीमी आवाज में बिलकुल गिड़गिड़ाकर) अगर आप कोई समझौता कर लेते, तो मेरा चित्त बहुत कुछ शान्त हो जाता ।

[ वह सिर उठाकर ऐंथ्वनी को देखता है, जो स्थिर भाव से बैठा रहता है । ]

सचमुच इससे मुझे बड़ी चिन्ता हो रही है । मुझे कई हफ्ता से अच्छी नींद नही आई ।

[ ऐंथ्वनी उसके चेहरे की ओर ताकता है, तब धीरे से सिर हिलाता है । ]

टेंच (निराश होकर) आपको मंजूर नही है ?

[ वह कागजों को सभालता रहता है। फ्रास्ट व्हिस्की और सोडा एक किश्ती में लाता है और ऐंथ्वनी के दाहिने हाथ के पास रख देता है। वह ऐंथ्वनी को चिन्तित आखों से देखकर अलग खडा हो जाता है। ]

फ्रास्ट क्या आप काई चीज न खायेंगे ?

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाकर नहीं करता है। ]

आपको मालूम ह कि डॉक्टर ने आप से क्या कहा था ?

ऐंथ्वनी हा, मालूम ह।

[ फ्रास्ट यकायक उसके समीप चला जाता है, और धीमी आवाज में बोलता है। ]

फ्रास्ट हुजूर, इस हडताल ने आपको बहुत चिन्ता में डाल रक्खा है। आप नाहक इसके पीछे इतने हरान हो रहे है।

[ ऐंथ्वनी कुछ शब्द मुह से निकालता है जो सुनाई नहीं देते। ]

बहुत अच्छा, हुजूर।

[ वह घूमकर हाल में चला जाता है। टैंच दोबारा बोलने की चेष्टा करता है, लेकिन सभापति से आखें मिल जाने के कारण आँखें नीची कर लेता है। तब उदास भाव से घूमकर वह भी चला जाता है। ऐंथ्वनी अकेला रह जाता है। वह गिलास उठाता है, उसे हिलाता है, और एक सास में पी जाता है। तब गहरी सास लेकर उसे रख देता है और अपनी कुर्सी पर तकिया लगा लेता है। ]

[ पर्दा गिरता है। ]

# अंक २

## दृश्य पहला

[ साढ़े तीन बजे हैं। राबट के झोंपड़े के रसोईघर में धीमी आग जल रही है। कमरा साफ और सुथरा है। ईंट का फर्श है, सफेद पुती हुई दीवारें हैं, जो धुएँ से काली हो गई हैं। सजावट के सामान बहुत थोड़े हैं। चूल्हे के सामने एक दरवाज़ा है जो अन्दर की तरफ खुलता है। दरवाज़े के सामने बर्फ से भरी हुई गली है। लकड़ी की मेज पर एक प्याला और एक तश्तरी, एक चायदान, छुरी, और रोटी और पनीर की एक रकाबी रक्खी हुई है। चूल्हे के पास एक पुरानी आरामकुर्सी है जिस पर एक चोथड़ा लपेटा हुआ है। उस पर मिसेज़ राबट बैठी हुई हैं। वह एक दुबली और काले बालोंवाली औरत है, अवस्था ३५ के लगभग होगी। आँखों से दीनता बरसती है। उसके बालों में कंघी नहीं की हुई है, पीछे की तरफ एक फीते से बांध दिए गए हैं। आग के पास ही मिसेज़ यो हैं। उसके बाल लाल और मुंह चौड़ा है। मेज के पास मिसेज़ राउस बैठी हैं। वह एक बुड्ढी औरत है, बिलकुल सफेद, बाल सन हो गए हैं। दरवाज़े के पास मिसेज़ बल्जिन इस तरह खड़ी है मानो जाने वाली हो। वह एक छोटी-सी पीले रंग की दुबली-पतली औरत है। एक कुर्सी पर कुहनियों को रक्खे और चेहरे को हाथों से थामे मेज टामस बैठी हुई है। वह बाईस साल की रूपवती स्त्री है। उसके गाल की हड्डियाँ ऊँची हैं, आँखें गहरी, और बाल काले और उलझे हुए। वह न बोलती है, न हिलती है, केवल बातें सुन रही है। ]

मिसेज़ यो बस, उसने मुझे छ पेन्स दिये और इस हफ्ते में मुझे पहिली बार

इन्हीं पैसों से दर्शन हुए। यह भाग बहुत मन्द है। मिसेज राउस मानर हाथ पैर मेंव सा। तुम्हारा चेहरा बर्फ की तरह सफेद हो गया है, सच !

मिसेज राउस (कांपती हुई शान्त भाव से) होगा। लेकिन असली सर्दी तो उसी साल पड़ी जिस दिन मेरे बूढ़े पति यहाँ नौकर हुए। ७६ का साल था जबकि तुम में से किसी का जन्म भी न हुआ होगा, न मेज टामस का न मिसेज बल्जिन का।

[ उनकी ओर बारी-बारी से देखती है ]

क्या एनी रावट, उस वक्त तुम्हारी क्या उम्र थी ?

मिसेज रावट सात साल।

मिसेज राउस बस सात साल। तब तो तुम बिलकुल बच्ची थी।

मिसेज यो (घमंड से) मेरी उम्र दस साल की थी। मुझे याद है।

मिसेज राउस (शान्त भाव से) तब कम्पनी को खुले हुए तीन साल भी न हुए थे। दादा तेजाब घर में काम करते थे। वहीं उनकी टाँग सड़ गई थी। मैं उनसे कहती थी, दादा, तुम्हारा टाँग सड़ गई है, वह कहते थे सड़ या गले, मैं खाट पर नहीं पड़ सकता। और दो दिन के बाद उन्होंने खाट पकड़ ली और फिर न उठे। ईश्वर की मर्जी थी। तब हर्जाने वाला कानून न था।

मिसेज यो क्या उस जाड़े में कोई हड़ताल नहीं हुई थी ?

[ फिर विकट हास्य के भाव से ]

यह जाड़ा तो मेरे लिए बहुत बुरा है। क्या मिसेज रावट, सर्दी खूब पड़ रही है या अभी जी नहीं भरा ? क्या मिसेज बल्जिन, भूख लगी है न ?

मिसेज बल्जिन चार दिन हुए हमने रोटी और चाय खाई थी।

मिसेज यो शुक्र की धुलाई वाला काम तुम्हें मिला या नहीं ?

मिसेज बल्जिन (दुखी होकर) उन्होंने मुझे काम देने का वायदा तो किया था, लेकिन जब मैं शुक्रवार को गई तो कोई जगह ही न थी। अब मुझे अगले हफ्ते में फिर जाना है।

मिसेज यो अच्छा ! वहाँ भी आदमियों की भरमार है। मैं तो यो को बर्फ के मैदान में भेज देती हूँ कि अमीरों को बर्फ पर चलाए। जो कुछ मिल जाय वही सही। उन्हें घर की चिन्ता से तो छुट्टी मिल जाती है।

मिसेज बल्जिन (रूखी और उदास आवाज से) मर्दों को तो जाने दो, लडकों का हाल और भी बुरा है। मैं तो उन्हे सुला देती हूँ। पडे रहने से भूख कुछ कम लगती है लेकिन रो रोकर सब नाक म दम कर देते हैं।

मिसेज यो तुम्हारे लिए तो इतनी कुशल ह कि बच्चे छोटे छोटे हैं। जो पढने जात ह उन्हे तो और भी भूख लगती है। क्या बल्जिन तुम्हें कुछ नही दते ?

मिसेज बल्जिन (सिर हिलाकर नहीं करती है, तब कुछ सोचकर) कुछ बस ही नही चलता तो क्या करें ?

मिसेज यो (बनावट से) क्या कम्पनी में उनके हिस्से नही हैं ?

मिसेज राउस (उठकर कापती हुई, किन्तु प्रसन्नमुख से) अच्छा अब चलती हूँ, एनी राबट।

मिसज राबट ठहरो, जरा चाय तो पीती जाओ।

मिसेज राउस (कुछ मुसकुराकर) राबट आएगा तो वह भी तो चाय पिएगा। मै तो जाकर खाट पर पड रहूँगी। खाट ही पर बदन में गर्मी आवेगी।

[ लडखडाती हुई द्वार की ओर चलती है ]

मिसेज यो (उठकर उसे हाथ का सहारा देती हुई) आओ अम्मा, मेरा हाथ पकड लो। यही तो हम सब की गति होगी।

मिसेज राउस (हाथ पकडकर) अच्छा, खुश रहो बेटियो !

[ दोनों चली जाती हैं, पीछे मिसेज बल्जिन भी जाती है। ]

मेज (अब तक चुप रहने के बाद बोलती है) देखा एनी। मैंने जाज राउस से कहा—जब तक यह हडताल बन्द न हो जाय मेरे पीछे न पडो। तुम्हें शम नही आती कि तुम्हारी माँ मर रही है और घर मे लकडी का नाम नही। हम चाहे भूखो मर ही जायँ लेकिन तुम्ह तम्बाकू पीने को चाहिए। उसने कहा— मेज, मैं कसम खाता हूँ कि इन तीन हफ्ता से न तम्बाकू की सूरत देखी न शराब की। मैंने कहा, फिर क्या अपनी जिद पर अडे हुए हो ? बोला, 'मैं राबट की बात का नही दुलख सकता। बस जहाँ देखो राबट-राबट ! अगर वह न बोले, तो आज हडताल बन्द हो जाय। उसकी बातें सुनकर सबो पर नशा चढ जाता ह।

[ वह चुप हो जाती है। मिसेज राबट के मुख से दु ख का भाव प्रगट होता है। ]

तुम यह कब चाहोगी कि राबर्ट हार जाय। वह तुम्हारा स्वामी है। साये की तरह सबके पीछे लगा रहता है।

[ मिसेज राबट की ओर देखकर मुह बनाती है। ]

जब तक राउस राबट से अलग न हो जायगा, मैं उससे बात न करूँगी। अगर वह उसका साथ छोड दें, तो फिर सब छोड दें। सब यही चाह रहे हैं कि कोई आगे चले। दादा उनसे बिगडे हुए हैं—सबके सब मन में उन्हें गालियाँ देते हैं।

मिसेज राबट तुम्हें राबर्ट से इतनी चिढ है।

[ दोनों चुपचाप एक दूसरे की ओर ताकती हैं। ]

मेज क्यो न चिढूँ ? जिनकी माँ और बच्चे इधर-उधर ठोकरें खाते फिरते हो उन्हें यह जिद शोभा नही देती—सब कायर है।

मिसेज राबट मेज !

मेज (मिसेज राबट को चुभती हुई आखो से देखकर) समझ में नही आता तुम्हें कैसे मुह दिखाता है।

[ आग के सामने बैठकर हाथ सेंकती है। ]

हार्निस फिर आ गया। आज सबो को कुछ न कुछ निश्चय करना पडेगा।

मिसेज राबट (नम्र, धीमी आवाज में) राबट इंजीनियरों और भट्टीवाला का पक्ष न छोडगे। यह उचित नहीं है।

मेज मैं इन बातो मे नही आने की। यह उसका घमण्ड है !

[ कोई द्वार खटखटाता है। दोनों औरतें घूमकर उधर देखती हैं। एनिड अन्दर आती है। वह एक गोल ऊन की टोपी पहिने हुए हैं, और गिलहरी की खाल का एक जाकिट। वह दरवाजा बन्द करके आती है। ]

एनिड मैं अन्दर आऊँ, ऐनी !

मिसेज राबर्ट (झिझककर) आप है मिस एनिड ! मेज, मिसेज अण्डरवुड को कुर्सी दो।

[ मेज एनिड को वही कुर्सी देती है जिस पर आप बैठी हुई थी। ]

एनिड धन्यवाद ! अब तबीयत कुछ अच्छी है ?

मिसेज राबर्ट हाँ मालकिन, अब तो कुछ अच्छी हूँ।

एनिड (मेज की ओर इस तरह देखती है, मानो उससे कह रही है, तुम चली

जाओ) तुमने मुरब्बे क्यो लौटा दिए ? यह तुमने अच्छा नही किया ।

मिसेज राबर्ट आपने मुझ पर बडा अनुग्रह किया लेकिन मुझे उसकी जरूरत नही थी ।

एनिड ठीक ह । यह राबट की करतूत होगी । ह न ? तुम लागो का इतना कष्ट सहते उनसे कैस देखा जाता है ।

मेज (चौंककर) कैसा कष्ट ?

एनिड (चकित होकर) क्या मैं कुछ झूठ कहती हूँ ?

मेज कौन कहता है कि हमें कष्ट है ?

मिसेज़ राबर्ट मेज !

मेज (अपना शाल सिर पर डालकर) हमारे बीच में बोलने वाली आप कौन होती ह ? हम नही चाहते कि आप हमारे घर में आकर ताक-झाक करें ।

एनिड (उसे क्रोध से देखकर लेकिन बगैर उठे हुए) मैं तुमसे नही बोलती ।

मेज (गुस्से से भरी हुई, नीची आवाज में) आपका दया भाव आपको मुबारक रहे । आप समझती हैं कि आप हम लोगा में मिल सकती ह । लेकिन यह आपकी भूल ह । जाकर मनेजर साहब से कह देना ।

एनिड (कठोर स्वर में) यह तुम्हारा घर नही हैं ।

मेज (द्वार की ओर घूमकर) नही यह मेरा घर नही ह । मेरे मकान मे कभी न आइयेगा ।

[ वह चली जाती हैं, एनिड कुर्सी को उँगलियो से खटखटाती है । ]

मिसेज राबर्ट मेज टामस का क्षमा कीजिए, हुजूर ! वह आज बहुत दु खी है ।

एनिड (उसकी ओर देखकर) उसकी क्या बात है, मैं तो समझती हूँ सब के सब मूर्ख ह, काठ के उल्लू ।

मिसेज राबर्ट (कुछ मुसकुराकर) है तो ।

एनिड क्या राबट बाहर गए है ?

मिसेज़ राबर्ट जी हा !

एनिड यह उन्ही की करतूत ह कि कोई बात तय नही होती । झूठ तो नही ह ।

मिसेज राबट (एनिड की ओर ताकती हुई और एक हाथ की उँगलियों को अपनी छाती पर हिलाते हुए) लोग कहते है कि तुम्हारे बाप

एनिड मेरे बाप अब बुड्ढे हो गए ह और तुम बुड्ढे आदमियो का स्वभाव

जानती हो।

मिसेज़ राबर्ट  मुझे खेद है कि मैंने यह बात छेड़ा।

एनिड  (और नर्मी से) तुमने वाजिबी बात कही। तुमको इसका खेद क्या हो? मैं जानती हूँ कि इसमें राबट का भी दोष है और मेरे पिता का भी।

मिसेज़ राबर्ट  मुझे बूढ़े आदमियों पर दया आती है हुज़ूर। बुढ़ापे से ईश्वर बचाए। मैं तो मिस्टर ऐंथनी को हमेशा बहुत ही नेक आदमी समझती थी।

एनिड  (भावुकता से) तुम्हें याद नहीं है वह तुम्हें कितना चाहते थे? अब बतलाओ एनी मैं क्या करूँ? मुझे कोई नहीं बताता। तुम्हें जिन चीज़ों की जरूरत है वह यहाँ एक भी मयस्सर नहीं!

[ आग के पास जाकर वह डेगची उतार लेती है और कोयला ढूँढ़ने लगती है। ]

और तुम इतनी मनहूस हो कि झोल और सारी चीज़ें लौटा दीं।

मिसेज़ राबर्ट  (कुछ मुसकुराकर) हाँ हुज़ूर!

एनिड  (झुँझलाकर) क्या तुम्हारे यहाँ कोयला भी नहीं है?

मिसेज़ राबर्ट  कृपा करके पतीली को फिर ऊपर रख दो। राबट आयेंगे तो उन्हें चाय के लिए देर हो जायगी। चार बजे उन्हें मजूरों से मिलना है।

एनिड  (डेगची ऊपर रखकर) इसका अर्थ यह है कि वह फिर मजूरों का मिज़ाज गर्म कर देंगे। क्यों एनी तुम उनको मना नहीं कर सकती?

[ मिसेज़ राबर्ट दीन भाव से मुसकुराती हैं ]

तुमने कभी आज़माया है?

[ ऐनी कोई उत्तर नहीं देती। ]

क्या वह जानते हैं कि तुम्हारी क्या हालत है?

मिसेज़ राबर्ट  मेरा दिल कमज़ोर है, हुज़ूर और कोई बीमारी नहीं है।

एनिड  जब तुम हमारे साथ थी तब तो तुम्हें कोई रोग न था।

मिसेज़ राबर्ट  (गर्व से) राबट मुझ पर बड़ी दया रखते हैं?

एनिड  लेकिन तुम्हें जिस चीज़ की ज़रूरत हो वह मिलनी चाहिए और तुम्हारे पास कुछ नहीं है।

मिसेज़ राबर्ट  (विनीत भाव से) सब यही कहते हैं कि तुम्हारी सूरत मरने वालों की-सी नहीं है।

एनिड बेशक नही है। मगर तुम्हें अच्छा भोजन—अगर तुम चाहो तो मैं डॉक्टर को तुम्हारे पास भेज दूँ? उनकी दवा से तुम्हें अवश्य लाभ होगा।

मिसेज़ राबर्ट (कुछ आपत्ति करके) हाँ हुजूर!

एनिड मेज टामस को यहाँ मत आने दिया करो, वह तुम्हें और दिक करती है। मुझसे मजूरो की कौन-सी बात छिपी है? मुझे उनकी दशा देख कर बडा दुःख होता है लेकिन तुम जानती हो कि उन्होने बात का बितगड बढा दिया है।

मिसेज़ राबर्ट (उँगलियों को बराबर हिलाती हुई) लोग कहते हैं मजूरी बढवाने के लिए दूसरा उपाय नही है।

एनिड (तत्परता से) यही तो कारण है, कि यूनियन उनकी मदद नही करता। मेरे स्वामी को मजूरो का बडा ख्याल है। लेकिन वह कहते हैं उनकी मजूरी कम नही है।

मिसेज़ राबर्ट यह बात है?

एनिड ये लोग यह नही सोचते कि इनकी मुहमाँगी मजूरी देकर कम्पनी कसे चलेगा।

मिसेज़ राबर्ट (बलपूर्वक) लेकिन नफा तो बहुत हो रहा है, हुजूर।

एनिड तुम लोग सोचती हो कि हिस्सेदार लोग बडे मालदार हैं। लेकिन यह बात नही है। उनमें से बहुतो की दशा मजूरो से अच्छी नही है।

[ मिसेज़ राबर्ट मुसकुराती है। ]

उन्हें भलमनसी का निर्वाह भी तो करना पडता है।

मिसेज़ राबर्ट हाँ हुजूर!

एनिड तुम लोगो का कोई टैक्स या महसूल नही देना पडता। और सैकडो बातें है जो उन्हें करनी पडती है और तुम्हें नही करनी पडती। अगर मजूर लोग शराब और जुएँ में इतना न उडा दें तो चन से रह सकते हैं।

मिसेज़ राबर्ट ये लोग तो कहते हैं कि काम इतना कठिन है, कि मन बहलाने के लिए कुछ न कुछ होना चाहिए।

एनिड लेकिन इस तरह की बुरी-बुरी बातें तो नही?

मिसेज राबर्ट (कुछ चिढकर) राबर्ट तो कभी छूते भी नही और जुआ तो उन्होने कभी जिन्दगी में नही खेला।

एनिड लेकिन वह मामूली मजूर—वह इजीनियर है, ऊँचे दर्जे के आदमी हैं।

मिसेज राबर्ट   हाँ बीबी। राबर्ट कहते हैं कि और किसी तरह के मन बहलाव का मजूरो के पास कोई सामान ही नहीं है।

एनिड   (सोचकर) हा कठिन तो है।

मिसेज राबर्ट   (कुछ ईर्ष्या से) लोग तो कहते हैं ये भद्र लोग भी यही बुराइया करते हैं।

एनिड   (मुसकुराकर) मैं इसे मानती हूँ एनी, लेकिन तुम खुद जानती हो यह बिलकुल गप है।

मिसेज राबर्ट   (बड़े कष्ट से बोलकर) बहुत से आदमी तो कभी शराबखाने की तरफ ताकते ही नही। लेकिन उनकी बचत भी बहुत कम होती है। और यदि कोई बीमार पड गया तो वह भी गायब हो जाती है।

एनिड   लेकिन उनके क्लब भी तो हैं ?

मिसेज राबर्ट   क्लब एक परिवार को हफ्ते में केवल १८ शिलिंग देता है। और इतने में क्या होता है। राबर्ट कहते हैं मजूर लोग हमेशा फाके मस्त रहते हैं। कहते हैं आज का ६ पेन्स कल के १ शिलिंग से अच्छा है।

एनिड   लेकिन इसी का तो जुआ कहते हैं।

मिसेज राबर्ट   (आवेश के प्रवाह में) राबर्ट कहते हैं कि मजूरो का सारा जीवन जन्म से लेकर मरने तक जुआ ही है।

[ एनिड प्रभावित होकर आगे झुक जाती है। मिसेज राबर्ट का आवेश बढता जाता है। यहाँ तक कि अन्तिम शब्दों में वह अपने ही दुख से विकल हो जाती है। ]

राबर्ट कहते हैं कि मजूर के घर जब बच्चा पैदा होता है तो उसकी साँसें गिनी जाने लगती है, भय होता है इस साँस के बाद दूसरी साँस लेगा भी या नहीं। और इसी तरह उसका जीवन कट जाता है। और जब वह बुड्ढा हो जाता है, तो अनाथालय या कब्र के सिवा उसके लिए दूसरा ठिकाना नही। वह कहते हैं कि जब तक आदमी बहुत चालाक न हो और कौडी-कौडी पर निगाह न रक्खे और बच्चो का पेट न काटे, वह कुछ बचा नही सकता। इसीलिए तो वह बच्चो से चिढते हैं। चाहे मेरी इच्छा भी हो।

एनिड   हाँ-हाँ जानती हूँ।

मिसेज राबर्ट   नही बीबी, आप नही जानती। आपके बच्चे है और उनके लिए आपको कभी चिन्ता न करनी पडेगी।

एनिड (नम्रता से) इतनी बातें मत करो एनी ।

[ इच्छा न रहने पर भी कहती है ]

लेकिन रावर्ट को तो उस आविष्कार के लिए काफी रुपये दिए गए थे ।

मिसेज़ रावर्ट (अपना पक्ष सभालती हुई) रावर्ट ने जो कुछ जोड़ा था वह सब खर्च हो गया । वह बहुत दिनों से इस हड़ताल की तैयारी कर रहे हैं । वह कहते हैं जब दूसरे लोग कष्ट उठा रहे है, तो मैं एक पैसा भी अपने पास नही रख सकता । मगर सबका यह हाल नही ह । बहुत से तो किसी से कोई मतलब ही नही रखते । हाँ, उनकी आमदनी होती रहे ।

एनिड जब उन्हें इतना कष्ट है, तो इसके सिवा और कर ही क्या सकते है ।

[ बदली हुई आवाज़ में ]

लेकिन रावर्ट को तुम्हारा तो ख्याल करना ही चाहिए । डेगची खौल गई है, चाय बना दूँ ?

[ चायदानी उठाती है और उसमें चाय डालकर पानी डाल देती है । ]

तुम भी तो एक प्याला लो ।

मिसेज़ रावर्ट नही बीबी, मुझे क्षमा करो ।

[ कोई आवाज़ सुन रही है जैसे किसी की आहट हो ]

मैं चाहती हूँ कि रावट से आपकी भेंट न हो ।

[ वह आपे से बाहर हो जाती है । ]

एनिड लेकिन मैं तो बिना मिले न जाऊँगी, एनी । मैं बिलकुल शात रहूँगी वायदा करती हू ।

मिसेज रावर्ट उनके लिए यह जीवन और मरण का प्रश्न है ।

एनिड (बहुत कोमलता से) मैं उन्हें बाहर ले जाकर बातें करूँगी । हम तुम्हें दिक नही करेंगी ।

मिसेज रावर्ट (क्षीण स्वर में) नही बीबी ।

[ वह ज़ोर से चौंक पडती है, रावट यकायक अन्दर आ जाता है । ]

रावट (अपनी टोपी उतारकर चुटकी लेता हुआ) अन्दर आने के लिये क्षमा करना । तुम किसी लेडी से बात कर रही हो ।

एनिड मि० रावट, मैं आपसे कुछ बातें करना चाहती हूँ ।

रावर्ट मुझे किससे वातें करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है ?

एनिड आप तो मुझे जानते है ! मैं मिसेज अंडरवुड हूँ।

रावट (द्वेष भरे हुए अभिवादन के साथ) हमारे सभापति की बेटी !

एनिड (तत्परता से) मैं यहा आपसे कुछ बाते करने आयी हूँ। एक मिनट के लिए जरा बाहर चले आइए।

[ वह मिसेज राबर्ट की ओर ताकती है ]

रावट (अपनी टोपी लटकाता हुआ) मुझे आपसे कुछ नही कहना है, देवी जी।

एनिड लेकिन मुझे बहुत जरूरी वातें करनी है।

[ वह द्वार की ओर चलती है।]

रावट (यकायक कठोर होकर) मेरे पास कुछ सुनने के लिए समय नही है।

मिसेज रावट डेविड !

एनिड बहुत कम समय लगी, मि० रावट।

रावट (कोट उतारकर) मुझे खेद ह कि मैं एक महिला की—मिस्टर ऐंथ्वनी की बेटी की बात भी नही सुन सकता।

एनिड (दुविधे में पड जाती है फिर यकायक दृढ होकर) मिस्टर रावट, मैंने सुना है कि मजूरा की दूसरी सभा होने वाली है।

[ रावट सिर झुकाकर स्वीकार करता है। ]

मैं आपके पास भिक्षा माँगने आई हूँ। ईश्वर के लिए कुछ समझौता करने की चेष्टा करा। थाडा सा दव जाओ चाहे अपनी ही खातिर क्या न दवना पड़े।

रावर्ट (आप ही आप) मिस्टर ऐंथ्वनी की बेटी मुझस यह कहती है कि कुछ दव जाऊँ चाहे अपनी खातिर क्या न हो।

एनिड सब की खातिर, अपना पत्नी की खातिर।

रावट अपनी पत्नी की खातिर सबकी खातिर, मिस्टर एंथ्वनी की खातिर।

एनिड आपको मेरे पिता से क्या इतनी चिढ है ? उन्होने तो आपसे कभी कुछ नही कहा।

रावट कभी कुछ नही कहा ?

एनिड जिस तरह आप अपनी राय नहीं बदल सकते उसी तरह वह भी अपनी राय नही बदल सकते।

रावर्ट अच्छा ! मुझे यह आज मालूम हुआ कि मेरी भी कोई राय है।

एनिड वह बूढे आदमी है और आप—

[ उसको अपनी तरफ ताकते देखकर वह रुक जाती है । ]

रावट (आवाज ऊँची किए बगैर) अगर मैं मिस्टर ऐंथ्वनी को मरते देखू और मेरे हाथ उठाने से उनकी जान बचती हो, तो भी मैं एक उँगली न हिलाऊँगा ।

एनिड आप आप !

[ वह रुक जाती है और अपने होठ काटने लगती है । ]

रावट हाँ, मैं एक उँगली भी न उठाऊँगा, और यह सच है ।

एनिड (रुखाई से) यह तुम ऊपरी मन से कह रहे हो ।

रावट नही, मैं दिल स वह रहा हूँ ।

एनिड लेकिन क्यो ऐसा कहते हो ?

रावर्ट (चमककर) इसलिए कि मिस्टर ऐंथ्वनी अन्याय का झडा उठाए हुए है ।

एनिड वाहियात बात ।

[ मिसेज रावट उठने की चेष्टा करती है लेकिन अपनी कुर्सी पर गिर पडती है । ]

एनिड (तेजी से आगे बढकर) एनी !

रावट मैं नही चाहता कि आप मेरी पत्नी की देह मे हाथ लगायें ।

एनिड (एक प्रकार की घृणा से पीछे हटकर) मैं समझती हूँ कि तुम पागल हो गए हो ।

रावर्ट एक पागल आदमी का घर किसी महिला के लिए अच्छी जगह नही ह ।

एनिड मैं तुमसे डरती नही ।

रावट (सिर झुकाकर) मिस्टर ऐंथ्वनी की बेटी भला किसी से डर सकती है । मिस्टर ऐंथ्वनी उनमें से दूसरो की तरह कायर नही है ।

एनिड (चौंककर) तो शायद तुम इस झगडे को बढाए रखना वीरता समझते हो ।

रावट क्या मिस्टर ऐंथ्वनी गरीब स्त्रियो और बच्चो की गरदन पर छुरी चलाना वीरता समझते है ? मैं समझता हूँ मिस्टर ऐंथ्वनी धनी आदमी ह । क्या वह उन लागा से लडने मे अपनी बहादुरी समझते हैं जो दाने-दाने को मुहताज है ? क्या वे इसे बहादुरी समझते हैं कि बच्चो को दु ख स रलाया जाय और औरतें सर्दी के मार ठिठुरें ।

एनिड (अपना हाथ उठाकर मानो कोई वार बचा रही है) मेरे पिता जी अपने सिद्धान्त पर चल रहे है । और आप इसे जानते ह ।

रावर्ट मैं भी वही कर रहा हूँ ।

मैंने उनके चेहरे देखे हैं, उन बुड्ढे डावू के सिवा और किसी में दम नहीं हैं।

मिसेज राबर्ट जरा ठहर जाव और कुछ खा लो डेविड, आज तो तुमने दिन भर कुछ नहीं खाया।

राबर्ट (गले पर हाथ रखकर) जब तक ये भेड़िए यहाँ से चले न जायेंगे मुझसे कुछ न खाया जायगा।

[ इधर से उधर टहलता है ]

मुझे मजूरों से अभी बहुत माथा पच्ची करनी पड़ेगी। किसी म हिम्मत नहीं है। सब कायर हैं। बिलकुल अन्धे। कल की किसी को फिकर ही नहीं।

मिसेज राबर्ट यह सब औरतो के कारण हो रहा है, डविड।

राबर्ट हाँ, औरतो को ही वह सब बदनाम करते ह। जब अपना पेट कां क करता ह, तो औरतो की याद आती है। औरत उन्हें शराब पीने से नहीं रोकती। लेकिन एक शुभ काय में जब कुछ तकलीफ होती है तो चट औरतो की दुहाई देने लगते हैं।

मिसेज राबर्ट लेकिन उनके बच्चा का तो खयाल करो, डेविड।

राबर्ट अगर वे गुलाम पैदा करते चले जायें और जिन्हें पदा करते हैं उनके भविष्य की कुछ भी चिन्ता न कर—

मिसेज राबर्ट (सास भरकर) बस रहने दो डेविड, उसकी चर्चा ही मत करो। मुझसे नहीं सुना जाता। मैं नहीं सुन सकती।

राबर्ट सुनो, जरा सुनो।

मिसेज राबर्ट (हाँफती हुई) नहीं नहीं, डेविड, मुझसे मत कहो।

राबर्ट हैं-हैं! तबियत को सभालो।

[ व्यथित होकर ]

मूख, बुरे दिन के लिये एक पैसा भी नहीं रखते। जानते ही नहीं। कौड़ी कफन को नहीं। इन्हें खूब जानता हूँ, इनकी दशा देखकर मेरा दिल टूट गया है। शुरू शुरू मे तो सब कावू में न आते थे लेकिन अब सबा ने हिम्मत हार दी।

मिसेज राबर्ट तुम यह आशा कैसे कर सकते हो, डेविड, वे भी तो आदमी ह।

राबर्ट कसे आशा करूँ? जो कुछ मैं कर सकता हूँ उसकी आशा दूसरो से भी कर सकता हूँ। मैं तो चाहे भूखो मर जाऊँ सिर कभी न झुकाऊँगा। जो काम एक आदमी कर सकता है, वह दूसरा आदमी भी कर

एनिड  आप हमें शत्रु समझते हैं, और अपनी हार मानते आपको चार दबती है।

राबर्ट  मिस्टर ऐंथ्वनी भी तो हार नही मानते। चाहे मुह से कुछ ही क्यो न कहे।

एनिड  बहरहाल आपको अपनी पत्नी पर दया करनी चाहिए।

[ मिसेज राबर्ट जो कि छाती को हाथ से दबाए हुए है, हाथ उठा लेती है, और सास रोकना चाहती है। ]

राबर्ट  इसके सिवा मुझे और कुछ नही कहना ह।

[ वह रोटी उठा लेता है, दरवाजे की कुडी खटकती है और अन्डरवुड अन्दर आता है। वह खडा होकर उनको तरफ ताकता है। एनिड फिरकर उसकी तरफ देखती है, और दुविधे में पड जाती है। ]

अडरवुड  एनिड !

राबर्ट  (व्यग से) आपको अपनी बीवी के लिए यहा आने की जरूरत न था, मिस्टर अडरवुड। हम शुहदे नही है।

अडरवुड  इतना मालूम है, राबर्ट। मिसेज राबर्ट ता अच्छी है।

[ राबर्ट बिना जवाब दिए मुह फेर लेता है। ]

आओ एनिड।

एनिड  मिस्टर राबर्ट, मैं आपकी पत्नी की खातिर एक बार आपसे फिर विनय करती हूँ।

राबर्ट  (मीठी छुरी चलाकर) अगर आप बुरा न मानें तो अपने पिता और स्वामी की खातिर यह विनय कीजिए।

[ एनिड जवाब देने की इच्छा को दबाकर चली जाती है। अन्डरवुड दरवाजा खोलता है और उसके पीछे-पीछे चला जाता है। राबर्ट आग के पास जाता है, और उठती हुई चिंगारियों के सामने हाथ उठाता है। ]

राबर्ट  कसा जी है, प्रिये ? अब तो कुछ अच्छी हो न ?

[ मिसेज राबर्ट कुछ मुसकुराती है। वह अपना ओवरकोट लाकर उसे उढा देता है। ]

[ घडी की तरफ देखकर ]

चार बजने में दस मिनट ह।

[ मानो उसे कोई बात सूझ जाती है। ]

मैंने उनके चेहरे देखे है, उस बुड्ढे डावू के सिवा और किसी में दम नही है।

मिसेज़ रावर्ट जरा ठहर जाव और कुछ खा लो डेविड, आज तो तुमने दिन भर कुछ नही खाया।

रावट (गले पर हाथ रखकर) जब तक ये भेडिए यहाँ से चले न जायेंगे मुझसे कुछ न खाया जायगा।

[ इधर से उधर टहलता है ]

मुझे मजूरों से अभी बहुत माथा-पच्ची करनी पडेगी। किसी म हिम्मत नही है। सब कायर है। बिलकुल अन्धे। कल की किसी का फिक्र ही नही।

मिसेज़ रावट यह सब औरता के कारण हो रहा है, डविड।

रावट हाँ, औरता को ही वह सब बदनाम करते है। जब अपना पेट कौ क करता ह, तो औरतो की याद आती ह। औरत उन्हें शराब पीने से नही रोकती। लेकिन एक शुभ काय में जब कुछ तकलीफ होती है तो चट औरता की दुहाई देने लगते है।

मिसेज़ रावर्ट लेकिन उनके बच्चा का ता ख्याल करा, डेविड।

रावट अगर वे गुलाम पैदा करते चले जायें और जिन्हें पैदा करते हैं उनके भविष्य की कुछ भी चिन्ता न करें—

मिसेज रावट (साँस भरकर) बस रहने दा डेविड, उसकी चर्चा ही मत करो। मुझसे नही सुना जाता। मैं नही सुन सकती।

राबट सुनो, जरा सुनो।

मिसेज़ रावर्ट (हाँफती हुई) नही-नही, डेविड, मुझसे मत कहा।

रावट हैं-हैं! तबियत का सभालो।

[ व्यथित होकर ]

मूख, बुरे दिन के लिये एक पैसा भी नही रखते। जानते ही नही। कौडी कफन को नही। इन्हें खूब जानता हूँ इनकी दशा देखकर मेरा दिल टूट गया ह। शुरू शुरू में तो सब काबू में आ जाते थे लकिन अब सबा ने हिम्मत हार दी।

मिसेज़ रावर्ट तुम यह आशा कसे कर सकते हो, डेविड, व भी तो आदमी ह।

राबर्ट कसे आशा करूँ? जो कुछ मैं कर सकता हूँ उसकी आशा दूसरा से भी कर सकता हूँ। मैं तो चाहे भूखो मर जाऊँ सिर कभी न झुकाऊँगा। जो काम एक आदमी कर सकता है, वह दूसरा आदमी भी कर

सकता है ।

मिसेज रावट  और औरतें कहा जायँगी ?

रावर्ट  यह औरतो का काम नही ह ।

मिसेज रावट  (द्वेष के भाव से चमककर) नही, औरतें मरा करें, तुम्हें उनकी क्या परवाह । जान दे देना ही उनका काम है ।

रावट  (आंख हटाकर) मरने की कौन बात ह, कोई नही मरगा जब तक हम इनको मजा न चखा देंगे ।

[ दोनो की आँखें फिर मिल जाती हैं, और वह फिर अपनी आख हटा लेता है । ]

इतने दिनो से इसी अवसर का इन्तजार कर रहा हूँ कि इन डाकुग्रो को नीचा दिखाऊँ । और सब के सब अपना सा मुह लिए घर लौट जायँ । मैं उनकी सूरत देख चुका हूँ । विश्वास मानो सब घुटने टेकने को तैयार है ।

[ खूटी के पास जाकर अपना कोट उतार लेता है । ]

मिसेज़ रावट  (उसके पीछे आखें लगाए हुए नर्मी से) अपना ओवरकोट ले ला डेविड, बाहर बडी ठण्ड होगी ।

रावट  (उसके पास आकर आखें चुराए हुए ) नही नही, चुपचाप लेटी रहो मैं बहुत जल्द आऊँगा ।

मिसेज़ रावर्ट  (व्यथित होकर किन्तु कोमल भाव से) तुम इसे लेते ही क्या न जाओ ।

[ वह कोट उठाती है, लेकिन रावट उसे फिर उठा देता है । वह उससे आखें मिलाना चाहता है लेकिन नहीं मिला सकता । मिसेज रावट कोट में लिपटी हुई पडी रहती है । उसकी आखों में जो रावट के पीछे लगी हुई हैं, द्वेष और प्रम दोनों मिले हुए हैं । वह फिर अपनी घडी देखता है, और जाने के लिए घूमता है । ड्योढी में उसकी जैन टामस से मुठभेड हो जाती है । यह एक दस साल का लडका है जिसके कपडे बहुत ढीले हैं और हाथ में एक छोटी-सी सीटी लिए हुए है । ]

मिसेज़ रावर्ट  कहो जैन कैसे चले ?

जैन  दादा आ रहे है, बहन मेज भी आ रही ह ।

[वह वहीं पर बैठ जाता है, फिर अपनी सीटी घुमाने लगता है और तीन ऊटपटाग स्वर बजाता है । तब कोयल की बोली की नक़ल

करता है। दरवाजा खटकता है और बूढ़ा टामस अन्दर आता है। ]

टामस मैडम का परनाम करता हूं। अब तो आप कुछ अच्छी है।

मिसेज़ रावर्ट हां मिस्टर टामस, धन्यवाद।

टामस (शंकित होकर) राबट अन्दर है ?

मिसेज़ रावट अभी वह जलसे म गये हैं मिस्टर टामस।

टामस (मानो उसके दिल का बोझ हल्का हो जाता है। गपशप करने की इच्छा से) यह बहुत बुरा हुआ मडम। मैं उनसे यह कहने आया था कि हम लदन वालो स समझौता कर लेना चाहिए। ये दु ख की बात है, कि वह जलसे में चले गए। वहाँ दीवारो मे सर टकराना पडेगा। देख लेना।

मिसेज़ रावट (कुछ उठकर) वह समझौता तो नही करगे, मिस्टर टामस।

टामस तुम्हें रज नहीं करना चाहिए, मैडम। यह तुम्हारे लिए बुरा ह। मेरी बात मानो, अब उनका साथ देने वाला काइ नही ह। बस इजीनियर लोग और जॉज राउस उनके साथ हैं।

[ गम्भीरता से ]

इस हड़ताल म अब धरम नही है, मेरी बात मानो। मुझे आकाश वाणी हुई ह और मैंने उससे शका समाधान किया ह।

[ जैन सीटी बजाता है। ]

हिश ! दूसरे क्या कहते ह इसकी मुझे परवा नही है। मैं तो यही कहता हूँ कि धरम इस हड़ताल को बन्द कर देना चाहता है। मेरी समझ में तो यही आता ह। और यह मेरी राय ह, कि हमारा हित इसी मे है। अगर मेरी राय न होती, तो मैं न कहता। लेकिन यह मेरी राय ह, मेरी बात मानो।

मिसेज़ राबर्ट (अपने उद्वेग को छिपाने की चेष्टा करके) अगर आप लोग दब गए तो न जाने राबट का क्या हाल होगा।

टामस यह उनके लिए लज्जा की बात नही है। आदमी जो कुछ कर सकता है, वह उन्होने किया। लेकिन वह मानव सुभाव का पलट देना चाहते हैं। बिलकुल सीधी सी बात है। कोई दूसरा होता तो वह भी यही करता। लेकिन जब धरम मना कर रहा है तो उन्हें उसकी बात माननी चाहिए।

[ जैन कोयल की नक्ल करता है ]

क्या चें चें लगा रक्खी है।

[ द्वार के पास जाकर ]

यह देखो मेरी बेटी आ गई। तुम्हारा जी बहलायेगी। अच्छा अब परनाम करता हूँ, मडम। रंज मत करना। कुढ़ना बुरा है। मेरी बात मानो।

[ मेज अन्दर आती है और खुले हुए द्वार पर खड़ी होकर सड़क की ओर देखती है। ]

मेज दादा, आपको देर हो जायगी। जलसा शुरू हो रहा है।

[ उसकी आस्तीन पकड़ लेती है ]

ईश्वर के लिए दादा अबकी बार और उनका साथ दो।

टामस (अपनी आस्तीन छुड़ाकर रोब से) क्या बकती है, बेटी। मैं वही करूँगा जो उचित है।

[ वह चला जाता है, मेज जो अभी ड्योढ़ी के बीच में थी, धीरे धीरे अन्दर आती है, मानो उसके पीछे कोई और आ रहा है। ]

राउस (दालान में आकर) मेज।

[ मेज मिसेज राबर्ट की तरफ पीठ करके खड़ी हो जाती है और सिर उठाकर हाथ पीछे किए हुए उसकी तरफ देखती है। ]

राउस (जिसके चेहरे से क्रोध और घबराहट झलक रही है) मेज, मैं जलसे में जा रहा हूँ।

[ मेज, वहीं खड़ी अनादर भाव से मुसकुराती है। ]

मेरी बात सुनती हो ?

[ दोनों साथ-साथ जल्द-जल्द बातें करते हैं। ]

मेज हाँ सुनती हूँ। जाओ और हिम्मत हो तो अपनी माँ को मार डालो।

[ राउस उसकी दोनों बाँहें पकड़ लेता है। वह सिर को पीछे किए हुए स्थिर खड़ी रहती है। वह उसे छोड़ देता है और चुपचाप खड़ा हो जाता है। ]

राउस मैंने राबर्ट का साथ देने की कसम खाई है। तुम चाहती हो, कि मैं अपने कौल से फिर जाऊँ।

मेज (मन्द स्वर में उसकी हँसी उड़ाकर) खूब प्रेम करते हो।

राउस मेरी बात सुनो, मेज।

मेज (मुसकुराकर) मैंने सुना है कि प्रेमी वही करते हैं जो उनकी प्रेमिका कहती है।

[ जैन कोयल की बोली बोलता है। ]

लेकिन मालूम होता है, यह भ्रम है।

राउस तुम चाहती हो कि मैं उन्हें दगा दूँ।

मेज (अपनी आँखें आधी बन्द करके) मेरी खातिर से दो।

राउस (हाथ से माथा पीटकर) चलो ! यह मैं नही कर सकता।

मेज (जल्दी से) मेरी खातिर से करो।

राउस (दाँतों को दबाकर) मेरे साथ कुलटाओं की चाल मत चलो, मेज।

मेज (जैन की तरफ जल्दी से अपना हाथ बढाकर) मैं बच्चों का पेट भरने के लिए यह कर रही हूँ।

राउस (क्रोध से भरी हुई कनबतियों में) मेज, ओ मेज !

मेज (उसका मुह चिढाकर) लेकिन तुम मेरे लिए अपना वचन नही तोड सकते।

राउस (रुँधे हुए कठ से) नही मेज, तोड सकता हूँ। खुदा की कसम !

[ वह घूमता है और कदम बढाता चला जाता है। ]

[ मेज के चेहरे पर हल्की-सी मुसकुराहट आ जाती है, वह खडी उसके पीछे ताकती है। फिर अदर आती है। ]

मेज राबट को तो मैंने मार लिया।

[ वह देखती है कि मिसेज राबट फिर कुरसी पर लेट गई है। ]

मेज (उसके पास जाकर और उसके हाथों को छूकर) अरे ! तुम तो पत्थर की तरह ठडी हो रही हो। एक घूँट ब्राडी पी लो। जैन, दौड 'लायन' की दूकान पर। कहना मैंने मिसेज राबट के लिये मँगवाई है।

मिसेज राबट (क्षीण स्वर में) मैं अभी उठ बैठूँगी मेज, जन को चाय तो दे दो।

मेज (जैन को एक टुकडा रोटी देकर) ले, नटखट कही के। सीटी बन्द कर।

[ आग के पास जाकर ]

आग तो ठडी हुई जाती है।

मिसेज रावर्ट (कुछ मुसकुराकर) उससे होता ही क्या है !

[ जैन सीटी बजाने लगता है। ]

मेज मत मत—नही मानेगा—आऊँ।

[ जैन सीटी बन्द कर देता है। ]

मिसेज राबट (मुसकुराकर) उसे खेलने क्यो नही देती, मेज !

मेज (आग के पास घुटनियो के बल बैठी हुई कान लगाए हुए) बस टुकुर-टुकुर

तावा करो। यही स्त्री का काम है। मुझसे तो यह नही हो सकता। सुनते-सुनते जी ऊब गया। बस बैठी मुह ताका करो। सुनती हो जलसे में सबो का शोर। मुझे तो सुनाई दे रहा है।

[ वह कुहनियों के बल झुक जाती है और ठुड्डी हाथों पर रख लेती है। उसके पीछे मिसेज राबर्ट आगे झुकी हुई खडी है। हडतालियों के जल्से की आवाजें सुनकर उसकी घबराहट और मनो व्यथा बढती जाती है। ]

[ परदा गिरता है। ]

## दृश्य दूसरा

[ चार बज चुके हैं। झुटपटासे का समय है। एक खुले हुए कीचड से भरे मैदान में मजदूर जमा हैं। आगे कॉंटदार तारों का बाडा है जिसके उस पार एक नहर की ऊँची पटरी है। नहर में एक नौका बँधी हुई है। दूरी पर दलदल है और बर्फ से ढँकी हुई पहाडियाँ हैं। कारखाने की ऊँची दीवार नहर से इस मैदान में होती हुई जाती है। दीवार के कोने में पीपों और तख्तों का एक भद्दा-सा मच है। उस पर हारनेस खडा है। इस भीड से कुछ दूर हटकर राबर्ट दीवार का तकिया लगाए खडा है। ऊँची पटरी पर दो मल्लाह निश्चिन्त लेटे हुए सिगरेट पी रहे हैं। ]

हार्निस (हाथ फैलाकर) बस, मैंने तुम लोगो से साफ साफ कह दिया। मैं अगर कल तक बोलता रहूँ तब भी इससे ज्यादा और कुछ नही कह सकता।

जागो (सावला रग, चेहरा पीला, स्पेनियों की सी सूरत, छोटी खसखसी दाढी) महाशय आपसे एक बात पूछता हूँ। वह लोग हममें से किसी को फाड सकते ह ?

वल्जिन (धमकाकर) मुह धो रक्खें।

[ मजदूरों के गिरोह में लोग बक-झक करने लगते हैं। ]

ब्राउन (गोल चेहरा) पाएँगे कहा ?

इवेंस (ठिगना, चचल, दिलजला, सूरत से लडाका) घर के भेदियो की कभी कमी नही रहती। ऐसे आदमी हमेशा रहेंगे जो पहले अपनी जान की खैर मनाते है।

[ फिर मजदूरों के गिरोह में हलचल मच जाता है। कुछ लोग खिसकने लगते हैं। बूढा टामस गिरोह में मिल जाता है और सामने खडा होता है। ]

हार्निस (हाथ उठाकर) ऐसे गुर्गे उन लोगो को नही मिल सकते। लेकिन इससे आपका कोई लाभ नही। आप लोग जरा न्याय से काम लीजिए। तुम्हारी माँगा का नतीजा यह होता कि हमें एक साथ दजन हडतालो का सामना करना पडता। और हम इसके लिये तैयार न थे। 'पचायत' का उद्देश्य है 'न्याय' किसी एक के लिये नही सबके लिये। किसी ईमानदार आदमी से पूछो—वह साफ कह देगा तुमसे भूल हुई। मैं यह नही कहता कि तुम्ह जितना पाने का हक है, तुम उससे ज्यादा माँग रहे हो लेकिन इस समय तुम जरूर बहुत आगे जा रहे हो। तुमने अपने लिए गडढा खाद लिया है। अब सवाल यह ह कि तुम वही पडे रहोगे या जोर लगाकर बाहर निकलोगे।

लुइस (सजीला आदमी, काली मूछें) आपने खूब कहा महाशय, दोनो में कौन-सी बात पसन्द करते हो ?

[ गिरोह के लोग फिर खिसकने लगते हैं, और राउस जल्दी से आकर टामस के पास खडा हो जाता है। ]

हार्निस अपनी माँगों का काट-छाँटकर ठीक कर लो, फिर हम तुम्हारे लिये जान देने का तैयार है। लेकिन अगर तुम्हें इकार है तो फिर यह आशा मत रक्खो कि मैं यहाँ आकर अपना समय नष्ट करूँगा। मैं उन आदमियो में नही हूँ जो अएट-सएट बका करते है। शायद यह बात आप लोगो को मालूम हागी। मेरा विश्वास ह कि तुम लोग अपनी धुन के पक्के हो। अगर यह ठीक है तो तुम लाग काम पर आने का निश्चय कराग चाहे काई तुम्हें कितनी ही उल्टी सलाह दे।

[ राबट पर आँखें गडा देता है। ]

फिर हम देखेंगे कि कसे तुम्हारी शर्तें नही पूरी होती। बोलो क्या मजूर है ? हमसे मिलकर विजय पाना चाहते हो, या इसी तरह भूखा मरना ?

[ मजदूरों में देर तक काँव-काँव होती है। ]

हार्निस (शीतल व्यग्य से) दोस्त, भूठ का व्यापार तुम्हारे घर होता होगा। हारपर के यहा ओसरी देर तक रहती है, हिसाब लगाने से मजूरी एक ही पडती ह।

हेनरी राउस (अपने भाई जाज की हूबहू नकल, हा, रग सावला है) सनीचर को ओवर टाइम के लिये आप दूनी मजूरी का समथन करेंगे ?

हार्निस -हाँ करेंगे।

जागो आपने हमारे चन्दो का क्या किया ?

हार्निस (रुखाई से) हम वता चुके है कि हम उनका क्या करेंगे ?

इवेंस *बस, करेंगे जब सुनिए करेंगे। आप हमारे साथियो का तोडना चाहते ह।*

[ फिर हलचल ]

वरिजन (चिल्लाकर) क्या भगडा मचा रहे हो ?

[ इवेंस क्रोध से इधर-उधर ताकता है ]

हार्निस (ऊँचे स्वर से) जिनके आँखें है, उन्हें मालूम है कि पचायतें न चोर ह न दगाबाज, मुझे जो कुछ कहना था वह चुका। अब तुम अपना लेना देवढा समझ लो। जब मेरी जरूरत हो घर से बुला लेना।

[ वह कूदकर नीचे आता है, लोग रास्ता छोड देते हैं, वह उनके बीच से होता हुआ निकल जाता है। एक मल्लाह अपने पाइप को हिला हिलाकर उसकी ओर मखौल के भाव से देख रहा है। मजदूरो की टोलियां बन जाती हैं और बहुत सी आखें राबट की ओर उठती है जो दीवार के सहारे अकेला खडा है। ]

इवेंस वह चाहता है कि तुम थूककर चाटो। बस यही इसकी मशा है। वह चाहता है कि तुम हमारी बातो को दुलख दो। थूककर तो न चाटेंगे चाहे भूखो मर जायें।

वल्जिन थूककर चाटने की बात कौन कर रहा है ? जरा जबान सँभालकर बोलो—समझ गए।

लोहार (एक युवक, जिसके बाल काले और बाँहें लम्बी हैं) औरतें क्या करेंगी ?

इवेंस जो हम झेल सकते ह वह औरतें भी झेल सकती ह, क्या इसमें कोई सन्देह है ?

लाहार घर में स्त्री नही है न ?

इवेस चाहता भी नही।

जागो (गुर्राकर) वही बातें कीजिए जिनका आपको ज्ञान है।

हार्निस (ऊँचे स्वर से) ज्ञान ?

[ उद्गार को रोककर ]

मित्रवर, मुझसे कोई बात छिपी नही है। जो कुछ तुम पर बीत रही है, वह मुझ पर बीत चुकी है, उस वक्त बीत चुकी है जब

[ एक लौंडे की तरफ इशारा करके ]

मैं उस लौडे से बडा न था। तब पचायतें वह न थी जो आज है। ये कैसे इतनी बलवान हो गई ? इसी मेल ने उन्हें इतना बलवान बना दिया है। विश्वास मानो, सब कुछ सह चुका हूँ। मेरी आत्मा पर अब तक उसकी निशानी बनी हुई है। तुम पर जो कुछ पडी है वह मैं सब जानता हूँ। लेकिन पूरा एक टुकडे से बडा होता है, और तुम केवल एक टुकडा हो। अगर तुम हमारा साथ दोगे तो हम भी तुम्हारा साथ देंगे।

[ अपनी आखों से उनकी टोलियों का अनुमान करके वह कान लगाए खडा रहता है। आदमियों में और ठाय-ठाय होने लगती है। उनकी छोटी-छोटी टोलियां बन जाती हैं, ग्रीन, बल्जिन और लुइस बातें करते हैं। ]

लुइस यूनियन का यह आदमी बहुत सोच समझकर बातें करता है।

ग्रीन (धीरे से) हा ! अगर किसी ने मेरी बातो पर कान दिया होता तो मैं गत दो महीनो से यही कहता चला आता हूँ।

[ मल्लाह हँसते दिखाई देते हैं। ]

लुइस (उनकी ओर उँगली उठाकर) बाडे के उस पार उन दोनो गधो को देखा।

बल्जिन (उदास क्रोध से) अगर इन सबो ने खिल खिल किया तो दात तोडकर पेट में डाल दूँगा।

जागो (यकायक) आप कहते हैं कि भट्ठीवाला को काफी मजूरी मिलती है ?

हार्निस मैंने यह नही कहा कि उन्हें काफी मजूरी मिलती है मैंने यह कहा कि उन्हें उतनी ही मजूरी मिलती है जितनी ऐसे ही कामो के लिये दूसरे कारखानो में मिलती है।

इवेंस यह झूठी बात है।

[ हलचल मच जाती है ]

हारपर के कारखाने का नाम तो आपने सुना होगा ?

हार्निस (शीतल व्यग्य से) दोस्त, झूठ का व्यापार तुम्हारे घर होता होगा। हारपर के यहा ओसरी देर तक रहती है, हिसाब लगाने से मजूरी एक ही पडती ह।

हेनरी राउस (अपने भाई जॉज की हूबहू नकल, हा, रग सावला है) सनीचर को ओवर टाइम के लिये आप दूनी मजूरी का समथन करेंगे ?

हार्निस ~हाँ करेंगे।

जागो आपने हमारे चन्दो का क्या किया ?

हार्निस (रुखाई से) हम बता चुके है कि हम उनका क्या करेंगे ?

इवेंस बस, करेंगे, जब सुनिए करेंगे। आप हमारे साथियो का तोडना चाहते ह।

[ फिर हलचल ]

वल्जिन (चिल्लाकर) क्या झगडा मचा रहे हो ?

[ इवेन्स क्रोध से इधर उधर ताकता है ]

हार्निस (ऊँचे स्वर से) जिनके आँखें है, उन्हें मालूम है कि पचायतें न चोर है न दगाबाज, मुझे जा कुछ कहना था कह चुका। अब तुम अपना लेखा-ढेवढा समझ ला। जब मेरी जरूरत हो घर से बुला लेना।

[ वह कूदकर नीचे आता है, लोग रास्ता छोड देते हैं, वह उनके बीच से होता हुआ निकल जाता है। एक मल्लाह अपने पाइप को हिला हिलाकर उसकी ओर मखौल के भाव से देख रहा है। मजदूरो की टोलियाँ बन जाती हैं और बहुत सी आखें राबट की ओर उठती है जो दीवार के सहारे अकेला खडा है। ]

इवेंस वह चाहता है कि तुम थूककर चाटो। बस यही इसकी मशा है। वह चाहता है कि तुम हमारी बातो को दुलख दो। थूककर तो न चाटेंगे चाहे भूखो मर जायें।

वल्जिन थूककर चाटने की बात कौन कर रहा है ? जरा जबान सँभालकर बोलो—समझ गए।

लोहार (एक युवक, जिसके बाल काले और बाँहें लम्बी हैं) औरतें क्या करेंगी ?

इवेंस जो हम झेल सकते है, वह औरतें भी झेल सकती हैं, क्या इसम कोई सन्देह है ?

लाहार घर में स्त्री नही है न ?

इवेंस चाहता भी नही।

टामस (ऊँचे स्वर से) भाइयो, हमें यह अख्तियार दो कि लन्दन से समझौता कर सकें।

डेवीज (सावला, सुस्त और उदास) मच पर चढ जाओ। अगर तुम्हें कुछ कहना है तो मच पर चढकर कहो।

[ 'टामस' का शोर मच जाता है। लोग उसे ढकेलकर मच की तरफ लाते हैं। वह जोर लगाकर उस पर चढता है और टोपी उतारकर लोगो के चुप हो जाने का इन्तजार करता है। सब चुप हो जाते हैं। ]

लाल बालोवाला युवक हा बूढे दादा, टामस !

[ कोई बैठे हुए गले से हँसता है। दोनों मल्लाह बातें करते हैं। फिर सन्नाटा छा जाता है और टामस बोलने लगता है। ]

टामस हम सब एक साथ डूब रहे ह और प्रकृति ने हमें इस गहराई मे डाल दिया है।

हेनरी राउस लन्दन ने डाला ह, लन्दन ने।

इवेंस पचायत ने डाला है।

टामस न लन्दन ने डाला है, न पचायत ने डाला है, यह प्रकृति का काम है। प्रकृति के सामने सिर झुकाने में किसी का भी अपमान नही हो सकता। क्योकि प्रकृति बहुत बडी चीज ह, आदमी की इसके सामने कोइ गिनती नही। मैंने जितना जमाना देखा है, उतना यहाँ और किसी ने न देखा होगा। मेरी बात मानो, प्रकृति से लडना बहुत बुरी बात ह। दूसरो को कष्ट में डालना बुरी बात ह जब इस से किसी का उपकार न हो।

[ कोई हँसता है। टामस झल्लाकर बोलता है। ]

तुम हँस किस बात पर रहे हो ? मैं कहता हूँ यह बुरी बात ह। हम एक सिद्धान्त के लिये लड रहे ह। किसी को यहा यह कहने का साहस नही हो सकता कि मैं सिद्धान्त का भक्त नही हूँ। लेकिन जब प्रकृति कहती हैं बस, इसके आगे कदम मत उठाओ तो कान में तेल डालकर बठना अच्छी बात नही।

[ राबर्ट हँस पडता है। कुछ लोग धीमे स्वर में उसका समर्थन करते हैं। ]

इस प्रकृति का रुख देखकर चलना चाहिए। आदमी का धरम है कि वह सच्चा, ईमानदार और दयालु बने। धरम तुम्हें यही उपदेश

देता हू ।

[ राबट से क्रोध के साथ ]

और मेरी बात सुना डेविड राबट, धरम कहता हूँ कि प्रकृति के सामने ताल ठोके बिना तुम यह सब कुछ कर सकते हो ।

जागो और पचायत ?

टामस मैं पचायत का कुछ भरासा नही करता । उन लागो ने हमारी कुछ परवाह नही की । हमसे कहते थे 'जो हम कहें वह करो ।' मैं बीस साल से भट्टीवाला का जमादार हूँ ।

[ जोश के साथ ]

मैं पचायत से पूछता हूँ 'क्या तुम मेरी तरह दावे के साथ कह सकते हो कि भट्टीवाले जो काम करते है उसकी ठीक मजदूरी क्या ह ? पच्चीस साल से मैं पचायत को बराबर चन्दा देता आता हूँ और

[ कुछ बिगडकर ]

उसका कुछ नतीजा नही । यह बेईमानी नही तो और क्या है, चाहे मिस्टर हार्निस लाख बातें बनावें ।

[ लोग बडबडाते हैं ]

इवॅस सुनो, सुनो !

हेनरी राउस कहते चलो, कहते चलो ! तो फिर इसे धता क्यों नही बताते ।

टामस मेरी बात सुना, अगर कोई आदमी हमारा विश्वास नही करता तो क्या मैं उसका विश्वास कर सकता हूँ ?

जागो बिलकुल ठीक ।

टामस समझ लो कि वह सब बेईमान है, और अपने पैरा पर खडे हो ।

[ लोग बडबडाते हैं ]

लोहार यही तो हम लाग कर रहे हैं, या कुछ और ?

टामस (और जोश में आकर) मुझे सिखाया गया था कि अपने पैरो पर खडे हो । मुझे सिखाया गया था कि अगर तुम्हारे पास काई चीज खरीदने के लिये पैसे नही ह तो उधर आँख उठाकर मत देखो । दूसरा के धन पर मौज करना कोई अच्छी बात नही । हम सच्ची लडाई लडे, और अगर हार गए तो इसमें हमारा काई दाप नही । हमें यह अख्तियार दे दो कि हम लन्दन से अपने बूते पर समझौता कर लें । अगर इसमें सफल न हो तो हमें चाहिये कि अपनी हार मर्दों की तरह सहें, यह नही कि कुत्तो की मौत मरें, या दूसरे की दुम के पीछे लगे

रहें कि वे हमारा उद्धार कर देंगे।

इवेंस (दबी आवाज से) यह कौन चाहता है ?

टामस (गर्दन उठाकर) कौन बोलता है ? अगर मैं किसी से भिड़ूँ और वह मुझे दे पटके तो मैं किसी की गुहार न लगाऊँगा, धूल झाड़कर फिर उठूगा। अगर वह मुझे सफाई के साथ पटक देगा तो धूल झाड़ता हुआ अपनी राह लूगा। ठीक है या नही ?

[ सब लोग हँसते हैं ]

जागो पचायत की जय !

हेनरी राउस पचायत की जय !

[ और लोग शोर में मिल जाते हैं। ]

इवेंस थूककर चाटने वाले !

[ बल्जिन और लोहार इवेन्स को घूसा दिखाते हैं। ]

टामस (सिर हिलाकर) मैं बूढा आदमी हूँ, यह समझ लो।

[ सब चुप हो जाते हैं, फिर बकबक होने लगता है। ]

लुइस बूढा उल्लू, पचायत का विरोधी।

बल्जिन मेरा बस चले तो इन भट्ठीवालो का सिर तोड के रख दूँ।

ग्रीन अगर लागो ने पहले मेरी बातो पर कान दिया होता

टामस (माथा पोंछकर) अब मैं उस बात पर आ रहा हूँ जो मैं कहने जा रहा था

डेवीस (दबी जबान से) अब उसका समय भी है।

टामस (धार्मिक भाव से) धर्म कहता है—'यह लड़ाई बन्द कर दो।'

जागो झूठी बात है ! धर्म कहता है—लड़ाई छिडी रहे।

टामस (गर्व से) सच ! मुझे ईश्वर ने कान दिए हैं।

लाल बालोवाला युवक (हँसता है) हाँ, बहुत बड़े-बड़े।

जागो तब तुम्हारे कानो ने तुम्हें धोखा दिया।

टामस (झल्लाकर) या तुम सच्चे हो, या मैं सच्चा हूँ। तुम दोनो तरफ नही जा सकते।

लाल बालोवाला युवक लेकिन धर्म तो जा सकता है।

[ 'शैवर' हँसता है। गिरोह में दबी जबान से बातें होने लगती हैं। ]

टामस ('शैवर' की ओर आँखें जमाकर) आह ! तुम सब के सब अपने पैरो में कुल्हाडी मार रहे हो। इसलिये मैं तुमको जताए देता हूँ कि अगर

तुम धर्म की जड काटोगे तो मैं तुम्हारा साथ न दूँगा, और न कोई दूसरा ईश्वर भक्त आदमी साथ दे सकता ह।

[ वह मच से उतर जाता हैं। जागो मच की ओर जाता है। 'उसे मत जाने दो' की आवाजें सुनाई देती हैं। ]

जागो उसे मत जाने दो? कहते शम भी नही आती।

[ वह मच पर चढ जाता है। ]

मुझे तुम लोगो से बहुत कुछ नही कहना ह। इस मामले का सीधे-सादे ढग से देखा, इतनी दूर तो तुम मजे से चले आए, अब तुम सफर से मुँह मोड रहे हो। क्या यह भलमसी है? अब तक हम सब एक नाव में थे। अब तुम दो नावो पर बठना चाहते हो। हम इजिनियरो ने अब तक तुम्हारा साथ दिया। अब तुम हमे दगा दे रहे हो। अगर हमें यह पहले से मालूम होता तो हम तुम्हारे साथ चलते ही क्यो? बस मुझे इतना ही कहना हैं। बूढे टामस ने बाइबल की दुहाई दी ह पर बाइबल का आशय ठीक नही समझा। अगर तुम लदन या हार्निस की शरण जाते हो तो इसका यह आशय ह कि तुम अपनी चमडी बचाने के लिए हमें गच्चा दे रहे हो—मगर तुम धोखा खावोगे भाइयो, यह भले आदमियो का काम नही है।

[ वह मच से उतर पडता है। उसके छोटे से भाषण के समय मजदूरों में व्यग्र अशान्ति रहती है। राउस आगे बढकर मच पर कूद कर चढ जाता है। चेहरा क्रोध से तिलमिलाया हुआ है। मजदूरों के दल में अप्रसन्नता की भनभनाहट है। ]

राउस (बहुत उत्तेजित होकर) भाइयो, मैं कोरा बक्की नही हूँ, मैं जो कहता हूँ वह मेरे हृदय से निकल रहा है। आदमी का स्वभाव देखिए। क्या यह हो सकता है कि किसी की माता भूखों तडप रही हो और वह टुकुर-टुकुर देखा करे? क्या अब हमसे ऐसा हो सकता है?

राबर्ट (आगे बढकर) राउस!

राउस (उसे रोष से देखकर) सिम हार्निस ने जो कुछ कहा वाजिब कहा। मैंने अपनी राय बदल दी है।

इवेंस अरे! तो क्या तुम उधर मिल गए?

[ लोग चकित होकर ताकने लगते हैं। ]

लुइस (अन्योक्ति के भाव से) क्यो भाई, यह क्या पलट गया?

राउस (आपे से बाहर होकर) उसने वाजिब कहा। उसने कहा 'तुम हमारा

साथ दो, और हम तुम्हारा साथ देंगे। इतने दिनो से हम इसी मामले में ठोकरें खा रहे ह। और यह किसका दोष है ?

[ राबट की तरफ उँगली दिखाता है ]

उस आदमी का ! वह कहता था—"नही, लुटेरो से लडो, उनका गला घोट दो।" लेकिन उनका गला नही घुटा, हमारा और हमारे घरवालो का गला घुट गया। यह सच्ची बात है। भाइयो, मैं वाणी का बहादुर नही हूँ, मुझमे जो रक्त है और मास है वह बोल रहा है। मेरा हृदय बोल रहा है।

[ कठोर, पर कुछ लज्जित भाव से राबट को देखकर ]

वह महाशय अभी फिर बोलेंगे, लेकिन मेरी बात मानो, उनकी बातों पर कान मत दो।

[ लोग सासें भरने लगते हैं। ]

उस आदमी की वाणी में आग भरी हुई ह।

[ राबट हँसता हुआ नजर आता है। ]

सिम हार्निस ठीक कहता है। पचायत के बिना हम ह क्या—मुट्ठी भर सूखी पत्तिया—या धुएँ की एक फूक। मैं वाणी का बहादुर नही हूँ, लेकिन मेरी बात मानो, इस झगडे को बद करो। बाल-बच्चा को भूखो मरने से यह कही अच्छा है।

[ समथन की आवाजें विरोध की आवाजों को दबा देती हैं। ]

इवेस तुमने यह चोला क्यो बदला जी ?

राउस (क्रोधातुर भाव से) सिम हार्निस समझ-बूझकर बोलता है। हमें अख तियार दो कि लदनवालो से समझौता कर लें। मैं बोलना नही जानता, लेकिन कहता हूँ इस सत्यानासी विपत्ति का अन्त कर दो।

[ वह अपने मफलर को लपेटता है, सिर को पीछे की ओर झटककर मच से उतर पडता है। मजदूर दल तालियाँ बजाता हुआ आगे बढ़ता है। आवाजें आती हैं—"बस, इतना बहुत है, यूनियन की जय।" "हार्निस की जय!" उसी वक्त राबट मच पर आता है। सब चुप हो जाते हैं। ]

लोहार हम तुम्हारी बात नही सुनना चाहते। मत बको।

हेनरी राउस नीचे आओ।

[ यों हाँक लगाते हुए समूह मच की ओर चलता है। ]

इवेंस (झल्लाकर) बोलने दो ! बोलने दो ! राबर्ट ! राब—

बल्जिन (दबी जबान से) अच्छा हो कि यह खिसक जाय। कही मैं उसकी खोपडी न तोड डालू।

[ राबट समूह के सामने खडा होकर उसे अपनी आखों से तौलता है, यहा तक कि धीरे धीरे लोग चुप हो जाते हैं। वह बोलना शुरू करता है। दोनो में से एक मल्लाह उठकर खडा हो जाता है। ]

रावर्ट तो तुम लोग मेरी बात नही सुनना चाहते ? तुम राउस और उस बूढे आदमी की बात सुनोगे। मेरी बात न सुनोगे। तुम यूनियन के साइमन हार्निस की बात सुनोगे जिसने तुम्हारे साथ इतना सुन्दर व्यवहार किया हैं, शायद तुम लदनवाले आदमियो की बात भी सुनोगे। मेरी बात न सुनोगे। अच्छा ! तुम साँसें खींच रहे हो ! क्यो, तुम यहा तो चाहते हो कि तुम्हारी गर्दन उनके पैरो के नीचे हो ?

[ बल्जिन को मच की ओर आते देखकर शान्त करुणा से ]

क्यो जान बल्जिन, तुम मेरे दात तोडना चाहते हो ? मुझे बोलने दो, फिर शौक से तोडो, अगर तुम्हे इसम आनन्द आए।

[ बल्जिन चुपचाप और झल्लाया हुआ खडा हो जाता है। ]

क्या मैं झूठा हूँ, कायर हूँ, दगाबाज हूँ ? मुझे विश्वास है कि अगर ये बातें मुझमे होती तो तुम शौक से मेरी बात सुनते।

[ भनभनाहट बन्द हो जाती है और सन्नाटा छा जाता है। ]

यहा कोई ऐसा आदमी हैं जिसे हडताल से उतना धक्का पहुँचा हो जितना मुझे पहुँच रहा ह ? तुममें कोई ऐसा ह जिसने यह झगडा शुरू होने के बाद से ८०० पौंड की चपत खाई हो ? अगर कोई ह तो सामने आवे। टामस ने कितना बल खाया है—दस पौण्ड, पाँच पौण्ड या कितना ? तुमने अभी उनकी बातें सुनी हैं। आपने फरमाया है "कोई यह नही कह सकता कि मै नियम का पक्का नही हूँ।"

[ तीक्ष्ण व्यग के साथ ]

"लेकिन जब प्रकृति कहता है, बस ! तो हमें उसकी आज्ञा माननी चाहिए।' मैं तुमसे कहता हूँ क्या आदमी प्रकृति से यह नही कह सकता, ' अगर तेरा काबू हो तो हमें यहा से जौ भर हटा दे ?"

[ अहंकार के भाव से ]

उनका सिद्धान्त उनका पेट ह। मगर टामस साहब कहते ह— "आदमी निष्कपट, सच्चा न्यायी और दयालु होकर भी प्रकृति की

आज्ञा पालन कर सकता हूँ।" मैं तुमसे कहता हूँ प्रकृति न निष्कपट है, न सच्ची, न्यायी न दयालु। तुम लोग जो पहाड़ी के ऊपर रहते हो और बर्फीली रात को अँधेरे में थके-माँदे घर जाते हो—क्या तुम्हें क़दम-क़दम पर दाँतों पसीना नहीं आता? क्या तुम इस दयालु प्रकृति की कोमल दयालुता के भरोसे आराम से लेटते हुए जाते हो? जरा एक बार आजमा कर देखो और तुम्हें मालूम हो जायगा कि प्रकृति कितनी दयालु है।

[ घूसा तानकर ]

प्रकृति की जो यह सेवा करता है वही मर्द है। टामस साहब फ़रमाते हैं—घुटने टेक दो, सिर झुका दो, यह व्यर्थ का झगड़ा मिटा दो। तब तुम्हारा शत्रु एक टुकड़ा तुम्हारे सामने फेंक देगा।

जागो कभी नहीं।

टामस मैंने यह नहीं कहा।

राबर्ट (चुभती हुई आवाज़ में) मित्रवर, तुमने चाहे यह न कहा हो पर तुम्हारा मतलब यही था। और धर्म के विषय में तुमने क्या कहा? तुमने कहा—"धर्म इसे मना करता है।" "प्रकृति भी इसे मना करती है।" अगर धर्म और प्रकृति में इतनी एकता है तो मुझे यह बात आज ही मालूम हुई है। उस युवक ने—

[ राउस की ओर इशारा करके ]

कहा है कि मेरी वाणी में नरक की आग भरी हुई है। अगर ऐसा होता तो मैं उस सारी आग को इस घुटना टेकने वाले प्रस्ताव को जलाने और झुलसाने में लगा देता। घुटना टेकना कायरों और नमक-हरामों का काम है।

हेनरी राउस (जार्ज राउस को बढ़ते देखकर) जरा इसकी खबर लो, जॉर्ज। इसकी बातें न सुनो।

राबर्ट (उँगली दिखाकर) वहीं खड़े रहो, जॉर्ज राउस। यह निजी झगड़े चुकाने का मौक़ा नहीं है।

[ राउस ठहर जाता है। ]

लेकिन मालन वाला में स एक रहा जा
मि० हार्निस या पचायत किमी ने भी
किया है। उन्होंने कहा अपने
हम तुम्हें तिलांजलि दे देंगे

में छोड़ दिया ।

इवेंस बेशक छोड़ दिया ।

रावर्ट साइमन हार्निस साहब बड़े चतुर आदमी है, लेकिन मौका निकल गया ।

[ दृढ़ विश्वास से ]

मगर साइमन हार्निस साहब जो चाहे कहें, टामस साहब जो चाहे कहें, राउस साहब जो चाहे कहें, मैदान हमारे हाथ हैं ।

[ समूह और समीप आ जाता है और उत्सुक होकर उसकी ओर देखता है । ]

तुमसे पेट की तकलीफ नही सही जाती । तुम भूल गए कि यह लडाई किस लिए छिडी । मैं तुमसे कितनी ही बार बतला चुका हूँ आज एक बार और बताए देता हूँ । यह इस देश के रक्त और मास और रक्त चूसने वालो की लडाई है—एक तरफ वह लोग है, जो मुह से निकलने वाली हरेक सांस और हाथ से चलनेवाली हरेक चोट के साथ अपनी देह घुलाते ह, दूसरी तरफ वह जन्तु है जो उनका मास खाकर मोटा हो रहा है और दयालु प्रकृति के नियमानुसार दिन दिन फूलता चला जाता है । यह जन्तु पूजी है । यह वह चीज़ है जो आदमियो के माथे का पसीना और उनके मस्तिष्क की पीडा अपने दामो मोल लेती है । क्या मुझसे यह बात छिपी ह ? क्या मेरे मस्तिष्क का रत्न सात सौ पौण्ड में नही खरीद लिया गया और उससे घर बठे एक लाख पौण्ड नफा नही हुआ ? यह वह चीज ह जो तुमसे अधिक से अधिक लना, और तुम्हें कम से कम दना चाहती ह । यह पूजी है । यह वह चीज ह जो तुमस कहती ह—"प्यारो, हमें तुम्हारी दशा पर बडा दुख है, हम जानते है तुम बडे कष्ट में हो," लेकिन तुम्हारे उद्धार के लिये अपने नफे की एक कौडी भी नही छोडती । यह पूजी है । मुझसे कोई बतलाए उनमें से कौन गरीबो की मदद के लिए इनकम टक्स पर एक पाई भी बढाने पर राजी होगा ? यह पूजी है । एक सुफेद चेहरा और पत्थर का दिल रखने वाला देव ! तुमने उसे पछाड लिया है । क्या इस अन्त के समय तुम इस नश्वर देह के कष्ट से मैदान छोड दोगे ? आज सवेरे जब मैं लन्दन के उन महानुभावो से मिलने गया तो मैंने उनके हृदय तक बैठकर देखा । उनमें से एक का नाम स्केंटलवरी है—मांस का एक लोदा जो हमें खाकर पलता है । वह दूसरे हिस्सेदारो की तरह, जो बिना हाथ-पाव हिलाए आनन्द से सालाना

नफा लेते चले जाते ह, बैठा हुआ था—एक बड़ा मोटा बैल जो उसी वक्त चौंकता ह जब उसके रातिब में बाधा पडती है। मैंने उसकी आखें देखी और मुझे मालूम हुआ कि उसके दिल में डर समाया हुआ है। अपनी अपने नफे की, अपनी मेहनताने की और हिस्सेदारा की शका उसे मारे डालती थी। एक को छोडकर और सब घबराए हुए हैं, उन बालकों की भाँति जो रात को जगल मे भटक गए हो और पत्ती के जरा से खडकने पर चौंक पडते हो। मैं तुमसे आज्ञा माँगता हूँ।

[ वह ज़रा दम लेकर हाथ फैलाता है यहा तक कि बिलकुल सन्नाटा छा जाता है। ]

कि मुझे उन महाशया से यह कहने का पूरा अखतियार दे दो "कि आप लाग लन्दन सिधारें, मजदूरो को आप स कुछ नहीं कहना है।'

[ कुछ भनभनाहट होती है ]

मुझे यह अखतियार दो और मैं कसम खाकर कहता हूँ कि एक सप्ताह म तुम्हारी सब मागें पूरा हो जायेंगी।

इवेस, जागो आदि हा, इनको पूरा अखतियार दो पूरा अखतियार !! शाबाश शाबाश !!

राबर्ट यह लडाई हम इस छोटी-सी चार दिन की जिन्दगी के लिये नही लड रहे है।

[ भनभनाहट बन्द हो जाती है। ]

अपने लिये अपनी इस छोटी-सी नश्वर देह के लिये नहीं, उन लोगो के लिये जो हमारे बाद हमेशा आते रहेंगे।

[ हार्दिक व्यथा से ]

भाइयो, अगर उनका कुछ भी खयाल है तो उसके सिर पर एक पत्थर और मत लुढकाओ, आकाश पर भयकर अन्धकार मत फलाओ कि वे सागर की उद्दाम तरगों म समा जायें। मैं उनके लिए बडी से बडी आफतें झेलने को तैयार हूँ, हम सब इसके लिये तैयार ह। इसमें किसे इन्कार हो सकता है।

[ दात पीसकर ]

अगर हम इस उजले मुह और लाल ओठ वाले दैत्य की गदन मरोड सकें, जो आदि से हमारा और हमारे बाल-बच्चों का जीवन रक्त चूस रहा है।

[ शान्त होकर लेकिन अत्यन्त गम्भीरता और विह्वलता के साथ ]

अगर हम में इतना जीवट नही है कि इस दैत्य को छाती से छाती और आख से आख मिलाकर इतनी दूर खदेडें कि वह हमारे पैरो पर गिर पडे, तो वह सदव इसी भाति हमारा रक्त चूसता चला जायगा। और हम हमेशा इसी तरह कुत्तो से भी अधम बने पडे रहेगे।

[ सम्पूर्ण निश्शब्दता। राबर्ट धीरे धीरे देह को हिलाता खडा रहता है। उसकी आखें आदमियों के चेहरो को उत्तेजित कर रही हैं। ]

इवेंस और जागो (यकायक)

[ समूह कुछ खिसकता है। मेज पटरी के नीचे-नीचे आकर मच के निकट खडी हो जाती है और राबर्ट की ओर देखकर कुछ कहना चाहती है। यकायक सदेहमय सन्नाटा छा जाता है। ]

राबर्ट बूढे महाशय कहते है, 'प्रकृति के पैरो को चूमो।' मैं कहता हूँ प्रकृति को ठोकर मारो, देखें वह हमारा क्या बिगाड सकती है।

[ मेज को देखता है। उसकी भवें सिकुड जाती हैं। वह आँखें हटा लेता है। ]

मेज (मच के पास आकर धीमी आवाज से) तुम्हारी स्त्री मर रही है।

[ राबट उसकी ओर घूरता है मानो उत्थान के शिखर पर से नीचे गिर पडा हो। ]

राबट (कुछ बोलने की चेष्टा करके) मैं तुमसे कहता हूँ—उन्हें जवाब दो—उन्हें जवाब दो—

[ समूह की भनभनाहट में उसकी आवाज दब जाती है। ]

टामस (आगे बढकर) क्या तुमने उसकी बात नही सुनी ?

राबट क्या बात है ?

टामस तुम्हारी स्त्री मर गई ह जी।

[ राबट हिचकता है, तब सिर हिलाकर नीचे कूद पडता है, और पटरी के नीचे-नीचे चला जाता है। लोग उसके लिए रास्ता छोड देते हैं। खडा हुआ मल्लाह अपनी लालटेन खोलता है और उसे जलाने लगता है। अँधेरा हुआ जाता है। ]

मेज उन्होंने व्यथ इतनी जल्दी की। एनी राबर्ट तो मर गई।

[ तब उस सन्नाटे में जोश के साथ ]

क्या तुम सब के सब अन्धे हो गए हो ? अभी और कितनी औरतों का खून करना चाहते हो ?

[ समूह उसके पास से हट जाता है। लोग छोटी-छोटी टुकड़ियों में घबराए हुए जमा हो जाते हैं। मेज जल्दी से पटरी के नीचे चली जाती है। लोग चुपचाप उसके पीछे ताकते रहते हैं। ]

लुईस तुम सब इसी अग्निकुंड में जलोगे।

वल्जिन (गुर्राकर) मैं तुम्हारे दाँत तोड दूँगा।

ग्रीन अगर तुमने मेरी बात मानी होती—

टामस उसे धर्म से विमुख होने का यह दण्ड मिला है। मैंने उससे कह दिया था कि यही होने वाला है।

इवेंस इसीलिए तो हमें और भी उसका साथ देना चाहिए।

[ ताली बजती है। ]

क्या इस विपत्ति में तुम उसका साथ छोड दोगे ? उसकी स्त्री मर गई है, क्या इस दशा में तुम उससे दगा करोगे ?

[ समूह एक साथ तालियां भी बजाता है और कुड़कुड़ाता भी है। ]

राउस (मंच के सामने आकर) उसकी स्त्री मर गई। क्या अब भी तुम्हें कुछ नहीं सूझता ? तुम लोगों के घर में भी तो स्त्रियां हैं, उनकी रक्षा कैसे होगी ? बहुत दिन न बीतेंगे कि तुम लोगों पर भी यही विपत्ति आवेगी।

लुईस ठीक ठीक !

हेनरी राउस तुमने सच कहा, जाज, बिलकुल सच !

[ लोग दबी जबान से हामी भरते हैं। ]

राउस हम लोग अन्धे नहीं हैं अन्धा राबर्ट है। तुम लोग कब तक उसका मुंह ताकते रहोगे ?

हेनरी राउस,
वल्जिन, डेविस उसे धता बताना चाहिए।

[ और लोग भी यही हांक लगाते हैं। ]

इवेस (झल्लाकर) गिरे हुए आदमी को ठोकर मारते तुम्हें शर्म नहीं आती ?

हेनरी राउस जबान बन्द करो।

[ वल्जिन को घूसा तानते देखकर इवेंस हाथ फैला देता है।

मल्लाह जिसने लालटेन जला ली है, उसे सिर के ऊपर उठाता है । ]

राउस (मच पर कूदकर) उसी की खूनी जिद ने तो उसकी यह हालत की । क्या तुम अब भी उस आदमी के पीछे-पीछे चलोगे जिसे खुद नही मालूम कि मैं कहाँ जा रहा हूँ ?

इवेंस उसकी स्त्री मर गई है ।

राउस तो यह उसकी अपनी ही करनी का फल तो ह । मैं कहता हूँ अब भी उसका साथ छोड दो, नही ता वह इसी तरह तुम्हारी स्त्रियो और माताओ की जान ले लेगा ।

डेविस उसका बुरा हो !

हेनरी राउस अब उसकी कौन सुनता ह !

ब्राउन बहुत सुन चुके ।

लुहार हद से ज्यादा ।

[ सब लोग यही रट लगाने लगते हैं सिफ इवेंस, जागो और ग्रीन चुप रहते हैं । ग्रीन लुहार से बहस करता दिखाई देता है । ]

राउस (चिल्लाकर) भाइयो, हम पचायत के साथ मेल कर लेंगे ।

[ तालियाँ बजती हैं । ]

इवेंस (झल्लाकर) अरे दगाबाजो ।

बल्जिन (गुस्से में भरा हुआ उसके सामने जाकर) तू किसे दगाबाज कह रहा ह गधे ?

[ इवेंस घूसा उठाता है, वार बचाता है, और घूसा चलाता है । दोनों लडने लगते हैं । दोनों मल्लाह लालटेन उठाए तमाशा देख रहे हैं । बूढा टामस आगे बढता है, और उनमें बीच बचाव करता है । ]

टामस तुम्हें यो झगडा करने में शम नही आती ?

[ लुहार, ब्राउन, लुइस और लाल बालोंवाला युवक इवेंस और बल्जिम को अलग कर देते हैं । स्टेज पर बहुत हलकी रोशनी है । ]

[ पर्दा गिरता है । ]

# अंक ३

## दृश्य पहला

[ पाँच बज गए हैं। अन्डरवुड के दीवानखाने में, जो सुरुचि के साथ सजा हुआ है, एनिड सोफा पर बैठी हुई बच्चे का फ्राक सी रही है। एडगार एक छोटी सी लम्बी टाँग की मेज पर कमरे के बीच में बैठा हुआ एक चीनी की सन्दूकची को घुमा रहा है। उसकी आँखें दुहरे दरवाजों की तरफ लगी हुई हैं जो दीवानखाने में खुलता है। ]

एडगार (चीनी की डिबिया को रखकर और अपनी घड़ी को एक नजर देखकर) ठीक पाच बजे है। फ्रंक के सिवा और सब वहा आकर बठे हुए ह। वह कहाँ है ?

एनिड वे एक शतनामे के विषय में गैस ग्वायन के मकान तक गए ह। क्या तुम्हे उनकी जरूरत होगी ?

एडगार उनसे क्या काम निकलेगा। यह तो डाइरेक्टरो का काम ह।

[ इकहरे दरवाजे की तरफ इशारा करके जिस पर पर्दा पडा हुआ है। ]

दादा अपने कमरे में है ?

एनिड हाँ!

एडगार मैं चाहता हूँ कि वे वही बठे रहे।

[ एनिड आख उठाती है। ]

यह बडा बेहूदा काम है, बहन!

[ उस छोटी सन्दूकची को फिर उठा लेता है, और उसे बार बार घुमाता है। ]

एनिड  मैं आज तीसरे पहर राबर्ट के घर गई थी ।

एडगार  यह तो अच्छी बात न था ।

एनिड  वह अपनी स्त्री को मारे डालता है ।

एडगार  तुम्हारा मतलब है कि हम लोग मारे डालते हैं ।

एनिड  (चौंककर) राबर्ट का मान जाना चाहिए ।

एडगार  मजदूरा के पक्ष में भी बहुत कुछ कहा जा सकता है ।

एनिड  मुझे अब उन पर उसकी आधी दया भी नहीं आती जितनी वहाँ जाने के पहिले आती थी । वे हम लागो के विरुद्ध जाति भेद फैलाते हैं । बेचारी एनी की दशा खराब थी—आग बुझी जाती थी । और खाने को उसके लायक कुछ न था ।

[ एडगार इस सिरे से उस सिरे तक टहलने लगता है । ]

लेकिन फिर भी राबर्ट का दम भर रही थी । जब हम यह सारी दुर्दशा आँखो मे देखते हं, और अनुभव करते ह कि हम कुछ कर नहीं सकते, तो आँखें बन्द कर लेनी पडती है ।

एडगार  अगर बन्द हो सकें !

एनिड  जब मैं वहा गई ता मैं सोलहा आना उनके पक्ष म थी । लेकिन ज्यो ही मैं वहाँ पहुँची, ता मेर मन में कुछ और ही भाव आने लगे । लोग कहते हैं कि मजदूरा पर दया करनी चाहिए । व नही जानते इसे व्यवहार म लाना कठिन कितना है । मुझे ता निराशा होती है ।

एडगार  शायद !

एनिड  मजदूरो को इस दशा मे पडे देखकर बडा दु ख होता ह । मुझे तो अब भी आशा ह कि दादा कुछ रियायत करेंगे ।

एडगार  वह कुछ न करेंगे ।

[ निराश होकर ]

यह उनका धम हो गया ह । इसका सत्यानाश हो ! मैं जानता हूँ जो कुछ होने वाला है । उन्हे बहुमत से हारना पडेगा ।

एनिड  डाइरेक्टरा की इतनी हिम्मत नही ह ।

एडगार  है क्यो नही, सबा के होश उडे हुए ह ।

एनिड  (क्रोध से) वह मानने वाले नही ह ।

एडगार  (कन्धा हिलाकर) बहिन, अगर तुम्हे राएँ कम मिलेंगी तो मानना ही पडेगा ।

एनिड  ओह !

[ घबराकर खडी हो जाती है । ]

लेकिन क्या वह इस्तीफा दे देंगे ?

एडगार अवश्य । यह तो उनके सिद्धान्तो की जड ही काट देता है ।

एनिड लेकिन एडगार, इस कम्पनी पर उन्होने अपना तन, मन सब अपरण कर दिया । उनके लिए तो कुछ रह ही न जायगा । भयकर समस्या खडी हो जायगी ।

[ एडगार अपने कन्धे हिलाता है । ]

देखो टेड, वह बहुत बूढे हो गए है । उन सबो को मना करना ।

एडगार (अपने भावों को छिपाने के लिए उबल पडता है) इस हडताल मे मैं सालहो आना मजदूरो के पक्ष में हूँ ।

एनिड वह तीस साल से इस कम्पनी के सभापति ह । सब उन्ही का किया हुआ ह और सोचो उन्हें कैसी-कैसी कठिनाइयाँ झेलनी पडी हैं । उन्ही ने उनका बेडा पार लगाया । टेड तुम उन्हें

एडगार तुम चाहती क्या हो ? तुमने अभी कहा कि तुम्हें आशा ह, दादा कुछ रियायत करेंगे । अब तुम चाहती हो कि रियायत न करने में मैं उनका साथ दूँ । यह खल नही है, एनिड ।

एनिड (तेज होकर) तो मेरे लिए भी दादा के हाथो से उन सब अख्तियारो के निकल जाने का भय खेल नही है, जो उनके जीवन के आधार हैं । अगर वह राजी न हुए, और उन्हें हार माननी पडी, तो उनकी कमर ही टूट जाएगी ।

एडगार तुम्ही ने तो कहा है कि आदमियो को इस दशा में देखकर बडा दु ख हाता ह ।

एनिड लेकिन यह भी तो सोचो, टेड, कि दादा से यह चोट सही न जायगी । तुम्हे किसी तरह उन लोगो को रोकना चाहिए । और सब उनसे डरत ह । अगर तुम उनकी तरफ हो जाओ तो कोई उनका कुछ नही कर सकता ।

एडगार (माथे पर हाथ रखकर) अपने धर्म के विरुद्ध, तुम्हारे धम क विरुद्ध । ज्यो ही अपनी बात आ जाती है

एनिड यह अपनी बात नही ह दादा की बात ह ।

एडगार हम हो या हमारा परिवार एक ही बात ह । अपनी बात आई, और खल बिगडा ।

एनिड (चिढकर) तुम दिल्लगी कर रहे हो और मैं सच कहती हूँ ।

एडगार मुझे उनसे उतना ही प्रेम है, जितना तुमको है, मगर यह बिलकुल दूसरी बात ह।

एनिड मजदूरो की क्या दशा होगी, यह हम कुछ नही जानते। यह सब अनुमान है। लेकिन दादा का कोई ठिकाना नही। क्या तुम्हारा यह मतलब है कि वह तुम्हें मजदूरो से

एडगार हाँ, उनसे कही प्रिय है।

एनिड तब तुम्हारी बात मेरी समझ में नही आती।

एडगार शायद!

एनिड अगर अपनी खातिर करना पडता ता और बात थी। लेकिन अपने बाप के लिये मैं इसे शम की बात नही समझती। मालूम होता ह तुम इसका अथ नही समझ रहे हो।

एडगार खूब समझ रहा हूँ।

एनिड उनको बचाना तुम्हारा मुख्य धम ह।

एडगार कह नही सकता।

एनिड (मिन्नत करके) टेड, जीवन से उनका यही एक सम्बन्ध रह गया है। यह उनके प्राण ही लेकर छाडेगा।

एडगार (उदगार को रोककर) हाँ, ह ता ऐसा ही।

एनिड वचन दो।

एडगार मुझमे जो कुछ हो सकेगा करूँगा।

[ वह दुहरे दरवाजों की ओर घूमता है। ]

[ पर्देदार दरवाजा खुलता है, और ऐंथ्वनी अन्दर आता है। एडगार दुहरे दरवाजों को खोलकर चला जाता है। ]

[स्कैंटलबरी की धीमी आवाज़ यह कहते हुए सुनाई देती है, 'पाँच बज गए। यह झगडा खतम न होगा। हमें उस होटल में फिर भोजन करना पडेगा।' दरवाजे बन्द हो जाते हैं ऐंथ्वनी आगे बढता है। ]

ऐंथ्वनी मैंने सुना तुम राबट के घर गई थी।

एनिड जी हाँ!

ऐंथ्वनी तुम जानती हा कि इस खाई के पार करने की चेष्टा करना कितना कठिन है।

[ एनिड फ्राक को छोटी मेज पर रख देती है, और उसके सामने ताकती है। ]

जसे कोई चलनी को बालू से भरे।

एनिड ऐसा न कहिए दादा।

ऐंथ्वनी तुम समझती हो कि अपने दस्तानेदार हाथो से तुम देश की विपत्ति का दूर कर सकती हो।

[ वह आगे बढ जाता है। ]

एनिड दादा!

[ ऐंथ्वनी दुहरे दरवाजे पर रुक जाता है। ]

मुझे तुम्हारी ही चिन्ता ह।

ऐंथ्वनी (ओर नम्र होकर) वेटी, मैं अपनी रक्षा आप कर सकता हूँ।

एनिड तुमने साचा ह अगर वहा

[ उँगली दिखाती है ]

तुम्हारी हार हो गई तो क्या होगा ?

ऐंथ्वनी मेरी हार हो क्यो ?

एनिड दादा, उन लागो को इसका अवसर न दीजिए। आपका जी अच्छा नही है। आपके वहा जाने की जरूरत ही क्या है।

ऐंथ्वनी (उदास मुसकुराहट के साथ) मैदान छोडकर भाग जाऊँ।

एनिड लेकिन उन लोगों का बहुमत हो जायगा।

ऐंथ्वनी (दरवाजे पर हाथ रखकर) यही तो देखना ह।

एनिड मैं आपके पैरो पडती हूँ, दादा।

[ ऐंथ्वनी उसकी ओर प्यार से देखता है। ]

वहा न जाइएगा।

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है। वह दरवाजा खोलता है। आवाजो की भिनभिनाहट सुनाई देती है। ]

स्कैंटलबरी उस साढे छ बजे वाली गाडी पर भोजन मिल जाता है न ?

टेंच जी नही। मैं तो समझता हूँ नही मिलता।

वाइल्डर मैं तो सब कुछ कह डालूगा। इस दुविधे से जी भर गया।

एडगार (चौंककर) क्या ?

[ यह आवाजें तुरत बन्द हो जाती हैं। ऐंथ्वनी दरवाजे को बन्द करता हुआ उनके बीच से निकल जाता है। एनिड भय के भाव के साथ लपककर दरवाजे के पास आ जाती है। वह मुठिये को पकड लेती है और उसे घुमाने लगती है। तब वह आतशखाने के पास जाती है, और उसके जगलों को पैरो से खटखटाती है। एकाएक वह घण्टी बजाती है। फ्रास्ट उस दरवाजे से आता है जो बडे कमरे में

खुलता है। ]

फ्रास्ट हाजिर हूँ।

एनिड देखो फास्ट, मजदूर आज आयें तो उन्हें यहाँ लाना। हाल में बडी ठण्डक है।

फ्रास्ट मुरग़ीखाने में न ले जाऊँ, हुजूर।

एनिड नही। मैं उनका अनादर नही करना चाहती। जरा-सी बात में बुरा मान जाते है।

फ्रास्ट जी हाँ, हुजूर !

[ रुककर ]

मिस्टर ऐंथ्वनी ने आज दिन भर कुछ नही खाया।

एनिड मुझे मालूम है।

फ्रास्ट बस, दो गिलास ह्विस्की और सोडा पिया।

एनिड सच ! तुम्हें उनको ये चीजें न देनी चाहिए थी।

फ्रास्ट (गम्भीरता से) हुजूर, मिस्टर ऐंथ्वनी का मिजाज समझ में नही आता। उन्हे यह नही मालूम होता कि अब वह जवान नही है, इन चीजो से उन्हे हानि होगी। जो कुछ जी में आता है वही करते है।

एनिड हम सब भी तो यही चाहते है।

फ्रास्ट हा, हुजूर !

[ धीरे से ]

हड़ताल के बारे में मैं कुछ कहना चाहता हूँ। क्षमा कीजिएगा। मैं समझता हूं कि और लोग मिस्टर ऐंथ्वनी की बात मान जायें और पीछे से मजदूरो की मागें पूरी कर दें तो झगड़ा मिट जाय। मुझे मालूम है कि कभी कभी उनके साथ यह चाल ठीक पड़ती है।

[ एनिड सिर हिलाती है। ]

अगर उनकी बात काटी जाती है तो वह झल्ला उठते है।

[ इस भाव से मानो उसने कोई नई बात खोज पाई हो ]

मैंने अपनी ही दशा में देखा है कि जब मुझे क्रोध आ जाता है ता पीछे उस पर पछताता हूँ।

एनिड (मुसकुराकर) तुम्हें कभी क्रोध भी आता है, फ्रास्ट ?

फ्रास्ट हाँ हुजूर ! कभी-कभी बहुत क्रोध आता है।

एनिड मैंने नही देखा।

फ्रास्ट (शान्त भाव से) नही हुजूर, आता है।

एनिड ऐसा न कहिए दादा।

ऐंथ्वनी तुम समझती हो कि अपने दस्तानेदार हाथों
दूर कर सकती हो।

[ वह आगे बढ जात

एनिड दादा।

[ ऐंथ्वनी दुहरे दरवाज़े पर

मुझे तुम्हारी ही चिन्ता है।

ऐंथ्वनी (और नम्र होकर) बेटी मैं अपनी रक्षा

एनिड तुमने सोचा है अगर वहाँ

[ उँगली दिखा

तुम्हारी हार हो गई तो क्या होगा ?

ऐंथ्वनी मेरी हार हो क्यों ?

एनिड दादा, उन लोगो को इसका अवसर न
है। आपके वहाँ जाने की जरूरत

ऐंथ्वनी (उदास मुसकुराहट के साथ) मैदान

एनिड लेकिन उन लोगो का बहुमत हो जाय

ऐंथ्वनी (दरवाज़े पर हाथ रखकर) यही तो

एनिड मैं आपके पैरो पडती हूँ, दादा।

[ ऐंथ्वनी उसको

वहाँ न जाइएगा।

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है

की भिनभिनाहट सुनाई देती है

स्कैंटलबरी उस साढे छ बजे वाली गाड

टेंच जी नही। मैं तो समझता हूँ नही गि

वाइल्डर मैं तो सब कुछ कह डालूगा।

एडगार (चौंककर) क्या ?

[ यह आवाज़ें तुरन्त
बन्द करता हुआ उनके बीच र
के साथ लपककर दरवाज़े के
लेती है और उसे घुमाने
जाती है, और उसके जगलों
घण्टी बजाती है। फ्रास्ट उ

ाकती है । ]

खीचातानी हा रही ह । मुझे रॉबट से जरा भी
। मने सुना ह कि औरो की तरह वह भी मामूली
उसने काई नई चीज निकाली है तो दूसरो से उस
तो है । मेरे भाई ने एक नए किस्म की कल बना
पुरस्कार नही दिया । लेकिन फिर भी उसका
हो रहा है ।

े दरवाजो के और समीप आ जाती है । ]

ह ह, जो सारे ससार स इसलिये जला करता
से अमीर क्या न बनाया । मैं ता यह कहता हूँ कि
े आदमिया को उसी तरह अपने बराबर समझता
ा होता तो समझता ।

ाँ मैं जानती हूँ, फास्ट । तुम जरा अदर जाकर
चाय पीना चाहते है ? कहना मैंने भेजा है ।

जे खोलता है और अदर जाता है । जोशीली,
त की क्षीण आवाज सुनाई देती है । ]

ही हूँ ।

पत्ति सिर पर सवार रहती है ।

न प्रस्ताव क्या है ?

ता जी क्या कहते है ? क्या चाय लाए हो ? मेरे

ति ने यह कहा है—

करता हुआ अदर आता है । ]

वे अब चाय न पिएँगे ?

के पास जाती है और बच्चे के फ्राक को
र खडी रहती है । ]

से अदर आती है । ]

[ एनिड द्वार के पीछे की तरफ पैरों से ठेलती है । ]

[ दर्द भरी आवाज में कहता है ]

आप तो जानती है, मैं मिस्टर ऍंथनी के साथ उसी वक्त से हूँ जब मैं १५ साल का था । इस बुढ़ापे में कोई उन्हें छेड़ता है तो मुझे दुःख होता है । मैंने मिस्टर वेंक्लीन से इस विषय में बातचीत की थी ।

[ धीमे स्वर में ]

वह डाइरेक्टरों में सबसे समझदार मालूम होते हैं । लेकिन उन्होंने मुझसे कहा 'यह तो ठीक है, फ्रास्ट, लेकिन यह हड़ताल बड़े जोखिम की बात है ।' मैंने कहा—'बेशक दोनों तरफ के लिए जोखिम की बात है । लेकिन मालिक की कुछ खातिरदारी तो कीजिए । बस जरा पुचारा दे दीजिए । यह समझिए कि अगर किसी के सामने पत्थर की दीवार आ जाय तो वह उससे सिर नहीं टकराता, उसके ऊपर से होकर निकल जाता है ।' इस पर वह बोले, 'तुम अपने मालिक को यह सलाह क्यों नहीं देते ।'

[ फ्रास्ट अपने नहों की ओर ताकता है ]

बस इतनी बात हुई हुजूर ! मैंने आज मिस्टर ऍंथनी से कहा, 'जरा सी बात के लिये आप क्यों जान खपाते हैं ?' तो मुझसे बोले, बक-बक मत करो फ्रास्ट जो तुम्हारा काम है वह करो, या एक महीने की नोटिस लो ।' इन बातों के लिए क्षमा कीजिएगा, हुजूर !

एनिड (दुहरे दरवाजों के पास जाकर और कान लगाकर) क्या, फ्रास्ट, तुम राबर्ट को जानते हो ?

फ्रास्ट हाँ हुजूर, उसकी बातों से तो कुछ नहीं मालूम होता लेकिन उसकी सूरत देखकर हम कह सकते हैं कि वह कैसा आदमी है ।

एनिड (रुककर) हाँ !

फ्रास्ट वह इन मामूली सीधे सादे साम्यवादियों में नहीं है । वह गुस्सवर है, उसके अन्दर आग भरी हुई है । आदमी को अख्तियार है कि वह जो राय चाहे रक्खे । लेकिन जब वह जिद पकड़ लेता है, तब वह उपद्रव करने लगता है ।

एनिड मैं समझती हूँ दादा का भी राबर्ट के विषय में यही ख्याल है ।

फ्रास्ट इसी से तो मिस्टर ऍंथनी उससे चिढ़ते हैं ।

[ एनिड उसकी ओर चुभती हुई निगाह डालती है । उसे चिन्तित देखकर खड़ी-खड़ी अपने ओंठ काटने लगती है और दुहरे

दरवाजों की ओर ताकती है । ]

दोनो आदमियो में खीचातानी हो रही है । मुझे राबर्ट से जरा भी सहानुभूति नही है । मैने सुना है कि औरो की तरह वह भी मामूली मजदूर है । अगर उसने कोई नई चीज निकाली है तो दूसरो से उस की दशा अच्छी भी तो है । मेरे भाई ने एक नए किस्म की कल बना डाली । किसी ने उसे पुरस्कार नही दिया । लेकिन फिर भी उसका प्रचार चारो तरफ हो रहा है ।

[ एनिड दुहरे दरवाजो के और समीप आ जाती है । ]

एक किस्म का आदमी होता है, जो सारे ससार से इसलिये जला करता है कि विधाता ने उसे अमीर क्या न बनाया । मैं तो यह कहता हूँ कि शरीफ अपने से छोटे आदमियो को उसी तरह अपने बराबर समझता है जैसे वह खुद छोटा होता तो समझता ।

एनिड (कुछ अधीर होकर) हा मैं जानती हूँ, फ्रास्ट । तुम जरा अन्दर जाकर पूछो कि आप लोग चाय पीना चाहते है ? कहना मैंने भेजा है ।

फ्रास्ट बहुत अच्छा, हुजूर ।

[ वह दरवाजे खोलता है और अन्दर जाता है । जोशीली, बल्कि गुस्से से भरी हुई बातचीत की क्षीण आवाज सुनाई देती है । ]

वाइल्डर मैं आपसे सहमत नही हूँ ।

वेंकलिन रोज ही तो यह विपत्ति सिर पर सवार रहती है ।

एडगार (अधीर होकर) लेकिन प्रस्ताव क्या है ?

स्केंटलबरी हाँ, आप के पिता जी क्या कहते है ? क्या चाय लाए हो ? मेरे लिए मत लाना ।

वेंकलिन मेरी समझ में सभापति ने यह कहा है—

[ फ्रास्ट फिर दरवाजे को बन्द करता हुआ अन्दर आता है । ]

एनिड (दरवाजे से हटकर) क्या वे अब चाय न पिएँगे ?

[ वह छोटी मेज के पास जाती है और बच्चे के फ्राक की तरफ ताकती हुई चुपचाप खडी रहती है । ]

[ एक टहलनी हाल से अन्दर आती है । ]

टहलनी मिस टामस आई है, हुजूर ।

एनिड (सिर उठाकर) टामस ? कौन मिस टामस ? क्या वह ?

टहलनी हाँ, हुजूर ।

एनिड (ऊपरी मन से) अच्छा ! वह कहाँ है ?

[ एनिड द्वार के पीछे की तरफ पैरों से खेलती है। ]

[ दद भरी आवाज में कहता है ]

आप तो जानती हैं, मैं मिस्टर एन्थनी के साथ उसी वक्त से हूँ जब मैं १५ साल का था। इस बुढापे में कोई उन्हें छेडता है तो मुझे दुःख होता है। मैंने मिस्टर वैंक्लीन से इस विषय में बातचीत की थी।

[ धीमे स्वर में ]

वह डाइरेक्टरो में सबसे समझदार मालूम होते है। लेकिन उन्होंने मुझसे कहा, 'यह तो ठीक है, फ्रास्ट, लेकिन यह हडताल बडे जोखिम की बात है। मैंने कहा—'बेशक दोनो तरफ के लिए जोखिम की बात है। लेकिन मालिक की कुछ खातिरदारी तो कीजिए। बस जरा पुचारा दे दीजिए। यह समझिए कि अगर किसी के सामने पत्थर की दीवार आ जाय तो वह उससे सिर नही टकराता, उसके ऊपर से होकर निकल जाता है।' इस पर वह बोले, 'तुम अपने मालिक को यह सलाह क्यो नही देते।'

[ फ्रास्ट अपने नहों की ओर ताकता है ]

बस इतनी बात हुई, हुजूर। मैंने आज मिस्टर एंथ्वनी से कहा, 'जरा सी बात के लिये आप क्यो जान खपाते है? तो मुझसे बोले, 'बक-बक मत करो फ्रास्ट, जो तुम्हारा काम है वह करो, या एक महीने की नोटिस लो।' इन बातो के लिए क्षमा कीजिएगा, हुजूर!

एनिड (दुहरे दरवाजो के पास जाकर और कान लगाकर) क्यो, फ्रास्ट, तुम राबर्ट को जानते हो?

फ्रास्ट हाँ हुजूर, उसकी बातो से तो कुछ नही मालूम होता, लेकिन उसकी सूरत देखकर हम कह सकते है कि वह कैसा आदमी है।

एनिड (रुककर) हां!

फ्रास्ट वह इन मामूली सीधे सादे साम्यवादियो में नही है। वह गुस्सेवर है उसके अन्दर आग भरी हुई है। आदमी का अख्तियार है कि वह जो राय चाहे रक्खे। लेकिन जब वह जिद पकड लेता है, तब वह उपद्रव करने लगता है!

एनिड मैं समझती हूँ दादा का भी राबर्ट के विषय में यही खयाल है।

फ्रास्ट इसी से तो मिस्टर एंथ्वनी उससे चिढते है।

[ एनिड उसको ओर चुभती हुई निगाह डालती है। उसे चिन्तित देखकर खडी खडी अपने ओंठ काटने लगती है और दुहरे

दरवाजों की ओर ताकती है । ]

दोनो ग्रादमियो में खीचातानी हो रही ह । मुझे रॉबट से जरा भी सहानुभूति नही ह । मने सुना ह कि औरो की तरह वह भी मामूली मजदूर है । अगर उसने काई नई चीज निकाली ह तो दूसरो से उस की दशा अच्छी भी तो है । मेरे भाई ने एक नए किस्म की कल बना डाली । किसी ने उसे पुरस्कार नही दिया । लेकिन फिर भी उसका प्रचार चारो तरफ हो रहा है ।

[ एनिड दुहरे दरवाजों के और समीप आ जाती है । ]

एक किस्म का आदमी होता ह, जो सारे ससार मे इसलिये जला करता ह कि विधाता ने उसे अमीर क्यो न बनाया । मैं तो यह कहता हूँ कि शरीफ अपने से छोटे आदमियो को उसी तरह अपने बराबर समझता है जैसे वह खुद छोटा होता तो समझता ।

एनिड (कुछ अधीर होकर) हाँ मैं जानती हूँ, फ्रास्ट । तुम जरा अन्दर जाकर पूछो कि आप लोग चाय पीना चाहते हैं ? कहना मैंने भेजा है ।

फ्रास्ट बहुत अच्छा, हुजूर ।

[ वह दरवाजे खोलता है और अदर जाता है । जोशीली, बल्कि गुस्से से भरी हुई बातचीत की क्षीण आवाज सुनाई देती है । ]

वाइल्डर मैं आपसे सहमत नही हूँ ।

वेंकलिन रोज ही तो यह विपत्ति सिर पर सवार रहती है ।

एडगार (अधीर होकर) लेकिन प्रस्ताव क्या है ?

स्कॅटलवरी हां, आप के पिता जी क्या कहते है ? क्या चाय लाए हो ? मेरे लिए मत लाना ।

वेंकलिन मेरी समझ में सभापति ने यह कहा है—

[ फ्रास्ट फिर दरवाजे को बद करता हुआ अदर आता है । ]

एनिड (दरवाजे से हटकर) क्या वे अब चाय न पिऐंगे ?

[ वह छोटी मेज के पास जाती है और बच्चे के फ्राक की तरफ ताकती हुई चुपचाप खडी रहती है । ]

[ एक टहलनी हाल से अन्दर आती है । ]

टहलनी मिस टामस आई हैं, हुजूर ।

एनिड (सिर उठाकर) टामस ? कौन मिस टामस ? क्या वह ?

टहलनी हाँ, हुजूर ।

एनिड (ऊपरी मन से) अच्छा ! वह कहाँ है ?

टहलनी  ड्योढी में ।

एनिड  कोई जरूरत नही—

[ कुछ हिचकिचाती है । ]

फ्रास्ट  क्या उसे जवाब दे दूँ, हुजूर ?

एनिड  मैं बाहर आती हूँ । नही उसे अन्दर बुला लो एलिन ।

[ टहलनी और फ्रास्ट बाहर जाते हैं । एनिड अपने ओंठ सिकोड कर छोटी मेज पर बैठ जाती है, और बच्चे का फ्राक सीने से लगाती है । टहलनी मेज टामस को अन्दर लाती है, और चली जाती है । मेज दरवाजे के पास खडी हो जाती है । ]

एनिड  चली आओ, क्या बात है ? किस लिए आई हो ?

मेज  मिसेज राबट के पास से एक सदेशा लाई हूँ ।

एनिड  सदशा ? क्या ?

मेज  उसने आपसे कहा है कि उसकी मा की खबर लेते रहिएगा ।

एनिड  यह बात मेरी समझ में आई नही ।

मेज  (रुखाई से) सदेशा तो यही है ।

एनिड  लेकिन—क्या बात है ! क्या ?

मेज  एनी राबर्ट मर गई ह ।

[ दोना चुप हो जाती हैं । ]

एनिड  (घबराकर) लेकिन अभी एक ही घटा हुआ मैं उसके पास से चली आती हूँ ।

मेज  ठड और भूख से मर गई ।

एनिड  (उठकर) हटो, मुझे तो विश्वास नही आता । बेचारी का दिल—तुम मेरी तरफ इस तरह क्यो देख रही हो ? मैंने तो उसे मदद देनी चाही थी ।

मेज  (अपने क्रोध को दबाकर) मैंने समझा शायद आप जानना चाहती है ।

एनिड  (उत्तेजित होकर) तुम मुझ पर अन्याय कर रही हो । क्या तुम दखती नही हो कि मैं तुम लोगो की मदद करना चाहती हूँ ?

मेज  जब तक मुझे कोई नही सताता मैं उसे नही सताती ।

एनिड  (रुखेपन से) मैंने तुम्हारे साथ क्या बुराई की ह ? तुम मुझसे इस तरह क्यो बोल रही हो ?

मेज  (वेदना से विह्वल होकर) तुम अपना विलास छोडकर हमारी टोह लेने आती हो । तुम चाहती हो कि हम लोग एक सप्ताह भूखों मरें ।

एनिड (अपनी बात पर अड़कर) बेसिर पैर की बातें न करो।

मेज मैंने उसे मरते देखा। उसके हाथ ठिठुरकर काले हो गए थे।

एनिड (शोक से विकल होकर) श्रोफ! फिर उसने क्या मुझसे मदद नहीं ली? इस व्यर्थ के अभिमान से क्या फ़ायदा।

मेज देह को गर्म रखने के लिए कुछ नहीं है तो अभिमान ही सही।

एनिड (झल्लाकर) मैं तुम्हारी बातें नहीं सुनना चाहती। तुम क्या जानती हो मुझे कितना दुःख हो रहा है? अगर मैं तुमसे अच्छी दशा में हूँ तो इसमें मेरा क्या अपराध है?

मेज हम आपकी दौलत नहीं चाहते।

एनिड तुम न कुछ समझती हो और न समझना चाहती हो। यहां से चली जाओ।

मेज (कटुता से) आप मीठी मीठी बातें भले ही करें लेकिन आप ही ने उसकी जान ली। आप और आपके बाप ने।

एनिड (क्रोध और आवेश से) क्यों कोसती हो? मेरे पिता तो इस मनहूस हड़ताल के कारण आप ही बेहाल हो रहे हैं।

मेज (कठोर गर्व के साथ) तब उनसे कह दो मिसेज़ राबर्ट मर गई। इससे उन्हें फ़ायदा होगा।

एनिड चली जाओ।

मेज जब कोई हमारे पीछे पड़ता है तो हम भी उसके पीछे पड़ जाते हैं।

[ वह यकायक तेज़ी से एनिड की तरफ बढ़ती है, उसकी आँखें छोटी मेज़ पर रक्खे हुए बच्चे के फ्राक पर जमी हुई हैं। एनिड फ्राक को उठा लेती है, मानो वह बच्चा ही हो। दोनों आखें मिलाए एक गज़ के अन्तर पर खड़ी हो जाती हैं। ]

मेज (कुछ मुसकराकर फ्राक की तरफ इशारा करते हुए) अच्छा यह बात है। यह उसके बच्चे का फ्राक है। यह बहुत अच्छा है कि आपको उसकी मां की रक्षा करनी पड़ेगी उसके बच्चों की नहीं। बुढ़िया बहुत दिनों तक आपको कष्ट न देगी।

एनिड चली जाओ।

मेज मैं आपसे उसका संदेशा कह चुकी।

[ वह फिरकर हाल में चली जाती है। जब तक चली नहीं जाती एनिड निश्चल खड़ी रहती है, फिर झुककर उस फ्राक के ऊपर अपना सर झुका लेती है जिसे वह अभी तक लिए हुए है।

दुहरे दरवाजे खुलते हैं और ऐंथ्वनी मन्द गति से आते हैं। वह अपनी लडकी के सामने से होकर जाते हैं और एक आराम कुर्सी पर बैठ जाते हैं। उनका चेहरा लाल है। ]

एनिड (अपने आवेश को छिपाकर) क्या बात है दादा ?

[ ऐंथ्वनी सिर हिला देते हैं पर कुछ बोलते नहीं। ]

क्या बात है ?

[ ऐंथ्वनी जवाब नहीं देते। एनिड दुहरे दरवाजों के पास जाती है। वहा एडगार आता हुआ उससे मिल जाता है। दोनो आहिस्ता आहिस्ता बातें करने लगते हैं। ]

क्या बात है टेड ?

एडगार वही बेहूदा वाइल्डर। व्यक्तिगत आक्षेप करने लगा। साफ गालिया दे रहा था।

एनिड उसने क्या कहा ?

एडगार कहता था दादा इतने बुड्ढे और दुबल हो गए हैं कि उन्हें कुछ सूझता ही नही। दादा अभी उसके जमे छ आदमिया के बराबर है।

एनिड और क्या।

[ दोनो ऐंथ्वनी की ओर देखते हैं। ]

[ दरवाजे खुल जाते हैं। वेंकलिन स्कैंटलबरी के साथ आता है। ]

स्कैंटलवरी (एक स्वर में) मुझे यह बात पसन्द नही है।

वेंकलिन (आगे बढकर) प्रधान जी, वाइल्डर ने आपसे माफी माँगी है। भाई आदमी इसके सिवा और क्या कर सकता ह ?

[ वाइल्डर, जिसके पीछे-पीछे टेंच है, अन्दर आता है और ऐंथ्वनी के पास जाता है। ]

वाइल्डर (बेदिली से) मैं अपने शब्दा का वापस लेता हूँ, महाशय। मुझे खेद है।

[ ऐंथ्वनी सिर हिलाता है। ]

एनिड क्यो मिस्टर वेंकलिन, तुमने कुछ निश्चय नही किया ?

[ वेंकलिन सिर हिलाता है। ]

वेंकलिन प्रधान जी, हम सब यहाँ है। अब आप क्या कहते ह ? हम इस मामले पर विचार करें या दूसरे कमर में चले जायँ।

स्कैंटलवरी हाँ-हाँ हमें विचार करना चाहिए। कुछ न कुछ निश्चय करना जरूरी ह।

[ वह छोटी कुर्सी से घूमकर सबसे बड़ी कुर्सी पर बैठ जाता है और आराम की साँस लेता है। ]

[ वाइल्डर और वेंकलिन भी बैठते हैं और टेंच एक सीधे तकिए की कुर्सी खींचकर प्रधान के पास रजिस्टर और कलम लेके बैठ जाता है। ]

एनिड (धीरे से) मैं तुम से कुछ कहना चाहती हूँ, टेड।

[ दोनो दुहरे दरवाजो से बाहर चले जाते हैं। ]

वेंकलिन सच्ची बात यह ह प्रधान जा, अब इस भ्रम से अपने का तसकीन देना कि हमारा कोई कुछ बिगाड नही सकता उचित नही हैं। अगर आम जलसे के पहिले इस हडताल का अन्त नहीं हो जाता तो हिस्से दार लोग हमारी बुरी गति बनायेंगे।

स्केंटलबरी (चौंककर) क्या ! क्या बात ह ?

वेंकलिन यह तो होगा ही।

ऐंथ्वनी बनाने दो।

वाइल्डर तो हम अपनी जगह पर रह चुके।

वेंकलिन (ऐंथ्वनी से) मुझे उस नीति के लिए बलिदान हो जाने में काई भय नही हैं जिस पर मुझे विश्वास हो। लेकिन किसी दूसरे के सिद्धान्तो के लिए जलना मुझे मजूर नही।

स्केंटलबरी बात तो सच्ची ह प्रधान जी, आपको इसकी फिक्र करनी चाहिए।

ऐंथ्वनी दूसरे कारखानेवालो के हित के विचार से हमे दढ रहना चाहिए।

वेंकलिन उसकी भी एक सीमा हैं।

ऐंथ्वनी शुरू म तो आप लाग जोश से भरे हुए थे।

स्केंटलबरी (रोनी सूरत बनाकर) हमने समझा था मजदूर लोग दब जायेंगे, लेकिन यह खयाल ग़लत निकला।

ऐंथ्वनी दबेंगे।

वाइल्डर (उठकर कमरे में इस सिरे से उस सिरे तक टहलता हुआ) व्यवसायी आदमी हूँ, और मजदूरो का भूखा मार डालने के सन्तोष के लिए अपने नाम में बट्टा नही लगाना चाहता।

[ आँखों में आसू भरकर ]

यह मुझसे नही होगा। ऐसी दशा म हम हिस्सेदारा को कसे मुह दिखा सकेंगे।

स्कटलबरी हियर हियर हियर !!

वाइल्डर (अपने को धिक्कारकर) अगर कोई मुझसे यह आशा रक्खे कि मैं उनसे यह कहूँगा मैंने तुम्हें ५० हजार पौण्ड की चपत दी, और चाहे इतना ही घाटा और हो जाय, तो भी अपनी टेक न छोड़ूगा तो—

[ ऐंथ्वनी की ओर देखकर ]

मुझसे यह न होगा। यह उचित नही है। मैं आपका विरोध नही करना चाहता—

वेकलिन (नम्रता से) देखिए, प्रधान जी, हम लोग बिलकुल स्वाधीन नही हैं। हम सब एक कल के पुर्जे हैं। हमारा काम केवल इतना है कि जितना लाभ कम्पनी को हो सके उतना होने दें। अगर आप मुझ पर आक्षेप लगायें कि तुम्हारा कोई सिद्धान्त नही है तो मैं कहूँगा कि हम केवल प्रतिनिधि हैं। बुद्धि कहती है कि अगर यह हड़ताल चलती रही तो हमें जितनी हानि होगी वह मजूरी की बचत से न पूरी होगी। वास्तव में प्रधान जी, जिन अच्छी से अच्छी शर्तो पर हो सके यह झगडा बन्द कर देना चाहिए।

ऐंथ्वनी ऐसा नही हो सकता!

[ सबके सब सन्नाटे में आ जाते हैं। ]

वाइल्डर तो इधर भी हड़ताल ही समझिए।

[ निराशा से अपने हाथों को पटककर ]

मेरा स्पेन का जाना हो चुका!

वेकलिन (व्यंग मिले हुए स्वर में) प्रधान जी, आपने अपनी विजय का फल देख लिया?

वाइल्डर (आकस्मिक आवेश के साथ) मेरी स्त्री बीमार है।

स्कॅटलबरी यह तो आपने बुरी सुनाई।

वाइल्डर अगर मैं उसे इस भयकर शीत से न निकाल ले गया तो ईश्वर ही जाने क्या होगा।

[ एडगार दुहरे दरवाजे से अन्दर आता है, वह बहुत गम्भीर दिखाई देता है। ]

एडगार (अपने बाप से) आपने सुना मिसेज राबर्ट मर गई।

[ सब उसकी तरफ ताकने लगते हैं मानो इस समाचार की गुरुता पर विचार करते हों। ]

एनिड आज शाम को उसके घर गई थी। वहाँ न कोयला था, न खाना था और न कोई और चीज थी। बस हद हो गई!

[ सन्नाटा छा जाता है। सब एक दूसरे से आँखें चुराते हैं। केवल ऐंथ्वनी बेटे की तरफ घूरकर देखता है। ]

स्कैंटलबरी क्या आपका खयाल है, हम लोग उस गरीबिन की कुछ मदद कर सकते थे ?

वाइल्डर (उत्तेजित होकर) औरत बीमार थी। कोई नहीं कह सकता कि उसकी जिम्मेदारी हमारे ऊपर है। कम से कम मुझ पर नहीं है।

एडगार (गम होकर) मैं कहता हूँ कि हम सब जिम्मेदार हैं।

ऐंथ्वनी लड़ाई, लड़ाई है !

एडगार औरतों से नहीं।

वेंकलिन बहुधा औरतें वे ही मारी जाती हैं।

एडगार अगर यह हमको मालूम है, तो हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

ऐंथ्वनी यह आततायियों के समझने की बात नहीं है।

एडगार आप मुझे जो चाहे कहें, इससे ऊब गया हूँ। हमें मामले को इतना तूल देने का कोई अधिकार न था।

वाइल्डर मुझे यह बात रत्ती भर भी पसन्द नहीं। वह औंधी खोपड़ी वाला साम्यवादी पत्र इस मामले को तोड़-मरोड़कर अपना मतलब गाठेगा। देख लेना। कोई ऊट-पटांग कहानी गढ़कर यह दिखायेगा कि औरत भूखों मर गई। मेरा इसमें कोई दोष नहीं।

एडगार आप इससे किनारे नहीं रह सकते। हममें से कोई नहीं रह सकता।

स्कैंटलबरी (कुर्सी के बाजू पर घूसा मारकर) लेकिन मैं तो इसका विरोध करता हूँ।

एडगार आप जितना विरोध चाहें करें, आप सच को झूठ नहीं कर सकते।

ऐंथ्वनी बस ! अब मत बोलो।

एडगार (क्रोध से उनके सामने खड़े होकर) जी नहीं, मैं आपसे वही कहता हूँ जो मेरे दिल में है। अगर हम यह सोचें कि मज़दूरों को कष्ट नहीं हो रहा है तो यह झूठ है। और अगर उन्हें कष्ट हो रहा है, तो यह मानी हुई बात है कि औरतों को ज्यादा कष्ट हो रहा है और बच्चों की दशा तो कुछ कही नहीं जा सकती। मानव स्वभाव का इतना ज्ञान हमको है।

[ स्कैंटलबरी कुर्सी से खड़ा हो जाता है। ]

मैं यह नहीं कहता कि उन्हें सताने का हमारा इरादा था। मैं यह

नही कहता, लेकिन मैं यह जरूर कहता हूँ कि हमारा सच की ओर से आखे बन्द कर लेना बेजा था। हमने इन आदमियो को नौकर रक्खा ह और इस अपराध से नही बच सकते। मर्दो की तो मुझे ज्यादा परवाह नही है, लेकिन मै औरतो का इस तरह मारना नही चाहता। इससे तो यह कही अच्छा है कि मैं बोड से इस्तीफा दे दूँ।

[ ऐंथ्वनी के सिवा और सब खडे हो जाते हैं। ऐंथ्वनी कुर्सी की बाह पकडे पुत्र की ओर ताकता हुआ बैठा रहता है। ]

स्कॅटलबरी भाई जान, आप जिन शब्दो म अपने भाव प्रकट कर रहे ह वह मुझे पसद नही।

वेंकलिन आप हद से आगे बढे जा रहे है।

वाइल्डर मेरा भी ऐसा ही विचार ह।

एडगार (आपे से बाहर होकर) इन बाता की ओर से आखें मीच लेने से काम न चलेगा। अगर आप लोग औरतो का खून अपनी गरदन पर लेना चाहते हो ता लें। मैं नही लेना चाहता।

स्कॅटलबरी बस-बस भाई जान।

वाइल्डर 'हमारी' गदन कहिए मेरी' गदन नही। मैं अपनी गदन पर यह पाप नही लेना चाहता।

एडगार हम लाग बोड में ५ मेम्बर ह, अगर हम चार इसके विरुद्ध थे तो हमने क्यो इस मामले को इतनी दूर जाने दिया? इसका कारण आप लाग खूब जानते ह। हमें आशा थी कि हम मर्दों को भूखो मार डालेंगे, लेकिन हुआ यह कि हम औरतों की जान लेने लगे।

स्कॅटलबरी (उन्मत होकर) मैं इसे नही मानता किसी तरह नही। मेरे हृदय में दया ह हम सभी सज्जन ह।

एडगार (श्लषक भाव से) हमारी सज्जनता में कोई बाधा नही है। यह हमारी कल्पना का दोष ह, मि० स्कॅटलबरी।

स्कॅटलबरी वाहियात! मेरी कल्पना तुम्हारी कल्पना से घट कर नही है।

एडगार जसी होनी चाहिए वैसी नही है।

वाइल्डर मैंने पहले ही कहा था।

एडगार तो फिर क्या नही रोका?

वाइल्डर तो क्या बात रह जाती?

[ ऐंथ्वनी की ओर देखता है। ]

एडगार अगर आप और मैं और हम सबने जो कह रहे हैं कि हमारी कल्पना

इतनी अच्छी है—

स्कॅटलबरी (घबड़ाकर) मैंने यह नही कहा।

एडगार (अनसुनी करके) इसकी जड काट दी होती तो यह मामला कब का ठण्डा हो गया होता और यह दुखिया इस तरह एडियाँ रगड-रगड कर न मरती। कौन कह सकता है कि अभी एक दर्जन और औरतें इसी तरह फाके नही कर रही है।

स्कॅटलबरी भाई साहब, खुदा के लिये इस शब्द का इस इस बोड के जल्से में प्रयोग न कीजिए। यह यह भयकर है।

एडगार कोई वजह नही कि मैं इसका प्रयोग न करूँ।

स्कॅटलबरी तो मैं तुम्हारी बातें न सुनूगा मैं कान ही न दूँगा। मुझे दुख होता है।

[ अपने कान बन्द कर लेता है। ]

वेंकलिन हममें से कोई समझौते के विरुद्ध नही है, सिवाय तुम्हारे पिता के।

एडगार मुझे विश्वास है कि अगर हिस्सेदारो को मालूम हो जाय कि

वेंकलिन मेरा खयाल है कि आपको उनकी कल्पना में भी यही दोष मिलेगा। अगर किसी स्त्री का दिल कमजोर है तो क्या इसलिये

एडगार ऐसे उपद्रवो में सभी के दिल कमज़ोर हो जाते ह, यह बच्चा भी जानता है। अगर हमने डकैतो की चाल न चली होती तो इस तरह उसके प्राण न जाते, और यह तबाही न नजर आती जो चारो तरफ फैली हुई है। जिसे जरा-सी भी बुद्धि है, वह समझ सकता ह।

[ अब तक एडगार बोलता है ऐंथ्वनी उसकी तरफ देखता रहता है। वह अब उठना चाहता है लेकिन एडगार को फिर बोलते देखकर रुक जाता है। ]

मैं मजदूरो की, अपनी, या किसी दूसरे की सफाई नही दे रहा हूँ।

वेंकलिन शायद आपको सफाई देनी पडे। अदालत की निष्पक्ष जूरी शायद हमारे ऊपर कुछ भद्दे आक्षेप करे। हमें अपनी आबरू की रक्षा भी तो करनी है।

स्कॅटलबरी (कानों को बन्द किए हुए) अदालत की जूरी! नही, नही, यह वैसा मामला नही है।

एडगार मुझसे अब और कायरता न होगी।

वेंकलिन कायरता कडा शब्द है, मि० एडगार ऐंथ्वनी। अगर यह घटना हो जाने पर हम आदमियो की माँगें पूरी कर दें तो वह अलबत्ता हमारी

नही कहता, लेकिन मैं यह जरूर कहता हूँ कि हमारा सच की ओर से आखें बन्द कर लेना बेजा था। हमने इन आदमियो को नौकर रक्खा है, और इस अपराध से नही बच सकते। मर्दो की तो मुझे ज्यादा परवाह नही ह, लेकिन मैं औरतो को इस तरह मारना नही चाहता। इससे तो यह कही अच्छा है कि मैं बोड से इस्तीफा दे दूँ।

[ **ऐंथ्वनी के सिवा और सब खडे हो जाते हैं। ऐंथ्वनी कुर्सी की बाह् पकडे पुत्र की ओर ताकता हुआ बैठा रहता है।** ]

स्केटलबरी भाई जान, आप जिन शब्दा म अपने भाव प्रकट कर रहे है वह मुझे पसद नही।

वेंकलिन आप हद से आगे बढे जा रहे हैं।

वाइल्डर मेरा भी ऐसा ही विचार ह।

एडगार (आपे से बाहर होकर) इन बाता की ओर से आखें मीच लेने से काम न चलेगा। अगर आप लोग औरतो का खून अपनी गरदन पर लेना चाहते हो तो लें। मैं नही लेना चाहता।

स्केंटलबरी बस-बस भाई जान।

वाइल्डर 'हमारी' गदन कहिए 'मेरी' गदन नही। मैं अपनी गदन पर यह पाप नही लेना चाहता।

एडगार हम लोग बोड में ५ मेम्बर हैं, अगर हम चार इसके विरुद्ध थे तो हमने क्यो इस मामले को इतनी दूर जाने दिया? इसका कारण आप लोग खूब जानते ह। हमें आशा थी कि हम मर्दो को भूखा मार डालेंगे, लेकिन हुआ यह कि हम औरतो की जान लेने लगे।

स्केंटलबरी (उन्मत्त होकर) मैं इसे नही मानता, किसी तरह नही। मेरे हृदय में दया है हम सभी सज्जन हैं।

एडगार (श्लेषक भाव से) हमारी सज्जनता में कोई बाधा नही ह। यह हमारी कल्पना का दोष है मि० स्केंटलबरी।

स्केंटलबरी वाहियात! मेरी कल्पना तुम्हारी कल्पना स घट कर नही ह।

एडगार जसी होनी चाहिए वैसी नही हैं।

वाइल्डर मैंने पहले ही कहा था।

एडगार तो फिर क्यों नही रोका?

वाइल्डर ता क्या बात रह जाता?

[ **ऐंथ्वनी की ओर देखता है।** ]

एडगार अगर आप और मैं और हम सबने जो कह रहे हैं कि हमारी कल्पना

इतनी अच्छी है—

स्कॅंटलबरी (घबड़ाकर) मैंने यह नही कहा ।

एडगार (अनसुनी करके) इसकी जड काट दी होती तो यह मामला कब का ठण्डा हो गया होता और यह दुखिया इस तरह एड़ियाँ रगड-रगड कर न मरती । कौन कह सकता है कि अभी एक दजन और औरतें इसी तरह फाके नही कर रही है ।

स्कॅंटलबरी भाई साहब, खुदा के लिये इस शब्द का इस इस बोड के जल्से में प्रयोग न कीजिए । यह यह भयकर है ।

एडगार कोई वजह नही कि मैं इसका प्रयोग न करूँ ।

स्कॅंटलबरी तो मैं तुम्हारी बातें न सुनूगा मैं कान ही न दूँगा । मुझे दुख होता ह ।

[ अपने कान बन्द कर लेता है । ]

वेंकलिन हममें से कोई समझौते के विरुद्ध नही है, सिवाय तुम्हारे पिता के ।

एडगार मुझे विश्वास है कि अगर हिस्सेदारो को मालूम हो जाय कि

वेंकलिन मेरा खयाल है कि आपको उनकी कल्पना में भी यही दोष मिलेगा । अगर किसी स्त्री का दिल कमजोर है तो क्या इसलिये

एडगार ऐसे उपद्रवो में सभी के दिल कमज़ोर हो जाते है, यह बच्चा भी जानता है । अगर हमने डकैता की चाल न चली होती तो इस तरह उसके प्राण न जाते, और यह तबाही न नजर आती जो चारो तरफ फली हुई है । जिसे जरा-सी भी बुद्धि है, वह समझ सकता है ।

[ अब तक एडगार बोलता है ऐंथ्वनी उसकी तरफ देखता रहता है । वह अब उठना चाहता है लेकिन एडगार को फिर बोलते देखकर रुक जाता है । ]

मैं मजदूरो की, अपनी, या किसी दूसरे की सफाई नही दे रहा हूँ ।

वेंकलिन शायद आपको सफाई देनी पडे । अदालत की निष्पक्ष जूरी शायद हमारे ऊपर कुछ भद्दे आक्षेप करे । हमें अपनी आबरू की रक्षा भी तो करनी है ।

स्कॅंटलबरी (कानों को बन्द किए हुए) अदालत की जूरी ! नही, नही, यह वैसा मामला नही है ।

एडगार मुझसे अब और कायरता न हागी ।

वेंकलिन कायरता कडा शब्द है, मि० एडगार ऐंथ्वनी । अगर यह घटना हो जाने पर हम आदमियो की माँगें पूरी कर दें तो वह अलबत्ता हमारी

कायरता-सी मालूम होगी। हमें बहुत सावधान रहना चाहिए।

वाइल्डर बेशक। हमें अफवाहों के सिवा, इस मामले की कोई खबर नहीं है। सबसे सुगम उपाय यह है कि सारी बात मि० हार्निस पर छोड़ दें कि वह हमारी तरफ से तय कर दें। यह सीधा रास्ता है, और उसी पर हमें आ जाना चाहिए था।

स्कैंटलबरी (गर्व से) ठीक!

[ एडगार की तरफ फिरकर ]

और आपके विषय में मैं इतना ही कहता हूँ कि जिन शब्दों में आपने इस मामले को बयान किया है, वह मुझे बिलकुल पसन्द नहीं है। आपको उन शब्दों को वापस लेना चाहिए। आप हमारी राय को जानते हुए भी यहाँ फाके और कायरता की चर्चा करते हैं। आपके बाप के सिवा हम सब लोगों की यह राय है कि मेल ही सबसे अच्छी नीति है। आपका कथन बिलकुल अनुचित और अविचार से भरा हुआ है। और मैं इसके सिवा और कुछ न कहूँगा कि मुझे इससे कष्ट हुआ है—

[ वह अपना हाथ अपने प्रस्ताव-पत्र के बीच में रखता है। ]

एडगार (दुराग्रह से) मैं एक शब्द भी वापस न लूंगा।

[ वह कुछ और कहने जा रहा है लेकिन स्कैंटलबरी फिर कानों पर हाथ रख लेता है। सहसा टैंच याददाश्त के रजिस्टर को उठाकर घुमाने लगता है। फिर सबको यह ज्ञान हो जाता है कि हम कोई अस्वाभाविक काम कर रहे हैं और सब एक एक करके बैठ जाते हैं। केवल एडगार खड़ा रहता है। ]

वाइल्डर (इस भाव से मानो कोई आक्षेप मिटाने की चेष्टा कर रहा है) मैं मिस्टर एडगार ऐंथ्वनी की बातों की परवाह नहीं करता। पुलिस की जूरी। यह विचार ही लचर है। मैं प्रधान जी के प्रस्ताव में यह संशोधन करना चाहता हूँ कि यह झगड़ा तुरन्त फैसले के लिए मिस्टर साइमन हार्निस के सुपुर्द कर दिया जाय। उन्हीं शर्तों पर जो आज उन्होंने बतलाई थीं। कोई समर्थन करता है?

[ टैंच रजिस्टर में लिखता है। ]

वैंकलिन मैं समर्थन करता हूँ।

वाइल्डर तो मैं प्रधान से निवेदन करूँगा कि वह इसे बोर्ड के सामने रक्खे।

ऐंथ्वनी (लम्बी साँस लेकर धीरे धीरे) हमारे ऊपर चोटें की गई हैं।

[ वाइल्डर और स्कॅटलबरी की ओर व्यंग भरे हुए तिरस्कार से देखकर । ]

मैं इसे अपनी गदन पर लेता हूँ । मेरी अवस्था ७६ वर्ष की है। बत्तीस साल हुए इस कम्पनी का जन्म हुआ था । उसके जन्म ही से मैं इसका प्रधान हूँ । मैंने इसके अच्छे दिन भी देखे और बुरे दिन भी । इसके साथ मेरा सम्बन्ध उस साल शुरू हुआ जब यह युवक पैदा हुआ था ।

[ एडगार सिर झुकाता है ऐंथनी अपनी कुर्सी को पकडकर फिर कहना शुरू करता है । ]

मैं ५० साल से मजदूरो के साथ व्यवहार कर रहा हूँ । मैंने हमेशा उन्हें ठोकर मारी है । खुद कभी ठोकर नही खाई । मैं इस कम्पनी के मजदूरा से चार बार भिड चुका हूँ और चारो ही बार मैंने उन्हें नीचा दिखाया है । लोग कहते है मुझमें पहला-सा दम दावा नही है ।

[ वाइल्डर को ओर ताकता है । ]

कुछ भी हो, मुझमे अब भी अपनी तोपा के पास डटे रहने की हिम्मत है ।

[ उसका स्वर और ऊँचा हो जाता है, दुहरे दरवाजे खुलते हैं और एनिड आती है । अंडरवुड उसको रोकता हुआ पीछे-पीछे आता है । ]

मजदूरो के साथ हमने न्याय का व्यवहार किया ह । उनको ठीक मजदूरी दी गई है । हम हमेशा उनकी शिकायतें सुनने के लिए तयार रहे ह । कहा जाता है कि जमाना बदल गया, जमाना बदल गया हो, लेकिन मैं नही बदला । और न बदलूगा । कहा जाता है कि स्वामी और सेवक बराबर ह । लचर बात है । एक घर में केवल एक स्वामी हो सकता है । जहाँ दो आदमी होगे तो उनमें जो अधिक योग्य हागा उसी की चलेगी । कहा जाता ह कि पूजी और श्रम के स्वाथ में काई अन्तर नही है । लचर बात ! उनके स्वार्थों में ध्रुवो का अन्तर है । कहा जाता है कि बोड कल का सिफ एक पुर्जा है । लचर बात । हमी कल हैं । हमी इसका मस्तिष्क है और इसकी नसें है । यह हमारा काम है कि इसको चलायें और बिना किसी डर या रियायत के इसका निश्चय करें कि हमें क्या करना है । मजदूरो से डरें । हिस्से-दारो से डरें । अपने ही साया से डर । इसके पहिले मैं मर जाना

चाहता हूँ।

[ यह दम लेता है और अपने पुत्र से आँखें मिलाकर फिर कहता है। ]

मजदूरों के साथ निबटारा करने का सिर्फ एक रास्ता है और वह है दमन। आजकल की अधकचरी बातों और अधकचरे व्यवहारों ही ने हमें इस दशा में डाल दिया है। दया और नर्मी, जिसे यह युवक अपनी समाज-नीति कहता है, इसकी जड़ है। यह नहीं हो सकता कि तुम चने भी चबाओ और शहनाई भी बजाओ। यह अधकचरी भावुकता, इसे चाहे साम्यवाद कहो कुछ और कोरी गप है। स्वामी स्वामी है, और सेवक सेवक है। तुम उनकी एक बात मानो और वह छः और मांगेंगे।

[ रुखाई से मुसकुराकर ]

वे ओलियर ट्विस्ट[1] की भाँति कभी सतुष्ट नहीं होते। अगर मैं उनकी जगह पर होता तो मैं भी वैसा ही करता। लेकिन मैं उनकी जगह पर नहीं हूँ। मेरी बातों को गिरह बाँध लो। अगर तुम उनसे यहाँ दबे, वहाँ दबे, तो एक दिन तुम्हें मालूम होगा कि तुम्हारे पैरों के नीचे ज़मीन खिसक गई है, और तुम दिवालिएपन के दल-दल में फँस गए हो। और तुम्हारे साथ वह लोग भी दलदल में डूब रहे होंगे जिनके सामने तुमने घुटने टेके हैं। मुझ पर यह इल्जाम लगाया जाता है कि मैं स्वेच्छाचारी शासक हूँ, जिसे अपनी टेक के सिवा और किसी बात की चिंता नहीं है—लेकिन मैं इस देश का भविष्य सोचता हूँ जिस पर अव्यवस्था की काली बाढ़ का संकट आने वाला है। जिस पर जन शासन का संकट आने वाला है, और न जाने कौन कौन से संकट आने वाले हैं। अगर मैं अपने आचरण से इस विपत्ति को अपने देश पर लाऊँ तो मैं अपने भाइयों को मुँह न दिखा सकूँगा।

[ ऐंथ्वनी सामने की ओर शून्य में ताकता है और पूरा सन्नाटा छाया हुआ है। फ्रास्ट बड़े कमरे से आता है और ऐंथ्वनी के सिवा और सब लोग उसकी ओर चिंतित हो होकर ताकते हैं। ]

फ्रास्ट (ऐंथ्वनी से) हुज़ूर, मजदूर लोग यहाँ आ गए।

[ ऐंथ्वनी उसे चले जाने का इशारा करता है ]

क्या उन लोगों को यहाँ लाऊँ?

---

१ चार्ल्स डिकेंस के एक उपन्यास का पात्र

ऐंथ्वनी ठहरो।

[ फ्रास्ट चला जाता है ऐंथ्वनी घूमकर अपने पुत्र की ओर ताकता है। ]

अब मैं उस आक्षेप पर आता हूँ जो मेरे ऊपर किया गया है।

[ एडगार घृणा का सकेत करता है और सिर कुछ झुकाकर चुपचाप खड़ा रहता है। ]

एक औरत मर गई है। मुझसे कहा जाता ह कि उसका खून मेरी गदन पर ह। मुझसे कहा जाता है कि और भी कितनी ही औरतो बच्चो का भूखा मरने और एड़ियाँ रगडने का अपराध भी मेरी गदन पर है।

एडगार मैंने हमारी गदन पर कहा था।

ऐंथ्वनी एक ही बात ह।

[ उसका स्वर ऊँचा होता जाता है। और मनोद्वेग उत्तरोत्तर बढता जाता है। ]

मुझे यह नई बात मालूम हुई कि अगर मेरा द्वन्द्वी एक सच्ची लडाई में, जिसका कारण मैं नही हूँ, नीचा देखे ता यह मेरा दोष है। अगर मैं कुश्ती खा जाऊँ, और यह सम्भव ह, तो मैं शिकायत न करूँगा। यह मेरा जिम्मा होगा। और यह उसका ह। मैं चाहूँ भी तो इन मज़दूरा का उनकी स्त्रिया और बच्चा से अलग नही कर सकता। सच्ची लडाई सच्ची लडाई है। उन्हें चाहिए कि लडाई छेडने के पहले उसका नतीजा सोच लिया करें।

एडगार (धीमे स्वर में) लेकिन क्या यह सच्ची लडाई है पिता जी ? उनको देखिए और हमको देखिए। उनके पास केवल यही एक हथियार है।

ऐंथ्वनी (कठोरता से) और तुम इतने निर्लज्ज हो कि उन्हें यह हथियार चलाना सिखाते हो। आजकल यह रिवाज सा चल पडा है कि लोग अपने शत्रुओं का पक्ष लेते ह। मैंने अभी वह कला नही सीखी है। यह मेरा दोष है कि उन्होंने अपनी पचायत से भी लडाई ठान ली ?

एडगार दया भी तो कोई चीज ह।

ऐंथ्वनी और न्याय का पद उससे भी ऊँचा है।

एडगार मगर एक आदमी के लिए जो न्याय है, वह दूसरे के लिए अन्याय है।

ऐंथ्वनी (अपने उद्गार को दबाकर) तुम मुझ पर अन्याय का दोष लगाते हो जिसमें पशुता है निदयता ह—

[ एडगार घृणासूचक सकेत करता है । सब के सब डर जाते हैं । ]

वेकलिन ठहरिए, ठहरिए, प्रधान जी ।

ऐंथ्वनी (कठोर स्वर में) यह मेरे ही पुत्र के शब्द है । यह उस युग के शब्द है, जिसे मैं नही समझता । यह दुबल सतानो के शब्द ह ।

[ सब लोग भुनभुनाने लगते हैं । ऐंथ्वनी प्रबल प्रयत्न से अपने ऊपर काबू पाता है । ]

एडगार (धीरे से) ये बातें मैंने अपने विषय में भी तो कही थी, दादा ।

[ दोनों एक दूसरे की ओर देर तक ताकते हैं । और ऐंथ्वनी अपना हाथ एक ऐसे सकेत से फैलाता है मानो उन व्यक्तियों को हटा देना चाहता हो । तब अपने माथे पर हाथ रख लेता है और इस तरह हिलता है मानो उसे चक्कर आ गया हो । लोग उसकी तरफ बढते हैं लेकिन वह उन्हें पीछे हटा देता है ]

ऐंथ्वनी इसके पहिले कि मैं इस सशोधित प्रस्ताव को बोर्ड के सामने रक्खू, मैं एक शब्द और कहना चाहता हूँ ।

[ वह एक एक के चेहरे की ओर देखता है । ]

अगर आप उसे स्वीकार करते हैं तो उसका यह आशय होगा कि हमने जो कुछ करने की ठानी थी वह हम पूरा न कर सकेंगे । इसका यह आशय ह कि पूजी के साथ हमारा जो कर्त्तव्य है उसे हम पूरा न कर सकेंगे, इसका यह आशय ह कि हमेशा ऐसे ही हमले होते रहेंगे और हमको हमेशा दबना पडेगा । धोखे म न आइए । यदि अब की बार आप मैदान छोडकर भागे तो फिर आपके कदम कभी नही जमेंगे । आपको कुत्तो की तरह अपने ही आदमियो के कोडो के सामने भागना पडेगा । अगर आपको यही मजूर ह तो आप इस सशोधन को स्वीकार करें ।

[ वह फिर एक एक के चेहरे को ओर देखता है । और अन्त में एडगार की तरफ आखें जमा देता है । सब आँखें जमीन की ओर किए बैठे हैं । ऐंथ्वनी सकेत करता है और टैंच उसके हाथ में कार्यवाही का रजिस्टर देता है । वह पढता है । ]

मि० वाइल्डर ने प्रस्ताव किया और मिस्टर वेंकलिन ने उसका समर्थन किया । 'मजदूरो की माँगें तुरत मिस्टर साइमन हार्निस के हाथो में द दी जायें कि आज सुबह उन्हाने जो शर्तें बताई थी उनके अनुसार

मामले को तय कर दें।"

[ यकायक ज़ोर से ]

जो लोग पक्ष में हैं हाथ उठावें।

[ एक मिनट तक कोई नहीं हिलता। तब ज्यों ही ऐंथ्वनी फिर बोलना चाहता है वाइल्डर और वेंकलिन जल्दी से हाथ उठा देते हैं। तब स्केंटलबरी और सबसे पीछे एडगार हाथ उठाते हैं। एडगार अब भी सिर नहीं उठाता। ]

जो लोग इसके विपक्ष में हो ?

[ ऐंथ्वनी अपना ही हाथ उठा देता है। ]

[ स्पष्ट स्वर में ]

संशोधन स्वीकार हो गया। मैं बोर्ड से इस्तीफा देता हूँ।

[ एनिड लम्बी सांस लेती है और सन्नाटा छा जाता है। ऐंथ्वनी स्थिर बैठा हुआ है। उसका सिर धीरे-धीरे झुक रहा है। यकायक वह सांस लेता है मानो उसका सारा जीवन उसके भीतर उमड़ पड़ा हो। ]

पचास साल। सज्जनो आपने मेरे मुंह में कालिख लगा दी। मज़दूरों को लाओ।

[ वह सामने ताकता हुआ स्थिर बैठा रहता है। सभासद गए जल्दी से एकत्र हो जाते हैं। टेंच सहमी हुई आवाज से बड़े कमरे में आवाज देता है। अण्डरवुड ज़बरदस्ती एनिड को कमरे से खींच ले जाता है। ]

वाइल्डर (घबराकर) उनसे क्या कहना होगा ? अभी तक हार्निस क्यों नहीं आया ? क्या उसके आने के पहिले हमें आदमियों से मिलना चाहिए ? मैं नहीं—

टेंच आप लोग अन्दर आ जायें।

[ टामस, ग्रीन, बल्जिन और राउस अन्दर आते हैं और छोटी मेज़ के सामने एक कतार में खड़े हो जाते हैं। टेंच बैठ जाता है और लिखता है। सब आँखें ऐंथ्वनी की ओर लगी हुई हैं जो बिलकुल शान्त हैं। ]

वेंकलिन (छोटी मेज़ के पास आकर सशंक मैत्री के साथ) देखो टामस, अब क्या करना है ? तुम्हारी सभा ने क्या तय किया ?

राउस सिम हार्निस के पास हमारा जवाब है। वह आप से बतलायेंगे। हम

उनकी राह देख रहे हैं। वह हमारी तरफ से जवाब देंगे।

वेंकलिन यही बात है, टामस ?

टामस (रुखाई से) जी हा ! राबर्ट न आयेंगे। उनकी बीबी मर गई है।

स्कॅटलबरी हा, हा, हम सुन चुके। गरीब औरत !

फ्रास्ट (बड़े कमरे से आकर) मिस्टर हार्निस आए हु।

[ हार्निस के आने पर वह चला जाता है। ]

[ हार्निस के हाथ में कागज का एक टुकड़ा है। वह डाइरेक्टरों को सलाम करता है, मजदूरों की तरफ देखकर सिर हिलाता है और कमरे के बीच में छोटी मेज के पीछे खड़ा हो जाता है। ]

हार्निस सज्जनो !

[ सब को सलाम करता है। ]

[ टॅच उस कागज को लिए जिस पर वह लिख रहा है, आ जाता है और सब धीमे स्वरों में बातें करने लगते हैं। ]

वाइल्डर हम तुम्हारी राह देख रहे थे, हार्निस। आशा ह, कि हम कुछ तय

फ्रास्ट (बड़े कमरे से आकर) राबर्ट आए है।

[ वह चला जाता है। ]

[ राबर्ट जल्दी से अन्दर आता है और ऍन्थनी की ओर ताकता हुआ खड़ा हो जाता है। उसका चेहरा उदास और मुर्झाया हुआ है। ]

राबर्ट मिस्टर ऍन्थनी, मुझ खेद है कि मुझे जरा देर हो गई। मैं ठीक वक्त पर यहाँ आ जाता लेकिन एक बात हो गई इसलिए न आ सका।

[ मजदूरों से ]

कोई बातचीत हुई ?

टामस नही ! लेकिन तुम क्या आए, भले आदमी ?

राबर्ट आप लोगो ने आज हमें अपनी अवस्था पर फिर विचार करने के लिए आदेश दिया था। हमने उस पर विचार कर लिया ह। हम यहाँ मजदूरों का जवाब देने के लिए आए हैं।

[ ऍन्थनी से ]

आप लदन जायें, आप से हमें कुछ नही कहना है। हम अपनी शर्तों में जौ भर भी कमी न करेंगे। और न हम काम पर आयेंगे जब तक हमारी सब शर्तें न मान ली जायेंगी।

[ ऍंथ्वनी उसकी ओर ताकता है, लेकिन बोलता नहीं। मजदूरों में हलचल होती है जैसे सब घबरा गए हों। ]

हार्निस राबर्ट !

राबर्ट (उसकी ओर क्रोध से देखकर फिर ऍंथ्वनी से) अब तो आप साफ-साफ समझ गए। क्या यह साफ और सीधा जवाब नहीं है। आपका यह सोचना गलत था कि हम घुटने टेक देंगे। आप देह पर विजय पा सकते हैं लेकिन आत्मा पर विजय नहीं पा सकते। आप लंदन लौट जायें, आदमियों को आप से कुछ नहीं कहना है।

[ दुविधे से जरा रुककर वह स्थिर ऍंथ्वनी की ओर एक क़दम बढ़ता है। ]

एडगार राबर्ट, हम सब तुम्हारे लिए दुखी हैं। लेकिन

राबर्ट महाशय, अपना दुख आप अपने पास रक्खें। मगर अपने बाप को बोलने दीजिए।

हार्निस (कागज का टुकड़ा हाथ में लिए हुए छोटी मेज के पीछे से बोलता है) राबर्ट ! राबर्ट !!

[ ऍंथ्वनी से, आवेश के साथ ]

आप क्यों नहीं जवाब देते ?

हार्निस राबर्ट !

राबर्ट (तेजी से मुड़कर) क्या बात है ?

हार्निस (गम्भीरता से) तुम बिना प्रमाण के बातें कर रहे हो। तुम्हारे हाथ में अब फ़ैसला नहीं रहा।

[ वह टेंच को इशारा करता है। टेंच डाइरेक्टरों को इशारा करता है। वे उसके शर्तनामे पर हस्ताक्षर कर देते हैं। ]

इस कागज को देखो।

[ कागज को ऊपर उठाकर ]

इंजीनियरों और भट्ठीवालों की शर्तों के सिवा और सब शर्तें मंजूर की गई। शनीचर के दिन समय के ऊपर काम करने के लिए दूनी मजदूरी। रात की टोलियाँ बदस्तूर। यह शर्तें मंजूर कर ली गई हैं। मजदूर लोग कल से काम करने जायेंगे। हड़ताल समाप्त हो गई।

राबर्ट (कागज को पढ़कर आदमियों पर बिगड़ता है। वे उसके पास से हट जाते हैं। केवल राउस अपनी जगह पर खड़ा रहता है। भीषण

शान्ति के साथ) तुम लोगो ने मुझे दगा दी। तुम्हारे लिये मैंने मौत की परवाह न की। तुम मुझे चरका देने के लिए इसी अवसर का इतजार कर रहे थे।

[ मजदूर लोग एक साथ जवाब देते हैं। ]

राउस यह झूठ है।

टामस कहा तक तुम्हारा साथ देते ?

ग्रीन अगर तुमने मेरी बात मानी होती।

वल्जिन (दबी जबान से) जबान बन्द करो।

रावट तुम इसी अवसर का इतजार कर रहे थे।

हार्निस (डाइरेक्टरों का शतनामा लेकर और उसे टेंच को देकर) बस मामला तय हो गया। मित्रो, अब तुम लोग जा सकते हो।

[ मजदूर लोग धीरे धीरे चले जाते हैं। ]

वाइल्डर (नीची और उखडी हुई आवाज में) अब तो यहा हमारे ठहरने की जरूरत नही मालूम होती।

[ दरवाजे तक जाता है। ]

मैं उस गाडी के लिए अब भी कोशिश करूँगा। तुम आते हो, स्कैंटलबरी ?

स्कैंटलबरी (वेंकलिन के साथ उसके पीछे जाता हुआ) हाँ-हा, जरा ठहरो।

[ रावट को बोलते हुए सुनकर वह ठहर जाता है। ]

रावट (एँथ्वनी से) लेकिन आपने तो उन शर्तों पर दसखत ही नही किया। वह लोग अपने प्रधान के बिना कोई शत नही कर सकते। आप उन शर्तों पर कभी दसखत न कीजियेगा।

[ एँथ्वनी चुपचाप उसकी ओर ताकता है ]

खुदा के लिए! यह न कहिए कि आपने दसखत कर दिया।

[ आवेशमय करुणा से ]

मुझे इसका विश्वास था।

हार्निस (डाइरेक्टरों का शतनामा दिखाकर) वोड ने हस्ताक्षर कर दिया।

[ रावट हस्ताक्षरों को अदिली के साथ देखता है, उसके हाथ से कागज छीन लेता है और अपनी आँखें बन्द कर लेता है। ]

स्कैंटलबरी (हाथ की आड करके टेंच से) प्रधान जी का खबर रखना। उनकी तबियत अच्छी नही है। उन्होने आज भोजन भी नही किया। अगर स्त्रिया और बच्चों के लिए कोई फण्ड खोला जाय तो मेरी तरफ से

२० पाउड लिख देना ।

[ वह अपनो भारी देह को सँभालता हुआ जल्दी से बडे कमरे में चला जाता है और वेंकलिन, जो राबट और ऐंथ्वनी को चेहरा मरोड-मरोडकर देख रहा है, पीछे-पीछे जाता है। एडगार सोफा पर बैठा हुआ जमीन की तरफ ताक्ता रहता है। टेंच दफ्तर में लौट कर कार्यवाही का रजिस्टर लिखता है। हार्निस छोटी मेज के पास खडा राबट को गम्भीर भाव से देखता रहता है। ]

रावर्ट तो अब आप इस कम्पनी के प्रधान नही ह ।

[ पागलो की तरह हँसकर ]

हा हा हा ! उन सबा ने आपको निकाल बाहर किया। अपने प्रधान को भी निकाल बाहर किया - हा - हा हा !

[ भीषण धैय के साथ ]

तो हम दानो निकाल दिए गए, मिस्टर ऐंथ्वनी ।

[ एनिड दुहरे दरवाजे से लपकी हुई अपने बाप के पास आती है और उसके पास भुक जाती है। ]

हार्निस (राबट के पास आकर और उसकी आस्तीन पकड कर) तुम्हें शम नही आती, रावट ? चुपके से घर जाओ, भले आदमी, घर जाओ।

रावर्ट (हाथ छुडाकर) घर !

[ दानों साथ साथ जाते हैं ]

एनिड (धीमी आवाज में अपने बाप से) दादा, अपने कमरे में आइए, अपने कमरे में आइए।

[ ऐंथ्वनी जोर लगाकर उठता है। वह राबट की तरफ फिरता है जो उसकी तरफ ताक रहा है। दोनों कई सेकेण्ड तक एक दूसरे को टकटकी लगाए देखते रहते हैं। ऐंथ्वनी हाथ उठाता है जैसे सलाम करना चाहता हो। लेकिन हाथ गिर पडता है। राबट के मुख पर शत्रु भाव की जगह आश्चय अंकित हो जाता है। दोनों अपने सिर सम्मान के भाव से भुका लेते हैं। ऐंथ्वनी धीरे धीरे अपने पर्देदार दरवाजे की तरफ जाता है। एकाएक वह लडखडाता है जैसे गिरने गिरने हो रहा हो। फिर सँभल जाता है। एनिड और एडगार जो कमरे में से दौड कर आये हैं उसको सहारा देते हैं। राबट कई सेकेण्ड तक ऐंथ्वनी को ध्यान से देखता हुआ खडा रहता है, तब बडे कमरे में चला जाता है। ]

टेंच (हार्निस के पास आकर) मेरे सिर से एक बड़ा बोझ उतर गया, मिस्टर हार्निस। लेकिन कितना दर्दनाक माजरा था।

[ माथे से पसीना पोंछता है। ]

[ हार्निस जो शान्त और दृढ़ है, टेंच की ओर देखकर मुसकुराता है। ]

कितनी झाव झाँव हुई। उसका यह कहने से क्या मतलब था कि हम दोनों निकाल दिए गए? माना उस बेचारे की बीबी मर गई, लेकिन उसे प्रधान से इस तरह न बोलना चाहिए था।

हार्निस एक औरत तो मर ही गई उस पर हमारे दोनों रत्नों को नीचा देखना पड़ा।

[ यकायक अन्डरवुड आता है। ]

टेंच (हार्निस की ओर देखकर यकायक उद्विग्न होकर) आपने देखा यह तो वही शर्तें हैं जो आपने और मैंने लिखी थी और हड़ताल शुरू होने से पहिले दोनों पक्षों को दिखाई थी। फिर यह झगड़ा किस लिए हुआ?

हार्निस (धीमे स्वर में) यही तो दिल्लगी है।

[ अन्डरवुड दरवाज़े ही पर खड़ा-खड़ा हा का संकेत करता है। ]

[ पर्दा गिरता है। ]

• • •